THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 112 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) श्रावण कृ.8 2082 शुक्रवार, 18 जुलाई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

एनआईए ने दो और आरोपियों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने असम के स्वतंत्रता दिवस (2023) पर कई जगहों पर धमाके की साजिश से जुड़े मामले में दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह साजिश प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन उल्फा (आई) की तरफ से रची गई थी। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी, भगर्ब गोगोई और सुमु गोगोई, असम के डिब्रूगढ़ जिले के रहने वाले हैं। एनआईए अधिकारियों के मुताबिक, ये दोनों स्वतंत्रता दिवस के मौके पर गुवाहाटी में एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाने की साजिश में सीधे तौर पर शामिल थे। एनआईए ने इन्हें 15 जुलाई को डिब्रूगढ़ से गिरफ्तार किया। इनके साथ अब तक इस मामले में कुल तीन लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ आरोप-पत्र दाखिल

ईडी की चार्जशीट में कई और नाम

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और व्यवसायी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में आरोप पत्र दायर कर दिया है। इसमें कई अन्य व्यक्तियों और कंपनियों के नाम भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबिक, ईडी ने शिकोहपुर भूमि सौदा मामले में रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एक पूरक अभियोजन शिकायत दायर की है।

मामला सितंबर 2018 का है, जब सोनिया गांधी के दामाद रॉबर्ट वाड्रा, हरियाणा के तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, रियल एस्टेट कंपनी डीएलएफ और एक प्रॉपर्टी डीलर के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। एफआईआर में भ्रष्टाचार, जालसाजी और धोखाधड़ी सहित अन्य आरोप लगाए गए हैं।

रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े इस मामले का खुलासा कैसे हुआ :

राबर्ट वाड्रा से जुड़े इस मामले में हुई कथित गड़बड़ी का खुलासा आईएएस अशोक खेमका ने किया था। इसके बाद वे सुर्खियों में आ गए थे। बीते एक दशक से रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ लगे आरापों का इस्तेमाल विपक्षी पार्टियों ने अलग-अलग चुनावों में कांग्रेस पर आरोप साधने के लिए किया है। दिसंबर 2023 में ईडी ने इस मामले में यूएई स्थित व्यवसायी सीसी थंपी और ब्रिटेन के हथियार डीलर संजय भंडारी के रिश्तेदार सुमित चड्ढा के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट में वाड्रा और उनकी पत्नी प्रियंका गांधी का नाम आरोपी के तौर पर नहीं है, लेकिन उनकी भूमि खरीद-बिक्री का विवरण शामिल है।

ईडी ने कहा था कि वाड्रा से कथित तौर पर जुड़े थंपी ने 2005 से 2008 के बीच दिल्ली-एनसीआर स्थित रियल एस्टेट एजेंट एचएल पाहवा के जरिए हरियाणा के फरीदाबाद के अमीरपुर गांव में लगभग 486 एकड़ जमीन खरीदी थी।

आरोपपत्र के अनुसार रॉबर्ट वाड्रा ने 2005-2006 में एचएल पाहवा से अमीरपुर में 334 कनाल (40.08 एकड़) जमीन के तीन टुकड़े खरीदे और दिसंबर 2010 में उसी जमीन को एचएल पाहवा को बेच दिया।

ईडी के अनुसार रॉबर्ट वाड्रा की पत्नी प्रियंका गांधी वाड्रा ने भी अप्रैल 2006 में एचएल पाहवा से हरियाणा के फरीदाबाद जिले के अमीरपुर गांव में 40 कनाल (05 एकड़) कृषि भूमि खरीदी और फरवरी 2010 में उसी जमीन को एचएल पाहवा को बेच दिया।

ट्रम्प बोले-हमारे सामानों पर भारत टैक्स नहीं लगाएगा

> लेटर भेजूंगा और इंडोनेशिया जैसा समझौता हो जाएगा

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ट्रेड डील को लेकर बड़ा दावा किया है। ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिकी उत्पादों को जल्द भारत के बाजारों में पहुंच मिलने वाली है।

उन्होंने दावा किया है कि इंडोनेशिया फॉर्मूले वाली डील भारत के साथ भी होगी। अमेरिकी उत्पादों पर भारत में भी जीरो टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने मंगलवार को इंडोनेशिया पर 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। 1 अगस्त से इंडोनेशिया से अमेरिका जाने वाले सामानों पर 19 प्रतिशत टैरिफ चुकाना होगा। वहीं, अमेरिकी सामानों पर इंडोनेशिया में कोई टैरिफ नहीं देना होगा। ट्रम्प ने कहा- हमने कई बेहतरीन देशों के साथ समझौते किए हैं। हमारा एक और समझौता होने वाला है, शायद भारत के साथ। मुझे नहीं पता, हम बातचीत कर रहे हैं। जब मैं लेटर भेजूंगा, तो वो समझौता हो जाएगा।

ट्रम्प ने मंगलवार को कहा था कि अमेरिका ने इंडोनेशिया के साथ एक व्यापार समझौता किया है, जिसमें 32 प्रतिशत टैरिफ घटाकर 19 प्रतिशत कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि भारत और कुछ अन्य देशों के साथ भी ऐसा ही समझौता हो सकता है। ट्रम्प का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका ने तय किया है कि 1 अगस्त से अधिकतर आयातों पर शुल्क बढ़ा दिए जाएंगे। इसका मतलब यह है कि जो देश अमेरिका के साथ जल्दी समझौता नहीं करेंगे, उनके सामानों पर अमेरिका ज्यादा टैक्स लगाएगा। ट्रम्प ने 2 अप्रैल को 100 से ज्यादा देशों पर टैरिफ लगाया था। तब उन्होंने भारत पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया था। हालांकि, बाद में उन्होंने इसे 90 दिनों के लिए टाल दिया।

भारत 10 प्रतिशत से कम टैरिफ चाहता है :

अमेरिका के साथ हो रही ट्रेड डील में कुछ परेशानियां हैं जिन्हें सुलझाने के लिए भारतीय वाणिज्य मंत्रालय की एक टीम अमेरिका पहुंची है। यह बातचीत सोमवार से शुरू हुई थी और गुरुवार तक चलने की उम्मीद है।

एसआईआर : चुनाव आयोग के जांच में खुलासा

बिहार में 5.76 लाख से ज़्यादा मतदाता कई जगहों पर पंजीकृत

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर एक अहम आंकड़ा सामने आया है। चुनाव आयोग (ईसी) ने अब तक पाया है कि बिहार में 5.76 लाख से ज्यादा मतदाता कई जगहों पर पंजीकृत हैं और 12.55 लाख से ज़्यादा मतदाताओं की मृत्यु हो चुकी है।

राज्य की मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जारी रहने के साथ, आधिकारिक आंकड़े यह भी बताते हैं कि लगभग 7.90 करोड़ मतदाताओं में से बूथ स्तर के अधिकारियों द्वारा घर-घर जाकर किए गए सर्वेक्षण के दौरान 35.69 लाख से अधिक मतदाता अपने पते पर नहीं पाए गए।

चुनाव आयोग की ओर से दिए गए आंकड़ों के अनुसार, 17.37 लाख से ज़्यादा मतदाता संभवतः स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गए हैं। चुनाव आयोग ने रेखांकित किया कि आने वाले दिनों में ये आंकड़े बदलेंगे। 14 जुलाई को चुनाव आयोग ने कहा था कि बिहार के कुल 7.89 करोड़ मतदाताओं में से 6.60 करोड़ से ज़्यादा यानी 83.66 प्रतिशत मतदाताओं के नाम 1 अगस्त को प्रकाशित होने वाली मतदाता सूची के मसौदे में शामिल किए जाएंगे। इस सूची में वे सभी मतदाता शामिल होंगे जिनके फॉर्म समय सीमा तक प्राप्त हो गए हैं।

अखबारों में विज्ञापनों और राज्य से अस्थायी रूप से बाहर गए मतदाताओं से सीधे संपर्क के जरिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे समय पर अपने गणना फॉर्म (ईएफ) भर सकें और उनके नाम भी मसौदा मतदाता सूची में शामिल हो सकें।

'क्या इलेक्शन चोरी ब्रांच बनकर रह गया चुनाव आयोग?'

> मतदाता सूची के पुनरीक्षण को लेकर राहुल गांधी हमलावर

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर चुनाव आयोग पर सीधा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया है कि बिहार में वोटरों की लिस्ट में 'स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन' यानी मतदाता सूची के पुनरीक्षण के नाम पर वोटों की चोरी की जा रही है।

राहुल ने पूछा है कि क्या चुनाव आयोग अब भारतीय जनता पार्टी की 'इलेक्शन चोरी ब्रांच' बन चुका है? राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि बिहार में 'एसआईआर' के नाम पर चुनाव आयोग वोट की चोरी करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया है। काम सिर्फ चोरी, नाम एसआईआर और जो इसे उजागर करे, उस पर दर्ज हो रही है एफआईआर। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग अब चुनाव आयोग ही रह गया है या भाजपा की 'इलेक्शन चोरी ब्रांच' बन चुका है?

चुनाव आयोग ने पहले ही दी थी सफाई :

चुनाव आयोग ने इस मुद्दे पर पहले ही सफाई दी थी। आयोग का कहना है कि बिहार में 22 साल बाद यह विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) हो रहा है, जिसका उद्देश्य फर्जी नामों, मृतकों और दोहराए गए मतदाताओं को हटाना है। साथ ही नए योग्य मतदाताओं को जोड़ने का काम किया जा रहा है। चुनाव आयोग का दावा है कि यह प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और कानूनी दायरे में हो रही है। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले इस तरह की प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल खड़े किए हैं।

काचीगुड़ा से भगत की कोठी (जोधपुर) तक नई सीधी दैनिक ट्रेन सेवा को मंजूरी

राजस्थानी के विभिन्न संघों ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के रेल, सूचना एवं प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव को हैदराबाद स्थित राजस्थानी समुदाय के विभिन्न संघों, जैसे हैदराबाद किराना व्यापारी संघ, माहेश्वरी समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद, कुमावत समाज तेलंगाना, तेलंगाना-आंध्र प्रदेश माहेश्वरी सभा, अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा और हैदराबाद- सिकंदराबाद (जिला) माहेश्वरी सभा आदि के सदस्यों से दिल्ली में ज्ञापन प्राप्त हुए। मंत्री से बात करते हुए, सदस्यों ने हैदराबाद से राजस्थान के लिए एक नई सीधी दैनिक रेल सेवा शुरू करने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि एक दैनिक सेवा राजस्थानी समुदाय के एक बड़े समूह के लिए अधिक उपयोगी होगी जो रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा और अन्य उद्देश्यों के लिए हैदराबाद में बस गए हैं और एक अधिक सुविधाजनक, किफायती यात्रा विकल्प प्रदान करेगी। मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संबंधित क्षेत्रीय रेलवे (मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, उत्तर पश्चिम रेलवे और पश्चिम रेलवे) के अधिकारियों को नांदेड़, अकोला, खंडवा, भोपाल, उज्जैन, रतलाम, अजमेर मार्ग से वैकल्पिक मार्ग पर हैदराबाद से जोधपुर के लिए एक दैनिक ट्रेन सेवा चलाने की व्यवहार्यता पर तुरत काम करने के निर्देश दिए। चूंकि मौजूदा द्वि-साप्ताहिक, साप्ताहिक और पासिंग-थ्रू ट्रेनें भीड़भाड़ वाले अहमदाबाद मार्ग पर चल रही हैं, इस पर अश्विनी वैष्णव ने काचीगुड़ा से भगत की कोठी (जोधपुर) तक एक नई सीधी दैनिक ट्रेन सेवा चलाने के अनुरोध को मंजूरी दे दी।

'अमेरिकी नागरिक बच्चे को गोद नहीं ले सकते भारतीय, चाहे रिश्तेदार का ही क्यों न हो'

बॉम्बे हाईकोर्ट का फैसला

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बॉम्बे हाईकोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि भारतीय नागरिक का यह कोई मौलिक अधिकार नहीं है कि वह किसी रिश्तेदार के अमेरिकी नागरिक बच्चे को गोद ले सके। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि जब कोई बच्चा देखभाल और संरक्षण की आवश्यकता में नहीं है या कानून के उल्लंघन से जुड़ा नहीं है, तब ऐसे बच्चे को भारतीय कानून के तहत गोद नहीं लिया जा सकता।

यह फैसला न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की खंडपीठ ने सुनाया। एक भारतीय दंपत्ति ने अपने रिश्तेदार के बेटे को गोद लेने की याचिका दायर की थी। बच्चा जन्म से अमेरिका का नागरिक है। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी और कहा कि यह मामला भारतीय कानून की सीमाओं से बाहर है। कोर्ट ने कहा कि जिस बच्चे को गोद लेने की कोशिश की जा रही है, वह भारत के जुवेनाइल जस्टिस एक्ट के तहत देखभाल और संरक्षण की जरूरत वाले बच्चे या कानून से टकराव में आए बच्चे की श्रेणी में नहीं आता। इसलिए भारतीय गोद लेने के नियमों और कानूनों के अंतर्गत ऐसा दत्तक ग्रहण वैध नहीं माना जा सकता। कोर्ट ने साफ कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट और एडॉप्शन रेगुलेशन्स में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है जो किसी विदेशी नागरिक, चाहे वह रिश्तेदार ही क्यों न हो, को भारत में गोद लेने की अनुमति देता हो। जब तक वह बच्चा विशेष श्रेणियों में नहीं आता। इसलिए कोर्ट ने अपने "असाधारण अधिकार" का प्रयोग करते हुए भी दत्तक ग्रहण को मंजूरी देने से इनकार कर दिया। इस मामले में केंद्रीय दत्तक ग्रहण संसाधन प्राधिकरण ने पहले ही इस दंपति को 'संभावित गोद लेने वाले माता-पिता' के तौर पर पंजीकृत करने से इनकार कर दिया था।

देवेंद्र फडणवीस से मिले उद्धव ठाकरे

दोनों के बीच 20 मिनट तक चली बैठक

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र का सियासी पारा एक बार फिर गर्म है। वजह है, उद्धव ठाकरे और देवेंद्र फडणवीस के बीच गुरुवार शाम को हुई मुलाकात। न्यूज एजेंसी ने गुरुवार शाम जानकारी दी कि शिवसेना यूबीटी के नेता उद्धव ठाकरे ने राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। यह मुलाकात विधान परिषद के सभापति राम शिंदे के दफ्तर में हुई। जानकारी दी है कि फडणवीस और उद्धव ठाकरे के बीच करीब बीस मिनट तक मीटिंग चली।

बाद में शिवसेना यूबीटी की तरफ से जानकारी दी गई कि एमएलसी चेयरमैन ऑफिस में सीएम देवेंद्र फडणवीस के साथ उद्धव ठाकरे की मुलाकात का मकसद उन्हें महाराष्ट्र में तीसरी भाषा के विचार और हिंदी थोपे जाने का विरोध करने वाले समाचार लेखों का एक संग्रह देना था। कभी बीजेपी का सच्चा सहयोगी माने जाने वाले ठाकरे परिवार साल 2019 के विधानसभा चुनाव परिणाम एनडीए से दूर हो गया। 2019 का विधानसभा चुनाव बीजेपी और शिवसेना एक साथ लड़े थे लेकिन चुनाव परिणाम के बाद सीएम पद को लेकर दोनों के बीच मतभेद गहरा गए और फिर ठाकरे परिवार एनसीपी- कांग्रेस के साथ चला गया।

इन तीनों पार्टियों ने महाराष्ट्र की राजनीति में महा विकास अघाड़ी का गठन कर सरकार बनाई। बीजेपी और ठाकरे परिवार के बीच खराब हुए रिश्ते तब और बिगड़ गए, जब एकनाथ शिंदे ने ठाकरे परिवार से बगावत कर शिवसेना पर कब्जा कर लिया और बीजेपी संग सरकार बना ली। इसके बाद साल 2024 की शुरूआत में बीजेपी-शिवसेना शिंदे गुट और एनसीपी अजित गुट ने साथ मिलकर चुनाव लड़ा और जीता। इस चुनाव के बाद देवेंद्र फडणवीस एक बार फिर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बने।

पांच वर्षों में 134 भगोड़ों को देश वापस लाया गया

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बीते पांच वर्षों में सीबीआई 134 भगोड़ों को देश में वापस लाने में कामयाब रही है। यह संख्या 2010 से 2019 के बीच पूरे दशक के दौरान विदेश से देश में लाए गए भगोड़ों की दोगुनी है। अधिकारियों ने बताया कि इनमें से 23 भगोड़ों को अकेले इसी वर्ष यानी 2025 में वापस लाया गया। उन्होंने यह भी बताया कि इसके किए सीबीआई ने इंटरपोल के साथ-साथ राज्य और केंद्रीय प्रवर्तन एजेंसियों के साथ घनिष्ठ समन्वय बनाया। जिसके परिणामस्वरूप 2020 से इन 134 भगोड़ों का प्रत्यर्पण या निर्वासन सुनिश्चित करने में सफलता मिली। वहीं, 2010 से 2019 के बीच के दशक के दौरान यह संख्या केवल 74 थी। उस एक दशक में केवल भगोड़ों को वापस लाया गया। अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई को ये सफलता यूंही नहीं मिल गई है। इसमें नयी तकनीक और कूटनीतिक प्रयासों का भी खासा योगदान रहा है।

नाना पटोले बोले-72 से ज्यादा ऑफिसर हनीट्रैप में फंसे

> पेन ड्राइव में सारे सबूत > कार्रवाई नहीं की तो सार्वजनिक करेंगे

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष नाना पटोले ने गुरुवार को आरोप लगाया कि प्रदेश में सामने आए हनीट्रैप कांड में राज्य के मंत्री, सीनियर आईएएस और आईपीएस ऑफिसर शामिल हैं। सरकार जो आंकड़ा बता रही है, वह 72 पर नहीं रुकता। असल में यह कहीं ज्यादा है। पटोले ने कहा- मेरे पास पेन ड्राइव में सारे सबूत हैं। हम किसी का निजी चरित्र हनन नहीं करना चाहते, इसी वजह से अब तक इसे पब्लिक नहीं किया है। सरकार ने कार्रवाई नहीं की तो विपक्ष इसे जनता के सामने लाने को मजबूर होगा। इससे पहले एक रिपोर्ट में बुधवार को दावा किया गया था कि महाराष्ट्र के कई सीनियर अधिकारियों ने एक महिला पर हनीट्रैप में फंसाकर वसूली का आरोप लगाया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक हाल ही में ठाणे के दो सीनियर पुलिस अफसरों ने शिकायत दर्ज कराई कि एक महिला ने बलात्कार का आरोप लगाने की धमकी देकर उनसे 40-40 लाख रुपये की मांग की थी।

विपक्ष का विधानसभा से वॉकआउट :

मामले में सरकार पर कार्रवाई न करने का आरोप लगाकर विपक्षी दलों ने विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। कांग्रेस नेता नाना पटोले ने बुधवार को मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार से मामले में कार्रवाई करके सदन को जवाब देने के लिए कहा था। पटोले ने गुरुवार को दोबारा यह मामला उठाया। इस पर स्पीकर ने शुक्रवार को सत्र खत्म होने से पहले कार्रवाई करके सदन को जानकारी देने के लिए कहा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। वहीं, विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार संवेदनशील विषय पर ढीलापन दिखा रही है।

'आरोप-प्रत्यारोप का खेल नहीं, कार्रवाई करेंगे'

बेंगलूरू, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के मंत्री दिनेश गुंडू राव ने गुरुवार को साफ किया कि बेंगलूरू के चिन्नास्वामी स्टेडियम में हुई भगदड़ के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी और 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। यह टिप्पणी 4 जून को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू की ओर से इंडियन प्रीमियर लीग के 18वें संस्करण में अपना पहला खिताब जीतने के जश्न के दौरान हुई भगदड़ पर कर्नाटक सरकार की ओर से स्थिति रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद की गई।

कर्नाटक के मंत्री ने कहा, यह कोई दोष मढ़ने का खेल नहीं है। अगर स्थिति को संभालने में कोई लापरवाही हुई है, तो हम कार्रवाई करेंगे। चूंकि इतने सारे लोग मारे गए हैं, इसलिए किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले हमें रिपोर्ट का इंतजार करना होगा।

सीबीएसई ही नहीं, सभी बोर्ड कराएंगे साल में 2 बार परीक्षा?

बदल जाएगा एग्जाम और मार्किंग पैटर्न

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। देश के शिक्षा बोर्डों के सिलेबस और रिजल्ट में अंतर को कम करने के लिए एजुकेशन मिनिस्ट्री ने बड़ी पहल की है। एनसीईआरटी, सीबीएसई सहित शिक्षा बोर्ड्स के अधिकारियों की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। सीबीएसई की तरह दूसरे बोर्ड भी एक साल में 2 बार बोर्ड परीक्षा के लिए योजना बनाने को कहा गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय बीते कई सालों के देश के 66 शिक्षा बोर्डों के रिजल्ट का विश्लेषण कर रहा है, जिसमें कई बोर्ड के रिजल्ट में काफी अंतर मिल रहा है। विश्लेषण में यह भी सामने आया है कि बोर्डों के करिकुलम में भी समानता नहीं होने से रिजल्ट में अंतर बढ़ जाता है। इसी मसले पर चर्चा करते हुए मंत्रालय ने देश के शिक्षा बोर्ड, सीबीएसई, एनसीईआरटी, मंत्रालय के सीनियर अधिकारियों की बैठक की और कई अहम मुद्दों पर फैसले भी लिए गए। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग में सचिव संजय कुमार का कहना है कि एनसीईआरटी के संगठन परख ने राष्ट्रीय सर्वेक्षण 2024 किया है, जिसके निष्कर्षों को सभी बोर्ड को देखना चाहिए। स्कूल बोर्डों में पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में समानता लानी होगी और इसके लिए एक रणनीतिक रोडमैप पर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि जिस तरह से सीबीएसई ने 2026 से दसवीं क्लास में एक वर्ष में दो बार बोर्ड परीक्षा का फैसला किया है, उसी तरह की योजना पर दूसरे बोर्ड भी काम करें, इससे छात्रों को फायदा होगा। शिक्षा सचिव ने कहा कि सभी शिक्षा बोर्ड को नेशनल काउंसिल फॉर वोकेशनल एजुकेशन एंड ट्रेनिंग (एनसीवीईटी) में रजिस्टर्ड करवाया जा रहा है ताकि छात्रों को स्किल कोर्सेज का विकल्प चुनने का मौका मिले। यह एक बड़ा कदम है क्योंकि स्किल कोर्सेज को बढ़ावा देने के लिए स्कूल बोर्डों का रजिस्ट्रेशन जरूरी है। रिजल्ट में अंतर क्यों होता है, यह समझना जरूरी है। इसके लिए करिकुलम से लेकर असेसमेंट का पैटर्न भी देखना होता है। शिक्षा मंत्रालय का यही लक्ष्य है कि बोर्ड के करिकुलम और असेसमेंट पैटर्न में जहां तक संभव हो, समानता लाई जाए। इसके बाद छात्रों को बराबरी के मौके मिलेंगे। छात्र मूल्यांकन में निष्पक्षता और स्थिरता सुनिश्चित करने की दिशा में काम करना होगा। सभी स्कूल बोर्ड पारदर्शी रेगुलेशंस और स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन को लेकर न्यूनतम गुणवत्ता बेंचमार्क को पूरा करें। हर बोर्ड के छात्रों को कॉमन प्लेटफॉर्म पर लाने के लिए असेसमेंट के तरीकों में भी समानता जरूरी है।

पुलिस उठाती थी जज के फूल व जिम का खर्च

हाईकोर्ट ने जज को तीस हजारी के सेशन जज कार्यालय में किया अटैच

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की न्यायिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार दीमक की तरह गहरी जड़ें जमा चुका है। हाई कोर्ट के तत्कालीन न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर से नगदी बरामदगी का मामला हो या फिर जमानत दिलाने के नाम रिश्वत लेने का मामला। एक के बाद एक कई मामले सामने आने से न्याय पर सवाल उठ रहे थे, इसी बीच एक और मामला सामने आया है, जिसमें जज पर आरोप है कि वह अपने निजी कार्यों को करने का पुलिस पर दबाव बनाते थे। हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार संबंधी शिकायत पर साकेत कोर्ट के प्रथम श्रेणी न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट को तत्काल प्रभाव से तीस हजारी कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट व सेशन जज कार्यालय में अटैच कर दिया है। जज पर यह भी आरोप है कि निजामुद्दीन थाना पुलिस जज के जिम और महीने में आने वाले फूलों के खर्च का भुगतान करती थी।

यह भी आरोप है कि थाना एसएचओ से जज ने बदतमीजी की और पुलिस ने इसकी शिकायत दिल्ली हाई कोर्ट से की। इस पर हाई कोर्ट रजिस्ट्रार जनरल ने जज को साकेत कोर्ट के प्रिंसिपल डिस्ट्रिक्ट व सेशन जज कार्यालय में अटैच करने का आदेश जारी किया।

होम लोन सब्सिडी का झांसा देकर 18 लाख की साइबर ठगी, आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

सीहोर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। होम लोन सब्सिडी दिलाने का झांसा देकर बिलकिसगंज निवासी एक ग्रामीण से करीब 18 लाख रुपये की साइबर ठगी करने वाले आरोपी को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से 17.90 लाख रुपये नकद, कई मोबाइल फोन, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड और एक लैपटॉप बरामद किया है। आरोपी खुद को सरकारी अधिकारी बताकर पीड़ित से बैंक खातों में रुपये ट्रांसफर कराता था। पुलिस के अनुसार, फरवरी 2025 में बिलकिसगंज निवासी ओमप्रकाश तिवारी पिता मदनलाल के पास एक कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को सरकारी अधिकारी बताया और कहा कि उसे 2.67 लाख रुपये की होम लोन सब्सिडी दी जाएगी। इसके लिए एक्सिस बैंक में खाता खुलवाने और कुछ दस्तावेज भेजने को कहा गया। ओमप्रकाश ने आधार कार्ड, पैन कार्ड और पासबुक की कॉपी व्हाट्सएप पर भेज दी। ओमप्रकाश ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 31 मार्च 2025 को एचडीएफसी बैंक की सीहोर शाखा से लोन लिया था, जो उनके एसबीआई खाते में जमा हुआ था। इसके बाद कॉलर ने उनसे कहा कि लोन की राशि एक्सिस बैंक खाते में डालनी होगी। इस पर ओमप्रकाश ने 2 अप्रैल 2025 को अपने एसबीआई बैंक, बिलकिसगंज शाखा से आरटीजीएस के माध्यम से रकम ट्रांसफर कर दी। इस तरह विभिन्न तारीखों में कुल 17 लाख 97 हजार 449 रुपये आरोपी के बताए खातों में ट्रांसफर कर दिए गए। जब उन्हें ठगी का अहसास हुआ तो उन्होंने थाना बिलकिसगंज में रिपोर्ट दर्ज कराई।

बंगलुरु में 15 जगहों पर ईडी की रेड

इस मामले में हुआ एक्शन, ऐसे लोगों के साथ हुआ था धोखा

बंगलुरु, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी ने कर्नाटक में बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने बेंगलुरु के 15 लोकेशन पर छापेमारी की । यह रेड एन। श्रीनिवास मूर्ति के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग की जांच में की जा रही है। इस मामले में ईसीआईआर दर्ज की गई है।

यह ईसीआईआर एन. श्रीनिवास मूर्ति और उनके परिवार के सदस्यों व करीबी सहयोगियों के खिलाफ बेंगलुरु के कई पुलिस थानों में दर्ज एफआईआर के आधार पर की गई। दरअसल मूर्ति ने सुषरुति सौहार्द सहकारी बैंक की शुरुआत की थी।

वह इस बैंक के चेयरमैन हैं। उनकी पत्नी धरनी देवी इस बैंक की डायरेक्टर हैं और उनकी बेटी मोक्षतारा फंक्शनल डायरेक्टर हैं। उनके ऊपर आरोप है कि उन्होंने अपने ग्राहको को उनकी राशि पर

ब्याज देना बंद कर दिया।

एन श्रीनिवास मूर्ति के खिलाफ की गई एफआईआर में आरोप है कि उनके द्वारा शुरू की गई बैंक ने ग्राहकों को उनकी फिक्स्ड डिपॉजिट और सेविंग अकाउंट पर ब्याज देना बंद कर दिया। जब लोगों ने इस बात से आपत्ति जताई और बैंक जाकर पूछताछ की कि ब्याज क्यों नहीं मिल रहा, तो बैंक कर्मचारियों ने सर्वर की समस्या बताकर टाल दिया। आरोप है कि चेयरमैन, डायरेक्टर्स और बैंक के कुछ कर्मचारी मिलीभगत करके ग्राहकों की जमा की गई राशि को हड़प गए। श्रीनिवास मूर्ति ने लोगों को ज्यादा ब्याज का लालच देकर बैंक में एफडी और टर्म डिपॉजिट खोलने को कहा। लोगों ने अपने और अपने परिवार के नाम पर बैंक में पैसा जमा कराया। बाद में उन्होंने श्रुति सौहार्द क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसायटी शुरू की, जिसमें उनके रिश्तेदार बी।वी। सतीश (बहनोई) अध्यक्ष और दीपक जी (भतीजा) उपाध्यक्ष बने। शुरुआत में लोगों को ब्याज मिला, लेकिन 2021-22 के बाद न ब्याज मिला, न एफडी बंद करने दिया गया। कई लोगों को इसी तरह धोखा दिया गया।

मूर्ति ने अलग-अलग वित्तीय संस्थाएं बनाई, जैसे श्री लक्ष्मी महिला को-ऑपरेटिव सोसायटी (जिसका संचालन उनकी दूसरी पत्नी करती है) और वहां भी लोगों से पैसे जमा कराकर ठगा। उन्होंने अपने, अपने परिवार और दोस्तों के नाम पर कई संपत्तियां खरीदीं। बैंक की हर जरूरी कमेटी (लोन, निवेश, ऑडिट आदि) के चेयरमैन खुद थे, जिससे बैंक की रकम का मनचाहा उपयोग कर सके। उन्होंने अपने करीबी लोगों को बिना किसी गारंटी के लोन दिए, जिनमें से ज्यादातर रकम बैंक को वापस नहीं मिली।

लोन की रकम अक्सर कैश में निकाली गई या घुमा-फिराकर मूर्ति, उनके परिवार या उनके व्यापारिक संस्थानों के अकाउंट्स में डाली गई। मूर्ति ने अपने परिवार, रिश्तेदारों और करीबियों के बैंक खातों के जरिए रकम को इधर-उधर घुमाया, जिससे असली स्रोत छुपाया जा सके। यह मनी लॉन्ड्रिंग का क्लासिक तरीका है, जिसमें काले धन को वैध दिखाने के लिए बैंक खातों और संपत्तियों का इस्तेमाल किया गया।

पुरी भगदड़ मामले में 147 लोगों ने दर्ज कराए बयान

भुवनेश्वर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पुरी में बीते महीने भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा के दौरान हुई भगदड़ के मामले में जांच समिति ने 147 लोगों के बयान दर्ज किए हैं। भगदड़ की घटना में तीन लोगों की मौत हुई थी और 50 के करीब लोग घायल हुए थे। प्रशासनिक जांच समिति का नेतृत्व विकास आयुक्त कम अतिरिक्त मुख्य सचिव अनु गर्ग कर रही हैं। बुधवार को 42 लोगों ने अपने बयान दर्ज कराए। गवाहों के बयान भुवनेश्वर में स्पेशल सर्किट हाउस में दर्ज किए गए।

बुधवार को जिन लोगों के बयान दर्ज किए गए, उनमें इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में तैनात पुलिसकर्मी और स्टाफ कर्मचारी शामिल रहे। जांच समिति को 30 जुलाई को जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपनी है। जांच अधिकारी अनु गर्ग ने कहा कि 'हमने विभिन्न हितधारकों के बयान दर्ज किए हैं, जो भुवनेश्वर और पुरी में चार अलग-अलग समय पर दर्ज किए गए।' भुवनेश्वर में हुई पिछली सुनवाई में जांच समिति ने 17 लोगों को बयान दर्ज किए थे।

पुरी में भगदड़ की घटना 29 जून को श्री गुंडिचा मंदिर के बाहर हुई थी। भगवान जगन्नाथ और भाई-बहनों के रथ गुंडिचा मंदिर से वापस जगन्नाथ मंदिर जाने के लिए श्री गुंडिचा मंदिर के बाहर थे, तभी वहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे भगदड़ मच गई। भगदड़ के बाद पुरी के तत्कालीन जिलाधिकारी और एसपी को निलंबित कर दिया गया था। घटना के अगले ही दिन जांच शुरू हो गई थी।

पत्नी ने जबरन करवाया धर्मांतरण

मुस्लिम रीति-रिवाजों से की शादी और फिर दी रेप की धमकी

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कर्नाटक के गडग जिले से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां एक शख्स ने अपनी पत्नी पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और धमकाने का आरोप लगाया है। विशाल कुमार गोकावी नाम के शख्स ने कहा कि वह तीन सालों तक तहसीन होसोमानी नाम की युवती के साथ रिलेशनशीप में था और नवंबर 2024 में दोनों ने कोर्ट मैरिज की थी।

विशाल ने आरोप लगाते हुए कहा कि कोर्ट मैरीज के बाद तहसीन ने उस पर मुस्लिम रीति-रिवाजों से दोबारा शादी करने का दबाव बनाया। हालांकि, रिश्ते में शांति बनी रहने का सोचकर विशाल ने हामी भरी दी और इसी साल अप्रैल के महीने में दोनों ने मुस्लिम रीति-रिवाजों के साथ शादी की। विशाल का आरोप है कि मुस्लिम रीति से शादी के समय उसका नाम बदल दिया गया और उसे जानकारी दिए बिना और उसकी मर्जी के बिना उसे एक मौलवी ने इस्लाम कबूल करवा दिया।

इस शादी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल भी हुआ है, जिसमें वह तहसीन के साथ मुस्लिम रीति-रिवाजों के साथ शादी करता दिख रहा है। इसके बाद विशाल के परिवार ने 5 जून को हिन्दू रीति-रिवाजों के साथ शादी करने की तैयारी की थी। शुरुआत में तहसीन शादी के लिए सहमत थी, लेकिन बाद में अपने परिवार वालों के दबाव का कारण उसे इनकार कर दिया। विशाल ने यह भी आरोप लगाया कि तहसीन और उसकी मां बेगम बानू ने उस पर नमाज पढ़ने और जमात में शामिल होने का दबाव बनाया था।

इतना ही नहीं, शख्स का आरोप है क तहसीन ने उसे धमकाया भी था कि अगर वह इस्लाम कबूल नहीं करता है, तो वह रेप केस दर्ज करा देगी। अब इस पूरे मामले की जांच कर रही पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 (धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का इरादा) और धारा 302 (धार्मिक सुरक्षा से जुड़ा प्रावधान) के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

नासिक में कार-बाईक में हुई भीषण टक्कर; सात लोगों की मौत

नासिक, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के नासिक जिले में एक कार और मोटरसाइकिल की टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि यह घटना बुधवार देर रात डिंडोरी कस्बे के पास हुई। उन्होंने बताया कि पुलिस को रात 11.57 बजे वाणी-डिंडोरी रोड पर एक नर्सरी के पास हुई इस घटना की सूचना मिली थी। इसके बाद आनन-फानन में पुलिस और अन्य एजेंसियां मौके पर पहुंचीं। उन्होंने कहा कि जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो दोनों वाहन सड़क किनारे एक नहर में गिरे मिले थे। जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया।

धमकाकर जमीन बेचने के लिए मजबूर किया

सुप्रीम कोर्ट ने खारिज की अग्रिम जमानत याचिका

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। एक व्यक्ति को बंदूक के दम पर डराकर उसे जमीन बेचने के लिए मजबूर करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने आरोपियों की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने याचिकाकर्ताओं ललित मोहन राय और ललित राय की याचिका खारिज करते हुए याचिकाकर्ताओं के वकील से कहा कि आपके मुवक्किल गुंडे लग रहे हैं। दरअसल याचिकाकर्ताओं ने साल 2023 में 60 खाता जमीन को धोखाधड़ी से खरीदा और जमीन के मालिक को बंदूक के दम पर डराकर उसके हस्ताक्षर कराए गए। इस मामले में 26 नवंबर 2023 को पटना के गांधी मैदान पुलिस थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

आरोपियों ने इसके खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की और अग्रिम जमानत देने की अपील की। हालांकि उच्च न्यायालय ने अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दोनों आरोपी सुप्रीम कोर्ट गए, लेकिन अब वहां से भी उन्हें निराशा हाथ लगी है।

छात्रा के आत्मदाह मामले को लेकर ओडिशा बंद

रेल से लेकर सड़क यातायात तक प्रभावित

बालासोर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ओडिशा में गुरुवार को सामान्य जनजीवन आंशिक रूप से प्रभावित रहा। दरअसल, विपक्षी कांग्रेस और सात अन्य राजनीतिक दलों ने कथित यौन उत्पीड़न की घटना में न्याय न मिलने पर खुद को आग लगाने वाली एक कॉलेज छात्रा की मौत के विरोध में पूरे राज्य में 12 घंटे का बंद बुलाया। भुवनेश्वर, कटक और राज्य के अन्य हिस्सों में सड़कें सुनसान रहीं। विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं की ओर से सुबह 6 बजे से ही बंद के समर्थन में प्रदर्शन शुरू करने की वजह से जटनी, पुरी और भद्रक स्टेशनों जैसे कुछ स्थानों पर ट्रेन सेवाएं प्रभावित हुईं। बाजार, स्कूल और व्यावसायिक भी प्रतिष्ठान बंद रहे। प्रदर्शनकारियों ने राज्य की राजधानी में कई मुख्य सड़कों पर जाम लगा दिया। भाजपा सरकार के खिलाफ नारे लगाए और बालासोर में मृत कॉलेज छात्रा के लिए न्याय की मांग की। कांग्रेस, भाकपा, माकपा, माकपा (माले), फॉरवर्ड ब्लॉक, राजद, सपा और राकांपा के नेता बंद को लागू करने के लिए अपनी पार्टी के झंडे लेकर सड़कों पर उतरे।

कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) के नेता राम चंद्र कदम ने आरोप लगाया, 'हम लोगों से बंद का समर्थन करने का आग्रह कर रहे हैं, क्योंकि ओडिशा में भाजपा की सरकार बनने के बाद से महिलाओं की सुरक्षा नहीं रही है। राज्य में हर दिन लगभग 15 महिलाओं और लड़कियों के साथ दुष्कर्म होता है और सरकार ऐसी घटनाओं को रोकने में पूरी तरह विफल रही है।' हालांकि, एम्बुलेंस, चिकित्सा सुविधाओं, दवा की दुकानों और दूध पार्लरों जैसी आवश्यक सेवाओं को बंद के दायरे से बाहर रखा गया है। विपक्षी दलों ने पहले ही बाजारों, परिवहन, शैक्षणिक संस्थानों, कार्यालयों और बैंकों के अधिकारियों से बंद के आह्वान का समर्थन करने का अनुरोध किया था। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भक्त चरण दास ने कहा, 'राजधानी भुवनेश्वर सहित पूरे राज्य में बंद शांतिपूर्ण ढंग चल रहा है। जनता से सहयोग करने का अनुरोध किया गया है।' उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों पर धरना प्रदर्शन जारी हैं।

'आप बार-बार होटल क्यों गईं

आपका एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था महिला को सुप्रीम कोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)।

सुप्रीम कोर्ट ने एक महिला से शादी का वादा कर उसके साथ यौन संबंध बनाने के आरोप में व्यक्ति की अग्रिम जमानत बरकरार रखी। वहीं, कोर्ट ने महिला को फटकार लगाते हुए कहा कि उसने एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर बनाकर अपराध किया है। अदालत ने महिला को यह भी चेतावनी दी कि शादी के दौरान अपने पति के अलावा किसी अन्य पुरुष के साथ शारीरिक संबंध बनाने पर उस पर मुकदमा चलाया जा सकता है। महिला ने कोर्ट में याचिका दायर की थी कि दुष्कर्म के आरोपी व्यक्ति को जमानत न दी जाए। न्यायमूर्ति एम।एम। सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन। कोटिश्वर सिंह की पीठ ने महिला की याचिका को ठुकराते हुए व्यक्ति की अग्रिम जमानत बरकार रखी।

जब महिला के वकील ने तर्क दिया कि पुरुष ने शादी का झूठा वादा करके महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाना जारी रखा, तो अदालत ने महिला से कहा, आप एक विवाहित महिला हैं और आपके दो बच्चे हैं। आप एक परिपक्व व्यक्ति हैं, और आप उस रिश्ते को समझती हैं जो आप विवाहेतर संबंध बना रही थीं। इसके बाद वकील ने अदालत को बताया कि दोनों ने कई बार होटल में जाकर शारीरिक संबंध बनाए। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने कहा, आप उनके अनुरोध पर बार-बार होटल क्यों गईं? आप अच्छी तरह समझती हैं कि आपने भी एक्स्ट्रामैरिटल अफेयर बनाकर अपराध किया है।

विवाहित महिला और पुरुष की मुलाकात 2016 में सोशल मीडिया के जरिए हुई थी और तब से वे रिलेशनशिप में हैं।

महिला ने आरोप लगाया था कि उसने अपने तत्कालीन साथी के दबाव और जिद में आकर अपने पति से तलाक मांगा था, जिसे इसी साल 6 मार्च को एक पारिवारिक अदालत ने मंज़ूरी दे दी थी। तलाक के कुछ समय बाद महिला ने उस व्यक्ति से शादी के लिए पूछा, लेकिन उसने इनकार कर दिया। इससे नाराज होकर, उसने बिहार पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और उस पर शादी का झूठा वादा करके यौन शोषण करने का आरोप लगाया। कानूनी पेंच शुरू होते ही, पटना उच्च न्यायालय ने उस व्यक्ति को अग्रिम जमानत दे दी।

भूकंप से हिली हरियाणा की धरती, रिक्टर स्केल पर 3.3 तीव्रता दर्ज की गई

रोहतक, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत समेत पूरी दुनिया में भूकंप के झटकों ने लोगों को डरा कर रखा है। बीते कुछ समय से भूकंप की घटनाएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं जिस कारण लोगों को किसी अनहोनी का डर सताते रहता है। इस बीच अब हरियाणा की धरती एक बार फिर से भूकंप के झटके से हिल गई है। गुरुवार की दरमियानी रात हरियाणा के रोहतक में भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। आइए जानते हैं कि कितनी रही इस भूकंप की तीव्रता। नेशनल सेंटर फोर सिस्मोलॉजी की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, हरियाणा के रोहतक में बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात 12 बजकर 46 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। ये भूकंप हल्के स्तर का था। रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.3 दर्ज की गई है।

गोल्डन टेंपल को बम से उड़ाने की धमकी मामले में बड़ा खुलासा

केरल के पूर्व सीएम के नाम पर बनी थी फेक मेल आईडी

अमृतसर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। श्री हरिमंदिर साहिब को बम से उड़ाने की धमकी देने वाले आरोपितों ने केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनायारी विजयन का फेक एड्रेस से बनाई गई थी। जांच में सामने आया कि कल का ई-मेल पिनायरी विजयन से भेजा गया था। चार आरडीएक्स श्री हरिमंदिर साहिब में भेजे गए हैं। ई-मेल में लिखा है कि चार आरडीएक्स और आईईडी का पता लगाया जा सके। हालांकि, बम निरोधक दस्ते पहुंचे और तलाशी ली गई, लेकिन विस्फोटक का कहीं पता नहीं लगा। मेल मे यह भी लिखा है कि चार आईईडी ज्यादा गर्म या ऑक्सीकृत हो गए तो अपने आप में विस्फोट कर सकते है। कृपया पवित्र मंदिर परिसर की दोबारा जांच करे। मंदिर की पाइपों को एक्सरे स्केनर से जांचे। उल्लेखनीय है कि लगातार पांच ई-मेल से धमकियां मिलने के बाद पुलिस प्रशासन, बीएसएफ व टास्क फोर्स ने सुरक्षा का जिम्मा संभालते हुए कई जगह पर चेकिंग की।

क्या इंडिया गठबंधन की बैठक में जाएंगे उद्धव ठाकरे

शिवसेना यूबीटी ने लिया बड़ा फैसला

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। संसद के मानसून सत्र से पहले विपक्षी दल केंद्र सरकार को घेरने की रणनीति बनाने में जुटे हैं। कांग्रेस ने 19 जुलाई को इंडिया गठबंधन की अहम बैठक बुलाई है, जिसकी अगुवाई सोनिया गांधी करेंगी। इस बैठक का उद्देश्य विपक्ष की एकता दिखाना और सरकार के खिलाफ साझा रणनीति बनाना है। इस महत्त्वपूर्ण बैठक में शिवसेना (यूबीटी) के प्रमुख उद्धव ठाकरे भी शामिल होंगे। लोकसभा चुनाव के बाद इंडिया गठबंधन की यह पहली बड़ी बैठक है।

राष्ट्रीय मुद्दों को एकजुट होकर उठाने के लिए इस बैठक को जरूरी मानते हुए उद्धव ठाकरे दिल्ली पहुंचेंगे और कांग्रेस सहित अन्य घटक दलों के नेताओं से मुलाकात करेंगे। कांग्रेस बैठक में सभी विपक्षी दलों को साथ लाने की कोशिश में जुटी है। साझा मुद्दों पर सहमति बनाकर संसद में सरकार से जवाब मांगने की योजना है। हालांकि, दिल्ली चुनाव के बाद कांग्रेस और आप (आम आदमी पार्टी) के बीच बढ़ती दूरी के कारण 'आप' का इस बैठक से दूर रहना तय माना जा रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हो रहा है। उससे पहले विपक्ष सरकार को घेरने के लिए एकजुट होना चाहता है। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस पहले ही सवाल उठा चुकी है और अब मानसून सत्र में भी यह मुद्दा उठने के संकेत हैं। 19 जुलाई को होने वाली इस बैठक में विपक्ष की रणनीति पर चर्चा होगी।

सरकार को जवाबदेह बनाने, राष्ट्रीय सुरक्षा और अन्य ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा होगी। सोनिया गांधी की उपस्थिति विपक्ष में एकजुटता का संदेश देगी।

कांग्रेस चाहती है कि मानसून सत्र से पहले विपक्ष का साझा एजेंडा तय हो ताकि सरकार को संसद में घेरे जाने में आसानी हो। सिर्फ नारेबाजी या प्रदर्शन से कोई फायदा नहीं होगा इसलिए कांग्रेस मुद्दों का चयन सावधानी से कर रही है और संभावित मतभेदों को पहले से ही सुलझाने की कोशिश में लगी है। जिन मुद्दों पर विपक्ष सरकार से जवाब मांगेगा सूत्रों के अनुसार, विपक्ष जिन मुद्दों पर सरकार से जवाब मांगेगा, डोनाल्ड ट्रंप के कथित दावों में प्रधानमंत्री मोदी का जिक्र इसके अलावा, कांग्रेस की संसदीय रणनीति समिति की बैठक में और भी मुद्दे तय किए गए हैं। हालांकि कांग्रेस का कहना है कि वह किसी पर अपनी बात थोपना नहीं चाहती और साथी दलों के सुझावों को शामिल करने को तैयार है।

असम में अतिक्रमणरोधी अभियान के दौरान लोगों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प; एक शख्स की मौत

गोवालपाड़ा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। असम के गोवालपाड़ा जिले के पैकन आरक्षित वन में गुरुवार को उग्र भीड़ और सुरक्षाकर्मियों के बीच हुई झड़प में कम से कम एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों सहित कई अन्य घायल भी बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि वन रक्षकों और पुलिसकर्मियों पर कथित अतिक्रमणकारियों ने लाठियों से हमला किया। अतिक्रमणकारी पैकन आरक्षित वन के एक हिस्से की घेराबंदी करने गए थे। यहां शनिवार को अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया था। अधिकारियों ने बताया कि अतिक्रमण हटाने के दौरान वहां से हटाए गए लोगों ने वन रक्षकों और पुलिसकर्मियों पर पत्थर भी फेंके। उन्होंने कहा, 'वन विभाग भविष्य में अतिक्रमण का कोई प्रयास न हो, यह सुनिश्चित करने के लिए एक नहर खोदना चाहता था।

महाराष्ट्र विधानसभा में 'हनीट्रैप' के मुद्दे पर बवाल

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सामने आए हनी ट्रैप मामलों को लेकर देवेंद्र फडणवीस सरकार पर विपक्ष ने कई आरोप लगाए। विपक्षी दल के नेताओं का आरोप है कि इस मुद्दे पर सरकारी कार्रवाई न कर रही और न ही मामले को गंभीरता से ले रही है। इस बात से नाराज विपक्षी दलों ने आज (गुरुवार, 17 जुलाई) विधानसभा से वॉकआउट कर दिया। हनीट्रैप का यह मुद्दा सबसे पहले कांग्रेस नेता नाना पटोले ने उठाया था। उन्होंने इस गंभीर मामले की जांच और ठोस कार्रवाई की मांग की थी। इस पर विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार को निर्देश दिया था कि इस पर उचित कार्रवाई कर सदन को जवाब दिया जाए।

आज एक बार फिर से नाना पटोले ने यह मामला उठाया। एनसीपी नेता जयंत पाटील और शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक भास्कर जाधव ने भी इसका समर्थन किया। इसके बाद अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने सरकार को स्पष्ट निर्देश दिए कि कल (शुक्रवार, 18 जुलाई) अधिवेशन के समाप्त होने से पहले इस मुद्दे पर कार्रवाई कर सदन को जानकारी दी जाए।

इस पर उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सहमति जताई और कार्रवाई का आश्वासन भी दिया, लेकिन विपक्ष का कहना है कि सरकार इस संवेदनशील विषय को लेकर ढीलापन दिखा रही है और जनता के साथ न्याय नहीं कर रही। इसी नाराजगी के चलते विपक्षी विधायकों ने सदन से वॉकआउट कर दिया।

कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने आरोप लगाया था कि महाराष्ट्र के 72 प्रथम श्रेणी के प्रशासनिक अधिकारी, सिविल सर्विस अधिकारी और पूर्व मंत्री भी हनीट्रैप मामले शामिल हैं। देवेंद्र फडणवीस सराकर में मंत्री योगेश कदम ने नाना पटोले के इन आरोपों को निराधार बताया था और कहा था कि कांग्रेस नेता के पास इसको लेकर कोई सबूत नहीं है। वे केवल मीडिया में चल रही अफवाहों को तथ्य मानते हुए ऐसे आरोप लगा रहे हैं, जिनका कोई आधार नहीं है। योगेश कदम ने यह भी दावा किया था कि विपक्ष ऐसे आरोप केवल सरकार की छवि धूमिल करने के लिए लगा रहा है।

सुविचार: विपत्ति में धैर्य वैभव में दया और संकट में सहनशीलता ही श्रेष्ठ व्यक्ति के लक्षण हैं

सीएम ने केंद्र से सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को मंजूरी देने का अनुरोध किया

> तेलंगाना राज्य के लिए नई रेलवे लाइनें प्रदान करने का अनुरोध

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से तेलंगाना राज्य में सेमीकंडक्टर परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से प्रस्तावित एडवांस्ड सिस्टम इन पैकेज टेक्नोलॉजीज (एएसआईपी) परियोजना और माइक्रो एलईडी डिसप्ले फैब प्रोजेक्ट क्रिस्टल मैट्रिक्स को भी मंजूरी देने का अनुरोध किया क्योंकि तेलंगाना पहले से ही विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, नवाचारों के लिए अनुकूल वातावरण और अत्याधुनिक विश्व स्तरीय अनुसंधान एवं विकास केंद्रों से सुसज्जित है। मुख्यमंत्री ने राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री डी. श्रीधर बाबू और राज्य सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी के साथ गुरुवार को रेल भवन में केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को ईएमसी 2.0 योजना के तहत रंगारेड्डी जिले के मुचेरला में एक उच्च तकनीक वाले इलेक्ट्रॉनिक्स पार्क की स्थापना के लिए तेलंगाना के अनुरोध से अवगत कराया। मुख्यमंत्री ने अश्विनी वैष्णव से क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) के पास एक नया इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण पार्क स्थापित करने का आग्रह किया और केंद्रीय मंत्री ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेलंगाना में रेलवे संपर्क बढ़ाने के लिए नई परियोजनाओं को अनुमति देने का रेल मंत्री से अनुरोध करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद क्षेत्रीय रिंग रोड के समानांतर एक क्षेत्रीय रिंग रेल परियोजना प्रस्तावित है। चूंकि रेलवे बोर्ड ने अंतिम स्थान सर्वेक्षण के लिए पहले ही अनुमति दे दी है, इसलिए मुख्यमंत्री ने 8,000 करोड़ रुपये की क्षेत्रीय रिंग रेल परियोजना को मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को क्षेत्रीय रिंग रेल के लाभों के बारे में जानकारी दी, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच संपर्क बढ़ेगा और हैदराबाद शहर के प्रमुख स्टेशनों पर यातायात की भीड़ कम होगी। क्षेत्रीय रिंग रेल परियोजना ग्रामीण गरीबी को भी कम करेगी और शहरी क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों में सुधार करेगी। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष हैदराबाद ड्राई पोर्ट को मछलीपट्टनम (बंदर) बंदरगाह से जोड़ने वाली रेलवे लाइन की मंजूरी की मांग रखी। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री का ध्यान इस ओर दिलाया कि इस मार्ग से दवाओं, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और खाद्य प्रसंस्करण उत्पादों के निर्यात में मदद मिलेगी। राज्य में कुशल रेल संचालन के लिए काजीपेट रेलवे डिवीजन की स्थापना का केंद्रीय मंत्री से अनुरोध करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रियों को सुरक्षित और तेज़ सेवाएं प्रदान करने के लिए काजीपेट डिवीजन की स्थापना की जानी चाहिए। मुख्यमंत्री ने रेल मंत्री से तेलंगाना के पिछड़े क्षेत्रों के विकास और विभिन्न क्षेत्रों, मुख्यतः औद्योगिक और कृषि निर्यात और आयात, की कनेक्टिविटी के लिए नई रेलवे लाइनों को मंजूरी देने का भी आग्रह किया।

इसके तहत, मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री से विकाराबाद-कृष्णा (122 किमी- अनुमानित लागत 2,677 करोड़ रुपये), कलवाकुर्ती-मचेरला (100 किमी- अनुमानित लागत 2,000 करोड़ रुपये), दोर्नाकल-गदवाला (296 किमी- अनुमानित लागत 6,512 करोड़ रुपये), दोर्नाकल-मिर्यालगुडा (97 किमी- अनुमानित लागत 2,184 करोड़ रुपये) मार्गों को मंजूरी देने और नई परियोजनाओं की पूरी लागत रेलवे द्वारा वहन करने का अनुरोध किया। सांसद पोरिका बलराम नायक, चमाला किरण कुमार रेड्डी, कुंदुरु रघुवीर रेड्डी, रामसहायम रघुराम रेड्डी, सुरेश शेतकर, राज्य उद्योग विभाग के विशेष मुख्य सचिव संजय कुमार, आरएंडबी के विशेष मुख्य सचिव विकास राज, केंद्र सरकार की योजनाओं के समन्वय सचिव डॉ. गौरव उप्पल और अन्य ने भाग लिया।

सचिवालय में बोनालु उत्सव का भव्य आयोजन

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डॉ.बी.आर. अंबेडकर तेलंगाना सचिवालय में बोनालु उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। तेलंगाना सचिवालय कर्मचारी संघ और नल्ला पोचम्मा देवस्थानम मंदिर समिति ने एक भव्य शोभायात्रा, बोनाला प्रसाद और अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया। सचिवालय के कई अधिकारियों और कर्मचारियों ने सचिवालय के पास स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में पूजा-अर्चना की। उत्सव शोभायात्रा सचिवालय परिसर के उत्तरी द्वार से शुरू होकर बाहुबली द्वार और दक्षिणी द्वार से होते हुए पोचम्मा मंदिर तक गई। विभिन्न कला रूपों के कलाकारों ने ढोल वादन और पोताराजू प्रदर्शनों के साथ इस शोभायात्रा में भाग लिया। समारोह में तेलंगाना सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष गिरि श्रीनिवास रेड्डी, उपाध्यक्ष नवीन कुमार, लावण्या लता, महासचिव प्रेम, अतिरिक्त सचिव रामू भुक्या, मंदिर समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास राव और अन्य उपस्थित थे।

ऊर्जा मंथन 2025 में तेलंगाना की चमक : भारत स्वच्छ ऊर्जा के भविष्य के लिए एक आदर्श

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत सरकार के पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने नई दिल्ली स्थित भारत मंडपम में "ऊर्जा मंथन 2025" सम्मेलन का आयोजन किया। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में 22 राज्यों के मंत्रियों ने ऊर्जा सुरक्षा, स्वच्छ ईंधन अपनाने और अंतर-सरकारी सहयोग पर विचार-विमर्श किया।

तेलंगाना सरकार का प्रतिनिधित्व करते हुए, उद्योग एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्रीधर बाबू ने सक्रिय रूप से भाग लिया और प्रभावशाली विचार-विमर्श किया। उन्होंने भारत के स्वच्छ ऊर्जा परिवर्तन को गति देने के लिए केंद्र-राज्य के बीच गहन सहयोग की आवश्यकता पर ज़ोर दिया और स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा नीति 2025 के अंतर्गत तेलंगाना की प्रगतिशील पहलों का प्रदर्शन किया। मंत्री श्रीधर बाबू के प्रमुख प्रस्तावों में शामिल हैं। इनमें शहरी गैस वितरण (सीजीडी) नेटवर्क का विस्तार है। तेलंगाना न केवल हैदराबाद में, बल्कि टियर-2 शहरों में भी स्वच्छ ऊर्जा तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सीजीडी बुनियादी ढांचे के त्वरित क्रियान्वयन का इच्छुक है। बीजीएल में सीएनजी स्टेशनों और निवेश में वृद्धि, मंत्री ने केंद्र से भाग्यनगर गैस लिमिटेड में अधिक निवेश को सुगम बनाने और शहरी तथा अर्ध-शहरी क्षेत्रों में पाइप्ड गैस बुनियादी ढांचे को समर्थन देने के लिए अतिरिक्त सीएनजी स्टेशन स्थापित करने का आग्रह किया। एलएनजी और सीएनजी टर्मिनलों के लिए सह-वित्तपोषण, बढ़ती औद्योगिक और घरेलू ईंधन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, उन्होंने केंद्र और राज्य दोनों सरकारों द्वारा नए एलएनजी और सीएनजी टर्मिनलों के सह-वित्तपोषण का प्रस्ताव रखा। तेलंगाना के कृषि अपशिष्ट का लाभ उठाना, राज्य की प्रचुर कृषि अपशिष्ट क्षमता पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने अप्रयुक्त क्षमता का उपयोग करने के लिए संपीड़ित जैव-गैस (सीबीजी) संयंत्रों में निवेश का प्रस्ताव रखा। कृषि-समृद्ध क्षेत्रों में अपशिष्ट से ऊर्जा और सीबीजी इकाइयों को बढ़ावा देना, उन्होंने कृषि-घने क्षेत्रों में नई सीबीजी इकाइयां स्थापित करने और नवीन अपशिष्ट से ऊर्जा तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। मंत्री ने पूर्व-पश्चिम गैस पाइपलाइन गलियारे के साथ तेलंगाना के रणनीतिक स्थान पर प्रकाश डाला और कम लागत वाले, गैस-आधारित औद्योगीकरण का समर्थन करने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचे और केंद्रीय निवेश का आग्रह किया। तेलंगाना भारत की ऊर्जा सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री ने स्थिर और सतत ऊर्जा विकास के लिए एक राष्ट्रीय मॉडल के रूप में कार्य करने हेतु राज्य की तत्परता दोहराई।

कैदियों की पेशी और अनुरक्षण पर उच्च-स्तरीय समिति की बैठक

> कैदी अनुरक्षण व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। कैदियों की पेशी और अनुरक्षण पर गुरुवार को पुलिस महानिदेशक कार्यालय में एक उच्च-स्तरीय समिति की बैठक हुई। बैठक के दौरान, महेश एम. भागवत, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) ने राज्य भर में कैदी अनुरक्षण व्यवस्था में सुधार के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कैदियों की शत-प्रतिशत पेशी के लिए सभी इकाइयों की व्यक्तिगत रूप से सराहना की।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने निर्देश दिया कि अधिकारी अन्य राज्यों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करें और यह सुनिश्चित करें कि अनुरक्षण अनुरोधों के लिए रेडियो संदेश कम से कम एक सप्ताह पहले भेजे जाएं। इससे बेहतर योजना बनाने और अंतिम समय में आने वाली रसद संबंधी समस्याओं को रोकने में मदद मिलेगी।

विभागों के बीच समन्वय को मजबूत करने के लिए, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने कानून एवं व्यवस्था, केंद्रीय अपराध न्यायालय, कारागार, न्यायालय संपर्क और अन्य संबंधित इकाइयों के अधिकारियों का एक समर्पित व्हाट्सएप समूह बनाने की सलाह दी, ताकि कैदियों की पेशी की तारीखों और समय के साथ-साथ अनुरक्षण व्यवस्था की वास्तविक जानकारी साझा की जा सके। एक या दो इकाइयों में कैदियों को ज़िले से बाहर ले जाने वाले एस्कॉर्ट्स की लगातार कम संख्या पर चिंता व्यक्त करते हुए, एडीजीपी ने अधिकारियों को एस्कॉर्ट सेवाओं में सुधार के लिए समर्पित प्रयास करने के निर्देश दिए, जिससे दक्षता, विश्वसनीयता सुनिश्चित हो और संभावित कमियों को रोका जा सके। अदालतों में कुख्यात अपराधियों को पेश करते समय, एडीजीपी एल एंड ओ ने ज़ोर देकर कहा कि क़ानून-व्यवस्था बनाए रखने और न्यायिक कार्यवाही की पवित्रता बनाए रखने के लिए ज़िम्मेदार और अच्छी तरह से प्रशिक्षित कर्मियों को ज़िम्मेदार प्रभार के साथ एस्कॉर्ट ड्यूटी पर तैनात किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी को याद दिलाया कि एस्कॉर्ट के दौरान कैदियों के भागने की किसी भी घटना में, बीएनएस की धारा 261 और 262/आईपीसी की धारा 224 के तहत मामला दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने ऐसे संवेदनशील मामलों को ठीक से निपटाने के लिए नए नियुक्त अधिकारियों को इन प्रावधानों के बारे में शिक्षित करने के महत्व पर ज़ोर दिया।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि अधिकारियों को कैदियों की पेशी के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए ज़िला न्यायिक मजिस्ट्रेटों के साथ परामर्श करना चाहिए, खासकर गणेश उत्सव और स्थानीय निकाय चुनावों जैसे आगामी सार्वजनिक आयोजनों के मद्देनज़र, जहां कर्मचारियों की संख्या में भारी वृद्धि होगी। एडीजीपी ने निर्देश दिए कि यदि किसी जिले में एस्कॉर्ट ड्यूटी के लिए वाहनों या ड्राइवरों की कमी हो, तो अगली समीक्षा बैठक की प्रतीक्षा किए बिना, मामले को तुरंत वरिष्ठ अधिकारियों के ध्यान में लाया जाए।

बैठक का समापन एडीजीपी, कानून एवं व्यवस्था (एल एंड ओ) के इस कड़े संदेश के साथ हुआ कि कैदियों की सुरक्षा, कानूनी अनुपालन और सम्मान को बनाए रखा जाना चाहिए, साथ ही सभी जिम्मेदार इकाइयों की दक्षता और जवाबदेही सुनिश्चित की जानी चाहिए। रक्षिता के. मूर्ति, आईपीएस, डीसीपी, सीएआर मुख्यालय, रमण कुमार, एआईजी, (एल एंड ओ), डी. श्रीनिवास, डीआईजी, कारागार और कारागार विभाग, एसएआरसीपीएल, सीएआर मुख्यालय और अन्य संबंधित इकाइयों के अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया।

अत्तापुर में टमाटर से लदा ट्रक पलटा

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राजेंद्रनगर के अत्तापुर में गुरुवार को टमाटरों से लदा एक ट्रक पलट गया। किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। पुलिस को शक है कि लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण यह हादसा हुआ। मेहदीपट्टनम से राजेंद्रनगर की ओर जा रहा यह भरा हुआ ट्रक, तेज़ गति के कारण उस समय नियंत्रण खो बैठा जब चालक ने डेयरी फार्म के पास मोड़ लेने की कोशिश की। ट्रक के गिरते ही टमाटरों से भरे कई डिब्बे सड़क पर गिर गए। सूचना मिलने पर अत्तापुर पुलिस मौके पर पहुंची और ट्रक को अर्थमूवर की मदद से सड़क किनारे किया। टमाटर से भरे क्रेटों को सड़क किनारे किया गया। इस घटना के कारण व्यस्त मार्ग पर यातायात जाम हो गया।

निजी कॉलेजों में प्रबंधन कोटे के तहत इंजीनियरिंग में प्रवेश 19 जुलाई से : टीजीसीएचई

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना उच्च शिक्षा परिषद (टीजीसीएचई) ने गुरुवार को शैक्षणिक वर्ष 2025-26 के लिए निजी कॉलेजों में प्रबंधन कोटा (बी-श्रेणी) स्नातक इंजीनियरिंग और फार्मेसी प्रवेश के लिए एक कार्यक्रम और अधिसूचना जारी की। कार्यक्रम के अनुसार, प्रबंधन को 19 जुलाई से प्रमुख समाचार पत्रों में अधिसूचना जारी करनी होगी और उन्हें कॉलेज की वेबसाइट पर प्रदर्शित करना होगा। छात्रों को आवेदन करने के लिए कम से कम नौ कार्यदिवस का समय दिया जाना चाहिए।

कॉलेजों को 10 अगस्त को प्रवेश प्रक्रिया बंद करने और 25 अगस्त तक निर्धारित प्रारूप में प्रवेश सूची प्रस्तुत करने को कहा गया है। अधिसूचना के अनुसार, 30 प्रतिशत प्रबंधन कोटा सीटें मेरिट के क्रम में भरी जानी हैं, जिसमें पहले एनआरआई कोटा का दावा करने वाले छात्र, उसके बाद जेईई मेन रैंक और टीजी ईएपीसीईटी रैंक हासिल करने वाले छात्र शामिल होंगे। इन श्रेणियों में अभ्यर्थियों की अनुपलब्धता के कारण रिक्त रह जाने वाली सीटों को उन अभ्यर्थियों से भरा जाना है, जिन्होंने इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं में कम से कम 45 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हों।

एचसीए के कार्यवाहक अध्यक्ष ने 19 जुलाई को बुलाई वार्षिक आम बैठक

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के कार्यवाहक अध्यक्ष सरदार दलजीत सिंह ने एचसीए के सभी संबद्ध सदस्यों को एक पत्र भेजा है जिसमें कहा गया है कि एचसीए की स्थगित वार्षिक आम बैठक (29 जून, 2025 को आयोजित 87वीं एजीएम के क्रम में) 19 जुलाई को सुबह 10.30 बजे यहां राजीव गांधी स्टेडियम (उप्पल) में आयोजित की जाएगी। नोटिस की प्रति के अनुसार, बैठक का एजेंडा एचसीए ज्ञापन नियम एवं विनियम के नियम 40 के अनुसार लोकपाल की नियुक्ति और एचसीए ज्ञापन नियम एवं विनियम के नियम 39 के अनुसार आचार अधिकारी की नियुक्ति है। दलजीत ने सदस्यों को लिखे पत्र में कहा, स्थगित बैठक वैधानिक अनुपालन और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए आयोजित की जाएगी। सभी सदस्यों से अनुरोध है कि वे बैठक में उपस्थित होने के लिए समय निकालें। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या एचसीए शीर्ष परिषद के अध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष और पूर्व सीईओ सहित कुछ शीर्ष अधिकारियों के खिलाफ चल रही आपराधिक कार्यवाही पर कोई चर्चा होगी और क्या एचसीए संविधान के ढांचे के भीतर उनके स्थान पर स्थायी विकल्प तलाशने की प्रक्रिया शुरू करने के संबंध में कोई बहुमत की राय मांगी जाएगी।

एचसीए घोटाले में उप्पल सीआई चुनाव रेड्डी निलंबित

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (एचसीए) घोटाले में संलिप्त पाए जाने के बाद राज्य सरकार ने उप्पल सीआई चुनाव रेड्डी को निलंबित कर दिया है। सीआईडी ने एचसीए महासचिव देवराजू की गिरफ्तारी की तैयारी कर ली है। देवराजू के साथ मिलकर चुनाव रेड्डी ने सीआईडी की जानकारी पहले ही लीक कर दी थी। चुनाव रेड्डी को सीआईडी की जानकारी पहले ही देवराजू को लीक करने के आरोप में निलंबित कर दिया गया है। दूसरी ओर, तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन (टीसीए) ने एक बार फिर एचसीआई में अनियमितताओं के खिलाफ सीआईडी में शिकायत दर्ज कराई है। इसमें राजनीतिक नेताओं की संलिप्तता की भी जांच की मांग की गई है। इस मौके पर, टीसीए ने सीआईडी को दी गई शिकायत में पूर्व मंत्री केटीआर और एमएलसी कविता का नाम लिया। तेलंगाना क्रिकेट एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने सीआईडी की अतिरिक्त महानिदेशक चारु सिन्हा से मुलाकात की। इस अवसर पर, टीसीए ने आरोप लगाया कि एचसीए में अनियमितताओं के पीछे बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटीआर और एमएलसी कविता का हाथ है। इस मामले में एचसीए अध्यक्ष जगनमोहन राव के अलावा कुछ अन्य आरोपी भी हैं।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, DEEPAK, R/o. H.No.289, Sector-05, Huda Rohtak, Haryana-124001. Have Changed My Son's Name from PARTH to PARTH CHAHAL vide Affidavit dated 16.07.2025 before District Court, Hyderabad.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सं. eT-CMS-WAT-Dialysis-02-25

कार्य का नाम : कार्य प्रारम्भ होने की तिथि से 03 वर्षों की समयावधि के लिए मण्डल रेलवे अस्पताल, वाल्टियर (विशाखापट्टनम) में हेमोडायलिसिस (Hemodialysis) यूनिट की संस्थापन एवं संचालन के लिए ठेका।

विज्ञापित मूल्य : ₹1,39,76,280/-, EMD : ₹2,19,900/-, निविदा दस्तावेज की लागत : ₹5,900/-, पूरा होने की अवधि : 36 महीने।

बिड प्रारंभ होने की तिथि : दिनांक 22.07.2025

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 05.08.2025 को 1100 बजे।

इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं है। इस तरह प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव पर ध्यान नहीं दिया जायेगा। ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण विस्तृत विवरण एवं शुद्धिपत्र वेबसाइट www.ireps.gov.in में उपलब्ध होंगे।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक / वाल्टियर

PR-366/Q/25-26

भाकृ अनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida.@icar.gov.in

विज्ञापन सं.10/2025/एनएआईएफ

वॉक -इन-इंटरव्यू के माध्यम से दि.29-07-2025 के 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-II (1 पद) की भर्ती की जा रही है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता. /-सहायक प्रशासकीय अधिकारी

भाकृ अनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida.@icar.gov.in

विज्ञापन सं.11/2025

वॉक -इन-इंटरव्यू के माध्यम से दि.30-07-2025 के 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-I (2 पद) की भर्ती की जा रही है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता. /-सहायक प्रशासकीय अधिकारी

भाकृ अनुप-केन्द्रीय बारानी कृषि अनुसन्धान संस्थान
ICAR - Central Research Institute for Dryland Agriculture
संतोषनगर, सैदाबाद पोस्ट, हैदराबाद-५०००५९. Santoshnagar, Saidabad (P.O.), Hyderabad-500 059.
Ph : 040-24530161, 24530163, 24530157, Fax : 040-24531802, 24535336
www.icar-crida.res.in E-mail : hoa.crida.@icar.gov.in

विज्ञापन सं.12/2025

वॉक -इन-इंटरव्यू के माध्यम से दि.31-07-2025 के 10.00 बजे, यंग प्रोफेशनल-II (2 पद) की भर्ती की जा रही है। विवरण हेतु http://www.icar-crida.res.in पर जाएं।

हस्ता. /-सहायक प्रशासकीय अधिकारी(स्थापना)

सोन नदी उफान पर : सोन में छोड़ा गया 4.43 क्यूसेक पानी, इंद्रपुरी बराज के खोले गए 65 गेट

रोहतास, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सोन नदी के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा से गुरुवार सुबह सोन नदी उफान पर है। इंद्रपुरी बराज से चार लाख 43 हजार 458 क्यूसेक पानी सोन नदी में छोड़ा गया है। इंद्रपुरी बराज के 65 गेट खोल दिए गए है। जल संसाधन विभाग के अनुसार झारखंड, उत्तरप्रदेश, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व जिले के कैमूर पहाड़ी इलाके में तीन दिनों से हो रही वर्षा के कारण सोन नदी का जलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी है।

झारखंड के उतर कोयल नदी पर बने भीम बांध से बुधवार रात दो लाख 70 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया। वही मध्य प्रदेश के बाणसागर जलाशय का जलस्तर 339 मीटर हो गया है। उसकी क्षमता 341 मीटर है। वहा से गुरुवार को भी एक लाख 14 हजार 770 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। बाणसागर से चार दिनों से एक लाख क्यूसेक से अधिक पानी सोन नदी में छोड़ा जा रहा है। वही उत्तर प्रदेश के रिंहद जलाशय से आज 9007 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। इस जलाशय की क्षमता 870 फीट है। इसमें भी क्षमता से थोड़ा ज्यादा पानी जमा है।

इंद्रपुरी बराज के 69 गेट में से 65 गेट खोलकर 4.43 लाख क्यूसेक से अधिक पानी सोन नदी में छोड़ा गया है। शाहाबाद के चारों जिलों रोहतास, भोजपुर, बक्सर व कैमूर जिले में तीन दोनों से हो रही भारी वर्षा के बाद आज से बराज से पश्चिमी संयोजक व पूर्वी संयोजक नहर में पानी की आपूर्ति बंद किया गया है।

पीएम मोदी आज करेंगे मोतिहारी का दौरा

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को मोतिहारी में बिहार की जनता को 7217 करोड़ की राशि से विकास योजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यस और लोकार्पण करेंगे। वे 53 वीं बार बिहार की यात्रा करने वाले देश के पहले प्रधानमंत्री होंगे। पीएम मोदी दरभंगा-नरकटियागंज के बीच रेल लाइन का दोहरीकरण की आधारशिला रखेंगे। इसके साथ ही वे आईआई अपग्रेडेशन ऑफ़ ट्रेक्शन सिस्टम इन भटनी-छपरा ग्रामीण सेक्शन, वंदे भारत ट्रेनों, पाटलिपुत्र के लिए रखरखाव बुनियादी ढांचे के निकाल, आईवी। ऑटोमेटिक सिगनलिंग बिटवीन भटनी-छपरा ग्रामीण रेल लाइन और एनएच-319 (पुराना एनएच-30) का 4एल आरा बाईपास (असनी से बावनपाली) का शिलान्यस करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी एनएच-319 के परैया (बोधगया) से मोहनिया (कैमूर) खंड को 4 लेन, एनएच 3330 पर सरवन-चकाई के पक्के शोल्डर सहित दो लेन का सुधार, कुल लंबाई 15.972 किमी, कटिहार जिले में एनएच-81 के पक्के कंधे के साथ 2 लेन का चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण अन्य परियोजनाएं का भी उद्घाटन करेंगे।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर मचे बवाल के बीच, भाजपा इस दौरे को बेहद अहम मान रही है। राधा मोहन सिंह इसी क्षेत्र से सांसद हैं और पूर्वी चंपारण से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। संजय जायसवाल पश्चिमी चंपारण से लोकसभा चुनाव जीते हैं।

पूर्वी और पश्चिमी चंपारण की 21 सीटों पर नजर

पूर्वी चंपारण स्थित मोतिहारी की लड़ाई भाजपा के लिए महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री मोदी के दौरे से पूर्वी और पश्चिमी चंपारण, दोनों जिलों के मतदाताओं पर असर पड़ने की उम्मीद है, जहां कुल मिलाकर 21 विधानसभा सीटें हैं। 2020 के विधानसभा चुनावों में, एनडीए ने इन 21 में से 17 सीटें जीतकर दबदबा बनाया था।

पिछली बार एनडीए ने 9 सीटें (8 भाजपा, 1 जदयू) जीती थीं, जबकि राजद ने महागठबंधन के लिए तीन सीटें हासिल की थीं। एनडीए की नज़र कल्याणपुर, सुगौली और नरकटिया सीटों पर फिर से कब्ज़ा करने पर है, जो उसने पहले खो दी थीं।

पारस हॉस्पिटल में कैदी की हत्या के बाद तेजस्वी यादव का सरकार पर निशाना

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बढ़ते अपराध से त्रस्त राजधानी पटना में गुरुवार को अपराधियों ने शास्त्री नगर थाना क्षेत्र के बेली रोड स्थित बड़े पारस हॉस्पिटल के अंदर घुसकर हत्या की घटना को अंजाम देकर पूरे शहर में सनसनी मचा दी। पारस हॉस्पिटल के अंदर अपराधियों ने घुसकर बक्सर के कुख्यात अपराधी चंदन मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी। इस हत्याकांड से राजधानी पटना बुरी तरह से दहल गया है। इस घटना को लेकर तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट कर लिखा, सरकारी अपराधियों ने अस्पताल में भर्ती मरीज को आईसीयू में घुसकर मारी गोली। बिहार में कोई भी कहीं भी सुरक्षित नहीं?

2005 से पहले ऐसे होता था जी? चंदन मिश्रा बक्सर का रहने वाला था बक्सर में उसके ऊपर कई आपराधिक मामले लंबित थे। पैरोल पर छुट कर पारस हॉस्पिटल इलाज के लिए आया था। जहां गुरुवार को चार अपराधियों ने अस्पताल के अंदर घुसकर उसकी हत्या कर दी इस घटना से भय तथा आतंक का माहौल व्याप्त हो गया है।

रोडवेज से टकराई बाइक

बस में लगी भीषण आग, बाइक सवार की मौत

हाथरस, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आगरा-अलीगढ़ हाईवे पर सासनी में रात करीब आठ बजे रोडवेज बस की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। बाइक और उस पर सवार युवक बस के नीचे बंपर में फंस गए और चालक बस दौड़ाता रहा। करीब 300 मीटर आगे जाकर उसने बस रोकी। इस दौरान बस के बंपर में फंसी बाइक की टंकी फट गई और चिंगारी से दोनों वाहनों में आग लग गई।

इसके बाद चालक ने बस रोकी। बस रुकते ही यात्री उसके दरवाजे और खिड़की से कूद पड़े। कुछ ही देर में आग की लपटों ने दोनों वाहनों को अपनी चपेट में ले लिया। आग में युवक भी जल गया। मरने वाले युवक की पहचान हरेंद्र सिंह निवासी बहादुरपुर भूप थाना सादाबाद के रूप में हुई है। वह हादसे के वक्त सादाबाद से अलीगढ़ अपनी ननिहाल की ओर जा रहे थे। फाउंड्री नगर डिपो आगरा की बस अलीगढ़ से हाथरस की ओर आ रही थी।

सूचना पर दमकल भी मौके पर पहुंच गई और करीब 30 मिनट के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। मौके पर पहुंचे सीओ सिटी और थाना पुलिस ने आग बुझने के बाद दोनों वाहनों को सड़क से हटवाया। इसके बाद हाईवे यातायात शुरू हो पाया। इस दौरान करीब पौन घंटा तक यातायात पूरी तरह से ठप रहा। हादसे के बाद चालक-परिचालक बस छोड़कर फरार हो गए। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

सीबीआई के रडार पर दस माह से थे रेलवे के वरिष्ठ अभियंता

अंडरपास के भुगतान में 'खेल' का आरोप

वाराणसी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सीबीआई के रडार पर आए वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्वय राकेश रंजन दस माह से सीबीआइ के रडार पर थे। सीबीआई लखनऊ की एंटी करप्शन टीम इनके ही जूनियर अफसर को दो लाख रुपये के साथ गिरफ्तार कर अपने साथ ले गई थी। राकेश उस समय पुख्ता प्रमाण के अभाव में बच गए थे। रेल सूत्रों के मुताबिक अबकी कार्रवाई के पीछे वाराणसी सिटी स्टेशन के पास बन रहे अंडरपास के भुगतान का मामला भी अहम है। इसलिए कि ठेकेदार पहले ठेका पाने के लिए निर्धारित राशि से नीचे की धनराशि भरकर निविदा ले लेते हैं। जब काम शुरू होता है, तो अधिकारियों के जेब भरने के रास्ते खुल जाते हैं क्योंकि बिलो टेंडर में गुणवत्ता का ध्यान रख पाना ठेकेदार के लिए भी मुश्किल होता है। वरिष्ठ मंडल अभियंता निर्माण समन्वय राकेश रंजन बनारस रेल मंडल में करीब चार साल से थे। अमूमन इस पद के लिए दो साल या अधिकतम तीन वर्ष की अवधि निर्धारित होती है। कुछ दिन पहले ही उनका तबादला रेल विकास निगम लिमिटेड पटना हुआ था, लेकिन ज्वाइन नहीं किए थे। सीबीआई रात में नौ बजे राकेश रंजन के लहरतारा की रेलवे आफीसर्स कालोनी स्थित सरकारी बंगला नंबर तीन पर पहुंची तो सबकी एंट्री रोक दी गई। उनकी बेटी पहुंची तो एंट्री नहीं मिलने पर उसने पहले डायल 112 पर फोन किया। फिर आरपीएफ की मदद लेनी चाही। दोनों ही सुरक्षा एजेंसियां पहुंचीं लेकिन सीबीआई की एंट्री जान बैरंग हो लीं।

सात दिनों में गायब हुईं 3 हिंदू लड़कियां

एक गुजरात से बरामद

हापुड़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के गांव हैदरनगर नंगौला में 7 दिनों के अंदर तीन लड़कियां गायब होने के बाद से पुलिस में हड़कंप मचा हुआ है। लड़कियों को गायब करने का आरोप गांव के ही मुस्लिम युवकों पर लगा है। फिलहाल पुलिस ने एक युवती को गुजरात से बरामद किया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के अनुसार, हापुड नगर कोतवाली क्षेत्र के गांव हैदरनगर में एक बेहद ही चौंकाने वाला मामला सामने आया है। 7 दिनों के अंदर गांव से हिंदू परिवार की 3 नाबालिग लड़कियों के गायब हो जाने से हड़कंप मचा हुआ है। गांव के ही मुस्लिम समुदाय के युवकों पर अगवा करने का आरोप लगा है।

मिली जानकारी के मुताबिक, पहला मामला 9 जुलाई को सामने आया था। पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए पीड़ित ने बताया, 9 जुलाई की सुबह जब उनकी 17 वर्षीय नाबालिग लड़की शौच के लिए गई थी। तभी 2 बाइक पर सवार होकर सरताज अपने तीन अन्य साथियों के साथ आया और उसकी बेटी को बहला फुसलाकर ले गया। इस मामले में पुलिस ने सरताज, महरु, छोटू, मिंटू के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। युवती को भी गुजरात से बरामद कर लिया गया है।

अब्बास अंसारी ने मऊ के जिला जज के आदेश को हाईकोर्ट में दी चुनौती

प्रयागराज, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मुख्तार अंसारी के बेटे व पूर्व विधायक अब्बास अंसारी ने हेट स्पीच मामले में मऊ के एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट से मिली दो साल की मिली सजा पर रोक लगाने की मांग को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की है। 2022 विधानसभा चुनाव के दौरान भड़काऊ भाषण के मामले में मऊ के एमपी/एमएलए कोर्ट ने 31 मई को दो साल की सजा और 3000 रुपये जुर्माना लगाया था। इसी आधार पर एक जून 2025 को उनकी विधायक चली गई थी। सजा के खिलाफ उनकी अपील को मऊ के जिला जज की अदालत ने पांच जुलाई को खारिज कर दिया था।

इसे अब्बास ने हाईकोर्ट में चुनौती दी है। अब्बास अंसारी ने अपने अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय के माध्यम से यह याचिका दाखिल की है। अगले सप्ताह सुनवाई हो सकती है। इलाहाबाद हाईकोर्ट मऊ के एमपी/एमएलए विशेष कोर्ट से मिली दो साल की सजा पर रोक लगाता है तो अब्बास अंसारी की विधायकी बहाल हो जाएगी। इससे मऊ की सदर विधानसभा सीट पर उपचुनाव नहीं होगा।

मार्कर पेन से हाथ-पैर पर लिखा सुसाइड नोट, मनीषा की खुदकुशी

बागपत, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूपी में बागपत जनपद के छपरौली क्षेत्र के रठौंडा गांव में मंगलवार की रात एक युवती ने दहेज उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या कर ली। मृतका मनीषा (उम्र 28), पुत्री तेजबीर ने आत्महत्या से पहले अपने शरीर पर ही सुसाइड नोट लिखकर अपने साथ हुए अत्याचारों का दर्द बयां किया। मनीषा अपने मायके में रह रही थी और पिछले कई महीनों से गहरे मानसिक तनाव से जूझ रही थी। जानकारी के अनुसार, मनीषा की शादी वर्ष 2023 में गाजियाबाद जनपद के सिद्धिपुर गांव निवासी कुंदन पुत्र किशन के साथ हिंदू रीति-रिवाजों से हुई थी।

विवाह के कुछ ही महीनों बाद से ससुराल पक्ष ने दहेज में और चीजें लाने का दबाव बनाना शुरू कर दिया। आरोप है कि मनीषा के पति और ससुरालियों ने उसके साथ मारपीट की और गर्भवती होने पर उसका जबरन गर्भपात भी करवा दिया। पीड़िता के पिता तेजबीर ने बताया कि वह जुलाई 2024 में बेटी को ससुराल से मायके ले आए थे। इसके बावजूद ससुराल पक्ष लगातार फोन पर थार गाड़ी और नगद धन की मांग करता रहा।

तेजबीर ने जब संबंध विच्छेद की बात की तो चार दिन पहले ससुराल पक्ष के करीब 20-25 लोग घर पर पहुंचे और आपसी सहमति से तय हुआ कि वे शादी का सारा सामान और खर्च वापस कर देंगे। जब कागजी प्रक्रिया की बात आई, तो मनीषा ने स्पष्ट कहा कि जब तक दहेज और खर्च की भरपाई नहीं होगी, वह तलाकनामे पर हस्ताक्षर नहीं करेगी।

इसके बाद से मनीषा तनाव में रहने लगी। रात जब परिवार के सभी सदस्य सो चुके थे, तो मनीषा ने घर में रखी गेहूं में रखने वाली जहरीली दवा खाकर जान दे दी। सुबह मां सुनीता जब उसे जगाने पहुंची तो मनीषा मृत अवस्था में मिली। पिता तेजबीर, जो गाजियाबाद में एमसीडी में नौकरी करते हैं, को सूचना दी गई। उन्होंने गांव पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर जांच शुरू कर दी है।

फिलहाल परिवार गहरे शोक में है और गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। वहीं, छपरौली थाना प्रभारी निरीक्षक देवेश शर्मा ने बताया कि अभी तक परिजनों द्वारा थाने पर कोई तहरीर नहीं दी गई है। मृतक युवती का पोस्टमार्टम कराया गया है। सूचना पर तत्काल पुलिस मौके पर पहुंच गयी थी। पुलिस ने कहा कि तहरीर मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

परसपुर रियासत के राज मंदिर से श्रीराम-लक्ष्मण की बहुमूल्य मूर्तियां चोरी

गोंडा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गोंडा जिले की परसपुर रियासत के राजाटोला वार्ड छह में अति प्राचीन राजमंदिर से रात मंदिर के गर्भगृह से चोरी का मामला सामने आया है। मंदिर से राम-लक्ष्मण की अष्टधातु की मूर्ति जिसका वजन करीब प्रत्येक मूर्ति 15 किलो व लंबाई डेढ़ फिट है व एक लड्डू गोपाल की छोटी मूर्ति और एक छोटा सिंहासन चोरी हो गया।

घटना से हड़कंप मच गया। बृहस्पतिवार की सुबह करीब तीन बजे नीलम सिंह पत्नी कुंवर नरेंद्र बहादुर सिंह पूजा करने जब मंदिर में आईं तो देखा ताला टूटा पड़ा है और मंदिर का दरवाजा खुला हुआ है। इसके बाद चोरी की जानकारी हुई। जबकि मंदिर में अन्य देवी देवताओं की मूर्तियां सुरक्षित हैं। चोरों ने मूर्तियों के ऊपर लगे चांदी के छत्र को भी नहीं छुआ। घटना की जानकारी मंदिर के सर्वराकार कुंवर विजय बहादुर सिंह बच्चा साहब ने पुलिस को दी।

अब हर महीने 125 यूनिट बिजली फ्री

चुनाव से पहले नीतीश कुमार का बड़ा ऐलान

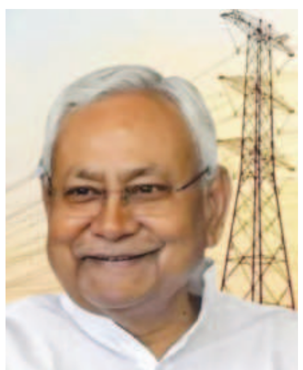

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार की सुबह राज्य के जनता के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। नीतीश ने घोषणा की है कि 1 अगस्त 2025 से सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी। यानी कि यह फैसला जुलाई महीने के बिल से ही लागू हो जाएगा। नीतीश सरकार के इस फैसले से बिहार के 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को सीधा फायदा होगा। इसके साथ ही सरकार ने यह भी फैसला किया है कि अगले 3 वर्षों में इन परिवारों के घरों की छतों या नजदीकी सार्वजनिक स्थानों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाए जाएंगे, जिससे बिजली की उपलब्धता और बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर इस फैसले की जानकारी साझा करते हुए लिखा, 'हम लोग शुरू से ही सस्ती दरों पर सभी को बिजली उपलब्ध करा रहे हैं। अब हमने तय किया है कि 1 अगस्त, 2025 से यानी जुलाई माह के बिल से ही राज्य के सभी घरेलू उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक बिजली का कोई पैसा नहीं देना पड़ेगा। इससे राज्य के कुल 1 करोड़ 67 लाख परिवारों को लाभ होगा।

हमने यह भी तय किया है कि अगले तीन वर्षों में इन सभी घरेलू उपभोक्ताओं से सहमति लेकर उनके घर की छतों पर अथवा नजदीकी सार्वजनिक स्थल पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर लाभ दिया जाएगा।' सीएम ने अपने ट्वीट में आगे लिखा, 'कुटीर ज्योति योजना के तहत जो अत्यंत निर्धन परिवार होंगे, उनके लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का पूरा खर्च राज्य सरकार वहन करेगी तथा शेष के लिए भी सरकार उचित सहयोग करेगी। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को अब बिजली के 125 यूनिट तक कोई खर्च नहीं लगेगा, साथ ही साथ राज्य में अगले तीन वर्षों में एक अनुमान के अनुसार 10 हजार मेगावाट तक सौर ऊर्जा उपलब्ध हो जाएगी।'

नीतीश सरकार का यह फैसला न सिर्फ बिजली बिल में राहत देगा, बल्कि सौर ऊर्जा के क्षेत्र में भी बिहार को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। सरकार का लक्ष्य अगले 3 वर्षों में 10000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का है। कुटीर ज्योति योजना के तहत गरीब परिवारों के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का खर्च पूरी तरह सरकार उठाएगी, जबकि अन्य परिवारों को भी इस योजना में उचित सहायता दी जाएगी। इससे न केवल बिजली की बचत होगी, बल्कि पर्यावरण को भी फायदा पहुंचेगा।

बिहार में 2025 के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं, और जानकारों का मानना है कि मुफ्त बिजली की यह योजना नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू और उनके गठबंधन एनडीए के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो सकती है। बिहार जैसे राज्य में, जहां बिजली बिल कई परिवारों के लिए बड़ा खर्चा है, 125 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में मतदाताओं को लुभा सकती है। खासतौर पर गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों को इस योजना से सबसे ज्यादा फायदा होगा, जो नीतीश सरकार के पक्ष में माहौल बना सकता है।

यूपी के प्राचीन शिव मंदिरों का कायाकल्प करेगी सरकार

इन जिलों के सात मंदिरों का होगा सौंदर्यीकरण

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पर्यटन विभाग, यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि। और यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि। के सहयोग से प्रदेश भर में पर्यटन ढांचे को मजबूत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू करने की तैयारी है। इसके तहत सरकार कई प्राचीन शिव मंदिरों का कायाकल्प करेगी।

इनमें से अधिकांश मंदिर, पिछली सरकारों में उपेक्षा के कारण दुर्दशा के शिकार थे। बीते आठ साल में प्रदेश सरकार ने 188 प्राचीन मंदिरों का कायाकल्प व सौंदर्याकरण कराया है। सीएम के निर्देश से हो रहे इन कार्यों से न सिर्फ धार्मिक पर्यटकों व तीर्थयात्रियों की संख्या बढ़ रही है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार के अवसरों को भी बल मिल रहा है।

इसी क्रम में आगरा के फतेहाबाद में भट्टा की पिपरी मौजा मेवाली खुर्द स्थित शिव मंदिर परिसर, फिरोजाबाद में चकलेश्वर महादेव मंदिर और समौर बाबा मंदिर क्षेत्र में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के कार्य यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि। से कराने की तैयारी है। गोरखपुर में भूलेश्वर मंदिर, खजनी महादेव शिव मंदिर और झारखंडी महादेव मंदिर के साथ गोंडा में तीरे मनोरमा मंदिर का पर्यटन विकास यूपी स्टेट टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि। द्वारा किया जाएगा।

तो मैनपुरी जिले में घंटाघर का सौंदर्याकरण यूपी प्रोजेक्ट कॉर्पोरेशन लि। से कराया जाएगा। वहीं, ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मिर्जापुर मंडल के तीन जिलों मिर्जापुर, भदोही और सोनभद्र में ग्रामीण पर्यटन विकास रणनीति तैयार करने और ग्रामीण होमस्टे विकसित करने के लिए एक एजेंसी का चयन किया जा रहा है। इसके तहत कुल 8 गांव में इस योजना को लागू करते हुए ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा दिया जाएगा।

बिहार चुनाव में चंद्र शेखर की एंट्री

100 सीटों पर लड़ेगी आजाद समाज पार्टी किसका बिगाड़ेगी खेल?

पटना, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले प्रदेश की सियासत में हलचल तेज हो गई है। अब तक जहां मुख्य मुकाबला एनडीए और इंडिया गठबंधन के बीच माना जा रहा था, वहीं अब बाहरी दल भी चुनावी मैदान में उतरने लगे हैं। उत्तर प्रदेश के भीम आर्मी प्रमुख चंद्र शेखर आजाद की पार्टी आजाद समाज पार्टी कांशीराम ने भी बिहार में दम दिखाने का ऐलान कर दिया है। टना में आजाद समाज पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष जौहर आजाद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि पार्टी बिहार की 100 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। उन्होंने बताया कि इन 100 में से 60 सीटों पर विधानसभा प्रभारी भी नियुक्त किए जा चुके हैं और बाकी पर तैयारी अंतिम चरण में है। पार्टी का दावा है कि जिन 100 सीटों पर वह चुनाव लड़ेगी, उनमें से 46 पर सीधा मुकाबला महागठबंधन से होगा। जौहर आजाद ने कहा कि इन सभी सीटों पर बूथ स्तर तक पार्टी की संगठनात्मक तैयारियां पूरी हैं। उन्होंने महागठबंधन पर आरोप लगाया कि वह सभी वर्गों को साथ लेकर नहीं चल रहा है, जिससे जनता में असंतोष है।

पार्टी ने घोषणा की है कि 21 जुलाई को पटना में आजाद समाज पार्टी का राष्ट्रीय अधिवेशन आयोजित किया जाएगा। इस अधिवेशन में पार्टी प्रमुख चंद्र शेखर आजाद खुद शामिल होंगे और बिहार चुनाव के लिए पार्टी की रणनीति को अंतिम रूप देंगे। चंद्र शेखर आजाद की पार्टी की इस घोषणा पर लोजपा (रामविलास) ने प्रतिक्रिया दी है।

छांगुर धर्मांतरण केस में बड़ी कार्रवाई

ईडी ने यूपी-मुंबई के 14 ठिकानों पर की छापेमारी

लखनऊ, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छांगुर बाबा उर्फ जलालुद्दीन धर्मांतरण से जुड़े केस में छापेमारी की गई है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में 12 और मुंबई में 2 ठिकानों पर छापेमारी की है। ये छापेमारी गुरुवार सुबह 5.0 बजे शुरू हुई। ईडी की टीम एक साथ 14 ठिकानों पर जांच-पड़ताल कर रही है। यह कार्रवाई धर्म परिवर्तन और हवाला लेनदेन से जुड़ी बताई जा रही है।

मुंबई में ईडी की टीमें खासकर शहजाद शेख के दो आवासों पर छापेमारी की है। इनमें बांद्रा ईस्ट में कनकिया पेरिस की 20वीं मंजिल स्थित एफ विंग और माहिम वेस्ट में एलजे रोड, पीतांबर लेन, गैब्रियल बिल्डिंग के पास स्थित रिजवी हाइट्स सीएचएस के फ्लैट नंबर 502 शामिल हैं। छापेमारी के दौरान बांद्रा स्थित आवास पर मौजूद शहजाद शेख से ईडी की टीम पूछताछ कर रही है। बताया जा रहा है कि आरोपी नवीन के बैंक खाते से शहजाद शेख के खाते में करीब दो करोड़ रुपये का लेनदेन हुआ था।

ईडी धर्मांतरण और हवाला लेनदेन के इस मामले में छांगुर की महिला मित्र नीतू उर्फ नसरीन और नवीन के विभिन्न बैंक खातों की भी गहनता से जांच कर रही है। नीतू के कई बैंक खाते जांच के दायरे में हैं, जिनमें बैंक ऑफ इंडिया, पेटीएम बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक और एसबीआई के खाते शामिल हैं। वहीं, नवीन के भारत स्थित कई बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेनदेन का पता चला है, जिनमें पेटीएम बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, आईसीआईसीआई बैंक और एचडीएफसी बैंक के खाते शामिल हैं।

जांच के दौरान नवीन घनश्याम रोहरा के नाम पर मौजूद विदेशी बैंक खातों के दस्तावेज भी ईडी के हाथ लगे हैं। इन खातों में एक्सिस बैंक (वोस्त्रो खाता अल नाहदा 2 शारजाह खोज), एसबीआई (एनआरई/एनआरओ), एचडीएफसी बैंक (अमीरात एनबीडी बैंक पी जेएससी - वोस्ट्रो खाता), एक्सिस बैंक (मशरेक बैंक दुबई - वोस्ट्रो खाता), अमीरात एनबीडी बैंक और फेडरल बैंक यूएई (वोस्ट्रो खाता) के खाते शामिल हैं। इसके अलावा, अल अंसारी एक्सचेंज का आईएनआर खाता और आईसीआईसीआई बैंक का एक विदेशी बैंक खाता भी ईडी की जांच के दायरे में है।

उत्तराखंड पंचायत चुनाव पर संकट

हाई कोर्ट ने फिर मांगी रिपोर्ट, आज होगी अगली सुनवाई

नैनीताल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तराखंड हाई कोर्ट ने बारिश के दौरान 12 जनपदों में प्रस्तावित पंचायत चुनाव को अगस्त माह के बाद कराने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश जी। नरेंद्र और न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ के समक्ष डीजीपी और पंचायती राज सचिव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अपना पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान डीजीपी ने बताया कि पंचायत चुनाव का पहला चरण 24 जुलाई को प्रस्तावित है, जबकि कांवड़ यात्रा 23 जुलाई को समाप्त हो जाएगी। डीजीपी ने न्यायालय को बताया कि 30% पुलिस बल कांवड़ यात्रा, 10% चारधाम यात्रा और आपदा प्रबंधन, और 10% नियमित ड्यूटी में तैनात है। शेष 50% पुलिस बल सभी जिलों में पंचायत चुनाव की तैयारियों में जुटा है। कांवड़ यात्रा समाप्त होते ही पुलिस बल को चुनाव ड्यूटी के लिए तैनात कर दिया जाएगा, ताकि 28 जुलाई को होने वाले दूसरे चरण के मतदान में कोई बाधा न आए। कांवड़ यात्रा के दौरान कानून-व्यवस्था, दुकानों में तोड़फोड़, और महिलाओं पर हमले जैसे मामलों पर डीजीपी ने कहा कि पुलिस सख्त कार्रवाई कर रही है, जिसमें एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारियां की जा रही हैं।

वहीं पंचायती राज सचिव ने हाई कोर्ट को आश्वासन दिया कि कांवड़ यात्रा का प्रभाव केवल पौड़ी गढ़वाल, यमकेश्वर, देहरादून, और ऋषिकेश ब्लॉकों तक सीमित है, जहां दूसरा चरण 28 जुलाई को होगा। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा से चुनाव प्रक्रिया पर कोई असर नहीं पड़ेगा। चारधाम यात्रा और हेमकुंड साहिब में यात्रियों की संख्या केवल 10% है, और आपदा प्रबंधन के लिए मॉक ड्रिल पहले ही आयोजित हो चुकी है। इससे चुनाव प्रक्रिया में कोई व्यवधान नहीं होगा। देहरादून निवासी डॉ। बैजनाथ ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि बरसात, कांवड़ यात्रा, चारधाम यात्रा, और बाढ़ राहत कार्यों के कारण प्रशासन, पुलिस, और एसडीआरएफ व्यस्त हैं। ऐसी स्थिति में पंचायत चुनाव कराना जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने मांग की कि चुनाव अगस्त के बाद कराए जाएं। कोर्ट ने इस पर स्थिति स्पष्ट करने के लिए डीजीपी और पंचायती राज सचिव को तलब किया था।

सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने मामले को अगली सुनवाई के लिए 18 जुलाई को सूचीबद्ध किया है। कोर्ट ने दोनों अधिकारियों से वास्तविक स्थिति पर और जानकारी मांगी है ताकि अंतिम निर्णय लिया जा सके। उत्तराखंड में 12 जनपदों (हरिद्वार को छोड़कर) में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव दो चरणों में 24 और 28 जुलाई को प्रस्तावित हैं। हालांकि, कोर्ट में चल रही सुनवाई के कारण चुनाव प्रक्रिया पर अनिश्चितता बनी हुई है।

घर में सो रहे मां-बेटे को सांप ने डसा, झाड़फूंक में समय गंवाने से बेटे की मौत

सागर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बुंदेलखंड अंचल में बारिश के मौसम में जहरीले जीव-जंतुओं के काटने की घटनाएं आम हो गई हैं। खासतौर पर सर्पदंश के मामलों में हर साल कई लोगों की जान चली जाती है। इन मौतों की एक बड़ी वजह आधुनिक चिकित्सा की बजाय झाड़फूंक जैसे अंधविश्वास पर ग्रामीणों का भरोसा होना है। ऐसा ही एक मामला बुधवार को सागर जिले के मालथौन थाना क्षेत्र के ग्राम चुरारी में सामने आया, जहां झाड़फूंक में कीमती समय गंवाने की वजह से एक 12 वर्षीय बालक की मौत हो गई, जबकि उसकी मां की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है।

देर रात करीब 12 बजे गांव चुरारी में सरोज रानी अपने बेटे नीलेश आदिवासी (12) के साथ घर में सो रही थीं। इसी दौरान दोनों को जहरीले सांप ने डस लिया। बेटे की हालत बिगड़ने पर सरोज रानी ने परिवार को इसकी जानकारी दी।

क्या है 'निस्तार'? जिसे आज इंडियन नेवी अपने बेड़े में करेगी शामिल

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष में भारत की ताकत पूरी दुनिया देख चुकी है। भारत का एयर डिफेंस सिस्टम पहले से ही काफी मजबूत है, लेकिन समय-समय पर इसमें कई चीजों को जोड़ा जाता है। अब इंडियन नेवी अपनी ताकत में बढ़ोतरी के लिए 'निस्तार' जहाज को शामिल करने जा रही है। यह पूरी तरह से स्वदेशी तरीके से डिजाइन किया गया है। इसके निर्माण के सफर को कुछ दिन पहले ही नेवी ने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया था। इसे 18 जुलाई को लॉन्च किया जाएगा। जानिए ये जहाज किस तरह से समुद्री सुरक्षा के लिए मील का पत्थर साबित होगा?

भारतीय नौसेना ने पहले निस्तार-श्रेणी के गोताखोरी सहायता पोत को नौसेना में शामिल करने की पूरी तैयारी कर ली है। 18 जुलाई को इसे विशाखापत्तनम के नेवल डॉकयार्ड से लॉन्च किया जाएगा। यह गहरे समुद्र में गोताखोरी प्रणालियों से लैस बनाया गया है। निस्तार हमारी ऑपरेशन्स के लिए फायदेमंद साबित होगा, जिससे ऑपरेशन को मजबूत मिलेगी। यह पनडुब्बियों से कर्मियों को बचाने का काम भी करेगा। यानी जो पनडुब्बियां समुद्र में फंसी होंगी उनको यह आसानी से ऊपर लाने की क्षमता रखता है। इसको 1000 मीटर की गहराई तक निगरानी करने के लिहाज से डिजाइन किया गया है।

जहाज का नाम 'निस्तार' संस्कृत भाषा से लिया गया है। इसका मतलब होता है- बचाव, मोक्ष या मुक्ति। रिपोर्ट् के मुताबिक, इस जहाज की लंबाई 118 मीटर तक है। इसका वजन करीब 10,000 टन बताया जा रहा है। इसमें खास बात ये है कि यह लगभग 300 मीटर तक समुद्र में सैचुरेशन डाइविंग कर सकता है। यह दुश्मनों से खतरे के बीच अपनी पनडुब्बियों पर पैनी नजर रखेगा। इस जहाज में 4500 टन स्टील का इस्तेमाल किया गया है। 450 किलोमीटर लंबी केबल का इस्तेमाल किया गया है। साथ ही इस शिप को बनाने में एडवांस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इंडियन नेवी के लिए ये एक अचीवमेंट है।

6 महीने पहले टूटी सगाई

कहीं और चली रिश्ते की बात तो ऑफिस पहुंच गया पूर्व मंगेतर, लड़की पर चाकू से किया हमला

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली के पहाड़गंज में एक शख्स ने अपनी पूर्व मंगेतर पर जानलेवा हमला कर दिया। वह पहले युवती के ऑफिस में घुसा और खूब हंगामा किया। इसके बाद उसने युवती का हाथ पकड़ा और उसे घसीटते हुए ऑफिस से बाहर सड़क पर ले आया। फिर उसके साथ मारपीट करने लगा। तभी वहां से गुजर रही पुलिस की नजर उस पर पड़ गई। पुलिस ने तुरंत आरोपी को दबोचा और युवती की जान बचा ली। दरअसल, पीड़िता की आरोपी के साथ सगाई हुई थी। लेकिन बाद में पता चला कि आरोपी युवक कुछ काम नहीं करता और बेरोजगार है। ऐसे में युवती ने उससे 6 महीने पहले ही सगाई तोड़ दी थी। लेकिन ये बात युवक को पसंद नहीं आई थी। वह लगातार लड़की का पीछा करता रहा और उसे परेशान करता रहा था। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर भी वह उसे धमकी देता था। अब आरोपी युवती के ऑफिस में घुस गया और उसके साथ मारपीट करने लगा। उसे घसीटकर बाहर लाया और चाकू से हमला करने ही वाला था। लेकिन गनीमत रही कि पुलिस ठीक टाइम पर पहुंच गई और सूझबूझ से जान बचा ली। आरोपी पीड़िता पर चाकू तान कर खड़ा था। मौके पर भीड़ लगी हुई थी। ऐसे में गश्त पर निकली पुलिस हाथापाई होते और भीड़ को देखकर वहां पहुंच गई। पुलिस ने तुरंत युवक से स्थानीय लोगों की मदद से चाकू छीन लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

दिल्ली की रोहिणी कोर्ट में अब सिर्फ वकील और क्लर्क पहनेंगे काली पैंट और सफेद शर्ट

किसी और ने पहनी तो कानूनी कार्रवाई की जा सकती है

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली की रोहिणी बार एसोसिएशन ने एक बड़ा फैसला फैसला लेते हुए कोर्ट के अधिकृत वकीलों और क्लार्क के अलावा कोर्ट परिसर में किसी और के काली पेंट और सफेद कमीज पहने पर पाबंदी लगा दी है। यह नियम कोर्ट में सुनवाई के लिए आने वाले वादियों पर भी लागू रहेगा। यह ड्रेस कोड अब सिर्फ वकीलों के लिए ही वैलिड होगा। माना जा रहा है कि रोहिणी बार एसोसिएशन ने यह फैसला कोर्ट में सुरक्षा कारणों और लोगों के साथ आ रही फर्जीवाड़े की शिकायतों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। इसलिए अगर अब कोई शख्स वकीलों की पोशाक में पकड़ा जाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। रोहिणी बार एसोसिएशन के आदेश के मुताबिक 15 अगस्त से तय ड्रेस कोड के अलावा वकीलों के क्लर्कों के लिए वैलिड आईडी कार्ड रखना जरूरी होगा।

बिना अधिकृत आईडी कार्ड के वकील क्लर्क के रूप में काम करते पकड़े जाने पर कड़ी अनुशासनात्मक और कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

14 जुलाई को जारी किए गए एक नोटिस में कहा गया है कि बार एसोसिएशन के कई सदस्यों, आम लोगों और वादियों द्वारा कार्यकारी समिति को कई बार शिकायतें मिली हैं कि कुछ दलाल खुद को अधिकृत वकील या वकीलों के क्लर्क बताकर गलत तरीके से कम पढ़े लिखे वादियों को गुमराह कर धोखाधड़ी कर रहे हैं। ये एक बेहद चिंताजनक विषय है। इससे न केवल वकीलों के पेशे की गरिमा और प्रतिष्ठा धूमिल होती है, बल्कि बार सदस्यों की आजीविका पर भी असर पड़ता है।

इस खतरे को रोकने और उचित पहचान सुनिश्चित करने के लिए, कार्यकारी समिति ने सर्वसम्मति से आरसीबीए के हर सदस्य को क्लर्क के लिए एक अधिकृत आईडी कार्ड जारी करने का निर्णय लिया है। साथ ही हिदायत दी है कि आईडी कार्डों को जारी करने से पहले नामित समिति द्वारा सत्यापन और अनुमोदन किया जाए।

हिमाचल में कौन होगा नया डीजीपी

इस नाम की चर्चा सबसे ज्यादा, मुख्य सचिव के लिए ये आईएएस अधिकारी सबसे आगे

शिमला, 17 जुलाई (एजेंसियां)। प्रदेश में प्रशासनिक फेरबदल की तैयारी के बीच मुख्य सचिव और डीजीपी पद को लेकर भी सुगबुगाहट तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू रविवार को दिल्ली दौरे पर थे। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर तैनात हिमाचल कैडर की आइएएस अधिकारी अनुराधा ठाकुर ने उनसे मुलाकात की। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री ने ही उन्हें मिलने के लिए बुलाया था। इस मुलाकात को लेकर राज्य में मुख्य सचिव पद को लेकर फिर से चर्चा तेज हो गई है। राज्य के मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना को छह माह का सेवाविस्तार मिला है। 30 सितंबर, 2025 तक वह इस पद रहेंगे। मुख्य सचिव के पद पर बदलाव होता है तो वह उसके बाद ही होगा। हिमाचल में वरिष्ठता के आधार पर 1988 बैच के आइएएस अधिकारी संजय गुप्ता पहले स्थान पर हैं। वह मुख्यमंत्री के प्रधान सलाहकार और बिजली बोर्ड के अध्यक्ष का कार्यभार देख रहे हैं। इनके बाद 1993 बैच के अफसर केके पंत हैं। चंबा से संबंध रखने वाले आइएएस अधिकारी ओंकार शर्मा 1994 बैच के हैं। अनुराधा ठाकुर भी इसी बैच की अधिकारी हैं। पूर्व सरकार के समय आरडी धीमान को मुख्य सचिव बनाए जाने पर संजय गुप्ता सहित राम सुभग सिंह और निशा सिंह को मुख्यमंत्री का प्रधान सलाहकार नियुक्त किया था।

पहली पत्नी के बाद दूसरी को भी क्या गुजारा भत्ता देगा पति? दिल्ली हाईकोर्ट का फैसला

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने एक मामले में पति की याचिका को खारिज कर अपना फैसला साफ कर दिया है और कहा है कि पति से अलग रह रही पत्नी को गुजारा भत्ता देने के मामले में घरेलू हिंसा कानून पहली और दूसरी शादी महिला के बीच में कोई अंतर नहीं करता है। दिल्ली हाई कोर्ट ने बताया कि पति कानूनी तौर पर अपनी पत्नी का भरण-पोषण करने के लिए बाध्य है। फिर चाहे उसकी यह दूसरी शादी ही क्यों न हो। न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा ने अपने फैसले में कहा कि डोमेस्टिक वायलेंस एक्ट मेंटेनेंस के अधिकार के मामले में पहली और दूसरी शादी के बीच कोई अंतर नहीं करता है।

यह फैसला पति द्वारा फैमिली कोर्ट के उस आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर सुनाया गया जिसमें उसे अपनी पत्नी को बढ़ा हुआ गुजारा भत्ता देने का निर्देश दिया गया था। अपनी दायर याचिका में पति ने कहा था कि महिला भत्ता पाने की हकदार नहीं है। क्योंकि यह उसकी दूसरी शादी थी और उसने अपनी मर्जी से उसे छोड़ दिया। जबकि पति ने उसे और उसके बच्चों को एक्सेप्ट कर लिया था। दूसरी ओर, इस मामले में महिला ने दावा किया था कि उसने उससे शादी इसलिए की थी, ताकि वो बच्चों की देखभाल कर सके। हालांकि, उसने महिला ने आरोप लगाया कि वह उसके बच्चों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है। इसी कारण उसने अपने पति को छोड़ने का फैसला किया।

न्यायमूर्ति शर्मा ने इस मामले में पति की दलील को खारिज करते हुए कहा कि घरेलू हिंसा अधिनियम, भत्ता के अधिकार के लिए पहली या फिर बाद की शादी में कोई अंतर नहीं है। एक बार जब याचिकाकर्ता ने अपनी मर्जी से शादी कर ली है और और उसके बच्चों को स्वीकार कर लिया। फिर वह भरण-पोषण के अपने दायित्वों का विरोध करने के लिए इसे बचाव के तौर पर इस्तेमाल नहीं कर सकता है। बता दें, पति ने फैमिली कोर्ट के अप्रैल 2024 के आदेश के खिलाफ हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें उसे गुजारा भत्ता के रूप में पत्नी को बढ़े हुए पैसे देने का निर्देश दिया गया था।

स्कूल से लौट रही नाबालिग का अपहरण के बाद यौन उत्पीड़न

पीछा करते हुए शख्स का वीडियो आया सामने

चेन्नई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के गुम्मिडीपूंडी में एक 10 साल की नाबालिग छात्रा के साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि स्कूल से घर लौट रही 10 साल की छात्रा का एक अज्ञात व्यक्ति ने अपहरण कर लिया और फिर उसका यौन उत्पीड़न किया। पुलिस ने आगे बताया कि किशोर की उम्र मिड ट्वेंटीज यानी 20 से 25 साल के आसपास की मानी जा रही है। यह व्यक्ति गांव की सड़क पर उसका पीछा करता रहा। इसके बाद उस किशोर ने उस छात्रा का मुंह बंद कर दिया और उसे घसीटकर एक झाड़ी में ले गया। पुलिस ने बताया कि बाद में लड़की ने अपनी दादी को घटना की जानकारी दी और उन्होंने अपराधी का पता लगाने और उसे पकड़ने के लिए तलाश शुरू कर दी है। लड़की को पहले पोन्नेरी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और बाद में आगे के इलाज के लिए यहां के सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। उसके परिवार की शिकायत के बाद, पुलिस ने बीएनएस और यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। लड़की का पीछा करने वाले का विचलित करने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष के। अन्नामलाई ने कहा कि यह बेहद दुखद है कि अपराध के पांच दिन बाद भी अपराधी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ऐसे अपराधी जो लड़की पर ध्यान दिए बिना यौन अपराध करते हैं और खुलेआम घूम रहे हैं, यह दर्शाता है कि समाज कितना खतरनाक है। अन्नामलाई ने आगे कहा कि सवाल यह उठता है कि अपराधी ने सड़क पर चलती लड़कियों के साथ पहले कितनी बार इतनी बेशर्मी से यौन अपराध किए हैं।

राजा रघुवंशी मर्डर केस: पत्नी सोनम और साथियों पर गहराया शिकंजा

शिलोम जेम्स की जमानत पर रोक

शिलांग/इंदौर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार प्रॉपर्टी डीलर शिलोम जेम्स की ज़मानत याचिका पर शिलांग की एक अदालत में सुनवाई हुई। सुनवाई के बाद अदालत ने याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। शिलोम जेम्स को सोहरा में राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में गिरफ्तार किया गया था। सुनवाई के दौरान आरोपी की ओर से अधिवक्ता देवेश शर्मा ने ज़मानत की मांग की, जबकि लोक अभियोजक तुषार चांदा ने इसका विरोध किया। अधिकारियों के अनुसार, बहस के बाद अदालत ने आदेश सुरक्षित रख लिया। सूत्रों के मुताबिक, जांच में पता चला है कि शिलोम जेम्स के पास से मृतक की पत्नी सोनम के गहने और एक पिस्तौल मिली है। यह भी सामने आया है कि हत्या के बाद सोनम कुछ समय के लिए शिलोम के देखरेख वाले किराए के फ्लैट में छिपी थी। इस मामले में दो और आरोपी फ्लैट के मालिक लोकेन्द्र सिंह तोमर और सिक्योरिटी गार्ड बलबीर अहिरवार उर्फ बलिया को पहले ही जमानत मिल चुकी है। इन दोनों पर सबूतों के साथ छेड़छाड़ करने का आरोप है। गौरतलब है कि इंदौर के व्यापारी राजा रघुवंशी ने इसी वर्ष मई में सोनम से विवाह किया था।

दोनों हनीमून के लिए मेघालय गए थे, जहां से वे लापता हो गए। कुछ दिनों बाद राजा रघुवंशी का रक्तरंजित शव सोहरा की एक गहरी खाई से बरामद हुआ था। सोनम को 9 जून को उत्तर प्रदेश के गाज़ीपुर स्थित एक ढाबे से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसके चार अन्य साथियों को इंदौर से पकड़ा गया था। पुलिस के अनुसार, इन सभी पर राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। सोनम की उम्र 24 वर्ष बताई गई है।

भीख मांगने वाले बच्चों का डीएनए टेस्ट होगा पंजाब की सरकार का बड़ा ऐलान

चंडीगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की भगवंत मान सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने ऐलान किया है कि राज्यभर में सार्वजनिक स्थानों, रेड लाइट पॉइंट्स, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, मल्टीप्लेक्स, बाजारों और अन्य स्थलों पर भीख मांगने वाले बच्चों का डीएनए टेस्ट कराया जाएगा। महिला एवं बाल कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश के सभी डीसी को आदेश जारी करके प्रोजेक्ट जीवनज्योत को लागू करने के लिए कहा गया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री डॉ। बलजीत कौर ने बताया कि भीख मांगने वाले बच्चों का डीएनए टेस्ट करवाकर न केवल उन्हें जीवन में मुख्य धारा से जोड़ने का सरकार प्रयास कर रही है, बल्कि उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य के लिए यह कदम उठा रही है।

बता दें कि जीवनज्योत प्रोजेक्ट समाज कल्याण के लिए सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य समाज के कमजोर वर्गों का भला करना है। विशेष रूप से बच्चों को भीख मांगने की स्थिति से बचाना और उनका पुनर्वास करना है। उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाएं प्रदान करके उनका विकास सुनिश्चित करना है।

प्रोजेक्ट को पंजाब सरकार के सामाजिक सुरक्षा, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शुरू किया गया है। जुलाई 2024 से अप्रैल 2025 तक प्रोजेक्ट के तहत 268 बच्चों को भीख मांगने से बचाया गया। 19 बच्चे माता-पिता से वंचित थे तो उन्हें सरकारी संस्थानों में रखा गया। उनकी मुफ्त शिक्षा का इंतजाम करके उन्हें स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। प्रोजेक्ट के तहत बाल कल्याण समितियों के सहयोग से बच्चों को उनके परिवारों तक पहुंचाया जाता है।

मंत्री खुद लीड कर रहीं प्रोजेक्ट

सामाजिक सुरक्षा, महिला और बाल विकास विभाग की मंत्री डॉ। बलजीत कौर खुद इस प्रोजेक्ट को लीड कर रही हैं। अब उन्होंने इस प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उन बच्चों का डीएनए टेस्ट कराने का ऐलान किया है, जिनके मां-बाप नहीं मिले हैं। वहीं अब भीख मांगते हुए मिलने वाले उन सभी बच्चों का डीएनए टेस्ट कराया जाएगा, जिनके मां-बाप नहीं मिलेंगे। इस प्रोजेक्ट के जरिए पंजाब में भीख मांगने वाले बच्चों को सरकार न केवल बेहतरीन जीवन प्रदान कर रही है, बल्कि बाल भिक्षावृत्ति जैसी सामाजिक बुराइयों को खत्म करने में अहम योगदान भी दे रहा है।

सीवर लाइन के गड्ढे में दबे दो मजदूर

शहडोल, 17 जुलाई (एजेंसियां)। शहडोल के सोहागपुर थाने के वार्ड नं 1, कोनी में एक गंभीर हादसा हुआ, जहां सीवर लाइन के लिए गड्ढा खोदते समय दो मजदूर मिट्टी में दब गए। घटना बारिश के बीच हुई, बारिश के बावजूद सीवर लाइन का काम जारी रखा गया था, जो कि कंपनी की लापरवाही को उजागर करता है। आसपास के स्थानीय निवासियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, लेकिन उनकी प्रयास नाकाम साबित हुईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। हालांकि, मिट्टी धसकने की वजह से बचाव कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। स्थानीय निवासी मन्नू वर्मा ने कहा, हमने तुरंत मदद करने की कोशिश की, लेकिन मिट्टी इतनी तेजी से धसक रही थी जिससे हम दोनों को बाहर नहीं निकाल पाए,और दोनों मजदूर मदद की गुहार लगा रहे थे और लोग देख कर भी कुछ नहीं कर सके।

हरियाणा में आप की महिला प्रदेशाध्यक्ष रजनीश जैन के साथ धोखाधड़ी

बिजनेस पार्टनर बनाने के नाम पर एक करोड़ हड़पे

जींद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी की महिला प्रदेशाध्यक्ष डॉ। रजनीश जैन के साथ एक करोड़ रुपये की धोखाधड़ी हो गई। दिल्ली और गुरुग्राम की दो कंपनियों ने बिजनेस पार्टनर बनाने, हेल्थ केयर खोलने, मुनाफा देने के नाम पर रुपये निवेश करवाए। बाद में कंपनी फरार हो गई। शहर थाना पुलिस ने दो अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। डॉ। रजनीश जैन ने बताया कि वह रोहतक रोड स्थित बालाजी अस्पताल की प्रोपराइटर है। गुरुग्राम की टेस्ला पावर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की निदेशक पूजा शर्मा और सीईओ सुभाष आर्या ने उनके साथ धोखाधड़ी की है।

साल 2022 में उन्होंने जींद में वाटर प्यूरीफायर सिस्टम का मास्टर डिस्ट्रीब्यूटर बनाने का लालच दिया। उसने 13 दिसंबर 2022 को फर्म के साथ अनुबंध किया। उसे पूरे हरियाणा की डीलरशिप दे दी। अनुबंध के तहत शुरूआत में 25 लाख रुपये का सामान खरीदना और नए डीलर्स बनाकर सामान बेचना था। रजनीश ने आरोप लगाया कि कंपनी ने व्यापार में कोई सहयोग नहीं किया। जो भी माल बेचा, सभी में शिकायत मिली। उन्हें नुकसान हुआ तो अनुबंध रद कर दिया। अपने रुपये वापस मांगने पर दुर्व्यवहार किया और धमकी दी।

हेल्थ केयर खोलने के नाम पर 50 लाख की धोखाधड़ी

दूसरे मामले में डॉ। रजनीश ने पुलिस को शिकायत दी कि दिल्ली के वजीरपुर डिपो के पास स्वास्थ्य सेवा कंपनी टास्कर ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सौरभ मिश्रा, विकास पाल, रविप्रकाश पाल, प्रसून्न पाल उनके पास आए। उन्होंने जींद में स्टोर खोलने और पार्टनर बनाने का आफर दिया। 27 नवंबर 2023 को उनके साथ अनुबंध हुआ। डॉ। रजनीश ने जनवरी 2024 में मुख्य मार्ग पर बिल्डिंग किराये पर ली और उसे तैयार करके दिया, लेकिन आरोपितों ने न तो हेल्थ केयर की शुरुआत के बाद किसी डाक्टर या स्टाफ को रखा और न ही दुकान का किराया, बिजली का बिल भरा।

कुछ माह बाद आरोपित हेल्थ केयर को ताला लगाकर चले गए। धोखाधड़ी के बाद उन्होंने रुपये मांगे तो आरोपितों ने मना कर दिया और धमकी दी। आम लोगों से भी सदस्यता के नाम पर पैसे हड़पे। इसमें उसे 50 लाख रुपये का नुकसान हुआ। पुलिस ने कंपनी, कपनी निदेशक सौरभ मिश्रा, विकास पाल, रविप्रकाश पाल, प्रसून्न पाल के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

'गांडीव' मिसाइल की क्षमता !

डीआरडीओ ने गांडीव नाम की एक ऐसी मिसाइल बनाई है, जो हवाई युद्ध में पूरा खेल को बदलने की क्षमता रखती है। इसके साथ ही भारत अपनी रक्षा शक्ति में एक और बड़ा कदम आगे बढ़ने को तैयार है। बता दें कि महाभारत के समय पांडव पुत्र अर्जुन के धनुष का नाम गांडीव था। यह मिसाइल भारत को 21वीं सदी के युद्ध में नई हवाई ताकत दिलाने की क्षमता से भरपूर है। गांडीव मिसाइल या अस्त्र एमके-3 का परीक्षण जल्द ही शुरू होगा। यह मिसाइल भारतीय वायु सेना के लिए सिर्फ एक हथियार नहीं है। अगर भविष्य में युद्ध होता है, तो यह मिसाइल भारत को हवाई क्षेत्र में दबदबा बनाने में मददगार साबित होगा। गांडीव मिसाइल की सबसे बड़ी ताकत है, इसकी 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' यानी 'नजर से दूर' मारने की क्षमता। आज के आधुनिक युग के युद्ध में यह बहुत जरूरी है। भारतीय वायु सेना के पास पहले से ही फ्रांस की बनी मेटियोर मिसाइलें हैं, जो 200 किलोमीटर तक की मारक क्षमता रखती हैं। लेकिन, गांडीव या अस्त्र एमके-3 मिसाइल 340 किलोमीटर तक मार कर सकती है। इस तरह से यह चीन की पीएल-15 (300 किलोमीटर) और अमेरिका की एआईएम -174 बीबीराम (240 किलोमीटर) से कहीं ज्यादा बेहतर है। यह सिर्फ कहने की बात नहीं है। अगर गांडीव मिसाइल को 20 किलोमीटर की ऊंचाई से छोड़ा जाए, तो यह 340 किलोमीटर दूर दुश्मन के विमान को तबाह कर सकती है। अगर इसे 8 किलोमीटर की ऊंचाई से छोड़ा जाए,तो यह 190 किलोमीटर दूर दुश्मन का खात्मा करने में सक्षम है। इससे भारतीय पायलटों को अलग-अलग तरह की परिस्थितियों में लड़ने में मदद मिलेगी। गांडीव मिसाइल में 'डुअल-फ्यूल डक्टेड रैमजेट' इंजन लगा है। इससे यह मिसाइल लंबी दूरी तक तेज गति से जा सकती है और इससे ले जाने वाले विमान में ईंधन भी कम खर्च होता है। इसे अलग-अलग ऊंचाई से छोड़ा जा सकता है और अलग-अलग तरह के मिशन के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है। यह मिसाइल दुश्मन के लड़ाकू, बमवर्षक, मालवाहक विमानों, हवा में ईंधन भरने वाले विमानों और यहां तक कि अवाक्स (एयरबोर्न वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम- विमानों को भी मार सकती है। इससे दुश्मन की हवाई गतिविधियों को शुरू होने से पहले ही रोका जा सकता है। भारत ने हाल ही में 'बियॉन्ड विजुअल रेंज' मिसाइल बनाने की तकनीक में एक बड़ा मुकाम हासिल करके दिखाया है। 11 जुलाई को डीआरडीओ और आईएएफ ने मिलकर अस्त्र एमके-1 मिसाइल का सफल परीक्षण किया। यह परीक्षण बंगाल की खाड़ी में सुखोई-30एमकेआई विमान से किया गया। इस मिसाइल ने दो तेज गति वाले मानव रहित हवाई लक्ष्यों को एकदम सटीक तरीके से मार गिराया। गांडीव इससे भी आगे की सोच है। अस्त्र एमके-1 मिसाइल का परीक्षण सिर्फ एक तकनीकी जीत नहीं है। यह दिखाता है कि अस्त्र मिसाइल भविष्य में एलसीए एमके1ए जैसे विमानों पर भी इस्तेमाल की जा सकती है। यह स्वदेशी तेजस लड़ाकू विमान का एक बेहतर वर्जन है। इसमें बेहतर इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली और हथियार लगे हैं।

धर्म परिवर्तन कराने वालों का नेटवर्क पूरे देश में

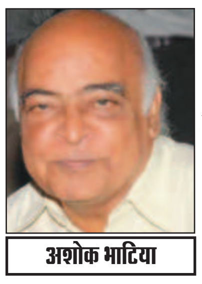
अशोक भाटिया

उत्तर प्रदेश के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने कुछ समय पूर्व बलरामपुर में जलालुद्दीन उर्फ छांगूर बाबा द्वारा चलाए जा रहे 100 करोड़ रुपये के इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश किया था और उसकी आगे की जाँच में देश में उसके कई गुर्गे धरे जा रहे है । गैर-मुस्लिमों, विशेष रूप से हिंदू लड़कियों को रोमांटिक रिश्तों, बल या प्रलोभन के माध्यम से धर्मांतरण के लिए लुभाने वाला यह जिहादी रैकेट पहला ऐसा मामला नहीं है; बल्कि, यह अभी तक एक और खिलाड़ी है जो प्रेम जाल, यौन जबरदस्ती, ब्लैकमेल, और विदेशी फंडिंग की एक भयावह प्लेबुक को अंजाम दे रहा है, हिंदुओं को निशाना बना रहा है और इस्लाम में परिवर्तित कर रहा है। यहां तक कि इस्लामो-वामपंथी पारिस्थितिकी तंत्र इस कथा को स्थापित करने पर तुला हुआ है कि लव जिहाद एक भाजपा-नियोजित षड्यंत्र सिद्धांत है, धोखा और 'इस्लामोफोबिया' का एक और रूप है, विभिन्न इस्लामी संगठनों द्वारा प्रेम, हेरफेर, जबरदस्ती और वित्तीय प्रोत्साहनों के माध्यम से धर्मांतरण के लिए हिंदू महिलाओं को लक्षित करने का एक व्यवस्थित ऑपरेशन किया जा रहा है।जहां एक मुस्लिम युवक को युवा लड़कियों को परेशान करने के लिए हिंदू मंदिर के अंदर थप्पड़ मारा जाना बड़े भारतीय और विदेशी अखबारों में सुर्खियां बटोरता है, वहीं हिंदू नाबालिग लड़कियों को निशाना बनाने वाले जिहाद और इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट के मामले भी खबर के लायक नहीं हैं। हालांकि, इस्लामी प्रभुत्व का दावा करने के अलावा जनसांख्यिकीय परिवर्तन लाने के आवर्ती पैटर्न और इस्लामवादी चाल को उजागर करने के लिए इस जिहादी विरोधी हिंदू साजिश के गंदे पानी में तल्लीन करना उचित है। बताया जाता है कि जलालुद्दीन उर्फ़ छांगुर बाबा हिंदू महिलाओं को लुभाने और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित करने के लिए मुस्लिम पुरुषों को पैसे प्रदान करता था। मुस्लिम पुरुष अपनी पहचान नकली बनाते थे और हिंदू महिलाओं को निशाना बनाने के लिए हिंदू नामों का सहारा लेते थे। जलालुद्दीन इन मुस्लिम पुरुषों की हिंदू महिलाओं के साथ मुस्लिम विवाह (निकाह) करता था, जिन्हें वे बहला-फुसलाकर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करते थे। उसने और उसके गिरोह के कई सदस्यों ने कथित तौर पर लगभग 40 बार इस्लामी देशों की यात्रा की।जलालुद्दीन के गैंग के रडार पर हिंदू लड़कियां ही नहीं, हिंदू पुरुष भी रहे हैं। संचित नाम का एक हिंदू व्यक्ति, जो छांगुर बाबा के आवास पर स्वीपर के रूप में काम करता था, ने खुलासा किया कि जलालुद्दीन ने उसे और उसके परिवार को इस्लाम में परिवर्तित होने से इनकार करने के लिए प्रताड़ित किया। धमकियों और यातना के अलावा, जमालुद्दीन ने इस्लाम में धर्मांतरण के लिए अपने लक्ष्यों को वित्तीय प्रलोभन भी दिए।

छांगुर बाबा से जुड़े एक अन्य मामले में, हरियाणा के फरीदाबाद में एक 15 वर्षीय हिंदू लड़की को उसके मुस्लिम पड़ोसियों आमिर हुसैन और उसकी बहन नेहा खान और बाद में छांगुर पीर के गिरोह के नियंत्रण वाले अन्य लोगों द्वारा बहला-फुसलाकर फंसाया गया और उसका यौन शोषण किया गया। उसकी हिंदू पहचान को व्यवस्थित रूप से मिटा दिया गया था, उसे नमाज अदा करने, मांस खाने, बुर्का पहनने के लिए मजबूर किया गया था, और उसके दुर्व्यवहार को उसके कैदियों द्वारा ब्लैकमेल के रूप में इस्तेमाल करने के लिए फिल्माया गया था।लखनऊ में, मानवी शर्मा नाम की एक हिंदू महिला को एक मुस्लिम व्यक्ति, मेराज अंसारी ने बहला-फुसलाकर 'रुद्र शर्मा' के रूप में पेश किया। उसे कानपुर ले जाया गया, जबरन इस्लाम में परिवर्तित किया गया और जमालुद्दीन उर्फ छांगूर पीर की देखरेख में शादी कर दी गई। बाद में, उसे अश्लील वीडियो के साथ प्रताड़ित किया गया और ब्लैकमेल किया गया।बलरामपुर में, एक हिंदू व्यक्ति, हरजीत को छांगुर पीर और उसके सहयोगी अब्दुल मबदूद द्वारा परेशान किया गया, ब्लैकमेल किया गया और अंततः इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया। नौकरी का लालच देकर फिर झूठे केस करने की धमकी देकर बाद में हिंदू धर्म में लौट आए। 2021 में वापस, उत्तर प्रदेश आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) ने एक सामूहिक धर्मांतरण रैकेट का पर्दाफाश किया और मौलाना मोहम्मद उमर गौतम और उसके साथी मुफ्ती काजी जहांगीर को दिल्ली से गिरफ्तार किया, कथित तौर पर 1,000 से अधिक लोगों को इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया। इस्लामिक दावा सेंटर (आईडीसी) नाम का संगठन चलाने वाले दोनों और उनके अन्य सहयोगियों पर शादी, नौकरी और पैसे और मानसिक दबाव जैसे प्रलोभनों के माध्यम से लोगों के इस्लाम में सामूहिक धर्मांतरण का आरोप लगाया गया था।अपराधियों ने अलग-अलग विकलांग बच्चों को गैर-मुसलमानों से नफरत करने, इस्लाम स्वीकार करने के लिए ब्रेनवॉश किया और उन्हें आत्मघाती हमलावरों के रूप में इस्तेमाल करने की योजना बना रहे थे, क्योंकि ऐसे बच्चों से प्रतिशोध की गुंजाइश सीमित है।

एटीएस ने 31 गैर-मुस्लिम लड़कियों के नाम के साथ एक सूची बरामद की, जो उनके धर्मांतरण के जाल में फंस गईं, और इनमें से ज्यादातर लड़कियां ग्रामीण इलाकों की थीं। पूछताछ में आरोपियों ने कथित तौर पर एटीएस अधिकारियों को बताया कि गांवों में रहने वाली लड़कियों का ब्रेनवॉश करके इस्लाम कबूल करना आसान है। वे ज्यादातर अशिक्षित हैं और कम विशेषाधिकार प्राप्त परिवारों से संबंधित हैं। इसलिए उन्हें नौकरियों और वित्तीय सहायता का लालच देना आसान हो जाता है, जो कि उमर गौतम ने इस्लाम को गले लगाने के लिए अपने लक्ष्य को लुभाने के लिए किया था।यह बताया गया था कि मुफ्ती काजी जहांगीर कासमी और मोहम्मद उमर गौतम द्वारा चलाए जा रहे धर्मांतरण रैकेट में भारत के सबसे वांछित आतंकवादी और जमात-उद-दावा प्रमुख हाफिज सईद से फंडिंग थी। धर्मांतरण का यह रैकेट 'मोटिवेशन कैंप' के तौर पर चलाया जा रहा था। इसके अलावा, इस्लामिक दावा सेंटर- उमर गौतम के संगठन के कुख्यात इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक के सहयोगी के साथ संबंधों का भी पता चला है। यह भी सामने आया कि पाकिस्तान की आईएसआई भी इस धर्मांतरण रैकेट को फंडिंग कर रही थी।

जून 2025 में, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की एक नाबालिग लड़की को फंसाया गया और उसके गाँव से केरल लाया गया, जहाँ उसे इस्लाम अपनाने के लिए मजबूर किया गया और आतंकवादी अभियानों के लिए भर्ती किया गया। प्रयागराज के फूलपुर इलाके में एक 15 वर्षीय दलित लड़की को बहला-फुसलाकर उसके गांव से ले जाया गया और फिर 19 वर्षीय कहकाशा बानो और 25 वर्षीय मोहम्मद कैफ द्वारा केरल ले जाया गया, जहां उसे इस्लाम में परिवर्तित होने के लिए मजबूर किया गया और जिहाद की तैयारी के लिए मजबूर किया गया। चौंकाने वाला मामला 28 जून को तब सामने आया जब गुड्डी देवी ने बताया कि कहकशां उर्फ दरकाशा बानो नाम की एक स्थानीय महिला ने बेहतर अवसरों और पैसे के नाम पर उसकी बेटी को ले लिया।

हिंदू दलित लड़की के साथ मोहम्मद कैफ ने भी छेड़छाड़ की थी।पुलिस को संदेह था कि हिंदू लड़कियों को इस्लाम में लुभाने और उन्हें जिहादी गतिविधियों के लिए प्रशिक्षित करने के लिए एक अंतरराज्यीय जिहादी गठजोड़ चल रहा है। जून 2025 में, उत्तर प्रदेश के आगरा जिले की दो हिंदू बहनों का ब्रेनवॉश किया गया और उन्हें इस्लाम में परिवर्तित कर दिया गया। बड़ी बहन सबसे पहले अपनी ही दोस्त साइमा द्वारा धार्मिक संवारने और धर्मांतरण के दुष्चक्र का शिकार हुई, जो उधमपुर,जम्मू-कश्मीर की रहने वाली थी। बाद में, उसने अपनी छोटी बहन को तैयार किया। दोनों बहनें कई महीनों से लापता थीं। मामला दर्ज होने के बाद, पुलिस ने एक जांच शुरू की और पाया कि मामला कमजोर हिंदू लड़कियों के धर्म परिवर्तन के पैटर्न का पालन करता है, जैसा कि फिल्म 'द केरल स्टोरी' में दिखाया गया था। हिंदू बहनें इस्लामिक धर्मांतरण रैकेट का शिकार होने से उसी जिहादी गिरोह का सक्रिय हिस्सा बन गईं।

इंदौर: जहाँ सफाई कर्म नहीं, एक पूजा है

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

इंदौर, वह नगरी जो स्वच्छता के स्वर्णिम आकाश में सूरज-सा चमकता है, जिसने अपनी धरती को न केवल भारत का गौरव बनाया, बल्कि विश्व मंच पर एक अनुपम मिसाल कायम की। यह शहर केवल ईंट-पत्थर का समूह नहीं, बल्कि एक ऐसी सजीव कथा है, जो हर गली, हर चौराहे, हर नुक्कड़ पर स्वच्छता की अमर गाथा गाती है। स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार भारत का सबसे स्वच्छ शहर बनकर इंदौर ने न केवल एक कीर्तिमान रचा, बल्कि हर भारतीय के हृदय में गर्व और प्रेरणा का दीप जलाया। यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की जीत नहीं, बल्कि प्रशासन, स्वच्छता कर्मियों और जनता के अटूट समर्पण, जुनून और एकजुटता का वह अनमोल रत्न है, जो इंदौर को स्वच्छता का ताज पहनाता है। सूरत ने दूसरा और नवी मुंबई ने तीसरा स्थान हासिल कर इस स्वच्छता महायज्ञ में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज की, जबकि 3-10 लाख जनसंख्या वर्ग में चंडीगढ़, नोएडा और उज्जैन ने भी अपनी स्वच्छता की चमक बिखेरी। नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक भव्य समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इन विजेताओं को सम्मानित किया, जिसने इस उपलब्धि को और अधिक गौरवशाली बना दिया। इंदौर की यह स्वच्छता कथा कोई साधारण उपलब्धि नहीं, बल्कि एक ऐसी क्रांति है, जिसने स्वच्छ भारत मिशन को नया आलोक प्रदान किया। स्वच्छता सर्वेक्षण, जो आज विश्व का सबसे विशाल शहरी स्वच्छता मूल्यांकन बन चुका है, ने 4,500 से अधिक शहरों को 10 मापदंडों और 54 संकेतकों के आधार पर परखा। कचरा प्रबंधन, सेवा वितरण और नागरिक भागीदारी जैसे पहलुओं पर इंदौर ने न केवल अपनी अजेय श्रेष्ठता साबित की, बल्कि सुपर स्वच्छता लीग में भी शीर्ष स्थान हासिल कर एक नया इतिहास रच दिया। यह लीग उन 15 शहरों की थी, जो पिछले तीन वर्षों में शीर्ष तीन स्थानों पर रहे, और इंदौर ने इसमें भी अपनी अनमोल बादशाहत कायम रखी। यह उपलब्धि इंदौर की उस अटल प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो स्वच्छता को केवल एक लक्ष्य नहीं, बल्कि एक जीवनशैली मानती है। 2016 में जब इंदौर ने पहली बार स्वच्छता सर्वेक्षण में शीर्ष स्थान हासिल किया, तब से लेकर आज तक, इस नगरी ने अपनी स्वच्छता को न केवल बनाए रखा, बल्कि इसे और अधिक निखारा। इंदौर नगर निगम और स्थानीय प्रशासन की दृढ़ इच्छाशक्ति ने इसे संभव बनाया। 100% डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, 98% स्रोत पर कचरे का पृथक्करण, और कचरे से सीएनजी उत्पादन जैसे अभिनव उपायों ने इंदौर को सात सितारा 'गार्बेज फ्री सिटी' की रेटिंग दिलाई। आंकड़े बताते हैं कि इंदौर में प्रतिदिन 1,200 टन कचरे का वैज्ञानिक प्रबंधन किया जाता है, जिसमें से 550 टन गीले कचरे से खाद और 50 टन से अधिक प्लास्टिक का पुनर्चक्रण होता है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय जैसे नेतृत्वकर्ताओं ने इस अभियान को एक जन-आंदोलन में बदल दिया। विजयवर्गीय का एक बयान, सुपर स्वच्छ इंदौर, यह एक नया युग है !इस शहर की स्वच्छता के प्रति उस अटूट विश्वास को दर्शाता है, जो हर इंदौरी के हृदय में बसता है।

इंदौर की स्वच्छता गाथा उन अनाम नायकों के बिना अधूरी है, जिन्हें हम 'सफाई मित्र' कहते हैं। ये स्वच्छता कर्मी, जो सूरज की पहली किरण से लेकर रात की अंतिम छाया तक सड़कों, नालों और गलियों को चमकाते हैं, इस शहर के असली हीरो हैं। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में चंडीगढ़ को 'सर्वश्रेष्ठ सफाई मित्र सुरक्षित शहर' का पुरस्कार मिला, लेकिन इंदौर ने भी अपने सफाई मित्रों की सुरक्षा और सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। इन कर्मियों को आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षण और सामाजिक सम्मान प्रदान किया गया, जिसने उनके मनोबल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। ये सफाई मित्र केवल कचरा नहीं उठाते, बल्कि इंदौर की शान को हर दिन नया आलम देते हैं।

इंदौर की स्वच्छता का सबसे बड़ा रहस्य उसकी जनता है। यह शहर केवल प्रशासन की नीतियों या कर्मियों की मेहनत का परिणाम नहीं, बल्कि उन लाखों इंदौरियों का उपहार है, जिन्होंने स्वच्छता को अपनी संस्कृति बना लिया। कचरे को स्रोत पर अलग करना, सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ रखना, और स्वच्छता अभियानों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना—इंदौर की जनता ने हर कदम पर प्रशासन का साथ दिया। स्वच्छता सर्वेक्षण 2023 में 12 करोड़ नागरिकों की प्रतिक्रियाओं ने साबित किया कि स्वच्छता केवल सरकारी योजना नहीं, बल्कि जन-आंदोलन है। इंदौर में कचरे से सीएनजी उत्पादन और जैविक खाद जैसे नवाचारों ने न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा दिया, बल्कि नागरिकों में यह विश्वास जगाया कि उनका हर छोटा प्रयास मायने रखता है। इस बार स्वच्छता सर्वेक्षण में एक नया प्रयोग हुआ। इंदौर, सूरत, नवी मुंबई, चंडीगढ़, नोएडा और उज्जैन जैसे 15 शहरों को सुपर स्वच्छता लीग में शामिल किया गया, जिसमें पिछले तीन वर्षों में शीर्ष तीन स्थानों पर रहे शहरों को रखा गया। इस लीग में 12,500 अंकों की स्कीम के तहत प्रदर्शन का मूल्यांकन हुआ, और इंदौर ने इसमें भी अपनी अजेयता साबित की। इसके साथ ही, एक नई पहल के तहत इन शीर्ष शहरों को कमजोर स्वच्छता स्कोर वाले शहरों को गोद लेकर उनकी स्थिति सुधारने की जिम्मेदारी दी गई। यह चुनौती इंदौर की नेतृत्व शक्ति को और परखेगी, साथ ही अन्य शहरों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। सूरत, नवी मुंबई, चंडीगढ़, नोएडा और उज्जैन ने भी स्वच्छता के क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी। सूरत, जो पिछले वर्ष इंदौर के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर था, इस बार दूसरे स्थान पर रहा। नवी मुंबई ने लगातार तीसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत की, जबकि चंडीगढ़ और नोएडा ने 3-10 लाख जनसंख्या वर्ग में अपनी स्वच्छता की मिसाल कायम की। उज्जैन, मध्य प्रदेश का एक और रत्न, ने भी इस श्रेणी में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। ये शहर साबित करते हैं कि सामूहिक इच्छाशक्ति और प्रयासों से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं।इंदौर की यह उपलब्धि न केवल भारत, बल्कि विश्व स्तर पर स्वच्छता के नए मानक स्थापित करती है। स्वच्छ भारत मिशन का लक्ष्य अब शहरों को पूरी तरह कचरा-मुक्त बनाना है। इंदौर जैसे शहरों को अब न केवल अपनी स्वच्छता को बनाए रखना है, बल्कि अन्य शहरों को भी इस पथ पर ले जाना है। सर्वेक्षण की थीम 'रिड्यूस, रियूज, रिसायकल' पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इंदौर का यह सफर हमें सिखाता है कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि एक संस्कृति है, जो हमारे शहरों को और अधिक सुंदर, स्वस्थ और रहने योग्य बनाती है। इंदौर की स्वच्छता गाथा एक ऐसी प्रेरणा है, जो हर भारतीय के हृदय को झंकृत करती है। यह कहानी प्रशासन की दृढ़ता, स्वच्छता कर्मियों की मेहनत और जनता के अटूट विश्वास की त्रिवेणी है।

गरीब देशों की महामारी ? प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग

संजीव ठाकुर

भारत जैसे कई विकासशील देशों में ही जहां गरीबी ने अपना परचम फैला रखा है। शहरों में पेट्रोल ,डीजल, केरोसिन से चलने वाली गाड़ियों और वातानुकूलित यंत्रों याने ए,सी की संख्या में बेतहाशा वृद्धि होने से वातावरण में उष्णता बढ़ते जा रही है। इसके अलावा वनों का विनाश एक भयानक समस्या के रूप में देश में फैलता जा रहा है। अंधाधुंध फैक्ट्रियों एवं मशीनों के उपकरणों से निकलने वाले धुंए से वातावरण विषैला बनाकर मनुष्य और जीव जंतुओं का जीना दूभर कर दिया है। वनों की कटाई के साथ-साथ कंक्रीट के जंगल धीरे-धीरे गांव की तरफ बढ़ने लगे हैं, ऐसे में शुद्ध वायु और और तापमान में आश्चर्यजनक बदलाव जिसके परिणाम स्वरूप वर्षा ऋतु के परिवर्तन एवं बारिश में न्यूनता आने से धरती के तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई है। इसी के चलते देश के कई शहरों में तापमान 48 से 50 सेल्सियस होने के कारण पशु पक्षी एवं मनुष्य की हीट स्ट्रोक से मृत्यु हुई हो जाती है। पानी की कमी तथा शरीर में डिहाइड्रेशन से लोगों की तथा वन्य पशुओं की लगातार मृत्यु हो रही है।

ग्लोबल वार्मिंग का खतरा

वैज्ञानिकों के अनुसार पूरे विश्व में बहुत बढ़ गया है और ऐतिहासिक तौर पर पिछले दो से तीन सौ वर्षों की तुलना की जाए तो बीते कुछ वर्षों में धरती का तापमान आश्चर्यजनक रूप से तीव्र गति से बढ़ गया है। वैज्ञानिकों के अनुसार पृथ्वी के पास ग्लोबल वार्मिंग से बचने के लिए कुल मिलाकर 10 से 15 वर्ष ही शेष है। वैज्ञानिकों की यह बातें और रहस्योद्घाटन मानवता को डराने वाला जरूर है पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसके उपायों की जो घोर अनदेखी की जा रही है वह अत्यंत चिंतनीय है। मानवता के लिए अत्यंत खतरनाक भी है।

ग्लोबल वार्मिंग न सिर्फ मनुष्य के लिए खतरा है बल्कि जीव-जंतुओं समुद्र मैं पाए जाने वाले जीवो के लिए भी यह अत्यंत विषैला तथा खतरनाक हो सकता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वैज्ञानिकों के शोध के अनुसार जीवाश्म ईंधन के दशक ने एवं जलने से ग्लोबल वार्मिंग का तापमान तेजी से बढ़ा है एवं पूरी पृथ्वी जीवाश्म ईंधन के जलने से तेजी से धड़क रही है। वैज्ञानिकों की चेतावनी तथा दिए गए प्रमाण के बाद भी अनेक देश जो कार्बन उत्सर्जन के बड़े जिम्मेदार हैं, जीवाश्म ईंधन की इस्तेमाल को कम करने या खत्म करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। जीवाश्म ईंधन की खपत खत्म होने की बात तो दूर है कम करने का नाम ही नहीं ले रहे हैं, और तो और इसके आसार भी निकट भविष्य में भारत को छोड़कर अन्य यूरोपीय देशों जिसमें अमेरिका ब्रिटेन के अलावा 32 देशों ने जो कार्बन उत्सर्जन एवं जीवाश्म ईंधन के उपयोग के लिए सर्वाधिक जिम्मेदार हैं, सम्मेलन कर इस पर चिंता जरूर जताई है पर इसमें स्पष्ट तौर पर अमेरिका, ब्रिटेन ,जापान चीन ,रूस की दादागिरी दिखाई देती है,यह छोटे गरीब देशों पर सारी जिम्मेदारी लादने का काम कर रहे हैं ।विश्व के कुल देशों में से लगभग 50 देश ऐसे हैं जो जीवाश्म ईंधन का उपयोग कर पृथ्वी को धधकाने के कार्य का 60% तक हिस्सेदारी रखते हैं। लेकिन इन देशों को ग्लोबल वार्मिंग की चिंता की बजाए विकासशील देश एवं गरीब देशों पर पर्यावरण सुरक्षा के नाम पर ग्लोबल वार्मिंग के नाम पर दोषारोपण कर के अपनी इतिश्री कर लेते हैं। ग्लोबल वार्मिंग तथा पर्यावरण चिंतन जितने भी सम्मेलन हुए हैं इसमें बड़े देशों की नीति एवं दादागिरी स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। चीन जो सबसे बड़ा कार्बन का उत्सर्जक देश है उसने पर्यावरण पर हुए सम्मेलनों में हिस्सेदारी तो दूर उसकी तरफ ध्यान देना भी उचित नहीं समझा। इंटरनेशनल पॉल्यूशन कंट्रोल कमिटी ने चेतावनी दी है कि धरती के तापमान की वृद्धि को डेढ़ डिग्री तक रोकने के लिए कार्बन उत्सर्जन में 43% से 50% तक कटौती करनी होगी। 2010 से लेकर 2021 तक दुनिया का औसत वार्षिक ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन मानव इतिहास में सबसे उच्चतम स्तर पर पहुंच गया है जो सर्वाधिक खतरे के निशान से भी ऊपर है। फलस्वरूप जलवायु परिवर्तन के वजह से होने वाली ग्लोबल वार्मिंग को रोकने के लिए हमें अपने उत्सर्जन को लगभग शून्य पर लाना होगा, और इस कार्य के लिए पूरी दुनिया को ऊर्जा क्षेत्र में बड़े और कार्यकारी बदलाव लाने होंगे, इसके अलावा जीवाश्म ईंधन के उपभोग में भारी कमी भी लानी पड़ेगी। विगत 3 वर्षों में अक्षय ऊर्जा स्रोतों में जैसे सौर एवं पवन ऊर्जा साथी स्टोरेज बैटरी की लागत में आश्चर्यजनक गिरावट आई है जो लगभग गैस तथा कोयले की कीमत के बराबर हो गए हैं। कार्बन उत्सर्जन अभी 54% अधिक है। वास्तविक रूप से देखा जाए तो दुनिया के सब अमीर देश अकेले विश्व के कुल गैस उत्सर्जन के लिए बड़े जिम्मेदार पाए गए हैं। वैज्ञानिकों ने कहा है कि अगले आठ दस सालों में अपने गैस उत्सर्जन में कटौती को आधा यानी 50% से कम नहीं करती है तो वर्ष 2050 तक उसे शून्य स्तर पर लाना होगा, अगर ऐसा नहीं किया तो पृथ्वी को तबाह होने से कोई नहीं रोक सकता है। भारतीय संदर्भ में देखा जाए तो भारत मोटे तौर पर ग्रीन हाउस गैसों के कुल वैश्विक उत्सर्जन में सहित 6.8 प्रतिशत का हिस्सेदार है।

दिमागी रेबीज यानी इंसान से दूरी, कुत्ते से करीबी

डॉ सत्यवान सौरभ

हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहाँ लोग अपनी मां को वृद्धाश्रम छोड़ आते हैं, लेकिन कुत्तों के लिए मखमली बिस्तर खरीदते हैं। जहाँ बच्चे की फीस चुकाना कठिन होता है, पर पालतू जानवर के लिए सालगिरह पार्टी देना 'प्यारा' माना जाता है। यह वह युग है जहाँ संवेदना की दिशा बदली है, विस्तार नहीं हुआ। पशु-पक्षियों से प्रेम करना बुरा नहीं, परन्तु जब यही प्रेम इंसानों से दूरी और उपेक्षा में बदल जाए, तो यह मानसिक संतुलन की नहीं, मानसिक भ्रम की निशानी है।

आजकल लोग कहते हैं कि कुत्ते सबसे वफादार होते हैं। सच है, लेकिन क्या हम वफादारी को इस हद तक महान बना दें कि माता-पिता, भाई-बहन, बूढ़े पड़ोसी और जरूरतमंद समाज सब गौण हो जाएँ? वफादारी के नाम पर मानवता की अवहेलना कहाँ तक उचित है? यह प्रश्न आज की आधुनिकता को विचलित कर देने वाला है।

इंसान से अपेक्षा होती है, सवाल होते हैं, उत्तरदायित्व की मांग होती है। वहीं कुत्ते, बिल्ली, तोते और खरगोश केवल स्नेह लेते हैं, बिना कुछ माँगे। यही वजह है कि लोग अब उन जीवों के प्रति अधिक आकर्षित हैं जिनसे कोई सामाजिक जिम्मेदारी नहीं जुड़ी होती। यह करुणा नहीं, सुविधा आधारित प्रेम है। एक ओर लोग कुत्तों के लिए जन्मदिन का केक मंगाते हैं, उन्हें कार की अगली सीट पर बैठाते हैं, और महंगे कपड़े पहनाते हैं, वहीं दूसरी ओर किसी गरीब बच्चे के कपड़े गंदे होने पर नाक-भौं सिकोड़ लेते हैं। एक पक्षी घायल मिल जाए तो तस्वीर खींच कर दया प्रकट करते हैं, लेकिन सड़क किनारे भूख से बिलखता मजदूर उन्हें 'सिस्टम की समस्या' लगता है। यह कौन सी करुणा है जो निरीह के लिए है लेकिन जरूरतमंद इंसान के लिए नहीं?

बाजार ने इस प्रवृत्ति को भांप लिया है। अब कुत्तों के लिए स्नानगृह, बिल्लियों के लिए केक, और खरगोशों के लिए खिलौने उपलब्ध हैं। यह करोड़ों रुपये का उद्योग बन चुका है। मीडिया भी इस 'करुणा-प्रेम' को बढ़ावा देता है। जो पशुओं के लिए भावुक हो, वह सभ्य है। जो इंसानों के लिए भावुक हो, वह मूर्ख कहलाता है। यह संवेदना का नया वैश्विक रूप है, जिसमें भावना नहीं, 'कूलनेस' बिकती है।

आज के समाज में एक नई बीमारी पनप रही है — मानसिक रेबीज। जैसे कुत्ता रेबीज होने पर पागल होकर काटने लगता है, वैसे ही यह सामाजिक रेबीज लोगों को अपने जैसे इंसानों से काटने, तिरस्कृत करने और उपेक्षित करने पर मजबूर कर रहा है। यह बीमारी प्रेम का मुखौटा पहनकर फैल रही है। यह बीमारी कहती है कि इंसानों से प्रेम करना खतरे का काम है, लेकिन जानवरों से प्रेम करना सुरक्षित और प्रतिष्ठित।

यह भी देखा गया है कि बहुत से लोग अपनी अधूरी भावनाओं को पशु-पक्षियों पर थोपते हैं। जिन्हें बचपन में स्नेह नहीं मिला, वे कुत्ते को बेटा कहने लगते हैं। जिनके रिश्ते टूट गए, वे बिल्लियों को जीवन साथी मानने लगते हैं। यह प्रेम नहीं, भावनात्मक पलायन है। यह उस सच से भागने की कोशिश है जो आईना दिखाता है। पशु आईना नहीं दिखाते, इसलिए वे अब आदर्श बनते जा रहे हैं।इस प्रवृत्ति में सबसे बड़ी गड़बड़ी यह है कि इसमें प्राथमिकताएं विकृत हो गई हैं। अब हम पशुओं को तो गोद लेते हैं, लेकिन अनाथ बच्चों को नहीं। हम पक्षियों के लिए दाना डालते हैं, लेकिन पड़ोस की विधवा के लिए एक रोटी नहीं निकालते। हम कुत्ते के बाल कटवाने के लिए हज़ार रुपये देते हैं, लेकिन किसी गरीब की दवा के लिए दस रुपये खर्च करने में संकोच करते हैं। यह मानसिकता समाज को असंवेदनशील बना रही है। संवेदना वह होती है जो बिना भेदभाव सबके लिए हो — इंसान और जीव-जंतु दोनों के लिए। लेकिन जब यह केवल पशुओं तक सीमित हो जाए, तो वह संवेदना नहीं, ढोंग बन जाती है।

चाह बाबा होने की !

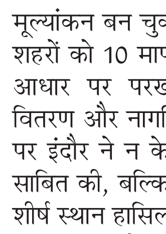
कस्तूरी दिनेश

आजकल मन बाबा होने को कर रहा है । अपने घर का नहीं रे बाबा, इसमें दुःख ही दुःख है .हो तो सारी दुनिया का हो ! आनन्द ही आनन्द ! उम्र साठ की बॉर्डर लाइन पर पहुंच गई है ! जीवन भर बैल की तरह जुटा हुआ गृहस्थी की गाड़ी खीचता रहा पर घर में न मान,न सम्मान ! उपर से बहुओं का फुसफुसाना--- "बुड्ढा टोकाटाकी करते दिन-रात घर में खांसते-खुखरते पड़ा रहता है ! न काम का,न धाम का दुश्मन अनाज का ! भगवान इसको उपर बुलाते भी नहीं...! ऊपर जाए तो माँ गौरी को चुनरी चढ़ाऊँ ! इसके उलट,जगत बाबा बनने का मजा ही कुछ और है । आप जहां खड़े हो जाएँ,दुनिया त्राहिमाम-त्राहिमाम करती आपके चरणों की पवित्र धूलि को अपने माथे पर लेपने के लिए चरणों में लोट जाए ! बड़े-बड़े मंत्री और संत्री आपके आश्रम के दरवाजे पर लाइन लगाये अपने नम्बर की बाट जोहें । कल तक एक छोटी सी नौकरी और ट्रांसफर के लिए आपके गिड़गिड़ाने की आवाज, जिन महान देश-सेवकों के कानों तक पहुंचने के पहले दम तोड़ देती थी, आज आपके बाबा होते ही उन्हीं की आत्मा आपके चरण-चापने के लिए व्याकुल छटपटाने लगे ! है न परमानन्द वाली बात ! बाबा होने के लिए किसी डिग्री या प्रतिभा की जरूरत नहीं होती । थोड़ी धूर्तता का घोल,थोड़ी बेईमानी की चासनी और थोड़ा धर्म का गुलाब जल मिला दीजिये और भकोसिये आजीवन अपार श्री-सम्पत्ति की सुगन्धित स्वादिष्ट मिठाई ! करोड़ो का आश्रम बनाइए,मन्दिर-मस्जिद,चर्च-मदरसे खड़े कीजिए !प्रवचन झाड़िए,ग़रीबों कि मजबूरी का फायदा उठाकर धर्म परिवर्तन कीजिए ! कोई रोकने-टोकने वाला नही ! मंत्री को वोट कटने का डर है, पुलिस को माहवारी के नुकसान का भय...! अब बचा रोकने-टोकने वाला और कौन माई का लाल...? बस बन जाइए छांगुर बाबा ! विदेशों से करोड़ो की फंडिंग का दक्षिणा पाइए,देश की ऐसी तैसी की हरचंद कोशिश कीजिए ! कोई बात नहीं आज आप गली-गली,मारे-मारे घूम-घूमकर टिकली-चूड़ी, चूर्ण-मसाला बेचते रहे ! बहुत हो गया पर अब ये बेवकूफी बंद करिये अपने ज्ञान-चक्षु खोलिए ! दाढ़ी-वाढ़ी, खोपड़ी का जुल्फ बढ़ाइए और काला पीला लबादा ओढ़कर बन जाइए बाबा...! झूठमूठ का ओठ हिलाते मन्त्र पढ़िए,बीमारी ठीक करिए,भूत भगाइए ! सारी दुनिया आपके चरणों में लोटेगी बंदे ! अपने देश में मूर्खों की कमी है क्या ...! एक ढूढो हजार मिलते हैं ! हाँ,योग्य शिष्य बनाना न भूलियेगा ! आप ही की तरह गुणवान-प्रतिभावान , जो नाच-गा करके,आपकी यश-कीर्ति को अखिल भू-लोक क्या,स्वर्ग-लोक तक पहुंचा सके !

महादेव का एक ऐसा धाम, जहां 5 शिवलिंग विराजमान

देवों के देव महादेव का संसार बड़ा निराला है। देश के हर कोने में स्थित महादेव के ज्योतिर्लिंग के साथ ही महादेव के कई ऐसे शिवलिंग भी हैं, जिनके चमत्कार के बारे में जानकर आपके रोंगटे खड़े हो जाएंगे। ऐसे में गुजरात में महादेव का एक ऐसा धाम है, जहां समुद्र के किनारे चट्टान के नीचे 5 शिवलिंग विराजमान हैं और अरब सागर इन शिवलिंग का लगातार अभिषेक करता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार इन शिवलिंग को पांडवों ने स्थापित किया था।

गंगेश्वर महादेव का अद्भुत मंदिर, जहां हैं पंच शिवलिंग

गुजरात के फुदम गांव में स्थित गंगेश्वर महादेव का यह मंदिर, जिसके बारे में मान्यता है कि पांडवों ने अपने वनवास के दौरान इस शिवलिंग को स्थापित किया था। यह गुजरात के सबसे प्राचीन मंदिरों में से एक माना जाता है। यहां महादेव का अभिषेक आठों प्रहर समुद्र खुद करता है। समुद्र के किनारे कटी हुई चट्टानों से बनी गुफा के भीतर यह शिवलिंग स्थित है। यह एक गुफा मंदिर है, जहां हर कुछ समय के बाद समुद्र की लहरें आकर शिवलिंग का अभिषेक कर वापस लौट जाती हैं। इस मंदिर में इसके साथ भगवान गणेश, भगवान विष्णु और देवी लक्ष्मी की भी मूर्ति मौजूद है। इन पांचों शिवलिंग के बारे में यह भी मान्यता है कि यह स्वयंभू हैं। इस मंदिर को यहां पंच शिवलिंग मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। वहीं, इसे सीशोर मंदिर के नाम से भी ख्याति प्राप्त है।

गुजरात के फुदम गांव से कुछ किलोमीटर दूर यह मंदिर एक छोटे से द्वीप दीव में स्थित है। दीव एक छोटा सा द्वीप है, जो गुजरात के सौराष्ट्र प्रायद्वीप के दक्षिणी सिरे पर स्थित है। वहीं, गुजरात के भावनगर में कोलियाक तट से तीन किलोमीटर अंदर अरब सागर में निष्कलंक महादेव का मंदिर स्थित है। इस मंदिर में अरब सागर की लहरें रोज पांच शिवलिंग का जलाभिषेक करती हैं।

कुंड में प्रकट होती हैं गंगा, दर्शन के लिए करना पड़ता है इंतजार

मान्यता है कि इस शिवलिंग के पास में ही एक कुंड है, जिसमें अक्षय तृतीया के दिन स्वयं गंगा जी प्रकट होती हैं। इस मंदिर में महादेव के दर्शन के लिए आपको इंतजार करना पड़ता है। यहां समुद्र दोपहर एक बजे से रात 10 बजे तक महादेव के दर्शन के लिए भक्तों को रास्ता देता है। यानी भक्त इतने ही समयावधि में यहां महादेव का दर्शन कर सकते हैं। इसके बाद शिवलिंग के दर्शन आप नहीं कर सकते हैं।

समुद्र में जैसे-जैसे ज्वार बढ़ता है, शिवलिंग डूब जाता है और मंदिर का पताका और स्तंभ ही केवल नजर आता है। दर्शनार्थियों को महादेव के दर्शन के लिए समुद्र में पैदल चलकर जाना होता है। यहां समुद्र के बीच एक चबूतरे पर हर तरफ एक-एक कर पांच शिवलिंग हैं और एक छोटा सा तालाब है, जिसे पांडव तालाब भी कहते हैं। श्रद्धालु यहां पूजा-अर्चना से पहले इसी तालाब में आचमन करते हैं।

शिव कृपा से मिलती है मुक्ति

यहां के बारे में मान्यता है कि अगर भक्त किसी परिजन की चिता की राख को शिवलिंग पर लगाकर यहां प्रवाहित कर दें तो उनके परिजन को मुक्ति मिल जाती है। इस मंदिर को भी महाभारत के काल से ही जोड़ा जाता है। इन 5 शिवलिंग के बारे में पौराणिक मान्यता है कि यहां महादेव ने पांडवों को लिंग रूप में दर्शन दिए थे।

स्तंभेश्वर महादेव मंदिर, जहां जलाभिषेक के लिए सागर को लेनी होती अनुमति वहीं, शिव का एक ऐसा ही अद्भुत संसार गुजरात के वडोदरा के पास अरब सागर में स्थित है। गुजरात के भरूच जिले में स्थित यह मंदिर समुद्र की तेज लहरों में अपने आप गायब हो जाता है और कुछ देर बाद खुद बाहर आ जाता है। इसका नाम स्तंभेश्वर महादेव मंदिर है। इसमें चार फुट ऊंचा और दो फुट घेरे वाला शिवलिंग स्थापित है। इस मंदिर में स्थित शिवलिंग को देखकर आप मंत्रमुग्ध हो जाएंगे।

इस मंदिर के बारे में मान्यता है कि यहां महादेव का जलाभिषेक करने के लिए सागर उनके चरण स्पर्श कर अनुमति मांगते हैं। जहां सागर महादेव को अर्घ्य देने के लिए शाम को स्वयं शिव के द्वार पर पहुंचते हैं। यह मंदिर पूरे दिन में दो बार जलमग्न हो जाता है और तब मंदिर के शिखर पर फहरा रहे पताका के अलावा कुछ भी नजर नहीं आता और तब किसी को महादेव के दर्शन की अनुमति नहीं मिलती है।

भगवान कार्तिकेय ने किया था स्थापित

इस मंदिर को पुराणों के अनुसार, सतयुग का बताया जाता है। इस मंदिर का वर्णन स्कंद पुराण में भी है। वहीं, शिव पुराण के रुद्र संहिता में भी इस मंदिर का वर्णन मिलता है। स्कंद पुराण के अनुसार इस मंदिर में स्थित शिवलिंग महादेव के साथ से ही है, मतलब बात युगों पुरानी है। इसको लेकर मान्यता है कि इस मंदिर को भगवान कार्तिकेय ने स्थापित किया था और यह मुनियों की तपस्थली है।

श्रीकृष्ण की सीख- हर कर्म का फल जरूर मिलता है

कुरुक्षेत्र के जब श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा था कि कर्म करो, फल की चिंता मत करो, तब उन्होंने जीवन की सबसे बड़ी सीख दी थी। जीवन में कर्म करना हमारा धर्म है, लेकिन उसका फल क्या मिलेगा, इसकी चिंता हमें नहीं करनी चाहिए, हमें सिर्फ अपने कर्म धर्म के मुताबिक करते रहना चाहिए। कर्म का फल कभी खत्म नहीं होता है, वह सही समय आने पर हमें अवश्य मिलता है।

श्रीकृष्ण ने गीता का ज्ञान दिया और कर्म का महत्व समझाया। स्वयं श्रीकृष्ण ने भी अपने कर्मों के परिणाम स्वीकार किए। श्रीकृष्ण की लीलाएं जब पूरी हो गईं, तब एक दिन वे अकेले जंगल में विश्राम की मुद्रा में लेटे थे, तब एक शिकारी का बाण उनके पैर पर लगा और इसके बाद वे अपने धाम लौट गए। ये कर्म के चक्र की पूर्णता का प्रतीक है, कर्म भूलता नहीं।

कर्म का नियम है हर क्रिया का फल जरूर मिलता है गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि कोई भी मनुष्य एक क्षण भी बिना कर्म के नहीं रह सकता। श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना के लिए पांडवों का मार्गदर्शन किया, युद्ध की रणनीति बनाई और कई बार पारंपरिक नियमों को भी तोड़ा। धर्म की विजय के लिए उन्होंने कई तरह की लीलाएं रचीं।

गांधारी के सभी पुत्र महाभारत युद्ध में मारे गए। दुखी होकर गांधारी ने श्रीकृष्ण को शाप दिया कि जिस तरह कौरव वंश खत्म हुआ है, ठीक इसी तरह तुम्हारा यदुवंश भी खत्म होगा। श्रीकृष्ण ने क्रोध नहीं किया, बल्कि इस शाप को भी स्वीकार किया, क्योंकि वे हमें संदेश देना चाहते थे कि हर कर्म की प्रतिक्रिया निश्चित है। श्रीकृष्ण की नीतियों की वजह से ही पांडवों ने कौरव वंश को खत्म कर दिया और धर्म की स्थापना हुई। इसके बदले में श्रीकृष्ण ने गांधारी का शाप स्वीकार किया।

निःस्वार्थ भाव से करना चाहिए कर्म

श्रीकृष्ण ने हमेशा निष्काम कर्म करने का उपदेश दिया है। भगवान ने कभी भी राजपाट, यश, कीर्ति, वंश के लिए कभी मोह नहीं किया, उन्होंने सिर्फ धर्म के अनुसार कर्म पर ही ध्यान दिया। युद्ध में श्रीकृष्ण ने जो कर्म किए, उनकी वजह से उनके पूरे वंश को गांधारी का शाप झेलना पड़ा। इस प्रकार श्रीकृष्ण ने हमें वही संदेश दिया है जो उन्होंने अर्जुन को दिया था। फल की चिंता छोड़ दो, लेकिन जब फल मिलता है तो उसे सकारात्मक सोच के साथ स्वीकार जरूर करना चाहिए।

कर्म और नियति, एक ही चक्र के अलग-अलग अंग हैं

गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि आत्मा अमर है, लेकिन शरीर नश्वर है। उन्होंने स्वयं ये सत्य अपने अंतिम समय से सिद्ध किया, जब जरा नाम के शिकारी ने श्रीकृष्ण के पैर में बाण मारा। माना जाता है कि जरा पुराने जन्म में बालि वानर था। विष्णु जी के अवतार राम ने बालि को छिपकर बाण मार था। त्रेतायुग के इस कर्म का फल द्वापर युग में विष्णु के अवतार श्रीकृष्ण को मिला। इसका अर्थ यही है कि हमारे कर्मों का फल केवल एक जन्म तक सीमित नहीं रहता, वह कई जन्मों तक हमारे साथ चलता है। जब श्रीकृष्ण के पैर पर बाण लगा, तब श्रीराम के रूप में किए गए कर्म का फल पूर्ण हुआ।

गीता कहती है कि मुक्ति केवल भक्ति से नहीं आती, बल्कि कर्म के फल को सहर्ष स्वीकारने से मिलती है। श्रीकृष्ण का संदेश यही है कि जब कर्म का फल आए तो हम भय नहीं, बल्कि साहस और संतुलन से उसका सामना करें। ध्यान रखें कर्म कभी भी हमें भूलता नहीं है, उसका फल जरूर मिलता है। इसलिए अच्छे कर्म करें, ताकि उसके फल भी हमें अच्छे ही मिले।

फर्रुखाबाद में पांडवों ने की थी शिवलिंग की स्थापना

फर्रुखाबाद में एक ऐसा मंदिर है जहां एक ही स्थान पर बारह ज्योतिर्लिंगों के दर्शन किए जा सकते है जो महाभारत के इतिहास को भी संजोए हुए है। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जिले के पांडेश्वर नाथ मंदिर में भगवान शिव जी के बारह ज्योतिर्लिंग स्थापित हैं। जिनमें सोमनाथ, मल्लिकार्जुन, महाकालेश्वर, ओंकारेश्वर, केदारनाथ, भीमाशंकर, काशी विश्वनाथ, त्रंबकेश्वर, रामेश्वर, घुमेश्वर, नागेश्वर और वैधनाथ शामिल हैं।

महंत उमेश शर्मा ने बताया कि इस मंदिर की स्थापना पांडवों के वनवास के दौरान हुई थी। उस समय जंगलों के पास कुम्हारों की बस्ती थी। जहां माता कुंती और उनके पुत्र पांडव ठहरे थे। माता कुंती ने पांडवों से शिवलिंग की स्थापना करने को कहा था। युधिष्ठिर द्वारा लाए गए शिवलिंग को धौम्य ऋषि द्वारा स्थापित किया गया, जिसे अब पांडेश्वर नाथ के नाम से जाना जाता है।

इस साल सावन का महीना विशेष है, यह जानकारी मंदिर के महंत उमेश शर्मा ने दी। उन्होंने बताया कि इस बार सावन का पहला और आखिरी दिन विशेष पूजन से शुरू और समाप्त होगा। मिनी काशी के नाम से मशहूर फर्रुखाबाद की नगरी में लाखों भक्त शिवजी की आराधना करते है।

पांडवों ने शिवलिंगों की स्थापना की थी

महाभारत काल के दौरान माता कुंती द्वारा स्थापित किए गए शिवलिंगों के कारण इस मंदिर का ऐतिहासिक महत्व है। उस समय जंगलों में पांडवों ने शिवलिंगों की स्थापना की थी। सदियों पहले जब फर्रुखाबाद की स्थापना नहीं हुई थी, तब यहां प्राचीन पीपल के पेड़ के पास एक चबूतरे पर पांडवों द्वारा शिव ज्योतिर्लिंग स्थापित किया गया था।

मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन होता

मंदिर में सेवा देने वाले अंकुश ने बताया कि उनके दादी और बाबा भी यहां सेवा देते थे और अब वह भी शिवजी की आराधना करते हैं। सावन के दिनों में हजारों भक्तों का यहां आना शुरू हो जाता है, जिससे पांडेश्वर नाथ मंदिर में विशेष पूजन का आयोजन होता है।

यहां पांडवों ने काफी समय बिताया था

सुबह 4:30 बजे से भक्त यहां आने लगते हैं। गंगा के किनारे राजा द्रुपद का किला और ऋषि धौम्य का आश्रम था, जहां पांडवों ने काफी समय बिताया था। यहां स्थित तीन कुएं पानी की जरूरत को पूरा करते थे। अब भी क्षेत्र के लोग मां गंगा से जल भरकर लाते हैं और पांडेश्वर नाथ मंदिर में रुद्राभिषेक करते हैं। मान्यता के अनुसार, यहां आने वाले भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है।

गलती से टूट जाए सावन सोमवार का व्रत तो क्या करें

उज्जैन। श्रावण मास भगवान शिव को सबसे प्रिय है। शास्त्रों के अनुसार, इस महीने भोलेनाथ अपने परिवार के साथ पृथ्वी पर विचरण करने आते हैं। इसी वजह से इस पूरे महीने भगवान शिव से जुड़ी तमाम धार्मिक यात्राएं होती हैं। लोग पूरे माह मंदिरों में शिवलिंग पर जल अर्पित कर महादेव का नाम स्मरण करते हैं। श्रावण मास में पड़ने वाले हर सोमवार का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है क्योंकि यह भोलेनाथ का प्रिय मास होता है। इस माह में शिवभक्त विधिपूर्वक व्रत रखकर महादेव की आराधना करते हैं। कई बार लोग जाने-अनजाने में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे सोमवार का व्रत टूट जाता है।

जानते हैं उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से कि अगर सावन सोमवार का व्रत गलती से टूट जाए, तो क्या करें। आचार्य आनंद भारद्वाज ने बताया कि धार्मिक मान्यता के अनुसार, सावन में सोमवार का व्रत करने से मानसिक शांति मिलती है, रोग दूर होते हैं और परिवार में सुख-शांति बनी रहती है। इसके अलावा सावन सोमवार व्रत करने से विवाहित महिलाओं के वैवाहिक जीवन में सामंजस्य और प्रेम बना रहता है, वहीं कुंवारी कन्याओं को मनचाहे वर की प्राप्ति होती है।

गलती से टूट जाए व्रत तो क्या करें ?

क्षमा याचना- सावन सोमवार का व्रत अगर गलती से टूट जाए, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है बल्कि इसके लिए आपको भगवान शिव से क्षमा मांगनी चाहिए और आगे ऐसा नहीं होगा, इस बात की प्रतिज्ञा लेनी चाहिए। साथ ही भगवान शिव से क्षमा मांगकर फिर से व्रत को रख सकते हैं या फिर अगले सोमवार का व्रत विधि-विधान से कर सकते हैं।

हवन- इसके अलावा सावन सोमवार का व्रत टूटने पर घर में छोटा सा हवन करिए। इससे भी आपको लाभ मिलता है। जब आपका व्रत टूट जाए, तो आप अगले सोमवार को प्रायश्चित व्रत रखकर इससे मुक्ति पा सकते हैं।

मंत्र का जाप- शिव पुराण के अनुसार, अगर सावन सोमवार का व्रत गलती से टूट जाए, तो महामृत्युंजय मंत्र का जप करके आप प्रायश्चित कर सकते हैं। यह विशेष लाभकारी माना गया है।

गरीबों की सेवा- सावन में सोमवार का व्रत टूटने पर गरीबों को भोजन कराना या दान करना भी शुभ फलदायी माना जाता है। आप इस उपाय को करके भी प्रायश्चित कर सकते हैं।

पचास हजार साल पुराना है यह शिवलिंग, खुद जमीन से प्रकट हुए थे भोलेनाथ!

रामपुर से करीब 40 किलोमीटर दूर बिलासपुर तहसील में एक चमत्कारी मंदिर है। चंदेन शिव मंदिर। ये कोई आम मंदिर नहीं है। यहां के बारे में मान्यता है कि भोलेनाथ खुद धरती से प्रकट हुए थे, मान्यता है कि यहां जो शिवलिंग है, वो किसी इंसान ने नहीं बनाया, बल्कि वो खुद-ब-खुद जमीन से निकला था। यहां मौजूद साधु-संतों का कहना है कि जब मंदिर में शिवलिंग प्रकट हुआ, तो कुछ लोगों ने जांच-पड़ताल भी करवाई थी। खुदाई कराई गई, लेकिन शिवलिंग न तो हिला न ही हटा, तब से मान लिया गया कि ये शिवलिंग भोलेनाथ के प्रकट होने का साक्षात प्रमाण है। मंदिर के पुजारी महेश शुक्ला के मुताबिक आज जहां मंदिर है। वहां कभी चारों तरफ घना जंगल हुआ करता था। कोई रास्ता नहीं था। न कोई रोशनी। उन्हीं के पूर्वज बाबा विश्वनाथ यहां पूजा-पाठ करते थे। एक दिन उन्होंने देखा कि जंगल के बीचों-बीच धरती फटी और उसमें से शिवलिंग प्रकट हो गया। महेश शुक्ला बताते हैं कि उनके दादा-परदादा तक इस शिवलिंग की पूजा करते आ रहे हैं। उनके अनुसार इस शिवलिंग को अगर कोई 50 हजार साल पुराना भी कहे तो भी कम है। मंदिर का निर्माण तो अभी 100 साल पहले ही हुआ है, लेकिन शिवलिंग हजारों साल पुराना है। इसकी मान्यता बहुत ही पुरानी और अद्भुत है।

यहां आने वाले भक्त बताते हैं कि चंदेन शिव मंदिर में जो भी सच्चे मन से मन्नत मांगता है, उसकी झोली भर जाती है। कोई संतान चाहता है, तो उसे औलाद मिलती है। जिसकी नौकरी अटकी हो उसे काम मिल जाता है। यहां तक कि कई लोग तो व्यापार में सफलता पाने के लिए भी यहां माथा टेकते हैं और फिर भंडारा कराते हैं।

यहां के पुजारी कहते हैं कि सावन के महीने में यहां सबसे ज्यादा भीड़ होती है। एक लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं। लोग बरेली, मुरादाबाद, दिल्ली और दूर-दराज के शहरों से यहां आते हैं, जो भी भक्त यहां मन्नत मांगता है और उसकी मुराद पूरी होती है वो सावन में भंडारा कराता है।

इब्राहिम ने शेयर की 'सरजमीं' की बीटीएस फोटोज रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक तिवारी ने किया खास कमेंट

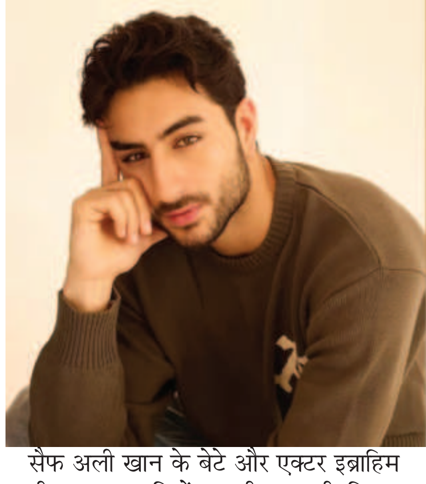

सैफ अली खान के बेटे और एक्टर इब्राहिम अली खान इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सरजमीं' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। 'नादानियां' से डेब्यू के बाद ये इब्राहिम की दूसरी फिल्म है। इस फिल्म में इब्राहिम अपनी डेब्यू फिल्म से बिल्कुल अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। अब इब्राहिम ने 'सरजमीं' की रिलीज से पहले फिल्म से जुड़ी कई बीटीएस तस्वीरें शेयर की हैं। इस पोस्ट पर इब्राहिम की रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक तिवारी ने कमेंट भी किया है।

अलग-अलग लुक में दिखे इब्राहिम

इब्राहिम ने अपने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं। उनमें फिल्म से जुड़े उनके लुक की कई तस्वीरें भी हैं। कुछ एक तस्वीरों में इब्राहिम सेना की वर्दी पहने बंदूक चलाते दिख रहे हैं। जबकि कुछ तस्वीरें फिल्म के सेट के दौरान की हैं, जिनमें सिर्फ पेड़ और आसमान दिख रहा है। इस दौरान इब्राहिम ने कई सेल्फी भी पोस्ट की हैं और अपने अलग-अलग लुक को फ्लॉन्ट किया है।

पलक ने किया कमेंट

इब्राहिम की इस पोस्ट पर फैंस ने खूब कमेंट किए हैं। इनमें अधिकांश फैंस ने इब्राहिम को पापा सैफ की कार्बन कॉपी बताया है। इस बीच एक कमेंट जिसने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींचा, वो था पलक तिवारी का। पलक तिवारी का नाम काफी लंबे वक्त से इब्राहिम के साथ जोड़ा जा रहा है। ऐसे में रूमर्ड गर्लफ्रेंड पलक का कमेंट अब चर्चा का विषय है। पलक ने कमेंट में सिर्फ स्टार वाला इमोजी बनाकर इब्राहिम को स्टार बताया है।

25 जुलाई को रिलीज हो रही है 'सरजमीं'

'सरजमीं' की बात करें तो इस फिल्म में इब्राहिम के साथ काजोल और पृथ्वीराज सुकुमारन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म आतंकवाद पर आधारित मालूम पड़ती है। जिसमें एक आर्मी ऑफिसर का परिवार केंद्र में हैं। फिल्म में इब्राहिम काजोल के बेटे बने हैं। बोमन ईरानी के बेटे कायोज ईरानी द्वारा निर्देशित 'सरजमीं' 25 जुलाई को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर रिलीज हो रही है।

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' के रोल को सलमान ने बताया चैलेंजिंग

सलमान खान इन दिनों फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में अपने किरदार को वह काफी चैलेंजिंग बता रहे हैं। इस किरदार के लिए क्या-क्या कर रहे हैं? एक हालिया इंटरव्यू में सलमान खान ने बताया।

अपूर्व लाखिया निर्देशित फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' में सलमान खान एक ऑर्मी ऑफिसर के रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म भारत और चीन के बीच 2020 में गलवां घाटी में हुए संघर्ष पर आधारित है। हाल ही में पीटीआई से की गई बातचीत में सलमान खान ने फिल्म में अपने किरदार को लेकर बात की। साथ ही इस रोल के लिए अपने एफर्ट पर भी बात की है।

टफ ट्रेनिंग पर सलमान खान का फोकस

सलमान खान कहते हैं, 'फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' का किरदार फिजिकली (शारीरिक तौर पर) मेरे लिए चैलेंजिंग है। हर दिन यह और भी मुश्किल होता जा रहा है। मुझे ट्रेनिंग के लिए ज्यादा समय देना होगा। पहले मैं इस फिल्म के लिए एक या दो हफ्ते में ट्रेनिंग लेता था। अब मैं रनिंग कर रहा हूं, किक बॉक्सिंग कर रहा हूं। यह सब फिल्म के लिए करना जरूरी है।'

सलमान खान आगे कहते हैं, 'जब मैं फिल्म 'सिकंदर' कर रहा था तो उसका एक्शन अलग था, वह किरदार अलग था। लेकिन 'बैटल ऑफ गलवां' का रोल फिजिकली अलग है, मुश्किल है। इसके लिए मुझे लद्दाख के ऊंचे पहाड़ों पर और ठंडे पानी में शूटिंग भी करनी है, जो कि एक चैलेंजिंग काम है।'

कब शुरू हो रही शूटिंग

फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' को लेकर सलमान खान काफी एक्साइटेड हैं। सलमान खान कहते हैं, 'जब मैं फिल्म साइन कर रहा था, तो मुझे लगा कि यह कमाल की कहानी है लेकिन यह एक बहुत ही मुश्किल फिल्म है। मुझे लद्दाख में 20 दिन शूटिंग करनी है। हम इसी महीने शूटिंग शुरू करेंगे।' कुछ मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार फिल्म 'बैटल ऑफ गलवां' अगले साल जनवरी या जून में रिलीज हो सकती है। सलमान खान का कहना है कि यह फिल्म जनवरी में रिलीज होगी।

बजरंगी भाईजान 2 को लेकर दिया अपडेट

इंडियन सुपरक्रॉस रेसिंग लीग (आईएसआरएल) के दूसरे सीजन के प्रेस इवेंट में सलमान खान ने अपनी फिल्म 'बजरंगी भाईजान 2' को लेकर भी अपडेट दिया है। वह कहते हैं, 'मुझे फिल्म 'बजरंगी भाईजान ' पसंद आई थी। नई फिल्म में भी इमोशनल एंगल वैसा ही होगा लेकिन यह कहानी अलग होगी।' बताते चलें क आज यानी गुरुवार को सलमान खान की फिल्म 'बजरंगी भाईजान' को 10 साल पूरे हो चुके हैं।

साउथ फिल्मों की एक्ट्रेस रान्या राव को सोने की तस्करी के आरोप में जमानत भी नहीं मिली

कन्नड़ फिल्मों की एक्ट्रेस रान्या राव को सोने की तस्करी के एक मामले में विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम कानून के तहत एक साल की जेल हुई। जानिए, क्या है ये पूरा मामला? साउथ की एक एक्ट्रेस रान्या राव को एक साल की सजा हुई। विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम मामले को देख रहे सलाहकार बोर्ड ने हाल ही में फैसला सुनाया कि रान्या राव को हिरासत की समय सीमा के दौरान जमानत भी नहीं दी जाएगी।

पहले मिली थी जमानत

डीआरआई द्वारा तय समय सीमा के भीतर आरोप पत्र दाखिल करने में असफल रहने के बाद, रान्या राव को 20 मई को कोर्ट ने उनके सह-आरोपी तरुण राजू के साथ डिफॉल्ट बेल यानी जमानत दे दी थी। 2 लाख रुपये के बॉन्ड और जमानत शर्तों पर बेल मिलने के बावजूद रान्या और तरुण के तहत हिरासत में ही रहे। दरअसल, विदेशी मुद्रा संरक्षण और तस्करी गतिविधियों की रोकथाम अधिनियम तस्करी के शक के आधार पर बिना किसी औपचारिक आरोप के भी एक साल तक की हिरासत की परमिशन देता है।

हवाई अड्डे पर रान्या से बरामद हुआ था सोना

इस साल मार्च महीने में रान्या राव दुबई से आई थीं और केंपेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के ग्रीन चैनल से गुजरने की कोशिश कर रही थीं। यह जगह आमतौर पर डयूटीबेल सामान वाले यात्रियों के लिए होती है। डीआरआई ऑफिसर ने रान्या से पूछा कि उनके पास कुछ अनडिक्लेयर सामान है। इस पर वह टेंशन में आ गईं। तलाशी के बाद एक्ट्रेस के पास लगभग 12.56 करोड़ रुपये की लागत का कुल 14.2 किलोग्राम सोना बरामद हुआ। इसके बाद रान्या को हिरासत में ले लिया गया।रान्या की पहले की जमानत याचिका दो बार लोकल कोर्ट और बाद में कर्नाटक हाई कोर्ट ने खारिज कर दी गई थी।

एसएस राजामौली ने की जेनेलिया और श्रीलीला की तारीफ

जूनियर फिल्म तेलुगु सिनेमा की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है, जिसे राधा कृष्ण ने बनाया है। हाल ही में फिल्म का प्री-रिलीज इवेंट हैदराबाद में हुआ। इस इवेंट के दौरान एस एस राजामौली के साथ जेनिलिया डिसूजा और श्रीलीला भी नजर आईं।

फिल्म जूनियर को लेकर एसएस राजामौली की राय

एक खबर के मुताबिक, एस एस राजामौली ने कहा कि 1,000 स्क्रीनों पर फिल्म 'जूनियर' का रिलीज होना बड़ी बात है और यह दर्शकों

की रुचि दिखाता है। उन्होंने जेनेलिया की तारीफ करते हुए कहा कि वह हमेशा की तरह खूबसूरत और सदाबहार हैं। उन्होंने किरीटी की पहली फिल्म की भी प्रशंसा की और कहा कि वह बहुत आगे जाएंगी। राजामौली ने श्रीलीला को भविष्य का सुपरस्टार बताया और उनके डांस की तारीफ की।

फिल्म जूनियर

फिल्म जूनियर 18 जुलाई, 2025 को रिलीज होगी। यह फिल्म कन्नड़ भाषा में बनी है। इस फिल्म में श्रीलीला मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म का निर्देशन राधा कृष्ण ने किया है।

एसएस राजामौली की फिल्म

एसएस राजामौली जल्द ही अपनी एक्शन फिल्म 'एसएसएमबी 29' लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म में साउथ स्टार महेश बाबू मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। मीडिया रिपोट्र्स के अनुसार, इस फिल्म में महेश के अलावा प्रियंका चोपड़ा और साउथ एक्टर पृथ्वी सुकुमारन नजर आएंगे।

केबीसी 17 के लिए 5 करोड फीस ले रहे हैं अमिताभ बच्चन

शो कौन बनेगा करोड़पति का 17वां सीजन आने वाला है. शो से जुड़े प्रोमो रिलीज होने शुरू हो गए हैं. शो को लेकर फैंस बहुत एक्साइटेड हैं. कौन बनेगा करोड़पति का 17वां सीजन 11 अगस्त को रिलीज होगा. शो में हर बार की तरह इस बार भी अमिताभ बच्चन ही होस्ट के तौर पर नजर आएंगे.

कब और कहां देख पाएंगे केबीसी?

केबीसी को 11 अग्सत से सोनी टीवी पर देखा जाएगा. जो लोग ओटीटी पर शो देखना चाहते हैं वो सोनी लिव पर शो देख सकते हैं. शो सोनी टीवी पर सोमवार से शुक्रवार तक आएगा. शो को रात 9 बजे देखा जा सकता है.

अमिताभ बच्चन कितनी ले रहे फीस?

अमिताभ बच्चन शो को सालों से होस्ट कर रहे हैं. खबर के मुताबिक, अमिताभ इस सीजन के एक एपिसोड के लिए 5 करोड़ रुपये फीस चार्ज कर रहे हैं. हालांकि, उनकी फीस को लेकर ऑफिशियली कोई कंफर्मेशन नहीं है. अमिताभ बच्चन शो की जान हैं. उनकी प्रेजेंस से शो को नई ऊंचाई मिलती है.

अमिताभ शो में अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़े किस्से सुनाते हैं और फैंस को खूब एंटरटेन करते हैं.

केबीसी का लेटेस्ट प्रोमो

शो के लेटेस्ट प्रोमो को शेयर करते हुए सोनी टीवी ने लिखा- जहां अक्ल है, वहां अकड़ है. इसीलिए ज्ञान का दम सबसे बड़ा है. आ रहा है कौन बनेगा करोड़पति 11 अगस्त से. सोमवार से शुक्रवार, रात 9 बजे.

प्रोमो में दिखाया गया कि एक ग्रुप होटल में एक मैनेजर (सुंबुल तौकीर) की वेटर कहकर बुलाता है. वो मैनेजर से जल्द खाने की डिमांड करते हैं और चाइनीज खाना मांगते हैं. वो तंज करते हुए बोलते हैं कि खाना चाइना से ला रहे हो क्या? इसके जवाब में मैनेजर बोलती है कि दरअसल, चाइनीज मंचूरियन शेफ नेल्सन मोर 1975 में इंडिया में यहीं मुंबई में ही इंवेन्ट किया. तो चाइना से मंगवाने की जरुरत नहीं पड़ेगी. जरुरत तो तमीज मंगवाने की है.

अहान पांडे की 'सैयारा' पर सेंसर बोर्ड ने चलाई कैंची, हटाए गए इंटीमेट सीन्स

अनन्या पांडे के कजिन अहान पांडे बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं. उनकी फिल्म सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. ये फिल्म एक रोमांटिक ड्रामा है जिसमें अहान और अनीत की जबरदस्त केमिस्ट्रे देखने को मिलेगी. ट्रेलर में ही उनकी केमिस्ट्री देखकर लोग फैन हो गए हैं. इनकी जोड़ी को काफी पसंद भी किया जा रहा है. फिल्म के रिलीज से पहले सेंसर बोर्ड ने इसपर कैंची चला दी है.

अहान और अनीत दोनों ही इस फिल्म से डेब्यू करने जा रहे हैं. फिल्म का ट्रेलर जब से रिलीज हुआ है. तब से इसे लेकर तगड़ा बज बना हुआ है. फिल्म में कई बोल्ड सीन्स भी हैं. जिसकी वजह से सेंसर बोर्ड ने फिल्म पर कैंची चलाई है.

सेंसर बोर्ड ने काटे ये सीन्स

फिल्म को सेंसर बोर्ड ने U/A 16+ सर्टिफिकेट के साथ पास कर दिया है. मेकर्स को फिल्म में कुछ बदलाव करने के लिए कहा गया है. रिपोर्ट के मुताबिक सेंसर बोर्ड ने 10 सेकेंड के सेंशुअल, इंटीमेट, बॉडी एक्सपोजिंग विजुअल हटाने के लिए कहा है. साथ ही एक सीन हे जिसमें एक्टर-एक्ट्रेस बाइक पर हैं तो हेलमेट सेफ्टी के लिए डिस्क्लेमर डालने के लिए कहा है. इसके साथ ही चार जगहों पर विवादित शब्दों को बदलने के लिए कहा गया है. इन चार शब्दों की जगह क्या शब्द इस्तेमाल कर सकते हैं इस बारे में नहीं बताया गया है.

सुपरमैन के भी काटे थी सीन

सेंसर बोर्ड ने सैयारा की टाइमिंग 2 घंटे, 36 मिनट और 50 सेकेंड की रखी है. बता दें सिर्फ सैयार के ही इंटीमेट सीन्स पर सेंसर ने कैंची चलाई है. इससे पहले सुपरमैन में भी एक लंबे इंटीमेट सन को हटाने के लिए कहा गया था.

सैयारा की बात करें तो फिल्म को रिलीज होने में एक दिन बचा है और ये एडवांस बुकिंग से शानदार कमाई कर रही है. फिल्म ने अब तक एडवांस बुकिंग से 6.76 करोड़ की कमाई कर ली है.

रुबीना दिलैक के कान में मुनव्वर ने क्या कहा? जिसे सुन हैरान हुईं एक्ट्रेस

कलर्स टीवी पर बहुत जल्द एक रियलटी शो 'पति पत्नी और पंगा' शुरू हो रहा है, जिसमें कई सितारे शामिल होंगे। इस शो के लिए प्रचार-प्रसार जोरों पर चल रहा है। हाल ही में शो से जुड़े कुछ कलाकारों का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें मुनव्वर फारूकी और रुबीना दिलैक के बीच की बातचीत सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। वीडियो में मुनव्वर ने रुबीनी से कुछ ऐसा कहा कि एक्ट्रेस हैरान हो उठती हैं। चलिए जानते हैं वायरल वीडियो के बारे में।

क्या है वायरल वीडियो?

सोशल मीडिया पर 'पति पत्नी और पंगा' रियलटी शो के एक इवेंट का वीडियो वायरल हो रहा है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि एक्ट्रेस रुबीना दिलैक अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ दिख रही हैं। साथ ही वीडियो में मुनव्वर फारूकी को भी देखा जा सकता है। वायरल वीडियो में अभिनेत्री कहती हैं कि इस शो में मुनव्वर फारूकी पंगा हैं। इस पर मुनव्वर एक्ट्रेस के कान में कहते हैं कि इसमें पत्नी पंगा है। इसे सुन रुबीनी दिलैक हैरान हो जाती हैं और वहां मौजूद पैपराजी हंस पड़ते हैं।

नेटिजंस ने दी प्रतिक्रिया

वीडियो के सामने आते ही नेटिजंस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने लिखा कि मुनव्वर का रोस्ट मोड ऑन है। दूसरे यूजर ने कहा कि शो में मजा आने वाला है। एक और यूजर ने बोला कि मुनव्वर बतौर होस्ट होंगे। इसके अलावा अन्य यूजर इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं।

शो के बारे में

'पति पत्नी और पंगा' शो की बात करें, तो यह 2 अगस्त से शुरू होने वाला है, जिसे आप कलर्स पर देख सकेंगे। इस शो में मुनव्वर फारूकी बतौर होस्ट मौजूद रहेंगे। इसके अलावा शो में रुबीना दिलैक अपने पति अभिनव शुक्ला के साथ शामिल होंगी और स्वरा भास्कर, हिना खान, अविका गौर जैसे सितारे नजर आएंगे।

आर माधवन ने खुद को बताया प्रियंका चोपड़ा का फैन बोले- 'वो यूं ही हॉलीवुड में नहीं पहुंचीं

बॉलीवुड एक्टर आर माधवन ने एक बार फिर ग्लोबल आइकन बन चुकीं प्रियंका चोपड़ा की जमकर तारीफ की है। एक्टर ने कहा कि प्रियंका ने जो कुछ भी हासिल किया वो अपनी मेहनत से किया।

बॉलीवुड अभिनेता आर माधवन इन दिनों अपनी नई फिल्म 'आप जैसा कोई' के प्रमोशन्स में बिजी हैं। नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई इस फिल्म में उनके साथ नजर आ रही हैं फातिमा सना शेख। इस फिल्म में माधवन की एक्टिंग को सराहा जा रहा है। अब हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में आर माधवन ने ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा को लेकर खुलकर अपनी राय रखी। माधवन ने न सिर्फ प्रियंका की जमकर तारीफ की, बल्कि यह भी बताया कि बॉलीवुड के कई सितारे आज उनकी तरह बनना चाहते हैं।

'प्रियंका चोपड़ा यूं ही ग्लोबल आइकन नहीं बनीं'

एक इंटरव्यू में आर माधवन ने प्रियंका के संघर्ष और सफलता की कहानी को बेहद इंस्पायरिंग बताया। उन्होंने कहा कि प्रियंका आज जिस भी मुकाम पर पहुंची हैं वो कोई संयोग नहीं, बल्कि वर्षों की मेहनत का नतीजा है। माधवन ने ये भी कहा कि आज जो कलाकार बॉलीवुड में प्रियंका की तरह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाना चाहते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि यह मुकाम किसी शॉर्टकट से नहीं आता।

इस दौरान माधवन ने कहा, 'प्रियंका ने खुद को हर चुनौती के लिए तैयार किया। उन्होंने न सिर्फ भारतीय सिनेमा में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि हॉलीवुड में भी दमदार पहचान बनाई। हाल ही में उनकी एक एक्शन फिल्म 'हेड ऑफ स्टेट' आई, जिसमें उन्होंने जो भूमिका निभाई, वो बताता है कि वो कितनी वर्सेटाइल हैं।'

'मैं खुद प्रियंका चोपड़ा का फैन हूं'

माधवन ने ये भी कहा कि वो खुद प्रियंका के फैन हैं। उन्होंने कहा, 'मैं उनकी मेहनत, आत्मविश्वास और सफलता से बहुत प्रभावित हूं। जिस तरह वो आगे बढ़ीं, देश का नाम रोशन किया, उस पर मुझे गर्व है।' माधवन के इस बयान से साफ है कि फिल्म इंडस्ट्री में प्रियंका को सिर्फ दर्शकों का ही नहीं, बल्कि अपने साथियों का भी भरपूर सपोर्ट और प्यार मिलता है।

'आप जैसा कोई' के बारे में

आर माधवन की नई फिल्म 'आप जैसा कोई' एक मॉडर्न लव स्टोरी है, जिसमें उन्होंने जमशेदपुर के रहने वाले एक आम आदमी का किरदार निभाया है।

फातिमा सना शेख के साथ उनकी केमिस्ट्री को भी काफी सराहा जा रहा है। माधवन ने 'रंग दे बसंती' हो, '3 इडियट्स', 'इरुधि सुत्रु' जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन एक्टिंग से साबित किया है कि वो एक अच्छे अभिनेता हैं।

फिल्म 'कुली' की स्टोरी हुई लीक, रजनीकांत फिल्म में निभाएंगे दमदार किरदार

निर्देशक लोकेश कनगराज की फिल्म 'कुली' के अब तक जो लुक सामने आए हैं, उनमें रजनीकांत के किरदार के बारे में ज्यादा जानकारी हासिल नहीं होती है। लेकिन हाल ही में इस फिल्म की कहानी और रजनीकांत के किरदार से जुड़ी डिटेल्स लीक हुईं। लेटरबॉक्स्ड, फैंडेंगो नाम के कुछ प्लेटफॉर्म पर 'कुली' की स्टोरी लाइन का जिक्र है।

रजनीकांत बने हैं स्मगलर

लेटरबॉक्स्ड (फिल्म रेटिंग प्लेटफॉर्म) नाम के एक प्लेटफॉर्म के अनुसार फिल्म 'कुली' में रजनीकांत के किरदार का नाम देवा है। वह एक स्मगलर का रोल निभा रहे हैं, जो सोने की घड़ियों की तस्करी करता है। देवा अपने गैंग को फिर से एक करना चाहता है। फिल्म के प्रमोशन मटीरियल में भी सोने की घड़ी और सोने का इस्तेमाल दिखाया गया है।

उथल-पुथल से भरी होगी कहानी

एक अन्य प्लेटफॉर्म फैंडेंगो (अमेरिकी टिकटिंग प्लेटफॉर्म) में 'कुली' की कहानी की ज्यादा डिटेल दी गई है। फैंडेंगो के अनुसार देवा अपनी अतीत की गलतियों को सुधारने की कोशिश करेगा। जवानी में जहां वह बदला लेने पर जोर देता है, वहीं उम्रदराज होने पर अपनी गलतियों को सुधारने के लिए मोटिवेट होता है। देवा की जर्नी फिल्म में काफी उथल-पुथल से भरी होगी। इस फिल्म में एक्शन भी काफी देखने को मिलेगा। इस फिल्म की कहानी को जानकर रजनीकांत के फैंस काफी खुश हैं।

आमिर खान भी आएंगे नजर

फिल्म 'कुली' में रजनीकांत जहां लीड रोल कर रहे हैं, वहीं इस फिल्म में आमिर खान भी एक कैमियो कर रहे हैं। हाल ही में फिल्म के मेकर्स ने आमिर खान का लुक भी रिवील किया है। वह फिल्म में दाहा नाम का एक किरदार निभाएंगे।

महेश भट्ट ने रातों-रात फिल्म से निकाला सलमान-रणबीर को किया डेट, बनीं सुपरस्टार

बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कटरीना कैफ भले ही आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं, लेकिन यहां तक पहुंचना उनके लिए कभी आसान नहीं रहा। कटरीना कैफ ने महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद उन्हें मॉडलिंग के कई प्रोजेक्ट्स मिलने लगे।

इसी दौरान कटरीना अपने दोस्तों के साथ भारत घूमने आईं। भले ही यह सिर्फ एक आम ट्रिप थी, लेकिन उन्हें खुद भी नहीं पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल देगा। भारत आने के बाद कटरीना ने फिल्म बूम से डेब्यू किया, लेकिन यह बुरी तरह से फ्लॉप हो गई। महेश भट्ट ने भी अपनी फिल्म से रातों-रात उन्हें निकाल दिया था।

कटरीना न तो ठीक से एक्टिंग कर पा रही थीं और न ही हिंदी बोल पा रही थीं। यह देख महेश भट्ट काफी नाराज हो गए और उन्होंने पहले ही दिन कटरीना को फिल्म से बाहर कर दिया। इसके बाद फिल्म में कटरीना की जगह तारा शर्मा को जॉन अब्राहम के अपोजिट कास्ट किया गया।

बॉलीवुड में नहीं मिला काम, साउथ में की एंट्री

बूम और साया के बाद लंबे समय तक कटरीना को कोई फिल्म नहीं मिली। ऐसे में फिर उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में एंट्री की। साल 2004 में तेलुगु फिल्म मल्लिस्वरी में काम किया। इस फिल्म के लिए कटरीना 7.5 लाख रुपए फीस चार्ज कर साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बनीं। इस फिल्म के लिए कटरीना को फिल्मफेयर में साउथ की बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके बाद फिर कटरीना फिल्म सरकार में अभिषेक बच्चन की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। भले ही उनका किरदार छोटा था, लेकिन उनकी खूबसूरती ने लोगों का दिल जीत लिया।

सलमान खान की लाइफ में एंट्री और करियर की दूसरी पारी शुरू

जब कटरीना मॉडलिंग कर रही थीं उस दौरान उनकी दोस्ती सलमान खान की बहन अलवीरा खान से हुई। अलवीरा ने एक बार सलमान के जन्मदिन पर कटरीना को इनवाइट किया, जो उनके ही घर पर था। जब कटरीना उनके घर पहुंचीं तो सलमान खान अचानक बिना शर्ट पहने कमरे से बाहर आ गए और कटरीना उन्हें देखकर हंसने लगीं। हालांकि उस वक्त वह यह नहीं जानती थीं कि सलमान एक सुपरस्टार हैं। कटरीना को हंसता देखकर सलमान ने सफाई में कहा कि मैं बस नहाकर ही निकला हूं, मुझे नहीं पता था कि मेहमान पहले ही आ चुके हैं और मेरा इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद पार्टी में दोनों की छोटी सी बातचीत में ही दोस्ती हो गई।

फिर कुछ समय बाद सलमान ने कटरीना को अपनी अगली फिल्म मैंने प्यार क्यों किया का ऑफर दे दिया। यह फिल्म कटरीना के करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इससे न सिर्फ उन्हें अलग पहचान मिली, बल्कि कई फिल्मों के ऑफर भी मिलने लगे। कटरीना फिर हमको दीवाना कर गए, नमस्ते लंदन, वेलकम, पार्टनर, सिंह इज किंग, अजब प्रेम की गजब कहानी और राजनीति जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आईं।

कटरीना कैफ और सलमान खान अब तक 8 फिल्मों में साथ नजर आए हैं।

कटरीना कई सालों तक दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया और फैंस को लगने लगा था कि वे जल्द ही शादी कर लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों का ब्रेकअप हो गया और इसके पीछे की वजह रणबीर कपूर को माना जाता है।

2021 में विक्की कौशल से की शादी

विक्की कौशल और कटरीना कैफ की लव स्टोरी काफी प्राइवेट रही है। कहा जाता है कि दोनों की पहली मुलाकात जोया अख्तर के घर पर हुई थी, लेकिन पिंकविला से बात करते हुए विक्की ने बताया था कि शो होस्टिंग के दौरान वह पहली बार कटरीना से मिले थे।

इसके बाद से ही दोनों की डेटिंग की खबरें भी आने लगी थीं। वहीं, साल 2020 में कटरीना ने एक सफेद हुडी में तस्वीर शेयर की थी, जो कि असल में विक्की की थी। इसके बाद ही दोनों की कपड़ों की अदला-बदली ने रिलेशनशिप की अफवाहों को कन्फर्म कर दिया। लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 9 दिसंबर, 2021 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने राजस्थान के माधोपुर के फोर्ट बरवाड़ा में सात फेरे लिए थे। 2019 में विक्की कौशल ने स्टार स्क्रीन अवॉर्ड होस्ट किया था।

उनकी शादी में हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला और सात फेरे सहित सभी पारंपरिक रीति-रिवाज शामिल थे। शादी के बाद कटरीना कैफ अपनी मैरिड लाइफ को खूब एन्जॉय करती नजर आती हैं। वे अक्सर अपने सास-ससुर और देवर के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

कटरीना पर बनी बार्बी डॉल

2010 और 2011 में बार्बी डॉल बनाने वाली कंपनी मेटल ने भारत में कटरीना कैफ की बार्बी लॉन्च की थी। कटरीना पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं जिनकी बार्बी डॉल बनाई गई है। इसके अलावा UK मैगजीन ईस्टर्न आई ने 2008-10 तक कटरीना को सेक्सिएस्ट एशियन वुमन का दर्जा दिया था। 2015 में लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम में कटरीना कैफ का वैक्स स्टैच्यू भी लगा।

आठ सुपरहिट फिल्में और फिर अचानक दूरियां मोहित ने बताया फिर क्यों नहीं किया इमरान हाशमी के साथ काम

मोहित सूरी

इमरान हाशमी और मोहित सूरी की जोड़ी ने बॉलीवुड में एक ऐसा दौर रचा था, जब दर्द, मोहब्बत और म्यूजिक को नए आयाम मिले। 'जहर', 'कलयुग', 'मर्डर 2', 'अवारापन', 'तुम मिले' से लेकर 'हमारी अधूरी कहानी' तक दोनों ने मिलकर 8 फिल्में कीं। लेकिन 2015 के बाद दोनों ने साथ में काम नहीं किया। आखिर ऐसा क्यों हुआ? क्या रिश्ता बदल गया या रास्ते? अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान डायरेक्टर मोहित सूरी ने इमरान हाशमी के साथ अपने रिश्ते, ब्रेक के पीछे की असली वजह और दोबारा साथ काम करने की संभावना पर खुलकर बात की। साथ ही अपनी आने वाली

मैं फिर काम करना चाहता हूं

इमरान हाशमी के साथ कोलेबरेशन पर मोहित सूरी ने कहा कि मैंने इमरान के साथ आठ फिल्में की हैं और हम दोनों ने मिलकर काफी कुछ एक्सप्लोर कर लिया था। उसके बाद मैंने सोचना शुरू किया कि अब कुछ नया करना है। मैं फिर से उनके साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन हम खुद को दोहराना नहीं चाहते थे। मैं आज भी उनके साथ काम करना चाहता हूं, लेकिन ऐसी कहानी पर जो कुछ नया और जरूरी जोड़े, सिर्फ एक और फिल्म बनाना मकसद नहीं है।

वो सिर्फ पहले हीरो नहीं, बड़े भाई हैं

आगे इमरान हाशमी के बारे में बात करते हुए निर्देशक ने कहा कि वो मेरे पहले हीरो नहीं थे, वो मेरे बड़े भाई जैसे हैं। अपने परिवार के साथ आप बिजनेस जैसा व्यवहार नहीं कर सकते। जब तक मुझे नहीं लगेगा कि मैं उन्हें वाकई कुछ अनोखा दे पा रहा हूं, मैं वह रिश्ता प्रोफेशनल तरीके से इस्तेमाल नहीं करना चाहूंगा।

हमारे बीच फिल्म बनाने को लेकर नहीं होती बात

जब मोहित सूरी से हमने पूछा कि क्या दोनों के बीच फिल्म बनाने को लेकर बात नहीं होती है? इस पर निर्देशक ने मुस्कुराते हुए जवाब दिया, नहीं, कभी नहीं। इमरान वैसे इंसान ही नहीं हैं। जब हम मिलते हैं तो वो मेरी बेटी, मेरी बीवी, मेरी हेल्थ के बारे में पूछते हैं। हमारी बेटियां एक-दूसरे के घर जाती हैं, त्यौहार मनाती हैं। लेकिन कभी काम की बात नहीं होती। वो अब भी वही दोस्त हैं जो बचपन में थे। वही प्लेस्टेशन साथ में खेलना, वही सादगी। वो कभी ये महसूस नहीं होने देता कि वो एक फिल्म स्टार हैं।

सिर्फ मैं ही बनाऊंगा इमरान पर बायोपिक

इमरान हाशमी पर बायोपिक बनने के सवाल पर निर्देशक ने कहा कि अगर उन पर कभी बायोपिक बनती है तो उसका पहला अधिकार मैं अपने पास रखना चाहूंगा। वो सिर्फ मेरे पहले हीरो नहीं हैं, वो मेरा परिवार हैं।

इमरान हाशमी के लिए अच्छी कहानी का इंतजार

हालांकि, मोहित सूरी और इमरान हाशमी क्या जल्द ही किसी फिल्म में दखाई देंगे, तो इसका जवाब है नहीं। मोहित सूरी ने कहा कि फिलहाल हम जल्दी काम करने वाले नहीं हैं। अगर मुझे लगता है कि मेरे पास कोई ऐसी कहानी है जो इमरान के करियर या उनकी जर्नी में कुछ जोड़ सकती है, तो सबसे पहले मैं उन्हीं को फोन करूंगा।

18 जुलाई को रिलीज हो रही है 'सैयारा'

मोहित सूरी इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सैयारा' को लेकर चर्चाओं में बने हुए हैं। सैयारा इसी शुक्रवार यानी 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस म्यूजिकल लव स्टोरी में दो नए चेहरे अहान पांडे और अनीत पड्डा प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म के गानों को काफी पसंद किया जा रहा है।

एसएसएमबी 29 फिल्म में खुद स्टंट करेंगे महेश बाबू

टॉलीवुड सुपरस्टार महेश बाबू की नई फिल्म एसएसएमबी 29 का प्रशंसक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। यह एक एडवेंचर फिल्म है, जिसका निर्देशन एसएस राजामौली कर रहे हैं। इसमें प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म को लेकर दो और नई अपडेट सामने आई हैं।

एक खबर के अनुसार, महेश बाबू की फिल्म एसएसएमबी29 को लेकर दो रोमांचक जानकारी सामने आई है। पहली, वे इस फिल्म में अपने खतरनाक स्टंट खुद करेंगे, जैसा कि वे अपनी फिल्मों में पहले भी कर चुके हैं। दूसरी, राजामौली ने महेश के लिए एक शानदार सोलो डांस नंबर प्लान किया है, जिसमें वे एक नए

अवतार में नजर आएंगे।

फिल्म एसएसएमबी 29 का अगला एक्शन से भरपूर शेड्यूल पहले केन्या में होने वाला था, लेकिन वहां की परिस्थितियों के कारण इसे रद्द कर दिया गया। अब टीम दक्षिण अफ्रीका या फिर तंजानिया में शूटिंग की योजना बना रही है। एसएस राजामौली के निर्देशन में बन रही एसएसएमबी 29 में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन लीड रोल में नजर आएंगे। यह फिल्म 2027 में रिलीज हो सकती है।

महेश बाबू इन दिनों एसएस राजामौली की फिल्म एसएसएमबी 29 की शूटिंग में बिजी है। इस फिल्म के अलावा कथित तौर पर महेश निर्देशक बुची बाबू सना के साथ एक नया प्रोजेक्ट शुरू करने वाले हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बुची बाबू सना ने महेश बाबू को अपनी फिल्म की स्क्रिप्ट भी सुना दी है, जिसे एक्टर ने काफी पसंद भी किया। ये एक पैन-इंडिया फिल्म होगी, जो तेलुगु के साथ-साथ हिंदी और दूसरी भाषाओं में भी रिलीज होगी। प्री-प्रोडक्शन 2025 के आखिर में शुरू हो सकता है। इस फिल्म को लेकर अभी तक कोई अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

कभी यामी गौतम ने टीवी से की करियर की शुरुआत आज प्योर टैलेंट और ग्रेस के लिए जानी जाती है

जब किसी आउटसाइडर के प्योर टैलेंट और ग्रेस की बात होती है तो यामी गौतम का नाम सबसे पहले सामने आ जाता है। यामी आज बॉलीवुड की पॉपुलर और ऑडियन्स की फेवरेट एक्ट्रेस बन चुकी हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को पता है कि उनकी एक्टिंग करियर की जर्नी छोटे पर्दे यानी टेलीविजन से हुई थी। टीवी शोज के जरिए आज उन्होंने ग्लैमर वर्ल्ड में अपनी एक अलग पहचान बना ली है।

यामी ने की थी टीवी से एक्टिंग करियर की शुरुआत

'उरी' जैसे फिल्मों में अपनी दमदार एक्टिंग से सबको चौंकाने वाली एक्ट्रेस यामी गौतम ने साल 2009 में टेलीविजन इंडस्ट्री पर धमाकेदार एंट्री की थी. उन्होंने एनडीटीवी इमेजिन पर टेलीकास्ट होने वाला शो 'ये प्यार ना होगा कम' में लीड रोल प्ले की थीं. इस शो में उनके अपोजिट सीरियल 'अनुपमा' से खूब पॉपुलैरिटी हासिल करने वाले एक्टर गौरव खन्ना थे. यामी ने जहां शो में वहर माथुर का किरदार निभाया था, वहीं गौरव ने अबीर बाजपेयी का कैरेक्टर प्ले किया. 28 दिसंबर 2009 से प्रीमियर हुआ ये शो 2 सितंबर 2010 तक चला.

शो 'ये प्यार ना होगा कम' सीरियल के अलावा यामी ने 'चांद के पार चलो', 'राजकुमार आर्यन' जैसे दूसरे शोज भी किए थे. उनकी एक्टिंग पर उनके फैंस ने खूब सराहा था.

टीवी के बाद फिल्मों में भी यामी का चला जादू

साल 2012 में यामी ने फिल्म इंडस्ट्री पर अपना पहला कदम रखा. उनकी पहली डेब्यू आयुष्मान खुराना की फिल्म 'विक्की डोनर' के साथ हुई थी. यह फिल्म काफी हिट साबित हुई और ऑडियन्स ने फिल्म के स्टार कास्ट को काफी ज्यादा पसंद किया. इसके बाद उन्होंने कई जबरदस्त फिल्मों में काम किया. 'बदलापुर', 'सनम रे', 'काबिल', 'उरी', 'चोर निकल के भागा', 'दसवीं' और 'ओएमजी 2' जैसी फिल्मों में जबरदस्त कैरेक्टर प्ले कीं. उनकी हाल की फिल्मों की बात करें तो प्रतीक गांधी के साथ फिल्म 'धूम धाम' आई जिसे फैंस ने काफी ज्यादा पसंद किया.

'मालिक' को मिले रिस्पॉन्स पर बोलीं मानुषी छिल्लर ऑडियंस ने बजाई तालियां, मैं बहुत खुश हूं

मानुषी छिल्लर की फिल्म 'मालिक' हाल ही में रिलीज हुई है। 6 दिनों में इस फिल्म ने लगभग 19 करोड़ रुपए से भी अधिक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन किया है। 'मालिक' मानुषी के करियर के लिए काफी अहम फिल्म है।

सच कहूं तो सबसे ज्यादा वो जर्नी याद आती है, जब हम सबने अपना दिल, मेहनत और पूरी लगन से काम किया था। डायरेक्टर से लेकर कास्ट और प्रोड्यूसर तक, सबका एक साफ और मजबूत विजन था। उस मेहनत को सफल होते देखना सपने जैसा लगता है। यह मेरे करियर का पहला ऐसा मौका था जब मुझे अपनी परफॉर्मेंस के लिए इतनी सराहना मिली। बतौर एक्टर, जब लोग आपके काम को नोटिस करें, तो वो बहुत ही अच्छा लगता है।

हर किसी का देखने का नजरिया अलग होता है। मुझे खुशी है कि थिएटर में आई पब्लिक ने पॉजिटिव रिस्पॉन्स दिया। हां, क्रिटिक्स के रिव्यूज जरूर मिक्स्ड रहे, लेकिन वो भी जरूरी हैं। एक्टर के तौर पर मेरा काम है ईमानदारी से किरदार निभाना और अगर वो लोगों तक पहुंचा, तो मेरे लिए वही सबसे बड़ी जीत है। खास बात ये रही कि स्क्रीनिंग के बाद खुद इंडस्ट्री के कुछ लोगों ने कॉल कर के कहा कि उन्होंने मेरा काम एंजॉय किया। ये मेरे लिए बहुत स्पेशल था। कहीं न कहीं मुझे लगा, चलो, मेहनत दिखी।

हां, अब नजरिया बदला है। 'पृथ्वीराज' के वक्त लोगों ने कहा था कि ये मेरी पहली फिल्म जैसी नहीं लग रही। स्क्रीन प्रेजेंस और कैमरे के सामने कॉन्फिडेंस की तारीफ हुई, लेकिन शायद वो असर नहीं पड़ा जो मैं चाहती थी। 'मालिक' के बाद पहली बार ऐसा लगा कि लोगों ने सिर्फ मुझे देखा नहीं, मेरे काम को महसूस भी किया।

मेरे लिए 'मालिक' वही मौका था। मैं इंडस्ट्री में आउटसाइडर हूं, इसलिए कभी ये उम्मीद नहीं की थी कि डेब्यू के साथ ही ड्रीम रोल मिल जाएगा। लेकिन 'शालिनी' का किरदार मुझे इसीलिए खास लगा क्योंकि इसमें मुझे पहली बार परफॉर्मेंस का असली मौका मिला। ये फिल्म मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं थी, बल्कि एक ऐसा चांस था जहां मैं सिर्फ 'अच्छी दिखने' से आगे जाकर, कुछ महसूस करवा सकूं।

मौका मिले, तो बहुत से रोल्स हैं जो मुझे बतौर एक्टर एक्साइट करते हैं, लेकिन अगर मुझे एक क्लासिक किरदार चुनना हो, तो मैं 'देवदास' की पारो को निभाना चाहूंगी। उसमें इमोशन है, ग्रेस है और एक गहरी ट्रैजिक ब्यूटी है।

फेमस होने के बाद मैं अब भी वही इंसान हूं। फर्क बस इतना आया है कि अब मैं कैमरे और पब्लिक अटेंशन के साथ ज्यादा कम्फर्टेबल हो गई हूं। शुरुआत में जब मिस वर्ल्ड बनी थी, वो चेंज बहुत अचानक आया। कभी-कभी छोटी-छोटी चीजें जैसे कि डिनर पर जाना भी एक अटेंशन पॉइंट बन जाती थी। लोग टेबल की ओर देखने लगते हैं, बातें करते हैं, फोटो मांगते हैं तो वो शुरुआत में थोड़ा अजीब लगता था। अब धीरे-धीरे मैं उस सबकी आदत हो गई।

इंडस्ट्री में काम करते हुए सबसे बड़ा सबक यह मिला है कि आपको अपने गोल्स के प्रति पूरी तरह स्पष्ट रहना होगा। लोग सलाह दे सकते हैं, लेकिन आखिर में फैसला आपका ही होगा। मुझे कभी ये नहीं लगा कि मुझे रोल सिर्फ इसलिए मिलेगा क्योंकि मैं किसी को जानती हूं। मौका तब मिलेगा जब मेरी मेहनत और काबिलियत सामने आएगी। इसलिए, मेरा फोकस हमेशा खुद को बेहतर बनाने पर रहता है। यही माइंडसेट मुझे यहां तक लेकर आया है और आगे भी ले जाएगा।

अगर कोई लड़की एक्टर बनना चाहती है या ब्यूटी पेजेंट में हिस्सा लेना चाहती है, तो मेरी

सलाह यही होगी कि इसे सिर्फ ग्लैमर की दुनिया मत समझो। ये रास्ता चमक-धमक से ज्यादा मेहनत और स्ट्रगल से भरा होता है। मिस वर्ल्ड बनने की रात तो सब देखते हैं, लेकिन उसके पीछे होती है दिन-रात की थकान, फंडरेजिंग, लगातार ट्रैवल और इमोशनल स्ट्रगल। एक्टिंग भी आसान नहीं है, हर सीन को बार-बार परफेक्ट करना पड़ता है और हर दिन खुद को साबित करना होता है। अगर आप इन चुनौतियों को स्वीकार कर सकती हैं और आपका फोकस सिर्फ फेम पर नहीं, बल्कि अपने काम को बेहतर बनाने पर है तो ये सफर आपके लिए बेहद खास और सफल हो सकता है।

अडानी ने फिर बेचे एफएमसीजी कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस के शेयर, अब विल्मर कंपनी की सबसे बड़ी शेयरहोल्डर

मुंबई, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गौतम अडानी की अगुवाई वाले अडानी ग्रुप ने एक बड़ा फैसला किया है। उन्होंने अपनी एफएमसीजी जॉइंट वेंचर कंपनी एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में से 20% हिस्सेदारी बेच दी है। यह हिस्सेदारी सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल ने खरीदी है। यह सौदा 7,150 करोड़ रुपये में हुआ है। विल्मर इंटरनेशनल ने अडानी के शेयर 275 रुपये प्रति शेयर के हिसाब से खरीदे हैं।

उछल गया शेयर

इस खबर के आने के बाद एडब्ल्यूएल के शेयर में उछाल आया। बीएसई में शेयर 8% से ज्यादा बढ़कर 283.85 रुपये पर पहुंच गया। अडानी ग्रुप एफएमसीजी कारोबार से बाहर निकलना चाहता है। इसलिए उन्होंने यह हिस्सेदारी बेची है। इसके शेयर कल 262.35 रुपये पर बंद हुए थे। आज सुबह भी यह 263.25 रुपये पर खुले थे।

पहले भी बेचा था शेयर

इस साल जनवरी में भी अडानी ने इस कंपनी में अपनी 13.5% हिस्सेदारी बेची थी। उन्होंने ओएफएस के

जरिए 4,850 करोड़ रुपये में शेयर बेचे थे। तब भी शेयर का भाव 275 रुपये प्रति शेयर था।

अब विल्मर सबसे बड़ी शेयरहोल्डर

विल्मर इंटरनेशनल अब एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में सबसे बड़ी शेयरहोल्डर बन गई है। उनके पास कंपनी की लगभग 64% हिस्सेदारी होगी। कंपनी में अडानी ग्रुप की हिस्सेदारी घटकर लगभग 11% रह जाएगी।

आज की हिस्सेदारी बिक्री अडानी ग्रुप की एफएमसीजी कारोबार से बाहर निकलने की योजना का हिस्सा है।

बड़ा कारनामा करने की तैयारी में ट्रंप

बन चुका है ड्राफ्ट, गोल्ड और बिटकॉइन की होगी मौज?

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़ा कारनामा करने वाले हैं। मीडिया के मुताबिक वह फेडरल रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को बर्खास्त कर सकते हैं। हालांकि ट्रंप प्रशासन इन इससे इन्कार किया है लेकिन न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक इसका ड्राफ्ट तैयार हो चुका है। ट्रंप कभी भी पॉवेल की बर्खास्तगी पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। अमेरिका के इतिहास में यह अभूतपूर्व घटना होगी। अगर ऐसा होता है तो इससे ग्लोबल मार्केट में भूचाल आ सकता है। अमेरिकी डॉलर और बॉन्ड का बाजा बज सकता है जबकि गोल्ड और बिटकॉइन में काफी तेजी आ सकती है। अगर ट्रंप ने फेड रिजर्व के चेयरमैन जेरोम पॉवेल को हटाने का फैसला करते हैं तो इससे ग्लोबल मार्केट में भारी उथल-पुथल हो सकती है। इससे डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड में भारी गिरावट आ सकती है। बुधवार सुबह अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में 0.8% तक की गिरावट आई। हालांकि ट्रंप ने कहा कि पॉवेल को हटाने की संभावना नहीं है। उन्होंने मीडिया रिपोट्र्स को खारिज कर दिया। ट्रंप ने कहा, हम कुछ करने की योजना नहीं बना रहे हैं। मैं किसी भी संभावना से इन्कार नहीं करता हूं लेकिन मुझे लगता है कि यह बहुत ही असंभव है।

फेड की ताकत

फेड की आजादी अमेरिकी वित्तीय बाजारों की नींव है। अगर लोगों को लगेगा कि यह आजादी खतरे में है, तो इससे डॉलर और अमेरिकी सरकारी बॉन्ड की भारी बिक्री हो सकती है। इससे अमेरिका के बाजारों और अर्थव्यवस्था को लंबे समय तक नुकसान हो सकता है। साथ ही अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अमेरिका की छवि खराब हो सकती है।

लेकिन बिटकॉइन और गोल्ड की कीमत में काफी तेजी आ सकती है।

इस साल अमेरिकी बाजार में काफी उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप लगातार पॉवेल की आलोचना कर रहे हैं। उन्होंने ब्याज दरों में 300 बेसिस पॉइंट कटौती की मांग की है। अमेरिका के इतिहास में इतनी बड़ी कटौती कभी नहीं हुई है। ट्रंप चाहते हैं कि यह दर कम हो जाए। इससे लोगों को लोन लेना आसान हो जाएगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन फेड अपनी नीतियों के मुताबिक काम करता है और ट्रंप के दबाव में नहीं आना चाहता। इसी वजह से बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है।

डॉलर पर आफत

बाजार की यह अनिश्चितता सोने और बिटकॉइन के लिए संजीवनी का काम कर रही है। बिटकॉइन की कीमत हाल में 122,000 डॉलर के पार पहुंच गई थी। इसी तरह सोने की कीमत में भी काफी तेजी आई है। दूसरी ओर डॉलर की कीमत पहली छमाही में करीब 11 फीसदी गिरावट आई है। यह 1973 के बाद अमेरिकी करेंसी की वैल्यू में पहले 6 महीने में आई सबसे बड़ी गिरावट है।

सोना-चांदी के दाम में गिरावट

सोना 130 गिरकर 97,370 प्रति 10 ग्राम पर आया, चांदी 1.11 लाख किलो बिक रही

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 17 जुलाई को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 130 गिरकर 97,370 प्रति 10 ग्राम पर आ गया है। इससे पहले इसका दाम 97,500 पर था।

चांदी की कीमत 263 कम होकर 1,10,937 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले चांदी 1,11,200 पर थी। वहीं 14 जुलाई को चांदी ने 1,13,867 का ऑल टाइम हाई बनाया था। इसके पहले सोने ने 8 जून को 99,454 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्ली : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,480 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,150

मुंबई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

कोलकाता : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

चेन्नई : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,330 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,050

भोपाल : 24 कैरेट सोने की कीमत 99,380 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,100

इस साल अब तक 21,208 महंगा हुआ सोना

इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 21,208 रुपए बढ़कर 97,370 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 24,920 रुपए बढ़कर 1,10,937 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

डिफॉल्ट होगी अनिल अग्रवाल की कंपनी!

सरकार की भी हिस्सेदारी, अमेरिकी शॉर्ट सेलर ने लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। दिग्गज उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता की सहायक कंपनी हिंदुस्तान जिंक पर एक नया आरोप लगा है। यह आरोप अमेरिका की शॉर्ट-सेलर वायसराय रिसर्च ने लगाया है। उसका दावा है कि हिंदुस्तान जिंक ने 2023 के ब्रांड शुल्क समझौते के लिए सरकार से मंजूरी नहीं ली थी। ऐसा करने से कंपनी का सरकार के साथ शेयरधारक समझौता टूट सकता है और कंपनी डिफॉल्ट हो सकती है।

वायसराय रिसर्च ने हाल ही में वेदांता ग्रुप और उसकी सहायक कंपनियों के खिलाफ कई रिपोर्ट प्रकाशित की हैं। सरकार के पास हिंदुस्तान जिंक की 27.92% हिस्सेदारी है। वहीं, वेदांता के पास 61.84% हिस्सेदारी है। बीएसई पर कंपनी का शेयर 0.18 फीसदी तेजी के साथ 436 रुपये पर था। वहीं वेदांता का शेयर 0.27% की गिरावट के साथ 446.25 रुपये पर था। वायसराय रिसर्च ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि हिंदुस्तान जिंक ने ब्रांड फीस के लिए सरकार से मंजूरी नहीं ली थी। यह भारत सरकार के साथ उसके शेयरहोल्डिंग एग्रीमेंट के अनुसार डिफॉल्ट की ट्रिगर करता है। इस बारे में हिंदुस्तान जिंक ने कोई जवाब नहीं दिया है। वेदांता ने अक्टूबर 2022 में हिंदुस्तान जिंक पर 'ब्रांड शुल्क' लगाया था। यह न केवल एक गैर-व्यावसायिक अनुबंध है, बल्कि भारत सरकार के साथ कंपनी के शेयरधारक समझौते का उल्लंघन भी है। वेदांता ने 2002 में सरकार से हिंदुस्तान जिंक में हिस्सेदारी खरीदी थी। यह विनिवेश प्रक्रिया का हिस्सा था। शेयरधारक समझौते के अनुसार, कुछ खास मामलों में सरकार द्वारा नामित निदेशक की सहमति जरूरी है। वायसराय रिसर्च ने दावा किया है कि प्रॉविजन 14 सरकारी-नामित निदेशकों की मंजूरी के बिना निदेशकों को अपने हितों के साथ स्व-व्यवहार करने से रोकता है। प्रावधान 16 हिंदुस्तान जिंक की उसी प्रबंधन के तहत अन्य कंपनियों को गारंटी या प्रतिभूतियां प्रदान करने की क्षमता को सीमित करता है। प्रावधान 24 कंपनी की किसी भी व्यक्ति को 20 करोड़ रुपये से अधिक का ऋण या अग्रिम देने की क्षमता को सीमित करता है। वायसराय रिसर्च ने कहा कि हिंदुस्तान जिंक ने इन प्रावधानों का उल्लंघन किया है।

रिसर्च का कहना है कि डिफॉल्ट की स्थिति में वेदांता को 15 दिनों के भीतर इसका समाधान करना होगा। ऐसा करने में विफल रहने पर सरकार वेदांता की कंपनी में हिस्सेदारी को मौजूदा बाजार मूल्य से 25% कम पर खरीदने के लिए कॉल विकल्प का उपयोग कर सकती है। साथ ही वह वेदांता को अपनी हिस्सेदारी 25% प्रीमियम पर खरीदने के लिए कह सकती है।

इंडिगो की दिल्ली-गोवा फ्लाइट के पायलट ने कहा 'पैन पैन पैन' क्या मतलब होता है इसका?

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंडिगो की दिल्ली से गोवा जा रही फ्लाइट संख्या 6ई6271 में बुधवार की रात एक समस्या आ गई थी। विमान के इंजन में खराबी की वजह से एयरक्राफ्ट को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी में उतारा गया। यह एयरबस ए320नियो विमान था। विमान रात 9:53 बजे सुरक्षित उतर गया। इस विमान में 191 व्यक्ति सवार थे।

'पैन पैन पैन' का कॉल किया

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना रात 9:27 बजे के आसपास हुई। विमान भुवनेश्वर से लगभग 100 नॉटिकल मील उत्तर में था। फ्लाइट के दौरान, पायलट ने 'पैन पैन पैन' इमरजेंसी कॉल किया। क्योंकि एयरक्राफ्ट के इंजन नंबर 1 में खराबी आ गई थी। पायलट ने इंजन नंबर 1 में खराबी के कारण 'पैन पैन पैन' कॉल किया। इसका मतलब है कि पायलट को इंजन में कुछ गड़बड़ लगी और उसने तुरंत मदद मांगी।

तुरंत हुई कार्रवाई

मुंबई हवाई अड्डे के अधिकारियों ने पायलट के इस कॉल पर तुरंत कार्रवाई की। उन्होंने इमरजेंसी के लिए जरूरी इंतजाम किए। एक अधिकारी ने बताया, एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड को तैयार रखा गया। विमान के उतरते ही वे उसके पीछे-पीछे बे तक गए। यह सब नियमों के अनुसार किया गया।

इंडिगो ने भी इस बारे में एक बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि फ्लाइट 6ई6271 में तकनीकी खराबी आई थी। यह विमान 16 जुलाई 2025 को दिल्ली से मनोहर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, गोवा जा रहा था। इंडिगो ने कहा कि नियमों का पालन करते हुए विमान को मुंबई में उतारा गया।

क्या मतलब है पैन पैन पैन का

पैन पैन पैन एक अंतरराष्ट्रीय रेडियो कॉल है। पायलट और नाविक इसका इस्तेमाल करते हैं। यह कॉल तब किया जाता है जब कोई गंभीर खतरा नहीं होता, लेकिन तुरंत मदद की जरूरत होती है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य दक्षिणायन ऋतु- वर्षा
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 05-54
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त 18-49
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मिथुन में	मिथुन...	05-49 बजे
चंद्र-	मेष में	कर्क...	08-00 बजे
मंगल	सिंह में	सिंह---	10-07 बजे
बुध-	कर्क में	कन्या...	12-12 बजे
गुरु-	मिथुन में	तुला----	14-23 बजे
शुक्र-	वृष में	वृश्चिक...	16-35 बजे
शनि-	मीन में	धनु......	18-42 बजे
राहु-	कुंभ में	मकर...	20-33 बजे
केतु-	सिंह में	कुंभ...	22-11 बजे
		मीन....	23-47 बजे
		मेष.....	01-31 बजे
		वृष....	03-32 बजे

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी 17-02 तक उपरान्त नवमीं
मास - श्रावण कृष्ण, शुक्रवार 18 July
नक्षत्र - अश्विनी 02-13 तक उपरान्त भरणी
योग - सुकर्मा 06-47 तक उप धृति
करण- बालव 06-07 तक उप कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:45 से 12:22 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ	05:52-07:29	शुभ	अमृत	18:53-20:15	शुभ
रोग	07:29-09:07	अशुभ	चंचल	20:15-21:38	शुभ
उत्पात	09:07-10:45	अशुभ	रोग	21:38-22:59	अशुभ
चंचल	10:45-12:22	शुभ	काल	22:59-24:22	अशुभ
लाभ	12:22-13:59	शुभ	लाभ	00:22-01:45	शुभ
अमृत	13:59-15:37	शुभ	उत्पात	01:45-03:07	अशुभ
काल	15:37-17:15	अशुभ	शुभ	03:07-04:30	शुभ
शुभ	17:15-18:53	शुभ	अमृत	04:30-05:52	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,) — आज का दिन नई शुरुआत के लिए बिलकुल सही है । आप अपने आपको पीछे धकेलने वाली चीजों से आज मुक्त महसूस करेंगे |किसी नए अवसर में जिंदगी बदलने की क्षमता है लेकिन आपको उसे समय रहते पकड़ना होगा । समय रहते लिया गया निर्णयात्मक फैसला आपके लिए काफी महत्वपूरण एवं लाभकारी बदलाव ला सकता है ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप अपने गुस्से के कारण तुरंत प्रतिक्रिया देने के मूड में हैं । लेकिन आपके लिए सुझाव यह है कि अपने दिमाग को शांत रखकर गंभीरता से सोचें । आपके पास अच्छी संचार-कुशलता है और इसे अपने लाभ के लिए इस्तेमाल करें । तनाव घटाने के लिए,किसी साहसिक यात्रा पर जा सकते हैं लेकिन शारीरिक आनंद के चक्कर में न पड़ें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आप बहुत साहसिक अनुभव कर रहे हैं और अपना रास्ता खुद बनाने के लिए तैयार हैं । आप अपनी इच्छाशक्ति से सब मुश्किलों पर विजय प्राप्त कर लेंगे । आज आपकी तरक्की को कोई नही रोक सकता । इसीलिए अपने सभी मुश्किल काम आज करने की योजना बनाएं,सफलता आपके कदम चूमेगी ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आपको अपना अधूरा काम समय पर पूरा करने के बहुत से मौके मिलेंगे । आपकी दूसरी परेशानियां भी तुरंत दूर हो जायेंगी ,उनके बारे में चिंता ना करें । आज अधिक से अधिक काम करने की कोशिश करें क्योकि आपको आज के अपने सब कामों में सफलता मिलेगी । आप अपने किसी करीबी से सलाह ले सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी। आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आपको दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — ऐसे अवसरों को पकड़ने की कोशिश करें जो आपको सोचने और उसे अपने तरीके से दुबारा पेश करने का मौका दें । आप इसे उत्साह के साथ कर भी पायेंगे और आपको आनंद भी आएगा । घर में कुछ बदलाव होने ही हैं ,शायद आप अधिक एकाग्रता और अधिक बेह्तर अवसरों के लिए किसी नईं जगह जाना चाहते हैं ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — एक वृद्ध व्यक्ति सोचने के लिए मजबूर करेगा । योजना बनाना और प्राथमिकताएं तय करना आपकी खासियत हैं । अपना काम करें,सब सही होगा । शांति बनाये रखें और धीरज से काम लें । कोई आपसे आज मिलने आएगा । अपनी सेहत और आराम का ख़ास ध्यान रखें । जल्द ही ऐसी वित्तीय स्थिति बन रही है जो आपके लिए फायदे का सौदा साबित होगी ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — दिन की शुरुआत अच्छी खबर से होगी । आप काफी समय से जिस योजना पर काम कर रहे थे ,वह आज फलीभूत होगी । सहकर्मियों के साथ कहीं बाहर जा सकते हैं । आपको अच्छा लगेगा । आज वित्त सम्बन्धी कोई फैसला लेंगे जो भविष्य में लाभकारी साबित होगा । आज किसी तीर्थ की यात्रा भी कर सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — यदि आप आज थोड़े से धीरज और सहनशीलता के साथ काम लें तो आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा हो सकता है,लेकिन धीरज बनाये रखना ही सबसे बड़ी चुनौती है । समय भी आपको रेंगता सा अनुभव होगा और आप जिस गति से चाहते हैं,उससे काम नहीं हो पायेंगे ।अगर आप जल्दी भी मचाएंगे तो सब गड़बड़ हो जाएगा ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आपकी जीवन में कोई ऐसी स्थिति आने वाली है जब आपको सीधे ,तुरंत और अति सक्रिय रहकर फैसले लेने होंगे । यह स्थिति देखने में बहुत मुश्किल लग सकती है परन्तु आप इसे आसानी से संभाल पायेंगे । आपको बस दृढ़ता पूर्वक डटे रहना है । लेकिन चिंता ना करें,एक बार जब यह समस्या ख़तम हो जायेगी तो लोग इसे सुलझाने में आपकी भूमिका की भी प्रशंसा करेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

सब देशों पर भारी अमेरिका की एक कंपनी एनवीडिया

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। एआई चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया 4 ट्रिलियन डॉलर का मार्केट कैप हासिल करने वाली दुनिया की पहली कंपनी है। इसके साथ ही एमएससीआई ऑल कंट्री वर्ल्ड इंडेक्स (एमएससीआई एसीडब्ल्यूआई) में इस कंपनी का वेट रेकॉर्ड 4.73 फीसदी पर पहुंच गई है। कंपनी की हैसियत का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि दुनिया के तीसरे बड़े स्टॉक मार्केट जापान का इस इंडेक्स में वेटेज 4.65 फीसदी है। यानी एनवीडिया का इस इंडेक्स में वेटेज जापान से भी आगे निकल चुका है। एमएससीआई एसीडब्ल्यूआई इंडेक्स ग्लोबल

इक्विटी मार्केट का करीब 85 फीसदी हिस्सा कवर करता है। इसमें लार्ज और मिड-कैप स्टॉक्स शामिल हैं। इस इंडेक्स में ब्रिटेन का वेटेज 3.28 फीसदी, चीन का 2.97 फीसदी और कनाडा का 2.87 फीसदी है। एनवीडिया का वेटेज फ्रांस (2.50 फीसदी) और जर्मनी (2.32 फीसदी) के कंबाइंड वेट के बराबर है। इस लिस्ट में अमेरिका पहले नंबर पर है।

लाल निशान पर बंद हुआ बाजार; सेंसेक्स 375 अंक लुढ़का, निफ्टी भी फिसली

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गुरुवार को भारतीय बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। आईटी शेयरों में बिकवाली और अमेरिका-भारत व्यापार वार्ता के परिणाम से पहले बेंचमार्क शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट दर्ज की गई। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 375.24 अंक या 0.45 प्रतिशत गिरकर 82,259.24 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 415.21 अंक या 0.50 प्रतिशत गिरकर 82,219.27 अंक पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 100.60 अंक या 0.40 प्रतिशत गिरकर 25,111.45 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल?

सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर में करीब 3 फीसदी की गिरावट आई है। इंफोसिस, एचसीएल टेक, इटरनल, लार्सन एंड टुब्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और एक्सिस बैंक भी पिछड़ने वालों में शामिल रहे। हालांकि, टाटा स्टील, ट्रेंट, टाइटन और टाटा मोटर्स लाभ में रहे। जून तिमाही के नतीजे निवेशकों को खुश करने में नाकाम रहे। आईटी सेवा कंपनी टेक महिंद्रा ने 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में अपने समेकित शुद्ध लाभ में साल-दर-साल लगभग 34 फीसदी की वृद्धि दर्ज की है।

निवेशक हैं सतर्क

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि पहली तिमाही के कमजोर नतीजों, खासकर टेक्नोलॉजी और बैंकिंग सेक्टर के नतीजों के बीच निवेशकों के सतर्कता बरतने से भारतीय शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। लार्ज-कैप शेयरों के ऊंचे मूल्यांकन और अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के चलते एफआईआई की निकासी के कारण बाजार प्रतिभागी अलग-थलग रहे। हालांकि, कोई भी सकारात्मक घटनाक्रम बाजार की धारणा को मजबूत कर सकता है।

यूरोपीय बाजारों में हुई बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट सूचकांक सकारात्मक दायरे में

बंद हुए, जबकि हांगकांग का हैंग सेंग गिरावट के साथ बंद हुआ। यूरोपीय बाजार बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। बुधवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए।

ब्रेंट क्रूड का भाव गिरकर 68.49 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.06 प्रतिशत गिरकर 68.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,858.15 करोड़ रुपये मूल्य के शेयर बेचे। बुधवार को सेंसेक्स 63.57 अंक या 0.08 प्रतिशत बढ़कर 82,634.48 पर बंद हुआ। निफ्टी 16.25 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 25,212.05 पर बंद हुआ।

प्राइवेट स्कूल की फीस मिडिल क्लास को कंगाल बना रही है? इन सीए का कैलकुलेशन समझिए

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। थोड़ा सा बेहतर कमाना शुरू किए तो लोग सोचते हैं बच्चे को अच्छे स्कूल में पढ़ाएं। अच्छे स्कूल का मतलब है प्राइवेट स्कूल में पढ़ाएं। लेकिन, भारत में आजकल शिक्षा का माहौल बदल रहा है। प्राइवेट स्कूलों की फीस बहुत बढ़ गई है। इसलिए कई लोग सोचने लगे हैं कि क्या प्राइवेट स्कूल में बच्चों को पढ़ाना सही है? सीए (चार्टर्ड अकाउंटेंट) मीनल गोयल कहती हैं, अपने बच्चों को प्राइवेट स्कूल में भेजना बंद करो। ऐसा वे इसलिए कह रही हैं क्योंकि बहुत से माता-पिता बढ़ी हुई फीस से परेशान हैं। भारत में स्कूल की शिक्षा अब सिर्फ सीखने के बारे में नहीं है। यह धीरे-धीरे एक बड़ा खर्चा बन गया है। यह खर्चा परिवार की कमाई का एक बड़ा हिस्सा खा जाता है। क्या प्राइवेट स्कूल की फीस भारत के मध्यम वर्ग को खाली कर रही है? सीए मीनल गोयल कुछ चौंकाने वाले आंकड़े बताती हैं। अगर आप माता-पिता हैं, तो शायद आपको पता होगा। लेकिन इन आंकड़ों को एक साथ देखना चौंकाने वाला है। मीनल गोयल LinkedIn पर लिखती हैं, स्कूल की फीस ऐसी है: एडमिशन चार्ज: 35,000 रुपये, ट्यूशन फीस: 1.4 लाख रुपये, सालाना चार्ज: 38,000 रुपये, ट्रांसपोर्ट: 44-73 हजार रुपये, किताबें और यूनिफॉर्म: 20-30 हजार रुपये। इन सबको जोड़ दें तो एक बच्चे की सालाना फीस 2.5 लाख से 3.5 लाख रुपये तक हो जाती है। बड़े शहरों में अच्छे स्कूल एक बच्चे से 4 लाख रुपये से ज्यादा सालाना फीस लेते हैं।

कच्चे तेल की कीमतों में आएगी गिरावट, पेट्रोलियम मंत्री ने दिए संकेत, क्या सस्ता होगा पेट्रोल-डीजल?

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जल्द ही पेट्रोल और डीजल की कीमत कम हो सकती हैं, इसके बारे में पेट्रालियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संकेत दिए हैं। उन्होंने गुरुवार को कहा कि अगर कच्चे तेल की कीमतें अगले दो से तीन महीने तक मौजूदा स्तर पर बनी रहती हैं तो भारत के पास पेट्रोल-डीजल के दाम घटाने की गुंजाइश है। उन्होंने कहा कि भारत अलग-अलग देशों से कच्चा तेल मंगाने की कोशिश कर रहा है। मंत्री ने कहा, जैसे-जैसे सप्लाई के नए स्रोत जुड़ेंगे, तेल की कीमतें नीचे आएंगी। हमारे पास काफी तेल मौजूद है। उन्होंने बताया कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए भारत पहले से ज्यादा देशों से तेल खरीदने की नीति पर काम कर रहा है।

40 देशों से भारत खरीदता है कच्चा तेल

पुरी ने बताया कि भारत ने कच्चे तेल के आयात का नेटवर्क पहले के मुकाबले बड़ा कर लिया है। भारत अब 27 की जगह 40 देशों से तेल मंगाता है। तेल मार्केट में 16% की ग्रोथ भारत

से आई है और कुछ रिपोट्र्स कहती हैं कि ये 25% तक जा सकती है। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा सेकेंडरी सैंक्शन लगाने की धमकी पर पुरी ने कहा, रूस दुनिया के कुल तेल उत्पादन का 10% हिस्सा देता है। हमारे आंकड़े बताते हैं कि अगर रूस बाहर होता तो तेल की कीमत 130 डॉलर प्रति बैरल तक चली जाती। तुर्की, चीन, ब्राज़ील और यहां तक कि यूरोपियन यूनियन ने भी रूस से तेल और गैस खरीदी है। पिछले हफ्ते मंत्री ने कहा था कि रूस से लगातार कच्चा तेल खरीदने से ग्लोबल एनर्जी कीमतों को स्थिर रखने में मदद मिली है, नहीं तो रूस से तेल आयात बंद होने पर कच्चे तेल की कीमत 120-130 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाती।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में हंगामा

पूर्व सीएम भूपेश बघेल समेत 30 कांग्रेस विधायक 1 दिन के लिए सस्पेंड

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा में गुरुवार (17 जुलाई) को राज्य में खाद की कमी को लेकर हंगामा मचाने के कारण कांग्रेस सदस्यों को एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया। कांग्रेस सदस्यों ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार डीएपी (डायमोनियम फॉस्फेट) उर्वरक की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने में विफल रही है।

इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान हुए हंगामे के बीच, अध्यक्ष को सदन की कार्यवाही दो बार स्थगित करनी पड़ी। प्रश्नकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक उमेश पटेल ने राज्य में डीएपी की मांग और आपूर्ति के बारे में पूछा। उन्होंने यह भी सवाल किया कि क्या डीएपी उर्वरक की उपलब्धता में कमी है।

कृषि मंत्री ने दिया जवाब

अपने जवाब में, राज्य के कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि खरीफ फसल सीजन 2025 में, भारत सरकार द्वारा राज्य के लिए 3,10,000 मीट्रिक टन डीएपी का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने बताया कि केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय द्वारा अप्रैल से जून 2025 तक 2,19,100 मीट्रिक टन की आपूर्ति योजना जारी की गई है, जिसके विरुद्ध 30 जून तक 1,08,155 मीट्रिक टन की आपूर्ति की जा चुकी है।

नेताम ने बताया कि पिछले सीजन (रबी 2024-25) के 40,746 मीट्रिक टन बचत स्टॉक सहित कुल 1,48,900 मीट्रिक टन का भंडारण किया जा चुका है। मंत्री ने कहा कि चालू खरीफ सीजन में 30 जून तक जारी आपूर्ति योजना के विरुद्ध डीएपी की आपूर्ति में कमी दिखाई दे रही है। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, किसानों के लिए वैकल्पिक फॉस्फेटिक उर्वरकों का भंडारण किया जा रहा है और उनके बीच इनके उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। कांग्रेस विधायक पटेल ने आगे दावा किया कि अभी तक कुल मांग के पचास प्रतिशत तक की आपूर्ति नहीं हो पाई है और उन्होंने सहकारी समितियों और निजी क्षेत्र को दी गई मात्रा के बारे में पूछा। मंत्री ने कहा कि संबंधित विभाग डीएपी की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार के साथ निरंतर समन्वय में हैं। उन्होंने बताया कि 20 जुलाई तक राज्य को फिर से 18,885 मीट्रिक टन उर्वरक की आपूर्ति की जाएगी।

बृहस्पतिवार को 718 मीट्रिक टन उर्वरक खरसिया (उमेश पटेल द्वारा प्रतिनिधित्व किया जाने वाला निर्वाचन क्षेत्र) पहुंच जाएगा। मंत्री ने कहा कि यह सही है कि राज्य में डीएपी की कमी है और वैश्विक कारणों से पूरे देश में भी यही स्थिति बनी हुई है। इसी को ध्यान में रखते हुए नैनो डीएपी उर्वरक को बढ़ावा दिया जा रहा है। नेताम ने कहा कि कुल डीएपी स्टॉक का 64 प्रतिशत सहकारी क्षेत्र को और 36 प्रतिशत निजी क्षेत्र को दिया गया है। इसके बाद, कांग्रेस सदस्यों ने दावा किया कि उर्वरक निजी क्षेत्र में उपलब्ध है और निजी दुकानदार सहकारी समितियों में उर्वरक की कमी का फायदा उठाकर इसकी कालाबाजारी कर रहे हैं और इसे ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं।

मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्षी सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही पाँच मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। सदन की कार्यवाही फिर से शुरू होने पर, कांग्रेस सदस्यों ने फिर से यह मुद्दा उठाया। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए, वे सदन में अध्यक्ष के आसन के समक्ष आ गए।

अध्यक्ष रमन सिंह ने विपक्ष के नेता चरणदास महंत और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल समेत 30 कांग्रेस विधायकों को निलंबित करने की घोषणा की और उन्हें सदन से बाहर जाने को कहा। इसके बाद भी कांग्रेस सदस्य वहीं खड़े रहे और नारेबाजी करते रहे।

पत्नी को फोन और बैंक पासवर्ड शेयर करने के लिए मजबूर करना घरेलू हिंसा

छत्तीसगढ़ एचसी की टिप्पणी

रायपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने हाल ही में अपने एक फैसले में कहा कि पति अपनी पत्नी को उसके मोबाइल फ़ोन या बैंक खाते के पासवर्ड शेयर करने के लिए मजबूर नहीं कर सकता और ऐसा करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा और ये घरेलू हिंसा है। जस्टिस राकेश मोहन पांडे ने रेखांकित किया कि वैवाहिक संबंधों में साझा जीवन शामिल होता है, लेकिन यह व्यक्तिगत निजता के अधिकारों का हनन नहीं करता।

'बार एंड बेंच' की रिपोर्ट के मुताबिक अदालत ने स्पष्ट किया, विवाह पति को पत्नी की निजी जानकारी, संचार और निजी सामान तक स्वतः पहुंच प्रदान नहीं करता। पति अपनी पत्नी को मोबाइल फ़ोन या बैंक खाते के पासवर्ड शेयर करने के लिए बाध्य नहीं कर सकता और ऐसा कृत्य निजता का उल्लंघन और संभावित रूप से घरेलू हिंसा माना जाएगा। वैवाहिक निजता और पारदर्शिता की जरूरत और साथ ही रिश्ते में विश्वास के बीच संतुलन होना चाहिए। मौजूदा मामले में याचिकाकर्ता पति ने क्रूरता को आधार बनाते हुए हिंदू विवाह अधिनियम की धारा 13(1)(आइ-ए) के तहत तलाक के लिए अर्जी दी थी। जवाब में पत्नी ने आरोपों से इनकार करते हुए एक लिखित बयान प्रस्तुत किया। कार्यवाही के दौरान, पति ने दुर्ग के एसएसपी से अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह जताते हुए उसके कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) उपलब्ध कराने का आग्रह किया। उसने फैमिली कोर्ट में भी इसी तरह का एक आवेदन दायर कर अधिकारियों को पत्नी के कॉल रिकॉर्ड उपलब्ध कराने के निर्देश देने की मांग की।

हालांकि, उसकी याचिका खारिज कर दी गई, जिसके बाद उसे हाई कोर्ट का रुख करना पड़ा। अदालत ने इस अस्वीकृति को बरकरार रखा और इस बात पर ज़ोर दिया कि अस्पष्ट संदेह किसी व्यक्ति के निजता के अधिकार के उल्लंघन को उचित नहीं ठहरा सकते। हाई कोर्ट ने के.एस. पुट्टस्वामी, पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज़ और मिस्टर एक्स बनाम हॉस्पिटल जेड में सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक निर्णयों का हवाला देते हुए इस बात की पुष्टि की कि निजता का अधिकार संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत एक मौलिक अधिकार है।

कोर्ट ने कहा, माननीय सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, निजता के अधिकार में पर्सनल इंटिमेसी, विवाह की पवित्रता और यौन अभिविन्यास का संरक्षण शामिल है, इसलिए फैमिली कोर्ट ने याचिकाकर्ता की ओर से प्रस्तुत आवेदन को सही रूप से खारिज कर दिया। अपने घर या दफ्तर की गोपनीयता में बिना किसी हस्तक्षेप के मोबाइल पर बातचीत करने का अधिकार निश्चित रूप से निजता के अधिकार के तहत संरक्षित है। ऐसी बातचीत अक्सर गोपनीय प्रकृति की होती है और किसी शख्स के निजी जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू होती है।

इन टिप्पणियों के साथ, अदालत ने याचिकाकर्ता के अपनी पत्नी के कॉल डिटेल रिकॉर्ड के अनुरोध को अस्वीकार कर दिया।

भुइयांडीह फायरिंग मामले में 24 घंटे में सफलता

तीन आरोपी गिरफ्तार, दो देसी कट्टा और गोली बरामद

जमशेदपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। जमशेदपुर के भुइयांडीह इलाके में हुई फायरिंग की घटना में पुलिस ने महज 24 घंटों के भीतर तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा, जिंदा गोली और खोखा बरामद किया है। सिटी एसपी कुमार शिव आशीष के अनुसार, टकलू लोहार के हत्याकांड में शामिल मुख्य आरोपी समीर जैना कुछ दिन पहले ही जेल से रिहा हुआ था। वह टकलू लोहार के बेटे प्रिंस लोहार को धमकाना चाहता था। इसी कड़ी में उसने टकलू लोहार की पत्नी रितु लोहार पर भुइयांडीह स्थित मटन दुकान के पास फायरिंग की। घटना के समय रितु लोहार मटन दुकान के पास मौजूद थीं। समीर जैना और उसका साथी वहां पहुंचे और फायरिंग कर दी।

नक्सली दंपति ने डाले हथियार, 3 बार एनकाउंटर से बचे

देश के 16 राज्यों में नक्सल विचारधारा का किया प्रचार डीकेएसजेडसीएम कैडर तक पहुंचे, 45 साल बाद छोड़ी हिंसा

जगदलपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के पड़ोसी राज्य तेलंगाना में डीकेएसजेडसीएम कैडर के माओवादी दंपति ने हिंसा का रास्ता छोड़ दिया है। पुलिस के सामने हथियार डाल दिए हैं। इन दोनों पर करीब 25-25 लाख रुपए का इनाम घोषित है। सीजी में भी 20 से 22 सालों तक काम किया। अलग-अलग मुठभेड़ों में करीब 2 से 3 बार बचकर निकले थे। नक्सल संगठन में 40-45 साल गुजारने के बाद सरेंडर कर दिया है।

दरअसल, माला संजीव उर्फ अशोक उर्फ लेंगु दादा (62) ने अपनी पत्नी पेरुगुल्ला पार्वती (50) के साथ सरेंडर किया है। ये दोनों सीनियर कैडर के हैं। 80-90 के दशक में लेंगु दादा देश के अलग-अलग 16 राज्यों में माओवाद विचारधारा का प्रचार-प्रसार करता था। सरेंडर से पहले

नक्सलियों की चेतना नाट्य मंडली के प्रमुख पद की जिम्मेदारी थी। पत्नी भी इसी की सदस्य थी। दोनों ने कई बड़े लीडरों के साथ काम किया है। लेंगु दादा 1980 में माओवाद संगठन से जुड़ा था। शुरुआत में पीपुल्स वॉर की जन नाट्य मंडली (जेएनएम) में शामिल हुआ था। 1986 तक इसमें काम किया। नक्सल विचारधारा को फैलाने और लोगों को आंदोलन के लिए आकर्षित करने के लिए भारत के लगभग 16 राज्यों में गया। वहां विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संचालन में दप्पू रमेश, दया, विद्या और दिवाकर जैसे सदस्यों के साथ काम किया। 1996 में सशस्त्र शाखा, विशेष रूप से मनुगुरु दलम में इसे शामिल किया गया। जहां डिवीजन कमेटी सदस्य (डीवीसीएम) के रूप में कार्य किया। बाद में एटूनगरम, पांडव और महादेवपुर दलम में काम किया। 2001 में राज्य समिति सदस्य (एससीएम) के रूप में पदोन्नत किया गया। 2003 में दंडकारण्य विशेष क्षेत्रीय समिति (डीकेएसजेडसीएम) में भेज दिया गया। यहां चेतना नाट्य मंडली (सीएनएम) के प्रभारी के रूप में काम किया। दंडकारण्य के विभिन्न क्षेत्रों में आदिवासी समुदायों को नक्सल संगठन से जोड़ने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। इससे पहले 2002 में जिले बॉर्डर इलाके में हुई गोलीबारी से बच निकला।

घर में घुसकर महिला के सिर पर मारी कुल्हाड़ी

कमरे में फैला खून ही खून, पति पर भी हमला, जमीन बेचने से नाराज था पड़ोसी

जांजगीर-चांपा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में पड़ोसी युवक ने घर घुसकर महिला के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जमीन दूसरे को बेचने को लेकर युवक गुस्से में था। हमले से महिला खून से लथपथ होकर जमीन पर गिर पड़ी। फिलहाल, उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना का लाइव वीडियो भी सामने आया है।

मामला नवागढ़ थाना क्षेत्र का है। ग्राम भैंसदा में 16 जुलाई की रात पति-पत्नी घर पर थे, तभी आरोपी युवक दरवाजा खटखटा कर अंदर घुसा। वह अपने साथ कुल्हाड़ी लेकर आया था। पति-पत्नी और युवक के बीच बहस हुई। युवक ने पहले कुल्हाड़ी उठाकर दोनों को डराया, फिर सीधे महिला के सिर पर वार कर दिया।

महिला पर हमले के बाद उसने पति पर भी वार करने की कोशिश की, लेकिन पति ने किसी तरह अपनी जान बचाई। इसके बाद आरोपी मौके से भाग गया। पति ने थाने में घटना की सूचना दी।जानकारी के मुताबिक पीड़ित पक्ष ने अपनी जमीन दूसरे को बेच दी। जबकि आरोपी हितेंद्र तरुण (29 साल) की उस जमीन पर नजर थी, जमीन मुझे नहीं बेची कहकर मनमुटाव रखता था।

इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के विवाद था। फिलहाल, अनिता सूर्यवंशी (35 साल) की हालत गंभीर है, वह बिलासपुर सिम्स में भर्ती है।

आरोपी पिछले कई दिनों से पीड़ित पक्ष को परेशान कर रहा था। पहले भी घर घुसकर विवाद कर चुका था, जिससे दंपती डरे-सहमे हुए थे। 16 जुलाई की रात करीब 11 बजे जोर-जोर से दरवाजा खटखटाने की आवाज आई। इस दौरान महिला के पति ने कैमरा ऑन कर सामने रख दिया था।

2 मिनट के वीडियो में स्पष्ट देखा जा सकता है कि आरोपी आरोपी हितेंद्र तरुण (29 साल) ने घर घुसते ही पति-पत्नी के ऊपर कुल्हाड़ी तान दी और डराने लगा। दोनों मना करते रहे, इसी बीच पूरी ताकत के साथ मारा। वीडियो में आवाज भी सुनी जा सकती है।

एसपी विवेक पांडेय ने बताया कि, पुलिस ने घायल महिला को पहले जिला अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसे बिलासपुर के सिम्स अस्पताल रेफर कर दिया। महिला की स्थिति अभी गंभीर है।

कांकेर के रिहायशी इलाकों में तेंदुए की मूवमेंट

कांकेर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। कांकेर जिला मुख्यालय और आसपास के ग्रामीण इलाकों में तेंदुए की मूवमेंट बढ़ गई हैं। हर दूसरे-तीसरे दिन तेंदुआ दिखाई दे रहा है। यह अब रहवासी क्षेत्रों में भी खुलेआम घूम रहा है। तेंदुआ अब तक 6 लोगों पर अटैक कर चुका है।

हाल ही में कांकेर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी के ईमलीपारा में रात 12 बजे एक दंपती ने कार में बैठे हुए तेंदुए का वीडियो बनाया। इससे पहले तेंदूआ ग्राम कोडेजूंगा में देखा गया था। शिवनगर में इसने दो मुर्गियों का शिकार भी किया था। गढ़िया पहाड़, मालगांव और शिवनगर की पहाड़ी में भी तेंदुआ लगातार नजर आ रहा है।

तेंदुआ दिन में पहाड़ों पर बैठकर अपने शिकार की रेकी करता है। शाम होते ही शिकार करके उसे पहाड़ में ले जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात में घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। वन विभाग से शिकायत करने पर वे केवल निगरानी का आश्वासन देते हैं।

इस साल की शुरुआत से दुधावा इलाके में एक आदमखोर तेंदुए ने 6 ग्रामीणों और बच्चों पर हमला किया था। इस तेंदुए को बाद में पकड़ा गया था। इसके अलावा तेंदुओं के घरों में घुसने की घटनाएं भी सामने आई हैं। वन विभाग के मंडल अधिकारी रौनक गोयल का कहना है कि तेंदुए पर लगातार निगरानी की जा रही है। अब तक तीन से चार बार तेंदुआ के पहुंचने की सूचना हमे मिली है। तेंदुआ संरक्षित पहाड़ होने की वजह से सुबह तेंदुआ देखा गया है। निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरा भी लगाया गया है।

हाईकोर्ट बोला- बिना प्रमाण नपुंसक कहना मानसिक क्रूरता

पत्नी ने कहा था– पति यौन संबंध बनाने में असमर्थ फैमिली कोर्ट का आदेश निरस्त, तलाक मंजूर

बिलासपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। किसी व्यक्ति पर बिना मेडिकल प्रमाण के नपुंसकता का आरोप लगाना मानसिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। इस तरह का गंभीर आरोप केवल मान-सम्मान नहीं, बल्कि पति के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। पति पर दूसरे महिला के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाना भी क्रूरता है। दरअसल, जांजगीर चांपा में रहने वाले एक शख्स की शादी 2 जून 2013 को बलरामपुर जिले के रामानुजगंज की रहने वाली महिला के साथ हुई थी। पति टीचर हैं। उसकी पोस्टिंग बैकुंठपुर की चर्चा कॉलरी में थी। वहीं, पत्नी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता है। शादी के बाद उनकी कोई बच्चा नहीं हुआ। इस दौरान उसकी पत्नी नौकरी छोड़ने या ट्रांसफर कराने के लिए दबाव बनाने लगी।

इस बीच उनका विवाद इतना बढ़ गया कि, 2017 से दोनों अलग रहने लगे। 7 साल बाद पति ने साल 2022 में फैमिली कोर्ट में तलाक की मांग करते हुए परिवाद पेश किया। सुनवाई के दौरान पत्नी ने पति पर यह आरोप लगाया कि, वह यौन संबंध बनाने में असमर्थ है।

हालांकि, उसने यह स्वीकार किया कि उसके पास इस दावे का कोई मेडिकल प्रमाण नहीं है। फैमिली कोर्ट ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पति के तलाक आवेदन को खारिज कर दिया।

जिसके बाद पति ने फैमिली कोर्ट के आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी। इसमें बताया कि, दोनों पति-पत्नी 2017 से अलग रह रहे हैं। पत्नी उसके साथ रहने के लिए तैयार नहीं है और झूठा आरोप लगाती है। ऐसे में में वैवाहिक संबंध को बनाए रखना न्याय और विधि के अनुरूप नहीं होगा।

अपीलकर्ता पति ने कोर्ट को बताया कि, उसने वैवाहिक संबंध सुधारने का प्रयास किया, जिसके लिए सामाजिक बैठक भी बुलाई। इसमें भी उसकी पत्नी ने सुलह कराने की कोशिश कर रहे अपने जीजा के साथ विवाद कर लिया था। साथ ही पत्नी ने पति पर पड़ोसी महिला के साथ अवैध संबंध का झूठा आरोप लगाया था।

हाईकोर्ट ने फैमिली कोर्ट के आदेश को गंभीर त्रुटिपूर्ण मानते हुए रद्द कर दिया है। साथ ही कहा कि, पति ने पत्नी के खिलाफ क्रूरता और परित्याग के आरोपों को सिद्ध किया है।

ऑस्ट्रेलिया से देवघर पहुंचे भक्त

जलाभिषेक कर बाबा से मांगा आशीर्वाद बोले– भारत की आध्यात्मिकता ने बदला जीवन

देवघर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम, सावन माह में सिर्फ देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहा है। यहां ऑस्ट्रेलिया के पर्थ शहर से चार भक्त बाबा बैद्यनाथ के दर्शन के लिए पहुंचे। उन्होंने विधिवत जलाभिषेक कर बाबा से आशीर्वाद प्राप्त किया।

ये सभी श्रद्धालु ऋषिकेश स्थित सत्यम वैदिक योग स्कूल के संचालक योगाचार्य सोमदत्त अमोली के सान्निध्य में भारत भ्रमण पर निकले हैं। उनके साथ स्टेफनी ऑगस्टीन, डेनियल ऑगस्टीन, एलिसा डालजैक और मार्कस ऑगस्टीन ने भी बाबा बैद्यनाथ के दर्शन किए। चारों विदेशी भक्त योग और भारतीय

आध्यात्मिक परंपरा की शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं।

इन श्रद्धालुओं ने भारत के द्वादश ज्योतिर्लिंगों के दर्शन का संकल्प लिया है। बाबा बैद्यनाथ धाम के पूर्व, वे भीमाशंकर महादेव और त्र्यंबकेश्वर महादेव के दर्शन कर चुके हैं। देवघर पहुंचकर उन्होंने बाबा को जल चढ़ाया और मंदिर परिसर की दिव्यता का अनुभव किया। स्टेफनी ऑगस्टीन ने बताया कि भारत की आध्यात्मिक संस्कृति ने उनके जीवन को गहराई से छू लिया है। उन्होंने कहा कि बाबा बैद्यनाथ धाम में उन्हें एक विशेष आध्यात्मिक ऊर्जा का अहसास हुआ, जो शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता।

योगाचार्य सोमदत्त अमोली का कहना है कि भारतीय योग और सनातन परंपरा का प्रभाव अब सीमाओं से परे पहुंच चुका है।

झारखंड में बारिश और वज्रपात का यलो अलर्ट

लो प्रेशर एरिया की वजह से 20 जुलाई तक मानूसन का असर, रुक-रुक कर होती रहेगी वर्षा

रांची, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने झारखंड के सभी जिलों के लिए यलो अलर्ट जारी किया है। रांची स्थित मौसम केंद्र के अनुसार, 17 जुलाई से लेकर 20 जुलाई तक राज्य में लगातार बारिश होती रहेगी। इस दौरान कई जिलों में गरज-चमक के साथ वज्रपात की भी संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने लोगों से सतर्क और सावधान रहने की अपील की है।

मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस दौरान झारखंड के विभिन्न इलाकों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होगी। कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी वर्षा की भी आशंका है। बिजली गिरने की घटनाएं होने की संभावना को देखते हुए यलो अलर्ट जारी किया गया है, जो संभावित खतरे का संकेत है लेकिन इससे जन-जीवन प्रभावित हो सकता है।

रांची मौसम केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम बिहार और उससे सटे पूर्वी उत्तर प्रदेश में एक निम्न दबाव का क्षेत्र बना है। अगले 24 घंटे में यह निम्न दबाव क्षेत्र साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में बिहार और उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ेगा। इसका प्रभाव झारखंड के मौसम पर भी पड़ेगा।

मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि मानसून टर्फ इस निम्न दबाव क्षेत्र से गुजर रहा है। इसका केंद्र बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल के पुरुलिया और कोंटाई जिलों से होते हुए बंगाल की खाड़ी की ओर बढ़ रहा है। इसी कारण अगले चार दिनों तक झारखंड में रुक-रुक कर वर्षा होती रहेगी।

बीते 24 घंटे के दौरान राज्य में लगभग सभी स्थानों पर मानसून सक्रिय रहा। कहीं-कहीं भारी वर्षा भी दर्ज की गई। सबसे अधिक वर्षा पलामू के चैनपुर में 204 मिमी मापी गई। वहीं देवघर में 67 मिमी, जमशेदपुर में 64.6 मिमी, चाईबासा में 9 मिमी और रांची में 3 मिमी बारिश हुई है।

मौसम विभाग ने बताया है कि फिलहाल अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। लेकिन आने वाले तीन दिनों में अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की वृद्धि हो सकती है। सरायकेला में सबसे अधिक 34.8 डिग्री सेल्सियस और लातेहार में सबसे कम 21 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

आरक्षक ने किया सुसाइड, जशपुर का रहने वाला था

परपा से लोहंडीगुड़ा हो गया था ट्रांसफर पुलिस बोली– पारिवारिक विवाद की आशंका

जगदलपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में जगदलपुर के परपा में पोस्टेड आरक्षक ने अपने सरकारी क्वार्टर में सुसाइड कर लिया है। उसके कमरे में फंदे से लटकता शव मिला है। वो जशपुर जिले का रहने वाला था। फिलहाल, परपा में यातायात विभाग में था।

लेकिन कुछ दिन पहले ही उसका परपा से लोहंडीगुड़ा तबादला हो गया था। फिलहाल, पुलिस प्रारंभिक रूप से पारिवारिक कारणों की वजह से सुसाइड करने की बात कह रही है। मामला परपा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, आरक्षक का नाम संदीप बाकला (42) है। ये परपा थाना के पीछे स्थित पुलिस सरकारी क्वार्टर में अपनी पत्नी के साथ रह रहा था। बताया जा रहा है कि गुरुवार की सुबह इसकी पत्नी और साला दोनों घर पर मौजूद थे।

सुबह वह अपने कमरे में गया। दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। जिसके बाद उसने पंखे से रस्सी का फंदा बांधा और झूल गया। कुछ देर बाद जब पत्नी ने उसे किसी काम को लेकर आवाज दी तो कोई जवाब नहीं आया। जिसके बाद पत्नी और साला दोनों ने दरवाजा खोलने की कोशिश की।

फिर मामले की जानकारी परपा थाना के अन्य स्टाफ को भी दी गई। वहीं जवान और अफसर भी मौके पर पहुंचे। किसी तरह से दरवाजा खोला गया।

कमरे में फंदे से लटकता शव मिला। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया गया है।

आरक्षक ने आत्महत्या क्यों की है फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है। कुछ दिन पहले इसका लोहंडीगुड़ा तबादला हुआ था। क्या ये जाना नहीं चाह रहा था? इसपर किसी तरह का दबाव था? क्या मेंटली टॉर्चर हो रहा था? सुसाइड के बाद अब ये भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

वहीं पुलिस ने प्रारंभिक तौर पर पारिवारिक कारणों की वजह से सुसाइड की बात कही है। ऐसे में इन दोनों एंगल पर बारीकी से जांच होने पर ही सुसाइड की असल वजह सामने आएगी। थाना प्रभारी ने कहा कि, पत्नी का बयान लिया जाएगा। फिर मामले की जांच की जाएगी।

गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर ट्रक से टकराई बाइक

सिरसिया के होम्योपैथिक डॉक्टर की मौत आक्रोशित लोगों ने किया सड़क जाम

गिरिडीह, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गिरिडीह-बिरनी मुख्य मार्ग पर बाघमारा के पास गुरुवार दोपहर एक सड़क हादसे में सिरसिया के होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ. अभिषेक भारद्वाज की मौत हो गई।

बाइक से जा रहे डॉ. भारद्वाज को एक तेज रफ्तार मालवाहक ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोगों ने ट्रक चालक को पकड़कर पिटाई कर दी।

सूचना मिलते ही मुफ्फसिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने चालक को भीड़ से बचाकर हिरासत में लिया और ट्रक को जब्त कर लिया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, डॉ. अभिषेक क्षेत्र के लोकप्रिय और सेवाभावी चिकित्सक थे। उनकी मौत से इलाके में शोक की लहर है।

पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गिरिडीह सदर अस्पताल भेज दिया है।

स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन से दुर्घटनास्थल पर ट्रैफिक नियंत्रण की उचित व्यवस्था की मांग की है। घटना की सूचना मिलने पर मृतक के परिजन मौके पर पहुंचे।

यूक्रेन की प्रधानमंत्री बनीं यूलिया स्विरीडेंको

इन्होंने ट्रम्प से मिनरल डील कराई थी, पुराने पीएम को रक्षा मंत्री बनाने का वादा कर पलटे जेलेंस्की

कीव, 17 जुलाई (एजेंसियां)। यूलिया स्विरीडेंको अब यूक्रेन की नई प्रधानमंत्री बन गई हैं। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने उनके नाम की सिफारिश की थी। इसके बाद यूक्रेनी संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री के रूप में चुन लिया। यूलिया पहले डिप्टी पीएम और अर्थव्यवस्था मंत्री थीं। उनकी उम्र 39 साल है और वे पेशे से अर्थशास्त्री हैं। उन्होंने 2020 से पीएम पद पर काबिज डेनिस शिमहाल की जगह ली है।

बतौर डिप्टी पीएम स्विरीडेंको ने इस साल अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ खनिज डील कराने में अहम भूमिका निभाई थी, जिसके बाद उनकी बेहद तारीफ हुई थी। नई कैबिनेट में कुछ और बदलाव भी हुए हैं।

शिमहाल अब भी कैबिनेट में रहेंगे लेकिन रक्षा मंत्री नहीं होंगे। उनकी जगह रुस्तम उमरोव पहले से ही रक्षा मंत्री बने रहेंगे। पहले जेलेंस्की ने शिमहाल को रक्षा मंत्री बनाने की बात कही थी।

राष्ट्रपति जेलेंस्की ने एक दिन पहले यानी 16 जुलाई को पुरानी कैबिनेट को भंग कर दिया था। इसके बाद उन्होंने नई सरकार के लिए अपने चुने हुए लोगों की सूची संसद को दी।

जेलेंस्की की पार्टी 'सर्वेंट ऑफ द पीपल' 2019 से 254 सीटों के साथ पूर्ण बहुमत में है। यूलिया को 262 सांसदों का समर्थन मिला जबकि 22 ने उनके खिलाफ वोटिंग की। वहीं, 26 सांसदों ने वोट नहीं डाला।

संसद में बोलते हुए जेलेंस्की ने पुराने प्रधानमंत्री शिमहाल का शुक्रिया अदा किया और कहा कि अमेरिका जैसे देशों के साथ नए समझौते करने के लिए अब एक नई रणनीति की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को सभी पुराने रक्षा समझौतों की समीक्षा करनी चाहिए और नया रक्षा सहयोग तैयार करना चाहिए।

कैबिनेट में हुए बदलाव

डिजिटल परिवर्तन मंत्री मिखाइलो फेडोरोव को नई सरकार में पहले उप-प्रधानमंत्री का पद मिलेगा।

अर्थव्यवस्था, कृषि और पर्यावरण मंत्रालयों को मिलाकर एक ही मंत्रालय बना दिया जाएगा। इसकी जिम्मेदारी ओलेक्सी सोबोलेव को सौंपी गई है।

यूरोपीय और नाटो जैसे संगठनों के साथ संबंधों के लिए नए उप-प्रधानमंत्री तारास काचका होंगे, जो पहले स्विरिडेन्को के डिप्टी थे।

ओल्हा स्टेफनिशिना, जो पहले इस पद पर थीं, अब मंत्रिमंडल में नहीं होंगी।

कहा जा रहा है कि स्टेफनिशिना को अमेरिका में यूक्रेन का राजदूत बनाया जा सकता है।

इराक के अल-कुत शहर के शॉपिंग मॉल में आग लगने से तबाही

कम से कम 50 लोगों की मौत, कई घायल

बगदाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इराक के अल-कुत शहर में एक हाइपरमार्केट में बुधवार देर रात भीषण आग लगने से कम से कम 50 लोगों की मौत हो गई है। आग लगने की घटना में दर्जनों लोगों के घायल होने की रिपोर्ट है। यह जानकारी इराकी सरकारी समाचार एजेंसी आईएनए ने दी है, जिसमें वासित प्रांत के गवर्नर के हवाले से 50 लोगों की मौत की पुष्टि की गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में देखा जा सकता है कि पांच मंजिला इमारत आग की लपटों से बुरी तरह से घिरी हुई है और दमकलकर्मी लगातार आग बुझाने की कोशिश में जुटे हैं।

आग लगने की वजहों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। गवर्नर ने बताया कि प्रारंभिक जांच रिपोर्ट 48 घंटे के भीतर जारी की जाएगी। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा कि मॉल और बिल्डिंग के मालिक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय प्रशासन और बचाव दलों ने रातभर राहत और बचाव अभियान चलाया है। आग का प्रचंड रूप देखते हुए इसे पानी और फोम के जरिए कंट्रोल करने की कोशिश की गई, जिसमें कई घंटों का वक्त लग गया। इमारत में मौजूद दर्जनों लोग फंसे हुए थे, जिन्हें बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। घायलों को अल-कुत के सरकारी अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां कई की हालत गंभीर बताई जा रही है। स्थानीय स्वास्थ्य विभाग ने आपात स्थिति घोषित कर दी है।

गाजा की एकमात्र कैथोलिक चर्च पर एयरस्ट्राइक

पादरी भी हुए घायल, इजरायल का हाथ होने की आशंका

गाजा पट्टी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। गाजा पट्टी में जारी युद्ध की विनाशकारी तस्वीरें एक बार फिर सामने आई हैं। इस बार हमला हुआ है गाजा के एकमात्र कैथोलिक चर्च 'होली फैमिली चर्च' पर, जहां गुरुवार सुबह की गई एयरस्ट्राइक में कई लोग घायल हो गए। घायलों में चर्च के पेरिश पादरी फादर गैब्रियल रोमानेली भी शामिल हैं, जो पोप फ्रांसिस के करीबी माने जाते थे और युद्ध के दौरान उनसे नियमित बातचीत करते थे। चर्च के अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हमला संभवतः एक टैंक शेलिंग के जरिए हुआ। हमले में चर्च की इमारत को भी गंभीर नुकसान पहुंचा है। फिलहाल इस पर इजरायली सेना की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी गई है।

फादर गैब्रियल रोमानेली का नाम उन लोगों में आता है जो गाजा में शांति की आवाज बने रहे। उनकी पोप फ्रांसिस से नजदीकी ऐसी थी कि पोप ने युद्ध के दौरान अंतिम 18 महीनों में कई बार गाजा स्थित इसी चर्च में कॉल कर लोगों की स्थिति की जानकारी ली थी। फादर रोमानेली उन कॉल्स का अहम हिस्सा रहे हैं। गाजा में रहने वाले कई नागरिक इस चर्च में शरण लिए हुए थे, क्योंकि यह जगह अभी तक अपेक्षाकृत सुरक्षित मानी जा रही थी। इस हमले ने अब वहां छिपे हुए लोगों की चिंता और बढ़ा दी है।

होली फैमिली चर्च गाजा का एकमात्र कैथोलिक चर्च है। इस पर हुआ हमला यह दर्शाता है कि अब धार्मिक स्थल भी युद्ध की चपेट से बाहर नहीं हैं। यहां पहले महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शरण लिए हुए थे। चर्च पर हमला अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानूनों के तहत गंभीर चिंता का विषय बनता है। इस हमले के बाद मानवाधिकार संगठनों और धार्मिक संस्थानों से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिक्रिया आने की संभावना है। यह युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को उस समय शुरू हुआ था जब हमास के आतंकियों ने इजरायल पर अचानक हमला कर दिया था। उस दिन करीब 1,200 लोगों की मौत हुई थी और 251 लोगों को बंधक बनाया गया था। इनमें से ज्यादातर नागरिक थे। बाद में कई बंधक युद्धविराम या समझौते के तहत रिहा कर दिए गए, लेकिन अभी भी 50 लोग बंधक हैं, जिनमें से आधे से भी कम के जीवित होने की संभावना है। इस हमले के बाद इजरायल की ओर से चलाए जा रहे जवाबी सैन्य अभियान में अब तक गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार 58,000 से ज्यादा फिलिस्तीनियों की मौत हो चुकी है। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार मरने वालों में महिलाओं और बच्चों की संख्या आधे से ज्यादा है। हालांकि यह मंत्रालय हमास के नियंत्रण वाली सरकार का हिस्सा है, लेकिन इसमें कार्यरत अधिकतर लोग मेडिकल पेशेवर हैं और संयुक्त राष्ट्र समेत कई अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं इसके आंकड़ों को विश्वसनीय मानती हैं। इससे साफ जाहिर होता है कि युद्ध में आम नागरिकों को सबसे ज्यादा नुकसान हो रहा है और राहत या बचाव की कोई स्थायी व्यवस्था फिलहाल नजर नहीं आ रही है।

बलूचिस्तान में 20 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत

सैन्य चौकियों को निशाना बनाया, बलूच लिबरेशन आर्मी के शामिल होने का शक

क्वेटा, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बलूचिस्तान में पाकिस्तानी आर्मी पर विद्रोहियों के हमले में पाक आर्मी के एक मेजर समेत 20 पाकिस्तानी सैनिकों की मौत की खबर है। ये हमले पिछले 12 घंटों में अवारान, क्वेटा और कलात जिलों में हुए।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, ये हमले सैन्य चौकियों को निशाना बनाकर किए गए थे। हालांकि, इन हमलों की जिम्मेदारी अभी तक किसी ग्रुप ने नहीं ली है, लेकिन इसमें फितना अल हिंदुस्तान और बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के शामिल होने का शक है।

वहीं, बलूचिस्तान के कालात में बुधवार को एक यात्री बस पर हमला हुआ, जिसमें 3 लोगों की मौत हो गई और 13 लोग घायल हो गए। पाकिस्तानी मीडिया डॉन के मुताबिक, हमलावरों ने क्वेटा-कराची हाईवे पर नेमार्ग इलाके में घात लगाकर बस को रोका और अंधाधुंध गोलीबारी की।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि सुरक्षा बलों और बचाव दल तुरंत मौके पर पहुंचे और हमलावरों की तलाश में अभियान शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने सड़क के दोनों ओर से हमला किया।

मुख्यमंत्री मिर्जा सरफराज बुगती ने इस हमले की निंदा की और इसे फितना अल हिंदुस्तान आतंकी संगठनों का काम बताया। उन्होंने कहा- निर्दोष नागरिकों पर हमला गंभीर अपराध है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, यह हमला उस दिन हुआ जब सुरक्षा बलों ने अवारन इलाके में फितना अल हिंदुस्तान से जुड़े तीन आतंकवादियों को मार गिराया। इसमें पाकिस्तानी सेना का एक अधिकारी मेजर सैयद रब नवाज तारिक मारा गया।

इस्लामाबाद स्थित थिंक टैंक पाकिस्तान इंस्टीट्यूट फॉर कॉन्फ्लिक्ट एंड सिक्योरिटी (पीआइसीएसएस) की रिपोर्ट बताती है कि मई 2025 में देश में कुल 85 आतंकी हमले हुए। इनमें बलूचिस्तान सबसे ज्यादा प्रभावित रहा। यहां अकेले 35 हमले हुए जिनमें 51 लोगों की मौत और 100 से ज्यादा घायल हुए। इनमें नागरिकों की संख्या सबसे ज्यादा है। हमलों में 30 आम लोग, 18 सुरक्षाकर्मी और 3 आतंकी मारे गए। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में 10 जुलाई की देर रात क्वेटा से लाहौर जा रही एक यात्री बस को हथियारबंद लोगों ने रोककर 9 यात्रियों को अगवा किया और उन्हें गोलियों से भून दिया था। यह घटना नॉर्थ बलूचिस्तान के सर धक्का इलाके में झोब के पास हुई, जो लंबे समय से चरमपंथियों की गतिविधियों का केंद्र रहा है।

झोब के असिस्टेंट कमिश्नर नवीन आलम के मुताबिक, हमलावरों ने बस से यात्रियों को उतारा, पहचान की और फिर 9 लोगों को गोली मार दी।

बांग्लादेश में फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर गिराने पर रोक

भारत ने रोकने की अपील की थी, अब इसे फिर से बनाया जाएगा

ढाका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में भारत के मशहूर फिल्म निर्देशक सत्यजीत रे के पैतृक घर के तोड़े जाने पर रोक लगा दी गई है। सत्यजीत रे के पुरखों के घर मैमनसिंह शहर में है। अधिकारियों ने अब यह तय करने के लिए एक समिति बनाई है कि इस घर को दोबारा कैसे बनाया जा सकता है।

भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की थी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इस तोड़फोड़ का विरोध करते हुए कहा कि यह घर बंगाल के सांस्कृतिक इतिहास से गहराई से जुड़ा हुआ है।

सत्यजीत रे एक प्रसिद्ध भारतीय फिल्म डायरेक्टर, लेखक, संगीतकार और चित्रकार थे। उन्हें विश्व सिनेमा के बड़े फिल्मकारों में से एक माना जाता है। बांग्लादेश में सत्यजीत रे का घर लगभग सौ साल पहले बनाया गया था। 1947 में बंटवारे के बाद यह संपत्ति बांग्लादेश सरकार के अधीन हो गई थी।

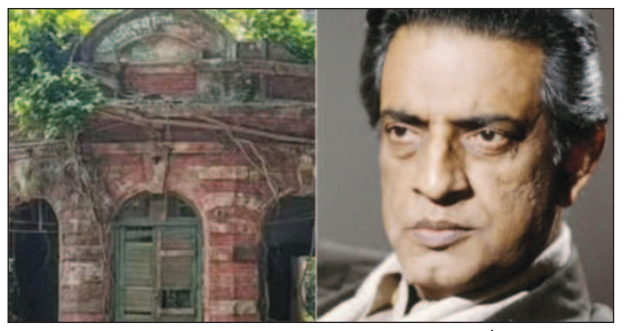

यह घर दरअसल सत्यजीत रे के दादा, प्रसिद्ध लेखक उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा है। हालांकि, बांग्लादेश उच्चायोग के एक अधिकारी फैसल महमूद ने बताया कि सत्यजीत रे खुद कभी इस घर में नहीं रहे थे।

उन्होंने यह भी कहा कि उपेंद्रकिशोर भी शायद इस घर में नहीं रहे थे, क्योंकि वह पास के किशोरगंज जिले के कोटियाडी नाम की जगह में रहते थे। वहां उनका असली घर आज भी है और उसे विरासत स्थल के रूप में सुरक्षित रखा गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि बांग्लादेश की विरासत सूची में ऐसे 531 संरक्षित स्थल हैं, लेकिन मैमनसिंह वाला यह घर उस सूची में नहीं था। यह प्रशासन की गलती थी कि इस घर को विरासत स्थल के रूप में नहीं जोड़ा गया, इसलिए इसे बचाने की कोई कानूनी बाध्यता नहीं थी। फिर भी अब जब इस पर विवाद हुआ है, तो सरकार इस पर दोबारा विचार कर रही है। फैसल महमूद ने कहा कि सत्यजीत रे सिर्फ भारत या बांग्लादेश के नहीं हैं, वह पूरी दुनिया की धरोहर है। वे सभी बांग्लादेशियों के लिए भी गौरव हैं।

इससे पहले भारत सरकार ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि मैमनसिंह में सत्यजीत रे के पैतृक घर को गिराया जा रहा है। यह वही घर है जो उनके दादा उपेंद्रकिशोर रे चौधरी से जुड़ा हुआ था और बंगाल के सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक रहा है। भारत ने कहा कि यह इमारत बांग्लादेश सरकार की संपत्ति है और खराब हालत में है, लेकिन इसकी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्ता को देखते हुए इसे गिराने के बजाय संग्रहालय या सांस्कृतिक स्थल में बदलना बेहतर होगा। भारत सरकार ने इसके पुनर्निर्माण और संरक्षण में सहयोग देने की पेशकश भी की।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इसे बेहद दुखद घटना बताया और कहा कि रे परिवार बंगाली संस्कृति का प्रमुख प्रतीक है।

अलास्का में 7.3 तीव्रता का भूकंप

सुनामी की चेतावनी वापस ली गई एक हफ्ते में 400 भूकंप दर्ज किए गए

जूनो, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिकी राज्य अलास्का में गुरुवार तड़के करीब 2 बजे (भारतीय समयानुसार) भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 7.3 रही। इसके बाद राज्य के तटवर्ती इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, कुछ घंटों बाद इसे वापस ले लिया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनसीएस) के मुताबिक भूकंप अलास्का के पॉपोफ आइलैंड पर सैंड पॉइंट के पास आया। इसका केंद्र जमीन से 36 किलोमीटर नीचे था। हालांकि, इसमें अभी तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

अलास्का भूकंप एजेंसी के मुताबिक यहां एक सप्ताह में, लगभग 400 भूकंप दर्ज किए गए। सबसे बड़ा भूकंप 16 जुलाई को अटका के पास 5.1 तीव्रता का था। मिशिगन टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के अनुसार, 7.0 से 7.9 तीव्रता वाला भूकंप नुकसान पहुंचाने में सक्षम माना जाता है। अलास्का में हर साल लगभग 10–15 ऐसे भूकंप दर्ज किए जाते हैं। भूकंप के बाद, सुनामी चेतावनी प्रणाली ने अलास्का के कुछ तटीय हिस्सों के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की है। प्रभावित क्षेत्रों में अधिकारियों ने लोगों से सतर्क रहने और सुरक्षा निर्देशों का पालन करने की अपील की है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे ने बताया कि सैंड पॉइंट के दक्षिण में आया यह भूकंप प्रशांत और उत्तर अमेरिकी प्लेटों के बीच सबडक्शन जोन पर या उसके पास थ्रस्ट फॉल्टिंग के कारण हुआ।

इमरान बोले- मुझे कुछ हुआ तो आसिम मुनीर जिम्मेदार

मेरी बीवी के साथ भी बुरा बर्ताव, रिहाई के लिए 5 अगस्त से देशभर में प्रदर्शन

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने बुधवार को कहा कि अगर उन्हें कुछ हुआ तो इसके जिम्मेदार सेना प्रमुख आसिम मुनीर होंगे। इमरान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पीटीआई के मुताबिक इमरान ने कहा कि हाल के दिनों में जेल में उनके और उनकी पत्नी बुशरा बीबी के साथ बुरा व्यवहार बढ़ गया है। उन्होंने बताया कि उनकी पत्नी के सेल में टेलीविजन भी बंद कर दिया गया है और कैदियों के बुनियादी मानवाधिकार नहीं दिए जा रहे। इमरान ने पाकिस्तानी जनता से इस खराब व्यवस्था का विरोध करने की अपील की। पीटीआई 5 अगस्त से इमरान की रिहाई के लिए प्रदर्शन करने की तैयारी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इमरान के दो बेटे इस प्रदर्शन में खास भूमिका निभा सकते हैं। ये

दोनों लंदन में रहते हैं। इमरान खान ने कहा- दोषी ठहराए गए हत्यारों और आतंकवादियों को भी उनसे बेहतर हालात में रखा जाता है। उन्होंने एक दूसरे सैन्यकर्मी का हवाला देते हुए बताया कि वह जेल में वीआईपी ट्रीटमेंट का आनंद ले रहा है। उन्होंने आगे कहा, इस बीच, मुझे लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। लेकिन वे चाहे कुछ भी करें, मैंने कभी भी उत्पीड़न के आगे घुटने नहीं टेके हैं - और न ही कभी झुकूंगा। इमरान अगस्त 2023 से जेल में हैं और कई आपराधिक मामलों का सामना कर रहे हैं। इमरान ने लगभग एक महीने पहले किए गए अपने उस दावे को भी दोहराया कि उनकी पत्नी बुशरा बीबी के खिलाफ उत्पीड़न उनके प्रधानमंत्री कार्यकाल के समय की घटना है।

इमरान ने कहा, जब असीम मुनीर को आईएसआई प्रमुख के पद से हटाया गया, तो उन्होंने जुल्फी बुखारी (पीटीआई नेता) के जरिए बुशरा बीबी को एक मैसेज भेजकर मुलाकात का अनुरोध करने की कोशिश की। जिससे उन्होंने साफ इनकार कर दिया।

इमरान ने दावा किया की असीम मुनीर उनसे निजी दुश्मनी का बदला लेने और भावनात्मक रूप से तोड़ने के लिए ऐसा कर रहें हैं। इमरान की पार्टी पीटीआई 5 अगस्त से देशव्यापी प्रदर्शन शुरू करने की तैयारी कर रही है, ताकि उनकी रिहाई के लिए शहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रतिष्ठान पर दबाव बनाया जा सके। पार्टी ने इसे इमरान खान को आजाद करो अभियान नाम दिया है।

इमरान की बहन अलीमा खान ने भी मीडिया से कहा कि इमरान ने पीटीआई को निर्देश दिया है कि उनकी या उनकी पत्नी की सुरक्षा को खतरा होने पर मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाए। लंदन में रहने वाले इमरान खान के बेटों, सुलेमान इसा खान (29) और कासिम खान (26) ने अब तक राजनीति से दूरी बनाए रखी थी, लेकिन मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 5 अगस्त को दोनों भाई लाहौर में एक विरोध रैली का नेतृत्व करने की योजना बना रहे हैं।

बांग्लादेश में भड़की हिंसा, 4 की मौत

एनसीपी और अवामी लीग समर्थक भिड़े, सड़कों पर उतरी आर्मी

ढाका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बांग्लादेश में एक बार फिर हिंसा भड़क उठी है और इस हिंसा में चार लोगों की मौत हुई है और कई अन्य घायल हैं। यह हिंसा उस वक्त भड़की, जब नवगठित 'नेशनल सिटिजन पार्टी' (एनसीपी) और शेख हसीना की पार्टी अवामी लीग के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जब पुलिस ने हालात संभालने की कोशिश की तो हिंसा और भड़क गई, जिससे पुलिस को प्रदर्शनकारियों पर गोलियां चलानी पड़ीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एनसीपी पार्टी, अवामी लीग के गढ़ गोपालगंज जिले में एक रैली आयोजित कर रही थी। जिसका अवामी लीग ने विरोध किया, जिससे हिंसा भड़की।

हिंसा में मारे गए लोगों की पहचान दीप्तो साहा (25 वर्षीय), रमजान काजी (18 वर्षीय) और सोहेल मुल्ला (41) के रूप में हुई है। एक मृतक की पहचान करने की कोशिश की जा रही है। गोपालगंज जनरल अस्पताल के डॉक्टरों ने बताया कि नौ अन्य लोगों को गोलियां लगी हैं, जिनका इलाज चल रहा है। तनावपूर्ण हालात को देखते हुए पैरामिलिट्री फोर्स की चार अतिरिक्त प्लाटून गोपालगंज में तैनात की गई है। सरकार ने हिंसा के दोषियों पर सख्त कार्रवाई की बात कही है। वहीं एनसीपी नेता नाहिद इस्लाम ने भी चेतावनी दी है कि अगर न्याय नहीं हुआ तो फिर उनकी पार्टी खुद न्याय करेगी।

गोपालगंज जिला अवामी लीग का गढ़ माना जाता है। यह बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु मुजीबुर रहमान का गृहनगर भी है। छात्र राजनीति से पारंपरिक राजनीति में

भारत और रूस बनाएंगे ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल

चीन से लेकर अमेरिका तक सारे एयर डिफेंस हो जाएंगे फेल

मॉस्को, 17 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल की ताकत ऑपरेशन सिंदूर के दौरान दुनिया देख चुकी है। ब्रह्मोस मिसाइलों ने पाकिस्तान के 11 एयरबेस में तबाही मचा दी थी। सोचिए जिस ब्रह्मोस सुपरसोनिक मिसाइल को आज की तारीख में गिने चुने मोस्ट एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम ही इंटरसेप्ट कर सकते हैं, अगर उसका हाइपरसोनिक वैरिएंट भी बन जाए तो क्या होगा? जी हां, भारत के डिफेंस सेक्टर के लिए बहुत बड़ी खुशखबरी है कि भारत और रूस बहुत जल्द ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल बनाने के लिए प्रोजेक्ट शुरू कर रहे हैं। ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व महानिदेशक अतुल राणे ने कहा है कि ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल प्रोजेक्ट की 'ईंट रखी जा

रही है।' यानि इस प्रोजेक्ट को लेकर काम शुरू हो चुका है। जिसका मतलब है कि भारत अब आधिकारिक तौर पर हाइपरसोनिक मिसाइलों की रेस में शामिल हो चुका है जो आने वाले कुछ सालों में दुनिया की सैन्य शक्ति को बदलकर रख देगा। यानि भारत के पास ब्रह्मोस के तीन वैरिएंट होंगे। एक ब्रह्मोस, जिसका इस्तेमाल हो रहा है। ब्रह्मोस एनजी- जिसका निर्माण अभी चल रहा है और ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल, जिसे बनाने के लिए भारत और रूस जल्द काम शुरू करने वाले हैं। ब्रह्मोस हाइपरसोनिक मिसाइल की स्पीड कितनी होगी फिलहाल इसको लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं है, लेकिन रक्षा मंत्रालय से जुड़े कुछ थिंक टैंक मानना है कि इसकी स्पीड मच-5 से मच-8 तक होने वाली है। ये काफी ज्यादा स्पीड होती है और ब्रह्मोस, जो धरती से काफी चिपककर यानि लो-फ्लाइट उड़ान के लिए जाना जाता है, उसे इस रफ्तार में इंटरसेप्ट करना करीब करीब नामुमकिन होगा। मौजूदा समय में दुनिया के सबसे एडवांस एयर डिफेंस सिस्टम, इजरायल का आयरन डोम और यहां तक की रूस का एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम तक इसे रोक पाने में नाकाम हो सकते हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह अगली पीढ़ी की मिसाइल इंटरकॉन्टिनेंटल दूरी पर भी हमला कर सकेगी और इसकी मारक क्षमता इसे गेम-चेंजर बना सकती है।

अमेरिका-चीन में शुरू हो सकता है नया तनाव

यूएस आर्मी ने ऑस्ट्रेलिया में किया टायफून मिसाइल सिस्टम का टेस्ट, भड़केगा ड्रैगन

वॉशिंगटन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अमेरिका और चीन के बीच आने वाले समय में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नया तनाव देखने को मिल सकता है। अमेरिकी सेना ने ऑस्ट्रेलिया में चल रहे टैलिसमैन सेबर सैन्य अभ्यास में मिड-रेंज कैपेबिलिटी (टाइफून) मिसाइल सिस्टम का लाइव-फायरिंग टेस्ट किया है। यह अमेरिका के बाहर इस तरह का पहला परीक्षण है। वहीं फिलीपींस के बाद हिंद-प्रशांत क्षेत्र में टाइफून की दूसरी तैनाती है। इस क्षेत्र में चीन पहले ही अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश में है। ऐसे में अमेरिका सेना का यह कदम निश्चित रूप से चीन से उसका टकराव बढ़ाएगा।

यूरेशियन टाइम्स के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया का सबसे बड़ा सैन्य अभ्यास टैलिसमैन सेबर 15 जुलाई से शुरू हुआ है। इसी अभ्यास में अमेरिकी सेना ने ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर उत्तरी क्षेत्र में टाइफून का लाइव-फायरिंग परीक्षण किया। यह पहली बार है, जब इस लंबी दूरी की जहाज-डुबोने वाले मिसाइल सिस्टम का विदेशी धरती पर परीक्षण किया गया। अमेरिकी सेना ने इस टेस्ट के सफल रहने की जानकारी दी है।

चीनी पीपुल्स लिबरेशन नेवी (पीएलएएन) की ओर से इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में हालिया महीनों में आक्रामक रवैया देखने को मिला है। कुछ महीनों पहले यहां तनाव बढ़ा था, जब चीन ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के पास दोनों देशों को सूचना दिए बिना लाइव फायर अभ्यास किया था। इसे चीन की अपनी समुद्री सीमाओं से परे क्षमता बढ़ाने की कोशिश की तरह देखा गया।

टाइफून का लाइव टेस्ट अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया की ओर से चीन को जवाबी शक्ति प्रदर्शन की तरह है। अमेरिका का टाइफून को अपने किसी हिंद-प्रशांत सहयोगी देश में तैनात करना खासतौर से चीन को नाराज कर सकता है। चीन इस तरह की तैनाती को उत्तेजक मानता है। अपने पड़ोस में लंबी दूरी की मिसाइल की मौजूदगी से नाराज बीजिंग इस तरह के कदम से क्षेत्र में हथियारों की होड़ शुरू होने की चेतावनी दे चुका है।

ऑस्ट्रेलिया में टाइफून के लाइव परीक्षण पर चीन की नजर इसलिए भी है क्योंकि फिलीपींस में इस लंबी दूरी की मिसाइल प्रणाली की स्थायी तैनाती की तैयारी चल रही है। इसकी मारक क्षमता दक्षिण चीन सागर में चीनी शहरों या उसके कृत्रिम द्वीपों तक पहुँच सकती है। फिलीपींस में तैनाती के बाद ऑस्ट्रेलिया का यह परीक्षण बीजिंग की चिंताओं को और बढ़ा सकता है।

टाइफॉन मिड-रेंज कैपेबिलिटी (एमआरसी) प्रणाली अमेरिकी सेना की मिसाइल प्रणाली है। यह लंबी दूरी तक सटीक हमले करने, खासतौर से समुद्र में जहाजों को निशाना बनाने के लिए है।

जयपुर में बोले शाह- 'पेपर लीक पर एसआईटी का गठन कर अच्छा काम किया', ऑपरेशन सिंदूर पर दिया बड़ा बयान

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह गुरुवार को जयपुर पहुंचे। दोपहर करीब 12:15 बजे जयपुर एयरपोर्ट पर उतरने के बाद वे सभास्थल दादिया के लिए रवाना होने वाले थे। खराब मौसम के कारण हेलिकॉप्टर से यात्रा संभव न होने पर शाह सड़क मार्ग से दादिया पहुंचे। इस दौरान उन्होंने सहकारिता और युवा सशक्तिकरण से जुड़ी कई योजनाओं को शुभारंभ किया।

पुलिस वाहनों को दिखाई हरी झंडी

दादिया में आयोजित कार्यक्रम में अमित शाह ने राजस्थान पुलिस के 100 नए वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके बाद उन्होंने सहकारी उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। शाह ने सरकारी नौकरी पाने वाले 8,000 युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसके लिए प्रशासन सुधार विभाग ने सभास्थल पर दो स्टॉल लगाए थे। इस अवसर पर उन्होंने 500 मीट्रिक टन क्षमता वाले 24 अनाज गोदामों और 64 मिलेट्स केंद्रों का वर्चुअल उद्घाटन भी किया। साथ ही, गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना के तहत 1,400 गोपालकों को 12 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए गए।

सहकारिता के क्षेत्र में राजस्थान की उपलब्धियां

बता दें, अमित शाह ने अपने संबोधन की शुरुआत भारत माता की जय के उद्घोष के साथ की। साथ ही राजस्थान की धरती को प्रणाम किया। शाह ने कहा कि सहकारिता ने पिछले 100 वर्षों में देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और अगले 100 साल सहकारिता के विकास के लिए समर्पित होंगे। इस दौरान शाह ने कहा कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और किसानों को सशक्त बनाने का प्रयास किया जा रहा है। अमित शाह ने राजस्थान की कृषि उपलब्धियों की सराहना की और कहा कि राज्य मूंगफली, ज्वार, चना और तिलहन उत्पादन में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने ऊंटनी के दूध पर शुरू किए गए अनुसंधान की भी प्रशंसा की, जिसका उद्देश्य ऊंटों के संरक्षण को सुनिश्चित करना है। शाह ने कहा कि यह कदम यह सुनिश्चित करेगा कि आने वाले समय में ऊंटों का अस्तित्व खतरे में न पड़े। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहकारिता को बढ़ावा देने के लिए अलग से मंत्रालय बनाया, जिसके तहत कई कार्य किए जा रहे हैं। देश में धान और गेहूं की खरीद में सहकारी संस्थाओं का 20 प्रतिशत योगदान है। शाह ने बताया कि देशभर में दो लाख नए प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पैक्स) बनाने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें से 40,000 पैक्स बनाए जा चुके हैं। सभी पैक्स का कम्प्यूटरीकरण पूरा हो चुका है।

सीएम भजनलाल की तारीफों के बांधे पुल

उन्होंने कहा कि बीज संवर्धन और अन्य कार्यों के लिए नई समितियां गठित की गई हैं। शाह ने राजस्थान में सहकारिता के क्षेत्र में किए गए कार्यों के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सराहना की। उन्होंने 'राइजिंग राजस्थान' पहल, पेट्रोल-डीजल पर वैट में कटौती, और रसोई गैस सिलेंडर की कीमतों में कमी जैसे कार्यों का जिक्र किया। शाह ने विशेष रूप से सहकारिता के क्षेत्र में राजस्थान के योगदान को रेखांकित किया और कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कम समय में सहकारिता को मजबूत करने का सराहनीय कार्य किया है।

शाह ने विश्वास जताया कि केंद्र और राजस्थान सरकार मिलकर राज्य के सहकारिता आंदोलन को और सशक्त करेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि 2047 तक राजस्थान सहकारिता के क्षेत्र में देश में नंबर-1 बने। इसके लिए भारत सरकार और राजस्थान सरकार संयुक्त रूप से काम करेंगी। अमित शाह ने कहा कि भजनलाल सरकार ने पेपरलीक पर एसआईटी का गठन करके बड़ा काम किया। उन्होंने कहा कि एसआईटी के गठन से पेपर लीक माफिया को कड़ा संदेश दिया गया। इससे युवाओं को बड़ा फायदा मिलेगा।

ऑपरेशन सिंदूर का किया जिक्र

अंत में अमित शाह ने कांग्रेस शासनकाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उस दौरान देश आतंकवादी हमलों से जूझता था। इसके विपरीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने न केवल अपनी सुरक्षा को मजबूत किया, बल्कि समृद्ध और विकसित राष्ट्र के सपने को भी साकार किया है। उन्होंने हाल के ऑपरेशन सिंदूर का उदाहरण देते हुए कहा कि पीएम मोदी ने समय-समय पर पाकिस्तान को करारा जवाब दिया और दुनिया को भारत की ताकत का संदेश दिया।

सीएम ने डबल इंजन सरकार के गिनाए फायदे

वहीं, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी सरकार डबल इंजन की सरकार के रूप में गरीबों और युवाओं के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि गोपालक योजना के तहत एक लाख रुपये तक का ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है और अब तक 300 करोड़ रुपये से अधिक का ब्याज मुक्त ऋण वितरित किया जा चुका है।

भाजपा प्रदेश प्रभारी की पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर टिप्पणी से गरमाई सियासत

कांग्रेस ने किया तीखा पलटवार

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद व भाजपा के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल की ओर से पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लेकर की गई टिप्पणी के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई। भाजपा के प्रदेश प्रभारी ने कहा कि जब कहीं रोबोट नहीं था, तब कांग्रेस ने पीएम के रूप में रोबोट दिया। इस पर कांग्रेस ने पलटवार करते हुए तंज कसा कि हमने न कभी 'सरेंडर' किया और न कभी पाक में बिरयानी खाई।

दरअसल, राधामोहन दास जयपुर पहुंचे थे। वे एयरपोर्ट से बाहर आए तो वहां मीडिया से पूर्व सीएम अशोक गहलोत वार्ता कर रहे थे। राधामोहन के आने के बाद गहलोत चले गए। इसके बाद राधामोहन दास ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह पर टिप्पणी करते हुए तंज कसा।

मीडिया ने कम्प्यूटर के क्षेत्र में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के योगदान को लेकर सवाल किया तो अग्रवाल ने कहा कि मैं मानता हूं कम्प्यूटर के क्षेत्र में कांग्रेस और राजीव गांधी ने काम किया है और इतना काम किया कि दुनिया में जब कहीं रोबोट नहीं था, तब भारत में उन्होंने प्रधानमंत्री के रूप में रोबोट दे दिया। मनमोहन सिंह उन्हीं की खोज थे।

राधामोहन के इस बयान के बाद कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा सहित तमाम नेताओं ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर पलटवार किया। डोटासरा ने कहा कि डॉ. मनमोहन सिंह ऐसा विराट व्यक्तित्व था कि न तो उन्होंने कभी 'सरेंडर' किया और न ही बिना बुलाए कभी पाकिस्तान जाकर बिरयानी खाई। भाजपा नेतृत्व से अपेक्षा है कि वो अपने नेता की इस टिप्पणी पर माफी मांगें अन्यथा ये समझा जाएगा कि इस बयान में उनकी सहमति है।

केंद्रीय मंत्री अठावले बोले: मराठी प्रेम के नाम पर दादागिरी ठीक नहीं

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में मराठी भाषा के प्रेम के नाम पर दादागिरी ठीक नहीं है। इसका जवाब दादागिरी से दिया सकता है लेकिन उससे माहौल खराब हो जाएगा। महाराष्ट्र में मराठी- हिंदी भाषा विवाद पर अब रिपब्लिक पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने जयपुर में ये बयान दिया है। उन्होने कहा कि महाराष्ट्र में उद्धव और राज दोनों बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा के खिलाफ काम कर रहे हैं, जिनका महाराष्ट्र सरकार अच्छे से इलाज करेगी।

अठावले ने कहा कि बाला साहेब ठाकरे ने जब शिवसेना की स्थापना की थी। तो उनका उद्देश्य था कि मराठी लोगों को न्याय मिलना चाहिए। उन्होंने गुजरती विंग, उत्तर भारत विंग और साउथ इंडिया जैसी अलग- अलग विंग बनाई थी। तब सब लोग उनके साथ काम कर रहे थे। लेकिन उद्धव और राज ठाकरे जो काम कर रहे हैं, वो बाला साहेब ठाकरे की विचारधारा के खिलाफ है।

केंद्रीय मंत्री अठावले ने जयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा कि मराठी आनी चाहिए, यहां तक तो ठीक है, लेकिन दादागिरी कर किसी को थप्पड़ मार देना यह अच्छी बात नहीं है। हमारी सरकार ऐसा नहीं चलने देगी। महाराष्ट्र में 60 फीसदी लोग दूसरे राज्यों के हैं, जबकि 40 फीसदी ही मराठी हैं। जो 60 फीसदी लोग हैं, उनमें से भी 40 फीसदी से अधिक लोग अच्छे से मराठी बोल सकते हैं।

मराठी प्रेम के नाम पर दादागिरी करना ठीक नहीं है। हम भी दादागिरी का जवाब दादागिरी से दे सकते हैं। लेकिन हम मुंबई को शांत रखना चाहते हैं। फडणवीस सरकार पूरी तरह से सक्षम है, जो भी दादागिरी करेगा। उसे सबक सिखाया जाएगा।

कांग्रेस ने लोगों में फैलाया भ्रम

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी ने मतदाताओं को संविधान की प्रति दिखाकर भ्रमित किया कि बीजेपी के लोग संविधान को बदल देंगे। डॉ. अंबेडकर के संविधान को कोई नहीं बदल सकता है। लेकिन कांग्रेस ने भ्रम फैलाया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस दशकों तक सत्ता में रही है। लेकिन कभी किसी ने उन्हें इतनी कड़ी टक्कर नहीं दी। पहली बार 2014 में नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस के भ्रष्टाचार का मामला उठाते हुए प्रचंड बहुमत की सरकार बनाई थी। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल के बयान को लेकर केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ही तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी है। नरेंद्र मोदी अच्छा काम कर रहे हैं। हमारा देश दुनिया की चौथी अर्थव्यवस्था बनने वाला है। पिछले 10 सालों में 25 करोड़ से ज्यादा लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं। उन्होंने कहा कि 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट होना ठीक है। लेकिन हम एनडीए के घटक दल हैं, हमारी मंशा है कि 2029 तक

नरेश मीणा का फिर से नया विवाद

डीएसपी को दी इशारों में धमकी; लगाए गंभीर आरोप

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वायरल वीडियो में नरेश मीणा ने कहा कि डीएसपी उदय मीणा उनके छात्रावास के जूनियर रहे हैं। उन्होंने धमकी भरे लहजे में कहा कि जब मैं सवाई माधोपुर जाऊंगा और उदय मीणा से आमना-सामना होगा, तब मैं उसे बताऊंगा कि नौकरी कैसे की जाती है। नरेश मीणा ने उदय मीणा पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित करने और उनसे पैसे वसूलने का गंभीर आरोप लगाया।

उन्होंने दावा किया कि डीएसपी महीने में करोड़ों रुपये कमा रहे हैं और निर्दोष लोगों को उनके घरों से उठाकर थाने में मारपीट करते हैं। नरेश मीणा ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से डीएसपी उदय मीणा की जांच की मांग की है।

उन्होंने कहा कि मैं मीडिया के सामने कह रहा हूं, एसीपी साहब और मुख्यमंत्री जी सुन लें। अगर आज उदय मीणा के खिलाफ छापेमारी हो जाए, तो सच्चाई सामने आ जाएगी। नरेश मीणा ने यह भी आरोप लगाया कि कुछ नेताओं के इशारे पर निर्दोष लोगों को परेशान किया जा रहा है।

हनुमान बेनीवाल का जताया आभार

नरेश मीणा ने वीडियो में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी नेता हनुमान बेनीवाल का आभार जताया। इसके अलावा, नरेश मीणा ने कुछ बीजेपी विधायकों और सीएमओ में बैठे प्रशासनिक अधिकारियों का भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनकी मदद की। हालांकि, उन्होंने इन नेताओं के नाम उजागर न करने की बात कही ताकि उन्हें कोई नुकसान न हो।

अपनी छवि पर दी ये सफाई

वहीं, नरेश मीणा ने एसडीएम थप्पड़ कांड के बाद अपनी छवि को लेकर भी सफाई दी। उन्होंने कहा कि उन्हें आक्रामक और अभद्र राजनेता के रूप में पेश किया गया, लेकिन यह उनकी असली पहचान नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं अन्याय के खिलाफ चुप नहीं रह सकता। मेरे लाखों समर्थक मुझ पर भरोसा करते हैं। अगर मैं अन्याय के खिलाफ आवाज नहीं उठाऊंगा, तो वे मुझ पर कैसे विश्वास करेंगे?

स्वच्छ सर्वेक्षण रैंकिंग में जयपुर ने लगाई बड़ी छलांग

ग्रेटर और हैरिटेज नगर निगम टॉप 20 में

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। स्वच्छ रैंकिंग में जयपुर ग्रेटर नगर निगम और हैरिटेज निगम ने बड़ी छलांग लगाई है। स्वच्छ सर्वेक्षण में जयपुर ग्रेटर को 16वीं तथा हेरिटेज को 20वीं रैंकिंग मिली है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में केंद्रीय आवासन और शहरी मंत्रालय की ओर से आयोजित एक समारोह में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कार दिए। गौरतलब है कि स्वच्छ सर्वेक्षण 2023-24 में जयपुर हैरिटेज नगर निगम 171वें स्थान पर था, जबकि ग्रेटर नगर निगम 173वें पायदान पर था। इस लिहाज से दोनों निगमों ने सर्वेक्षण में बड़ी छलांग लगाई है। वहीं 20 से 50 हजार की जनसंख्या में राजस्थान के डूंगरपुर ने देशभर में टॉप किया है। जयपुर ग्रेटर नगर निगम की महापौर सौम्या गुर्जर ने सोशल मीडिया पर इस अवॉर्ड की तस्वीर पोस्ट करते हुए लिखा- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत आज ग्रेटर जयपुर को स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 पुरस्कार के तहत राष्ट्रीय स्वच्छता पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह सम्मान नगर निगम ग्रेटर की समर्पित टीम, स्वच्छता योद्धाओं और हर उस जागरूक नागरिक को समर्पित है, जिनके सहयोग से जयपुर ने देशभर पहली बार में 16वां स्थान प्राप्त किया। मैं समस्त जयपुरवासियों को बधाई देती हूं और आग्रह करती हूं कि स्वच्छता को केवल जिम्मेदारी नहीं संस्कार बनाएं ताकि अगली बार हम सब मिलकर जयपुर को शीर्ष स्थान पर लाएं।

गहलोत ने शाह से पूछा सवाल- कन्हैयालाल के परिवार को कब मिलेगा न्याय?

एनआईए अब तक बयान भी नहीं करवा पाई

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। उदयपुर के कन्हैयालाल मर्डर को लेकर पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह पर सवाल उठाए। शाह आज जयपुर दौरे पर आए थे। शाह के कार्यक्रम की शुरुआत से पहले गहलोत ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कन्हैयालाल मर्डर की जांच में हो रही देरी पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि उदयपुर में कन्हैयालाल का मर्डर ऐसी घटना थी, जिसने पूरे देश को हिला के रख दिया था लेकिन हमने चार घंटे में ही दोनों मुलजिम पकड़ लिए। पकड़े गए दोनों आरोपियों के संबंध बीजेपी से ही निकले। इसके बाद भी केंद्र में बैठी बीजेपी की सरकार ने इस केस को एनआईए को दे दिया। गहलोत ने कहा कि हमने इस पर भी कोई ऐतराज नहीं किया लेकिन आज घटना को 3 साल हो गए हैं लेकिन कन्हैयालाल के परिजनों को इंसाफ नहीं मिला। एनआईए कोर्ट खाली पड़ा है, वहां जज ही नहीं बैठते। यहां तक कि एनआईए आज तक आरोपियों के बयान तक नहीं करवा पाई है। गहलोत ने कहा कि पूरी भाजपा ने राजस्थान में 5 से 50 लाख मुआवजे का झूठ फैलाया और हमारी सरकार जाने के सबसे बड़े कारणों में यह झूठ शामिल रहा। उन्होंने कहा कि गृहमंत्री को जयपुर में प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि आखिर कन्हैयालाल के परिवार को कब तक न्याय के लिए इंतजार करना पड़ेगा? उन्होंने कहा कि क्या भाजपा इस केस के पर केवल राजनीति ही करेगी? उनका न्याय से कोई वास्ता नहीं है।

भाजपा के 16 और कांग्रेस के 9 विधायकों पर बिजली का बिल बकाया, भारत आदिवासी पार्टी के दो विधायक

जयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के घर का कनेक्शन कटने के बाद राजस्थान में बिजली बिल बकाए को लेकर सियासी जंग छिड़ी हुई है। इसी बीच हैरान कर देने वाले आकंड़े सामने आए है। बीजेपी और कांग्रेस के कई विधायक तो ऐसे हैं, जिन पर लाखों रुपए का बिजली बिल बकाया है।

प्रदेश के कुल 29 विधायकों का बिजली बिल बकाया है। जिनमें से बीजेपी के 16 विधायक ऐसे है, जिन्होंने कई महीनों से बिजली का बिल नहीं भरा है। वहीं, कांग्रेस के 9 विधायकों के बिजली के बिल बकाया चल रहे हैं। इसके अलावा बाप और निर्दलीय के दो-दो विधायकों ने भी बिजली के बिल जमा नहीं कराए है। बड़ी बात ये है कि एक भी विधायक को ना ही नोटिस मिला है और ना ही बिजली कनेक्शन काटा गया है।

बता दें कि हाल ही में नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल के नागौर आवास का बिजली बिल बकाया होने के कारण कनेक्शन काटा गया था। जिस पर हनुमान बेनीवाल ने प्रदेश सरकार पर हमला बोलते हुए दावा किया था कि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर के घर का बिजली बिल भी बकाया चल रहा है। क्या मंत्री के घर का भी कनेक्शन काटा जाएगा? जब बिजली बिल बकाए को लेकर सियासत गरमाई तो पत्रिका टीम ने यह पता लगाने की कोशिश की, कौन-कौनसे विधायक का बिजली बिल बकाया चल रहा है।

बिजली बिल के बकायेदारों की लिस्ट खंगाली तो हैरान कर देने वाले आंकड़े सामने आए। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री और सांगोद विधायक हीरालाल नागर पर 1 लाख 50 हजार 353 रुपए का बिजली बिल बकाया है। इन्होंने 14 महीने से बिल जमा नहीं कराया है। वहीं, बकायेदारों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर संगरिया विधायक अभिमन्यु पूनिया का नाम हैं। पूनिया का बिजली का बिल 1 लाख 18 हजार 500 रुपए बकाया है। इन्होंने ने भी 13 महीने से बिल जमा नहीं कराया है। इसके अलावा कांग्रेस विधायक इंदिरा मीणा पर भी 1 लाख 9 हजार 903 रुपए का बिजली बिल बकाया है।

डोडा चूरा की तस्करी में फिर पकड़ा गया पुराना आरोपी

चोरी की गाड़ी से अवैध हथियार और नकदी बरामद

उदयपुर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। राजस्थान के उदयपुर में मादक पदार्थों की तस्करी पर लगाम लगाने के लिए पुलिस की सतर्कता एक बार फिर रंग लाई है। मंगलवार देर रात हिरणमगरी थाना पुलिस ने नाकेबंदी के दौरान एक ऐसे तस्कर को गिरफ्तार किया, जो पहले भी डोडा चूरा की बड़ी खेप के साथ पकड़ा जा चुका है और इस बार फिर से मादक पदार्थों की डील करने जा रहा था। गिरफ्तार आरोपी भजनलाल विश्नोई (21) जालौर जिले के खारा (करड़ा) गांव का रहने वाला है। वह चोरी की क्रेटा कार में सवार होकर मंदसौर की ओर जा रहा था, जहां उसे बड़े तस्करों से दो क्विंटल डोडा चूरा खरीदना था। पुलिस को उसकी गतिविधियों की सूचना पहले से मिल चुकी थी, ऐसे में पुलिस ने नाकेबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोका तो तलाशी में पुलिस के हाथ चौंकाने वाले सुराग लगे। पुलिस ने कार से एक अवैध पिस्टल, सात जिंदा कारतूस, 5,43,500 रुपये नकद और 12 फर्जी नंबर प्लेटें बरामद कीं। जांच में यह भी सामने आया कि जिस वाहन से ये माल बरामद हुआ है उसे किसी और राज्य से चुराया गया था। आरोपी के मोबाइल फोन से भी तस्करी से जुड़े कई सबूत मिले हैं, जिनमें डोडा चूरा के पैकेट्स की तस्वीरें और सौदे की बातचीत शामिल थी।

युवक की हत्या के मामले में चार आरोपी गिरफ्तार, मुख्य आरोपी थाने का हिस्ट्रीशीटर

हनुमानगढ़, 17 जुलाई (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ जिले की पीलीबंगा पुलिस ने एक युवक की हत्या के मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें मुख्य आरोपी पीलीबंगा थाने का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है, जिसके खिलाफ पहले से कई गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

पुलिस के अनुसार, प्रेमपुरा निवासी राकेश डेलू का 10 जुलाई को अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई थी। मृतक के रिश्तेदार महावीर की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर विशेष टीम का गठन किया। जांच के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी दीपक उर्फ दीपकिया सहारण (44), रामकुमार मीणा (41), रामकुमार सहारण (30) और महेश मेघवाल (35) को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से पुलिस को रिमांड मिला है।

थाना प्रभारी कैलाश चंद्र ने बताया कि मुख्य आरोपी दीपक के खिलाफ पूर्व में मारपीट, हत्या के प्रयास जैसे कई गंभीर मामले दर्ज हैं। पुलिस अन्य फरार आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। इस कार्रवाई में एसआई मुकेश, कांस्टेबल रमेश कुमार, अमनदीप सिंह और मनीष शामिल रहे। फिलहाल पीलीबंगा थाना पुलिस मामले की गहराई से जांच कर रही है।

सेल्फी लेते समय फिसलने से भीमलत झरने में हादसा, डूबने से बिहार के छात्र की मौत

बूंदी, 17 जुलाई (एजेंसियां)। बूंदी के भीमलत महादेव झरने पर सेल्फी लेते समय तेज बहाव के कारण छात्र की मौत हो गई। युवक सुबह ही अपने 4 दोस्तों के साथ झरने पर पहुंचा था। हादसे की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची सदर थाना पुलिस, एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम ने छात्र के शव को रेस्क्यू किया। सदर थाना अधिकारी रमेश आर्य ने बताया कि बरेली बिहार निवासी युवक अपने चार दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने भी भीमलत महादेव आया था जहां झरने के नीचे सेल्फी लेते समय पैर फिसल जाने से तेज बहाव में बह गया सूचना पर एसडीआरएफ सिविल डिफेंस एवं सदर थाना पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे और सर्च ऑपरेशन शुरू किया।

सदर थाना पुलिस के एएसआई विरमदेव ने बताया कि बरेली उत्तरप्रदेश निवासी मोहम्मद सैफी (19) कोटा में रहकर जेईई इंजीनियरिंग की तैयारी कर रहा था। अपने 4 दोस्तों के साथ बाइक से पिकनिक मनाने झरने पर पहुंचा था। नहाने के दौरान वह सेल्फी ले रहा था। तभी वह फिसलकर पानी के तेज बहाव में बह गया। पुलिस, एसडीआरएफ,सिविल डिफेंस की टीम ने रेस्क्यू कर शव को बाहर निकाला। जिसके बाद शव को जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया है परिजनों को सूचित कर दिया गया है परिजनों के आने के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

हादसे की सूचना पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और एसडीआरएफ और सिविल डिफेंस की टीम के साथ छात्र की तलाश शुरू की। हादसा सुबह 7 बजे के आसपास हुआ था। करीब 8 घंटे की तलाश के बाद छात्र का शव रेस्क्यू कर लिया गया है। जिला पुलिस अधीक्षक राजेंद्र मीणा ने लोगों से अपील की है कि तेज बहाव के समय झरनों और नदियों के पास जाते समय सतर्क रहे ।

व्यापक अग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन

इस तरह के अभ्यास विभागों के बीच समन्वय को बढ़ाते है : अविनाश मोहंती

> साइबराबाद पुलिस ने किया अग्नि मॉक ड्रिल

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य अग्निशमन विभाग के सहयोग से, साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय में गुरुवार को एक व्यापक अग्नि मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। यह अभ्यास आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणालियों को बेहतर बनाने, अंतर-विभागीय समन्वय में सुधार लाने और आग जैसी आपदा स्थितियों के दौरान जन सुरक्षा सुनिश्चित करने के विभाग के निरंतर प्रयासों का हिस्सा था। माधापुर स्टेशन के अग्निशमन अधिकारी अंजनेयुलु ने विभिन्न अग्नि सुरक्षा उपकरणों के उपयोग पर एक लाइव प्रदर्शन किया और विभिन्न प्रकार की अग्नि आपात स्थितियों के साथ-साथ उचित प्रतिक्रिया विधियों के बारे में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि आपात स्थिति में कैसे कार्य करें, शांत रहने का महत्व और निर्दिष्ट मार्गों का उपयोग करके सुरक्षित रूप से कैसे बाहर निकलें। पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती और संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. गजराव भूपाल की उपस्थिति में, समय पर सावधानी बरतने और व्यक्तिगत सुरक्षा जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया गया। अभ्यास की शुरूआत फायर अलार्म बजने के साथ हुई, जिसके बाद साइबराबाद पुलिस कार्यालय के कर्मचारियों को तुरंत और व्यवस्थित तरीके से बाहर निकाला गया। प्रशिक्षित फायर मार्शलों ने कर्मियों को राष्ट्रीय ध्वज स्तंभ के पास निर्धारित सभा स्थल तक पहुंचाया। यातायात पुलिस, साइबर अपराध, एसएचई टीमें, विशेष शाखा, आर्थिक अपराध शाखा, बम निरोधक दस्ता और सीएआर मुख्यालय सहित विभिन्न शाखाओं की टीमों ने इस अभ्यास में सक्रिय रूप से भाग लिया। मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुसार फायर अलार्म सिस्टम, लिफ्ट सर्किट ब्रेकर और पब्लिक एड्रेस सिस्टम को सक्रिय किया गया, जिसके बाद आपातकालीन टीमों द्वारा अनुकरणीय बचाव अभियान चलाए गए। तेलंगाना अग्निशमन सेवा विभाग ने ऊंची इमारतों में बचाव कार्यों का अनुकरण करने के लिए दमकल गाड़ियों, चिकित्सा टीमों, सुरक्षा कर्मियों और एक ब्रोंटो स्काईलिफ्ट वाहन को तैनात करके इस अभ्यास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ब्रोंटो स्काईलिफ्ट ने आग की आपात स्थिति के दौरान ऊपरी मंजिलों से लोगों को निकालने की उन्नत क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इस मॉक ड्रिल में कर्मचारियों के बीच निकासी प्रक्रियाओं, आपातकालीन निकासों और अग्नि सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग के बारे में जागरूकता के महत्व पर जोर दिया गया। अभ्यास के बाद, प्रदर्शन का आकलन करने, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और तैयारियों को मज़बूत करने के लिए कार्य बिंदुओं की सिफ़ारिश करने हेतु एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस तरह के अभ्यास न केवल विभागों के बीच समन्वय को बढ़ाते हैं, बल्कि कर्मचारियों और आम जनता को आपात स्थिति में तेज़ी से और सुरक्षित रूप से प्रतिक्रिया देने के तरीके के बारे में भी शिक्षित करते हैं। साइबराबाद पुलिस ने सक्रिय योजना, अंतर-एजेंसी सहयोग, नियमित प्रशिक्षण और संकट की स्थितियों के दौरान सटीक रीयल-टाइम अपडेट प्रदान करने और गलत सूचनाओं का मुकाबला करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के प्रभावी उपयोग के माध्यम से जान-माल की सुरक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। इस अभ्यास के दौरान उपस्थित वरिष्ठ अधिकारियों में डीसीपी अपराध ए. मुथ्यम रेड्डी, डीसीपी सड़क सुरक्षा एल.सी. नाइक, डीसीपी विशेष शाखा साई श्री, डीसीपी महिला एवं बाल सुरक्षा विंग सृजना कर्णम, एडीसीपी प्रशासन रविचंदन रेड्डी और तेलंगाना अग्निशमन सेवा के अधिकारी शामिल थे, जिनमें एसएफओ अंजनेयुलु डोडला (माधापुर), एसएफओ प्रशांत (बीएसएल माधापुर), प्रशिक्षु एसएफओ गोपाल (माधापुर), साथ ही माधापुर अग्निशमन केंद्र के कर्मचारी और साइबराबाद सीपीओ के मंत्रालयिक कर्मचारी शामिल थे।

हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन के धन दुरूपयोग मामले में ईडी ने 51.29 लाख जब्त किए

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। ईडी की जांच में पता चला है कि सुरेंद्र अग्रवाल (एचसीए के पूर्व उपाध्यक्ष और कोषाध्यक्ष) और उनके परिवार के सदस्यों ने एचसीए को क्रिकेट बॉल, बकेट चेयर और जिम उपकरण प्रदान करने वालों से अवैध आर्थिक लाभ के रूप में कुल 90.86 लाख की आपराधिक आय (पीओसी) प्राप्त की थी। एजेंसी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत जांच शुरू की। यह जांच हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा उसके पदाधिकारियों के खिलाफ दर्ज कई प्राथमिकियों पर आधारित थी। आरोपों में हैदराबाद के उप्पल में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम के निर्माण के लिए स्वीकृत धन का दुरुपयोग शामिल था। इसके अतिरिक्त, क्रिकेट बॉल, जिम उपकरण और बकेट चेयर की खरीद में भी धन का कथित रूप से दुरूपयोग किया गया था। ईडी की जांच से पता चला है कि एचसीए के पदाधिकारियों ने क्रिकेट बॉल, बकेट चेयर और जिम उपकरणों की आपूर्ति के ठेके क्रमशः मेसर्स सारा स्पोर्ट्स, मेसर्स एक्सीलेंट एंटरप्राइजेज और मेसर्स बॉडी ड्रेंच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर दिए थे। आपूर्तिकर्ताओं द्वारा प्राप्त अवैध वित्तीय लाभ, जो मामले में अपराध की आय (पीओसी) था, को सुरेंद्र अग्रवाल और उनके परिवार के सदस्यों को बदले में हस्तांतरित किया गया। ईडी ने कहा, ईडी की जांच से पता चला है कि बदले में, सारा स्पोर्ट्स ने सुरेंद्र अग्रवाल की पत्नी की स्वामित्व वाली फर्म केबी ज्वैलर्स के साथ-साथ सुरेंद्र अग्रवाल के बेटे अक्षित अग्रवाल के निजी बैंक खाते में भी 17 लाख हस्तांतरित किए, जो एक संगीत कार्यक्रम, कार्यक्रम प्रबंधन आदि के प्रायोजन के बहाने कई संस्थाओं के बैंक खातों के माध्यम से प्राप्त किए गए थे। इसी प्रकार, मेसर्स एक्सेलेंट एंटरप्राइजेज ने ऋण के बहाने सुरेंद्र अग्रवाल के बेटे अक्षित अग्रवाल के निजी बैंक खाते में 21.86 लाख और हीरे खरीदने के बहाने केबी ज्वैलर्स को 21.86 लाख की पीओसी राशि हस्तांतरित की। एक्सेलेंट एंटरप्राइजेज के बैंक खातों से पीओसी की नकद निकासी भी सुरेंद्र अग्रवाल को अत्यधिक कीमतों पर बकेट चेयर की आपूर्ति के बदले में हस्तांतरित की गई। इसी कार्यप्रणाली का उपयोग करते हुए, अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर जिम उपकरण प्रदान करने वाली बॉडी ड्रेंच इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भी हीरे खरीदने के बहाने सीधे सुरेंद्र अग्रवाल और उनकी बहू के निजी बैंक खातों में 52 लाख की पीओसी राशि हस्तांतरित कर दी।

बीआरएस नेताओं के फोन टैप करने का आरोप

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और वरिष्ठ बीआरएस नेता टी हरीश राव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर गंभीर आरोप लगाए हैं और कांग्रेस सरकार पर बीआरएस नेताओं, पत्रकारों और राजनीतिक सहयोगियों के फोन अवैध रूप से टैप करने का आरोप लगाया है। उन्होंने बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव के खिलाफ मुख्यमंत्री के आरोपों को बनकाचेरला परियोजना मुद्दे से ध्यान भटकाने का एक प्रयास मात्र बताया। तेलंगाना भवन में मीडिया से अनौपचारिक बातचीत में हरीश ने कहा कि उनके और केटी रामाराव सहित बीआरएस नेताओं के फ़ोन लगातार निगरानी में हैं।

केटीआर ने दी कानूनी कार्रवाई की धमकी

रेवंत रेड्डी से की अपमानजनक टिप्पणी पर माफी की मांग

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि वे सार्वजनिक रूप से माफ़ी मांगें, वरना उन्हें ड्रग जांच से जोड़ने वाली कथित अपमानजनक टिप्पणी के लिए कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री पर अनौपचारिक मीडिया ब्रीफिंग के ज़रिए उनके ख़िलाफ़ झूठ फैलाने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, रेवंत रेड्डी मीडिया की गपशप के नाम पर जो गंदगी फैला रहे हैं, वह शालीनता की सारी हदें पार कर गई है। मैंने मुख्यमंत्री कार्यालय के सम्मान में संयम बरता था। मैं अब और पीछे नहीं हटूंगा। रामा राव ने तीखे शब्दों में पलटवार करते हुए रेवंत रेड्डी के उन आरोपों के आधार पर सवाल उठाया कि उन पर ड्रग मामलों में जांच चल रही है। उन्होंने पूछा, क्या आपके पास ज़रा भी सबूत है? क्या कोई मामला दर्ज है? उन्होंने मुख्यमंत्री पर अनौपचारिक मीडिया बातचीत की आड़ में 'चरित्र हनन' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिल्ली सिर्फ़ गपशप की आड़ में गालियाँ देने आते हैं, उनमें सीधे उनसे भिड़ने का साहस नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया, आप गपशप के पीछे छिपते हैं और कानूनी जवाबदेही से बचने के लिए चरित्र हनन में लगे रहते हैं।

रामा राव ने रेवंत रेड्डी की टिप्पणियों को निराधार और अश्लील बताते हुए उन्हें चुनौती दी कि वे कोई भी सबूत सार्वजनिक करें, वरना कानूनी परिणाम भुगतने को तैयार रहें। उन्होंने चेतावनी दी, मैं तुम्हें अदालतों में घसीटूंगा और हर अपमानजनक बयान की कीमत चुकाऊंगा।

एटीएम को गैस कटर से काटकर चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार

> चार वाहन और 17 लाख रुपये बरामद > भारत के विभिन्न राज्यों में 30 से अधिक घटनाओं को अंजाम दिया था

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने एक अंतरराज्यीय कुख्यात एटीएम चोर को गिरफ्तार कर 20 लाख मूल्य की चोरी की संपत्ति बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों में यासिब हुसैन उर्फ आसिफ हारून खान, निवासी पलवल जिला, हरियाणा, आमिर अंसारी, निवासी हैदराबाद, तेलंगाना, मोहम्मद अबेद, नुहू जिला, हरियाणा शामिल है। सीसीएस बालानगर और (कानून व्यवस्था) जीडीमेटला पुलिस के अधिकारियों ने कुख्यात (एटीएम गैस कटिंग) अपराधियों को गुरूवार गिरफ्तार किया और आरोपियों के कब्जे से 17 लाख की शुद्ध नकदी और 3 लाख मूल्य के चार दोपहिया वाहन बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त, बालानगर ज़ोन, साइबराबाद के. सुरेश कुमार ने बताया कि बीती 8 जुलाई की रात 2:30 से 3:30 बजे के बीच कुछ अपराधी जीडीमेटला पुलिस थाने की सीमा में, मार्कंडया नगर स्थित एचडीएफसी एटीएम में गैस कटर से एटीएम मशीन काटकर घुस गए और 34.71 लाख की शुद्ध नकदी चुराकर भाग गए। इस घटना की जीडीमेटला पुलिस थाने में धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत मामला संख्या 671/2025 दर्ज कर जांच की गई। उन्होंने बताया कि कुख्यात एटीएम अंतरराज्यीय अपराधी गिरोह का भारत के विभिन्न राज्यों में कई एटीएम चोरियों को अंजाम देने का इतिहास रहा है। उनकी कार्यप्रणाली एक विशिष्ट और पूर्व-नियोजित पैटर्न का पालन करती है, जैसा कि विस्तृत रूप से बताया गया है। किसी भी अपराध को अंजाम देने से पहले, गिरोह छोटे-छोटे समूहों में बंट जाता है। वे एटीएम केंद्रों की टोह लेते हैं, विशेष रूप से उन एटीएम केंद्रों को निशाना बनाते हैं जो सुनसान या बंद इलाकों में स्थित हों और बाहरी शटर से सुसज्जित हों। वे आस-पास की दुकानों या स्थानों से गैस सिलेंडर और कटिंग मशीनें प्राप्त करते हैं। वे अपराध करने के लिए आधी रात के समय को पसंदीदा समय के रूप में चुनते हैं, जिससे लोगों की उपस्थिति कम से कम हो। अपराध से पहले, वे अपराध स्थलों तक आने-जाने के लिए दोपहिया वाहन चुराते हैं। लक्षित एटीएम पर पहुंचने पर, वे सबसे पहले निगरानी को निष्क्रिय करने और अपनी पहचान छिपाने के लिए सीसीटीवी के तार काटते हैं। फिर, वे गैस कटर का उपयोग करके एटीएम को काटकर अंदर रखी नकदी तक पहुंचते हैं। अपराध करने के बाद, वे चोरी किए गए दोपहिया वाहनों का उपयोग करके अपराध स्थल (एसओसी) से भाग जाते हैं। इस मामले में, अपराध के दौरान इस्तेमाल किया गया चोरी का वाहन गुम्माडिडाला पुलिस थाने की सीमा में छोड़ दिया गया था। इसके बाद, गिरोह ने कामारेड्डी में एक और दोपहिया वाहन चोरी की, और उन वाहनों का उपयोग करके आदिलाबाद गए। आदिलाबाद में, उन्होंने फिर से वाहनों को छोड़ दिया। आदिलाबाद से, गिरोह दो टीमों में विभाजित हो गया। वे ट्रकों में सवार होकर भाग निकले और अंततः अपने-अपने मूल स्थानों पर लौट आए। वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में, सीसीएस बालानगर और (एल एंड ओ) जीडी मेटला ने संभावित भागने के रास्तों पर लगे 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों से उपरोक्त सीसीटीवी की पुष्टि की। ज्ञात अपराधियों के साथ कार्यप्रणाली (एमओ) का मिलान करके और संदिग्ध डेटा की पुष्टि करके, टीम ने आरोपी की सफलतापूर्वक पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न पुलिस थानों में (30) से अधिक अपराधों, जैसे कि गृह चोरी, एटीएम सेंटर और वाहन चोरी के मामलों में संलिप्त रहा है और कई बार जेल भी जा चुका है। यासिब हुसैन को मध्य प्रदेश राज्य के कोतवाली थाना में भारतीय दंड संहिता की धारा 307, 394, 397, 398, 353, 332 और मकोका अधिनियम की धारा 11/13 के तहत (07) वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई गई और उसे हरियाणा राज्य के नारनौल (मोहदसी) स्थित जिला जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। आरोपी आमिर अंसारी को कोतवाली थाना, मध्य प्रदेश के अपराध संख्या 400/2021, धारा 376 आईपीसी धारा 4 पोक्सो अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया और (20) साल की सजा सुनाई गई और फिलहाल वह उच्च न्यायालय ग्वालियर पीठ, मध्य प्रदेश राज्य द्वारा दी गई जमानत पर है। आरोपियों को पकडने वाली पुलिस टीम को पुरस्कार देने की घोषणा की गई है।

दमरे महाप्रबंधक ने रेलवे निर्माण इकाई में कार्यों के प्रगति की समीक्षा की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक संजय कुमार श्रीवास्तव ने गुरुवार को सिकंदराबाद मंडल की काजीपेट स्थित रेलवे निर्माण इकाई का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उनके साथ सिकंदराबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक भरतेश कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

संजय कुमार श्रीवास्तव ने काजीपेट स्थित आगामी रेलवे निर्माण इकाई में चल रहे निर्माण कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। संबंधित अधिकारियों ने परियोजना की प्रगति और स्थिति पर एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। महाप्रबंधक ने मंडल को परियोजना को जल्द से जल्द पूरा करने के लिए कार्यों में और तेजी लाने का सुझाव दिया। महाप्रबंधक ने निर्माण स्थल पर सुरक्षा पहलुओं का भी निरीक्षण किया और पर्यवेक्षकों एवं अधिकारियों को सभी सुरक्षा दिशानिर्देशों और प्रक्रियाओं का अनिवार्य रूप से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मौके पर मीडिया कर्मियों से भी बातचीत की और उन्हें एससीआर द्वारा की जा रही विकास योजनाओं की जानकारी दी। इससे पहले, संजय कुमार श्रीवास्तव ने सिकंदराबाद से काजीपेट सेक्शन तक रियर विंडो निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने पटरियों और सिग्नलिंग प्रणालियों के सुरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया। इसके अलावा, उन्होंने यादाद्री और जनगांव रेलवे स्टेशनों का विस्तृत निरीक्षण किया और अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत स्टेशनों पर किए गए पुनर्विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बाद में, महाप्रबंधक ने काजीपेट में काकतीय रनिंग रूम का निरीक्षण किया और लोको पायलटों से प्रदान की गई सुविधाओं के बारे में बातचीत की। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधे लगाए।

महाप्रबंधक ने काजीपेट रेलवे स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया, जिसमें उन्होंने यात्री सुविधाओं की समीक्षा की और सर्कुलेटिंग एरिया का निरीक्षण किया। उन्होंने काजीपेट में क्रू लॉबी और रिले रूम का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान, महाप्रबंधक को विभिन्न अन्य जनप्रतिनिधियों से भी ज्ञापन प्राप्त हुए।

काकतीय चिड़ियाघर में नया सितारा बनेगा सफेद बाघ

हनमकोंडा, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। यहां हंटर रोड स्थित काकतीय प्राणी उद्यान में जल्द ही एक नया आकर्षण जुड़ जाएगा, क्योंकि वन अधिकारी चिड़ियाघर में एक सफेद बाघ लेकर आए हैं। 13 साल के इस सफेद बाघ को हैदराबाद के नेहरू प्राणी उद्यान से लाया गया था। काकतीय प्राणी उद्यान में बीमार पड़े दो बाघों, शंकर नामक नर और करीना नामक मादा को बीस दिन पहले हैदराबाद चिड़ियाघर में स्थानांतरित किया गया था।

सूत्रों के अनुसार, वन अधिकारी वन मंत्री कोंडा सुरेखा द्वारा सफेद बाघ को बाड़े में छोड़ने की व्यवस्था कर रहे हैं। सफेद बाघ, जो आमतौर पर बंगाल टाइगर होता है, में सामान्य बाघों की तरह काली धारियाँ होती हैं, लेकिन इसका कोट सफेद या लगभग सफेद होता है।

पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल का 148वां निशुल्क मेगा मेडिकल कैंप 20 को

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल द्वारा श्री सालासर हनुमान जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट जगदगिरीगुट्टा के सहयोग से 148वां निशुल्क मेगा स्वास्थ्य जांच शिविर जगदगिरीगुट्टा स्थित श्री सालासर हनुमान मंदिर में 20 जुलाई को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक आयोजित किया जाएगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, मेगा मेडिकल कैंप में किम्स सनशाइन हॉस्पिटल बेगमपेट, जनरल फिजिशियन, कार्डियलजी, हड्डी रोग, ईसीजी, 2 डी इको, बीएमडी, बीपी जांच, आरबीएस की सेवा दी जाएगी। एलसीएस साधुराम नेत्र अस्पताल दोमलगुडा द्वारा निशुल्क नेत्रों की जांच की जाएगी एवं योग्य को निशुल्क चश्मे एवं मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था की जाएगी। सामान्य चिकित्सक डॉ. अखिल्स क्लिनिक, डॉ. अखिल सुगंधी (रुमेटोलॉजी), डॉ. मीनल खिरैया सुगंधी (एमबीबीएस डिप्लोमा मधुमेह) एवं दंत की सेवा एसएनआर डेंटल के डॉ.एस.तेजस्वी नवनीत राज एवं डॉ.एस. निखिल द्वारा दी जाएगी। फिजियोथैरेपी बजाज फिजियो केयर के डॉ.मीता बजाज द्वारा की जाएगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा निशुल्क कृत्रिम पैर, हैड क्लीप, कैलिपर्स एवं हैंड का जांच के बाद योग्य को दिये जाएंगे।

साथ ही डायलिसिस की व्यवस्था की जाएगी। अवसर पर रैनबो चिल्ड्रन्स हार्ट इंस्टीट्यूट द्वारा सेवा की जाएगी। शिविर में नाम पंजीकरण कैंप स्थल पर सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। सभी से इसका अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, अरुण तुलस्यान, पवन सौंथलिया, संजय सराफ, नवीन तुलस्यान से संपर्क किया जा सकता है।

एकाग्र मन से की गई पढ़ाई लाभकारी : ललित प्रभ जी

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्र-संत श्री ललित प्रभ जी महाराज ने कहा कि दिमाग हमारे जीवन की अमूल्य संपदा है। अगर हम अपने दिमाग को विकसित कर लें तो दुनिया की हर चीज हासिल कर सकते हैं। 100 शास्त्र मिलकर एक दिमाग का निर्माण नहीं कर सकते, पर एक दिमाग लग जाए तो हजार शास्त्रों का निर्माण कर सकता है।

हमारे दिमाग के तीन दुश्मन हैं- चिंता, क्रोध और खाने पीने की गलत आदतें। हम समस्याओं को देखकर चिंतित न हों। दुनिया में ऐसा कोई इंसान नहीं जिसके कोई समस्या न हो और दुनिया में ऐसी कोई समस्या नहीं जिसका समाधान न हो। क्रोध पर काबू करने की सलाह देते हुए संतश्री ने कहा कि क्रोध करने से छोटों का दिमाग कमजोर होता है और बड़ों का भाग्य। क्रोध में दूसरा कोई जले न जले, पर हमारा दिमाग तो पहले ही जल जाता है। वे गुरुवार को यहां लोक कल्याणकारी चातुर्मास समिति द्वारा नामपल्ली के एग्जिबिशन ग्राउंड में मेमोरी पावर बढ़ाने के चमत्कारी नुस्खे विषय पर प्रवचन दे रहे थे। संतश्री ने कहा कि सुबह की सैर अवश्य करें। सुबह की एक हवा सौ दवा के बराबर है। जब भी पढ़ें सीधी कमर और सजग मन से पढ़ें। बेमन से की गई 6 घंटे की पढ़ाई की बजाए एकाग्र मन से की गई 1 घंटे की पढ़ाई ज्यादा लाभकारी है। खाली न बैठें व दिमाग में फालतू विचारों को जगह न दें। रोज 15 मिनट ज्ञान मुद्रा में बैठ कर आज्ञा चक्र पर ध्यान करें, सर्दी में शंखपुष्पी और ब्राह्मीपत्ती का पाउडर दूध के साथ लें, भोजन में मैदा, बेसन, पिज्जा, ब्रेड, बर्गर, पराठा, अचार, तली हुई चीजें, गरिष्ठ चीजें, मिठाईयां जैसी चीजों को न खाएं या कम से कम खाएं। अखरोट, अंगूर, संतरा जैसी चीजों का सेवन करें। रोज एक चम्मच मुलेठी का पाउडर पानी के साथ लें, दिन में 15 बार उठक-बैठक लगाएं, रोज 10 मिनट अच्छी किताब पढने की आदत डालें। पवित्र किताब ईश्वर तुल्य होती है।

भ्रामरी प्राणायाम को मेमोरी बढ़ाने की सबसे कारगर तकनीक बताते हुए संतश्री ने कहा कि अपनी पहली अंगुली को कान में डालकर भंवरे की तरह 21 या 27 बार गुंजन करें, इससे हमारे मस्तिष्क की सुप्त कोशिकाएं जागृत होती हैं। जब मैदान में हजारों लोगों ने एक साथ भ्रामरी प्राणायाम का प्रयोग किया तो सम्पूर्ण वातावरण गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर डॉ. मुनि शांतिप्रिय सागर जी महाराज ने नवकार महामंत्र की सामूहिक प्रार्थना करवाई।

आज धर्म सभा में विशेष अतिथि में पधारे रमेश चंद संचेती चेन्नई आदि सभी का स्वागत लोक कल्याणकारी दिव्य सत्संग चातुर्मास समिति के संघ संरक्षक विमल नाहर, चेयरमैन मोतीलाल भलगट, वाईस चेयरमैन उमेश बागरेचा, अध्यक्ष प्रदीप सुराणा, कार्याध्यक्ष अमीत मुणोत, स्वागत अध्यक्ष पवन कुमार पाण्डेय, प्रधान सहयोगक नवरत्न मल गुंदेचा, महामंत्री अशोक कुमार नाहर, कोषाध्यक्ष माणक चंद पोकरणा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विमल कुमार मूथा, मंत्री प्रवीण सुराणा, चंद्रप्रकाश लोढ़ा एवं भरत भंडारी, श्री मती लाड़ कंवर नाहर, श्रीमती आरती सुराणा, श्रीमती ललिता देवी पोकरणा ने स्वागत किया है।

तेलंगाना के कई जिलों में सिंचाई संकट

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। नए जल वर्ष के लगभग डेढ़ महीने बाद, तेलंगाना की 29 बड़ी और मध्यम सिंचाई परियोजनाएं, जिनमें प्रमुख कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना (केएलआईपी) के अंतर्गत कई परियोजनाएं शामिल हैं, नगण्य मानसून प्रवाह और गंभीर रूप से कम भंडारण स्तर के कारण गंभीर जल संकट का सामना कर रही हैं। परिणामस्वरूप, कृषि भूमि का एक बड़ा हिस्सा सिंचाई सहायता से वंचित है, और पर्याप्त जल प्रवाह प्राप्त होने तक फसल कार्यक्रम की समीक्षा लंबित है। किसान अब अनिश्चित खरीफ मौसम की ओर देख रहे हैं। डिंडी, श्रीराम सागर परियोजना (एसआरएसपी), सदरमत एनीकट, सरस्वती नहर, एसआरएसपी काकतीय नहर, लखनवरम और पालेम वागु जैसी प्रमुख परियोजनाएं अभी भी पानी के प्रवाह का इंतज़ार कर रही हैं।

राज्यव्यापी साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान आयोजित

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय स्टेट बैंक-तेलंगाना में राज्यव्यापी साइबर धोखाधड़ी जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके तहत सीजीएम एस राधाकृष्णन ने कहा कि, इस अभियान का मुख्य उद्देश्य इस बात की सुनिश्चिति करना है कि, राज्य में कोई भी ऑनलाइन घोटालों या वित्तीय धोखाधड़ी का शिकार न हो। यह अभियान शैक्षणिक संस्थानों,गैर सरकारी संगठनों, सरकारी और कॉर्पोरेट कार्यालयों, मॉल, मेट्रो स्टेशनों और पार्कों सहित सार्वजनिक स्थानों की विस्तृत श्रृंखला को कवर करता है, जिसका लक्ष्य नागरिकों को डिजिटल खतरों और वित्तीय सुरक्षा के बारे में शिक्षित करना है।

इसके प्रभाव को और बढ़ाने के लिए, एसबीआई ने 1% जुलाई को कोटी स्थित अपने स्थानीय मुख्यालय से तीन मोबाइल प्रचार वैन को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम का नेतृत्व एसबीआई हैदराबाद मंडल मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम) एस राधाकृष्णन एवं महाप्रबंधक रवि कुमार वर्मा और महाप्रबंधक सतीश कुमार के साथ किया। ये वैन पूरे तेलंगाना में व्यापक रूप से यात्रा करेंगी और साइबर धोखाधड़ी को पहचानने और उससे बचने के बारे में जानकारी प्रदान करेंगी।

अवसर पर एस. राधाकृष्णन ने तेजी से डिजिटल होती दुनिया में व्यक्तिगत सतर्कता के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने प्रत्येक नागरिक से न केवल सतर्क रहने का आग्रह किया, बल्कि अपने घरों और समुदायों में जागरूकता फैलाने में भी सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया। एसबीआई को हाल ही में ग्लोबल फाइनेंस, न्यूयॉर्क द्वारा विश्व के सर्वश्रेष्ठ उपभोक्ता बैंक के रूप में सम्मानित किया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बैंगलोर भगदड़ में कर्नाटक सरकार ने विराट कोहली को बताया जिम्मेदार

हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

बैंगलोर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 का खिताब इस बार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने फाइनल में पंजाब किंग्स को हराकर पहली बार अपने नाम किया था। जिसके बाद बैंगलोर के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आरसीबी की जीत जा जश्न मनाने के लिए एक कार्यक्रम रखा गया था, जिसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री भी शामिल हुए थे। वहीं स्टेडियम के बाहर फैंस इतनी ज्यादा संख्या में इकट्ठा हो गए थे, जिसके चलते वहां भगदड़ मची और 11 लोगों की जान चली गई थी। इसके अलावा 50 से ज्यादा लोग घायल हो गए थे। वहीं अब इसक पूरे मामले की एक रिपोर्ट कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को सौंपी है, जिसमें सरकार ने विराट कोहली को भी इस भगदड़ का जिम्मेदार बताया है।

कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को सौंपी रिपोर्ट

कर्नाटक सरकार ने हाईकोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में विजय परेड के लिए लोगों को शहर की पुलिस से बिना बातचीत और अनुमति के आमंत्रित किया था। आरसीबी ने पुलिस से बात किए बिना अगले दिन सुबह 7.01 बजे अपने ऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल पर एक फोटो पोस्ट की, जिसमें लोगों के लिए निशुल्क प्रवेश की सूचना दी गई और जनता को विजय परेड में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया। सुबह 8 बजे एक और पोस्ट किया गया, जिसमें इस जानकारी को दोहराया गया।

रिपोर्ट में कहा गया है इसके बाद 4 जून को सुबह 8:55 बजे आरसीबी ने अपने ऑफिशियल हैंडल पर टीम के दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली का एक वीडियो क्लिप शेयर किया, जिसमें विराट कोहली ने कहा था कि टीम इस जीत का जश्न 4 जून को बैंगलोर में शहर के लोगों और आरसीबी फैंस के साथ मनाना चाहती है।"

इसको लेकर सरकार का कहना है कि इस वीडियो के बाद 3 लाख से ज्यादा लोगों की भीड़ वहां इकट्ठा हो गई थी। पुलिस इतनी भीड़ पर काबू पाने के लिए तैयार नहीं थी। वहीं कन्फयूजन इस बात को लेकर हुआ जब आयोजकों द्वारा स्टेडियम में जाने के लिए पास की सूचना दी गई थी। इसके अलावा गेट देरी से खोलने के चलते भी हादसा हुआ। सरकार की रिपोर्ट में कहा गया कि आरसीबी की तरफ से विजय परेड की महज सूचना दी गई थी, इसकी कोई अनुमति नहीं ली गई थी। ऐसे प्रोग्राम के लिए कम से कम एक सप्ताह पहले अनुमति ली जाती है।

आईसीसी रैंकिंग- विराट के तीनों फॉर्मेट में 900+ पॉइंट्स

ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर; टी-20 में बेस्ट पॉइंट्स 897 से 909 हुए

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउसिंल ने अपनी साप्ताहिक रैंकिंग चार्ट को अपडेट किया। लॉर्ड्स में शतक लगाने के बाद जो रूट ने नंबर 1 टेस्ट बल्लेबाज का स्थान फिर से हासिल कर लिया, जबकि भारतीय खिलाड़ियों की रैंकिंग में गिरावट आई।

इस बीच एक दिलचस्प बात यह है कि विराट कोहली टी20 इंटरनेशनल रेटिंग में बदलाव देखा गया, जो 897 से बढ़कर 909 हो गई। 2024 टी20 विश्व कप के फाइनल में शानदार खिताबी जीत के बाद विराट कोहली ने कप्तान रोहित शर्मा के साथ इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया था। रिटायरमेंट के 382 दिन बाद नंबर वन बनते देख प्रशंसक चौंक गए।

विराट कोहली की रेटिंग 897 से 909 तक कैसे उछली?

इस तरह वह दुनिया के इकलौते बल्लेबाज बन गए हैं, जिसने अपने करियर में 900 या इससे अधिक रेटिंग पॉइंट हर फॉर्मेट में हासिल की। खास बात यह है कि विराट ने एक साल से अधिक समय से कोई टी20 मैच नहीं खेला है, जिससे प्रशंसकों ने सवाल उठाया कि यह बदलाव कैसे हुआ। अब बात करते हैं कि यह सब कैसे हुआ तो प्रशंसकों को आश्वस्त होना चाहिए कि न तो कोई तकनीकी गलती हुई है और न ही विराट के हालिया किसी ऑनफील्ड प्रदर्शन ने उनकी टी20 इंटरनेशनल रेटिंग को प्रभावित किया है।

आईसीसी ने रैंकिंग कार्यप्रणाली को संशोधित किया

दरअसल, ऐतिहासिक संशोधन आईसीसी की एक नियमित प्रक्रिया है। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ऐतिहासिक मैच डेटा की समीक्षा करने और व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिए दिए गए रेटिंग अंकों की पुनर्गणना के बाद सभी प्रारूपों में अपने आधिकारिक रिकॉर्ड को अपडेट करती है। ऐसे समायोजन आमतौर पर तब होते हैं जब आईसीसी अपनी रैंकिंग कार्यप्रणाली में बदलाव करता है, स्कोरकार्ड डेटा को सही करता है, या नई रैंकिंग नीतियां लाता है, जिसके परिणामस्वरूप क्रिकेटरों के रेटिंग अंकों में बदलाव होता है।

इस प्रकार हाल ही में भी ऐसी ही एक प्रक्रिया होने की उम्मीद है, जहां जय शाह की अगुवाई वाली आईसीसी ने अपनी हालिया नीतियों में संशोधन किया होगा। यह एक नियमित प्रक्रिया है और केवल विराट कोहली ही नहीं, बल्कि कई अन्य खिलाड़ी भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग में बढ़ोतरी या गिरावट का सामना करते हैं। हालांकि, विराट की रेटिंग में हालिया बदलाव के परिणामस्वरूप एक बड़ा मील का पत्थर हासिल हुआ, जिससे वह सभी प्रारूपों में 900+ रेटिंग वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं।

भारतीय विमेंस की वनडे सीरीज में जीत के साथ शुरुआत

पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराया; दीप्ति शर्मा के नाबाद 62 रन

लंदन, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन वनडे मैचों की सीरीज में जीत के साथ आगाज किया है। साउथैम्प्टन के रोज बाउल मैदान पर खेले गए पहले मुकाबले में टीम इंडिया ने 4 विकेट से जीत दर्ज की।

इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर 258 रनों का स्कोर बनाया था, जिसके बाद भारतीय टीम ने इस टारगेट को 48.2 ओवर्स में 6 विकेट के नुकसान पर हासिल करने के साथ सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है।

इंग्लैंड की खराब शुरुआत

इंग्लैंड की शुरुआत खराब रही। भारतीय गेंदबाज क्रांति गौड़ ने 8 के स्कोर पर एमी जोंस को आउट कर भारत को पहली सफलता दिलाई। जोंस केवल एक रन ही बना सकीं। फिर 20 के स्कोर पर दूसरी ओपनर टैमी ब्यूमोंट को भी गौड़ ने LBW कर इंग्लैंड का दूसरा विकेट लिया।

इंग्लैंड की ओर से 50 रन से ऊपर तीन साझेदारी

इंग्लैंड की ओर से 50 रन से ऊपर तीन साझेदारी हुईं। टैमी ब्यूमोंट के आउट होने के बाद तीसरे विकेट के लिए स्किवर ब्रंट और एमा लैंब ने 87 गेंदों पर 71 रन की साझेदारी की। स्किवर ब्रंट ने 52 गेंदों पर 41 रन और एमा लैंब ने 50 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। दोनों को स्नेह राणा ने पवेलियन भेजा।

पांचवें विकेट के लिए सोफिया डंकली और एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने 142 गेंदों पर 106 रनों की साझेदारी कर टीम का स्कोर 258/6 तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई।

सोफिया डंकली ने छठे विकेट के लिए सोफी एक्लेस्टोन के साथ 37 गेंदों पर 55 रन की भी साझेदारी की। डंकली ने 92 गेंदों का सामना कर 83 रन बनाए। जबकि एलिस डेविडसन-रिचर्ड्स ने 73 गेंदों पर 53 रन और सोफी एक्लेस्टोन ने 19 गेंदों पर नाबाद 23 रन की पारी खेली।

भारत की ओर से स्नेह राणा और क्रांति गौड़ ने दो-दो विकेट लिए। अमनजोत कौर और श्री चरानी ने एक-एक विकेट लिए।

मंधाना और रावल ने भारतीय टीम को अच्छी शुरुआत दी

भारत को स्मृति मंधाना और प्रतीक्षा रावल ने अच्छी शुरुआत दी। दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 48 रन की साझेदारी हुई। मंधाना 28 रन बना कर कैच आउट हो गईं। रावल भी टीम के 94 रन के स्कोर पर पवेलियन लौट गईं। उन्होंने 51 गेंदों का सामना कर 37 रन बनाए।

दोनों ओपनर के आउट होने के बाद भारतीय पारी लड़खड़ाई गई, पर दीप्ति शर्मा ने पारी को संभाला। हरलीन देओल (27) रन बनाकर आउट हुईं और हरमनप्रीत कौर (13) को डीन ने LBW आउट किया। इसके बाद दीप्ति ने कमान संभाली। पहले पांचवें विकेट लिए रोड्रिक्स के साथ 86 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी की और उसके बाद सावतें विकेट के लिए अमनजोत कौर के साथ 23 गेंदों में नाबाद 33 रन की पार्टनरशिप की। दीप्ति ने 52 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने 64 गेंदों पर नाबाद 62 रन बनाए। वहीं, अमनजोत कौर ने 14 गेंदों का सामना कर 20 रन बनाए।

जापान ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन प्री क्वार्टर में हारे

टोक्यो, 17 जुलाई (एजेंसियां)। टोक्यो में हो रहे जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई है। मेंस डबल्स में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी टूर्नामेंट से बाहर हो गई है। वहीं, मेन्स सिंगल्स में भी लक्ष्य सेन को प्री क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। जबकि पीवी सिंधु पहले ही विमेंस सिंगल्स में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो चुकी हैं।

रेड्डी और शेट्टी को चाइनीज जोड़ी ने हराया

रेड्डी और शेट्टी की जोड़ी राउंड ऑफ16 में चीन की लियांग वेई कांग और वांग चांग की जोड़ी से सीधे गेम में 24-22, 21-14 से हार गई।

वहीं, इससे पहले कोरियाइई जोड़ी डोंग-जू और कांग मिन ह्युक को 21-18 21-10 से हराया था।

लक्ष्य सेन की भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीदों पर जापानी खिलाड़ी ने पारी फेर दिया। कोडाई नारोओका ने लक्ष्य को 21-19 , 21-11 से हराया।

इससे पहले लक्ष्य ने पहले राउंड में चीनी खिलाड़ी वांग जिनसेंग को 21-11, 21-18 से हराया था।

विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु को कोरियाई खिलाड़ी सिम यू-जिन से पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। 37 मिनट तक चले इस मैच में दोनों ही गेम में कोरियाई खिलाड़ी हावी रहीं। उन्होंने पहले गेम में 21-15 और दूसरे में 21-14 से हराया।

विमेंस डबल्स में हार

वहीं विमेंस डबल्स रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ी शुरुआती दौर में ही जापान की कोकोना इशिकावा और मायको कावाज़ोई से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई।

वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रसेल संन्यास लेंगे

कहा- दो टी20 मैचों के बाद क्रिकेट को अलविदा कहूंगा, अगली पीढ़ी के लिए मिसाल बनना चाहता हूं

जमैका, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज के दिग्गज क्रिकेटर आंद्रे रसेल इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेंगे। उन्होंने ऐलान किया है कि वे जमैका के सबीना पार्क में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टी-20 मैचों के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह देंगे। 37 साल के रसेल 2019 से केवल टी-20 क्रिकेट खेल रहे हैं।

रसेल ने कहा, 'वेस्टइंडीज के लिए खेलना मेरे लिए गर्व की बात रही है। बचपन में मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं इस मुकाम तक पहुंचूंगा। क्रिकेट से प्यार ने मुझे और बेहतर बनने की प्रेरणा दी। मैं चाहता था कि मैं वेस्टइंडीज की जर्सी में अपनी छाप छोड़ूं और दूसरों के लिए प्रेरणा बनूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे अपने घर में परिवार और दोस्तों के सामने खेलना बहुत पसंद है। मैं अपने करियर का अंत शानदार प्रदर्शन के साथ करना चाहता हूं और अगली पीढ़ी के लिए एक मिसाल बनना चाहता हूं।'

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 सीरीज 21 जुलाई से

रसेल को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 टीम में शामिल किया है। 5 टी-20 मैचों की सीरीज 21 जुलाई से शुरू हो रही है। पहला और दूसरा मैच जमैका के सबिना पार्क स्टेडियम में खेला जाएगा। रसेल, निकोलस पूरन के बाद दो महीने में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट छोड़ने वाले वेस्टइंडीज के दूसरे बड़े खिलाड़ी हैं। 9 जून से निकोलस पूरन ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। रसेल 2019 के बाद टीम में इकलौते ऐसे प्लेयर हैं, जो 84 से ज्यादा मैच खेल चुके हैं। वे 2026 में भारत और श्रीलंका की मेजबानी में होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप से 7 महीने पहले संन्यास लेने जा रहे हैं। रसेल ने वेस्टइंडीज को 2 टी-20 वर्ल्ड कप जिता चुके हैं। विंडीज ने 2012 में श्रीलंका को 36 और 2016 में इंग्लैंड को 4 विकेट से हराकर टी-20 वर्ल्ड कप का टाइटल जीता था। वेस्टइंडीज क्रिकेट बदलाव के दौर में है। टीम 2 दिन पहले 14 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आखिरी टेस्ट की दूसरी पारी में वेस्टइंडीज के 27 रन पर ऑलआउट हो गई थी।

इसके बाद वेस्टइंडीज क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों में सर विवियन रिचर्ड्स, क्लाइव लॉयड और ब्रायन लारा के साथ क्रिकेट रिवाइव करने के लिए जरूरी बदलावों पर चर्चा की है। जमैका के सबिना पार्क स्टेडियम में खेले गए तीसरे टेस्ट में वेस्टइंडीज की टीम 176 रन से हार गई और 3 मैचों की सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप हो गई थी।

हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने मैजिक स्किल पुरस्कार जीता

नई दिल्ली, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारतीय महिला हॉकी टीम की स्ट्राइकर दीपिका ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 सत्र के भुवनेश्वर चरण के दौरान नीदरलैंड के खिलाफ किए गए अपने मैदानी गोल के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल पुरस्कार जीता है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2024-25 सत्र के लिए पोलिग्रास मैजिक स्किल अवार्ड के विजेता का फैसला विश्व भर के हॉकी खेल प्रेमियों के मतदान के आधार पर किया गया। दीपिका ने यह गोल फरवरी 2025 में प्रो लीग के भुवनेश्वर चरण के दौरान किया था। कलिंग स्टेडियम में खेला गया यह मैच निर्धारित समय में 2-2 से बराबर रहा था, जिसके बाद भारत ने शूटआउट में नीदरलैंड को हराया। भारतीय टीम जब दो गोल से पीछे चल रही थी तब दीपिका ने 35वें मिनट में यह अविश्वसनीय गोल किया।

प्रज्ञानंद ने वर्ल्ड नंबर वन मैग्नस कार्लसन को हराकर दिखाया बाहर का रास्ता

लास वेगास, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने लास वेगास में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर में दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन पर शानदार जीत दर्ज की। 19 वर्षीय प्रज्ञानंद ने पांच बार के विश्व चैंपियन को मात्र 39 चालों में मात दी। नॉर्वे के ग्रैंडमास्टर कार्लसन, जो हाल ही में भारत के मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश से लगातार हार चुके हैं, उन्हें एक और हार का सामना करना पड़ा। कार्लसन को 19 साल के आर प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट के ग्रुप स्टेज के चौथे राउंड में हरा दिया। इस टूर्नामेंट में हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय और हर चाल पर 10 सेकंड अतिरिक्त मिलते हैं।

प्रज्ञानंद अब आठ खिलाड़ियों वाले ग्रुप व्हाइट में 4.5 अंकों के साथ संयुक्त बढ़त बनाए हुए हैं। प्रज्ञानंद ने टूर्नामेंट की शुरुआत नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ काले मोहरों से ड्रॉ खेलकर की। इसके बाद उन्होंने असाउबायेवा को हराया। तीसरे राउंड में उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए कीमर को हराया और फिर चौथे राउंड में कार्लसन को चौंका दिया।

हालांकि, कार्लसन पेरिस और कार्लजूए में फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीत चुके हैं। वह पूरे टूर में शीर्ष पर थे, लेकिन उन्हें अब लास वेगास में खिताबी दौड़ से बाहर होना पड़ा है। राउंड-रॉबिन चरण में उतार-चढ़ाव भरे दिन के बाद कार्लसन अपने ग्रुप में संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर रहे और प्लेऑफ में लेवोन अरोनियन से हारकर बाहर हो गए। अब वह निचले ब्रैकेट में पहुंच गए हैं, जहां तीसरे से ऊपर नहीं आ सकते।

कार्लसन ने दो जीत के साथ शुरुआत की, लेकिन फिर उनकी परफॉर्मेंस गिर गई। प्रज्ञानंद और वेस्ली सो से हार और दो ड्रॉ के बाद, उन्हें अंतिम दौर में जीत की जरूरत थी, ताकि टाईब्रेकर हो सके। उन्होंने बिबिसारा अस्सौबायेवा को हराया, लेकिन फिर दोनों प्लेऑफ गेम अरोनियन से हार गए। इसके चलते वह टॉप ब्रैकेट में नहीं जा सके।

इसी ग्रुप में, प्रज्ञानंदा, नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव और जावोखिर सिंडारोव ने 4.5/7 अंक हासिल करके तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। अरोनियन ने 4 अंक हासिल किए और कार्लसन को पछाड़ दिया। ब्लैक ग्रुप में हिकारू नाकामुरा ने शानदार प्रदर्शन किया और 7 में से 6 अंक लेकर टॉप पर रहे।

मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां पर हत्या की कोशिश का केस दर्ज

बीरभूम, 17 जुलाई (एजेंसियां)। मोहम्मद शमी की पत्नी हसीन जहां और उनकी बेटी अर्शी जहां एक बड़े विवाद में फंस गई हैं. उनका ये विवाद शमी से नहीं बल्कि अपने पड़ोसी से ही हो गया है. इस दौरान हसीन जहां अपने पड़ोसी से हाथपाई कर बैठीं. जिसके बाद पुलिस ने हसीन जहां और उनकी बेटी अर्शी जहां के खिलाफ हत्या की कोशिश का मुकदमा दर्ज कर लिया है. इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. अर्शी, हसीन जहां के पहले पति की बेटी है. हसीन जहां का अपने पति भारतीय टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से विवाद चल रहा है. इसकी वजह से वो अपनी बेटी के साथ पश्चिम बंगाल के बीरभूम में रह रही हैं. हाल ही में कलकत्ता हाई कोर्ट ने मोहम्मद शमी को उनकी वाइफ हसीन जहां और बेटी आयरा को घर खर्च के लिए हर महीने चार लाख रुपये देने का आदेश दिया था. हसीन जहां अपनी बेटी के साथ मिलकर एक जमीन पर अवैध कब्जा कर रही थी.

एक ओवर में उड़ाए 5 छक्के, 390 की स्ट्राइक रेट से रन बनाकर शिमरोन हेटमायर ने जिताया मैच

खेल डेस्क, 17 जुलाई (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज की नेशनल टीम का हाल भले ही बुरा हो. उसके प्रदर्शन का हाल बेशक खास्ता हो. मगर वेस्टइंडीज के उन खिलाड़ियों के साथ वैसा हरगिज नहीं है, जो दुनिया भर की T20 लीग में खेलते हैं. ऐसे ही एक खिलाड़ी 28 साल के शिमरोन हेटमायर भी हैं, जिन्होंने ग्लोबल सुपर लीग में ऐसा फायर किया कि देखने वाले तो दंग हुए ही, टीम की जीत भी पक्की हो गई. ग्लोबल सुपर लीग में शिमरोन हेटमायर, गुयाना अमेजन वॉरियर्स टीम का हिस्सा हैं. इस टीम से खेलते हुए 16 जुलाई को हेटमायर के वो असली तेवर सामने आए, जिसके लिए वो सही मायनों में वर्ल्ड क्रिकेट में मशहूर हैं.

अब सवाल है कि शिमरोन हेटमायर ने ऐसा किया क्या? तो भइया एक ओवर में 5 छक्के लगाना आसान होता है क्या? 390 के स्ट्राइक रेट से स्कोर बोर्ड पर रन जोड़ना भी कोई आसान काम है क्या? शिमरोन हेटमायर ने यही तो किया है. उन्होंने होबार्ट हरिकेन्स के खिलाफ यही तो किया है. गुयाना अमेजन वॉरियर्स के 3 विकेट सिर्फ 42 रन पर गिर गए थे. लेकिन, उसके बाद क्रीज पर आए शिमरोन हेटमायर ने धागे खोल दिए. उनकी इनिंग की सबसे खास बात ये रही कि वो दिखने में जितनी छोटी है, उतनी ही ज्यादा विस्फोटक है.

जसप्रीत बुमराह खेले तो भारत हारता है, चौथे टेस्ट से पहले ये कैसा बेतुका बयान दे गया अंग्रेज?

मैनचेस्टर, 17 जुलाई (एजेंसियां)। भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट मैच होने वाला है। इस मैच से पहले ये सवाल बहुत ज्यादा उठ रहा है कि क्या जसप्रीत बुमराह खेलेंगे? अभी तक कुछ भी साफ नहीं है। इन अटकलों के बीच, इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर डेविड लॉयड ने अपनी राय दी है। लॉयड के अनुसार, बुमराह को मैनचेस्टर में नहीं खेलना चाहिए। उनका मानना है कि बुमराह के खेलने से भारत को ज्यादा नुकसान होता है।

डेविड लॉयड ने कहा, 'यह असाधारण है। ऐसा कहा गया कि जब वह खेलते हैं तो वे हारते ज्यादा हैं। जबकि वह दुनिया के सबसे अच्छे गेंदबाज हैं। उनका एक्शन अजीब और खतरनाक है, लेकिन वह बहुत अच्छे इंसान हैं।' लॉयड ने आगे बताया कि बुमराह के खेलने और न खेलने पर क्या हो सकता है। उन्होंने कोच गौतम गंभीर के हवाले से यह भी कहा कि बुमराह पांच में से तीन टेस्ट खेलेंगे। अब देखना यह है कि वे आगे क्या फैसला लेते हैं। लॉयड ने कहा कि बुमराह को लेकर टीम के पास विकल्प हैं। अभी दो मैच बाकी हैं और बुमराह दो खेल चुके हैं। अगर टीम अपनी बात पर कायम रहती है, तो उन्हें ओल्ड ट्रैफर्ड में अगला मैच खेलना चाहिए। लेकिन वे इसे बदल भी सकते हैं। अगर बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में खेलते हैं और भारत 2-2 से बराबरी कर लेता है, तो वह ओवल में भी खेल सकते हैं। लॉयड ने कहा कि वह अंदाजा लगा रहे हैं कि बुमराह अगला मैच खेलेंगे और देखेंगे कि क्या होता है।

कुलदीप यादव को क्यों नहीं मिल रहा है प्लेइंग 11 में मौका?

खेल डेस्क, 17 जुलाई (एजेंसियां)। इंग्लैंड टेस्ट सीरीज के लिए स्पिन गेंदबाज कुलदीप यादव को भी टीम में रखा गया है, लेकिन अभी तक इस गेंदबाज को इस सीरीज में एक भी मैच में खेलने का मौका नहीं मिला है। अभी तक सीरीज के 3 मैच खेले जा चुके हैं। स्पिन गेंदबाज के रूप में रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को खेलते हुए देखा गया है। कुलदीप यादव के बचपन कोच कपिल देव पांडे कहा "कुलदीप का खेलना उतना अहम नहीं जितना देश का जीतना है। शुरुआत में लगा था कि कुलदीप को प्लेइंग इलेवन में मौका मिलेगा, लेकिन तेज गेंदबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसलिए अभी तक कुलदीप को मौका नहीं मिला है।"

शर्त मानो नहीं तो सीरीज रद्द

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को दी धमकी

इस्लामाबाद, 17 जुलाई (एजेंसियां)। अगले महीने पाकिस्तानी टीम वेस्टइंडीज का दौरान करने वाली है. इस दौरान वो मेजबान टीम से T20I और वनडे सीरीज खेलने वाली थी, लेकिन इसी बीच पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को बड़ा झटका दे दिया. उसने वेस्टइडीज के सामने एक नई शर्त रख दी है. रिपोर्ट्स के मुताबिक शर्त न मानने पर उसने सीरीज रद्द करने की धमकी दे दी है. पाकिस्तान का ये दौरा 1 अगस्त से शुरू होने वाला था, लेकिन अब इस दौरे पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं. पाकिस्तान वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे क्रिकेट नहीं खेलना चाहता है. उसने इसकी जानकारी वेस्टइंडीज बोर्ड को दे दी है. पाकिस्तान टीम 1 से 12 अगस्त तक अमेरिका और कैरेबियाई द्वीपों का दौरा करने वाली है. इस दौरान वो वेस्टइंडीज से तीन टी20आई और तीन वनडे मैचों की सीरीज खेलने वाली थी, लेकिन अब पाकिस्तान केवल टी20आई ही खेलना चाहता है. उसने वनडे खेलने से मना कर दिया है. क्रिकबज के रिपोर्ट्स के मुताबिक पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने कथित तौर पर वेस्टइंडीज को धमकी दी है कि अगर वे अगस्त में वनडे मैचों की जगह टी20आई मैच नहीं खेलते हैं, तो उन्हें दूसरे विकल्पों पर विचार करना होगा.

सीएम ने तेलंगाना के नदी जल को भारी नुकसान पहुंचाने के लिए केसीआर की आलोचना की

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने आरोप लगाया है कि पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने तेलंगाना राज्य को भारी नुकसान पहुंचाया है और पानी के संबंध में केसीआर द्वारा किए गए अन्याय को तेलंगाना के किसान कभी माफ नहीं करेंगे। गुरुवार को नई दिल्ली में मीडियाकर्मियों के साथ बातचीत में, रेवंत रेड्डी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें तेलुगु राज्यों के बीच जल विवादों को सुलझाने के लिए मिलकर काम कर रही हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि केंद्र सरकार ने बनकाचेरला प्रस्तावित परियोजना पर बैठक में क्या हुआ, इसकी जानकारी प्रदान की है। मेरी व्यक्तिगत रूप से किसी से कोई दुश्मनी या प्रतिद्वंद्विता नहीं है, बीआरएस अध्यक्ष केसीआर सहित, जो मेरे केवल एक राजनीतिक विरोधी हैं।

हालांकि, मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी केसीआर (के. चंद्रशेखर राव) को बचाने के लिए गंभीर प्रयास कर रहे हैं और इसीलिए वह कालेश्वरम और फोन टैपिंग मामलों की जांच सीबीआई से कराने की मांग कर रहे हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि सभी केंद्रीय जांच एजेंसियां उनके हाथों में हैं, इसलिए केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी को यह लग सकता है कि काम आसान हो जाएगा। रेवंत रेड्डी ने यह भी सवाल उठाया कि केटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश के मंत्री नारा लोकेश से गुप्त रूप से मुलाकात क्यों की और आधी रात को रात्रिभोज बैठक आयोजित करने का क्या कारण था। मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के आसपास नशा करने वालों का एक गिरोह है और नशा करने वालों की बातों पर ध्यान देने की कोई जरूरत नहीं है। रेवंत रेड्डी ने यह भी सवाल किया, ड्रग टेस्ट के लिए बुलाए जाने पर कौन भाग गया? उन्होंने बताया कि केटीआर के साथी और दोस्त केदार की दुबई में ड्रग्स लेने के बाद मौत हो गई थी और इससे जुड़ी पूरी फोरेंसिक रिपोर्ट सामने आ गई है। मुख्यमंत्री ने केटीआर पर निशाना साधते हुए कहा कि वह बाथरूम साफ़ करने वालों से कोई बातचीत नहीं करेंगे।

उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व मंत्री और बीआरएस नेता जगदीश रेड्डी को शराब में सोडा मिलाने के अलावा कुछ नहीं पता था। उन्होंने कहा कि फ़ोन टैपिंग मामले की जांच तेज़ कर दी गई है और जल्द ही सारी सच्चाई सामने आ जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मामले को लेकर बेवजह हंगामा नहीं करेंगे, लेकिन उन्होंने केंद्र सरकार पर इस मामले में दखलंदाज़ी और बाधा डालने का आरोप लगाया।

रेवंत रेड्डी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कालेश्वरम परियोजना में भ्रष्टाचार के संबंध में कोई कार्रवाई नहीं की है और सत्ता में आने के बाद ही गिरफ़्तारियां की जा रही हैं। उन्होंने टिप्पणी की कि किसी भी हालत में केसीआर परिवार को जाने देने का सवाल ही नहीं उठता। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि वे तुम्मिडीहट्टी परियोजना के लिए महाराष्ट्र का दौरा करेंगे और दोहराया कि ढाई साल में एक लाख नौकरियां पैदा की जाएंगी।

बीआरएस ने पुलिस ज्यादती को लेकर की रेवंत रेड्डी की आलोचना

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी दासोजू श्रवण ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना को पुलिस राज्य की तरह चलाने और पुलिस को राजनीतिक बदला लेने का हथियार बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार से सवाल पूछने पर बीआरएस कार्यकर्ताओं और नेताओं को परेशान करने के लिए उनके खिलाफ 5,000 से ज़्यादा झूठे मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने कहा, राज्य में सरकार से सवाल करना या विरोध प्रदर्शन करना अपराध बन गया है। पुलिस अपने राजनीतिक आकाओं के इशारे पर काम कर रही है, जिसकी कीमत राज्य में बढ़ते अपराध दर को चुकानी पड़ रही है। उन्होंने राज्य में अपराध में 43 प्रतिशत और बलात्कार की घटनाओं में 28.9 प्रतिशत की वृद्धि का हवाला दिया।

तेलंगाना के 14 गांवों को चंद्रपुर जिले में मिलाया जाएगा : बावनकुले

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की घोषणा कि राज्य सरकार ने तेलंगाना से 14 गांवों को विलय करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, ने विभिन्न वर्गों में चिंता और बहस शुरू कर दी है। रिपोर्टों के अनुसार, चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया कि महाराष्ट्र सरकार के पास राजस्व रिकॉर्ड हैं, और कहा कि 14 ग्रामीण राज्य के मतदाता हैं और उन्हें महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में मिला दिया जाएगा।

राजुरा और जिवती तालुकाओं में स्थित ये 14 गाँव तेलंगाना के आदिलाबाद और महाराष्ट्र की सीमा से सटे हैं। रिपोर्टों के अनुसार, मुंबई में बावनकुले की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय बैठक हुई और 14 गांवों के प्रतिनिधियों और चंद्रपुर जिले के अधिकारियों ने भी बैठक में भाग लिया। दिलचस्प बात यह है कि अतीत में, कई गांव, खासकर निज़ामाबाद और आदिलाबाद ज़िलों के गांव, तेलंगाना में विलय की मांग कर रहे थे। 2018 में, नांदेड़ ज़िले के धर्माबाद के कई गांवों ने तेलंगाना में विलय के लिए एक प्रस्ताव भी पारित किया था।

2019 में, महाराष्ट्र के नांदेड़, नलगांव, भोकर, देग्लूर, किनवट और हथगांव के नेताओं ने पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की थी और उनसे अपने गांवों को तेलंगाना में विलय करने पर विचार करने का आग्रह किया था। इसी तरह, रायचूर सिटी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा विधायक शिवराज पाटिल ने भी शहर को तेलंगाना में विलय करने की मांग की थी। ये सभी मांगें तेलंगाना सरकार की किसान-हितैषी नीतियों, जिनमें रैतु बंधु, रैतु बीमा और अन्य शामिल हैं, से प्रभावित होकर की गईं। महाराष्ट्र के मंत्री की घोषणा पर चिंता जताते हुए, उद्यमी नयिनी अनुराग रेड्डी ने एक्स पर कहा, 2022 में, महाराष्ट्र के 14 गांव तेलंगाना में शामिल होना चाहते थे। क्यों? क्योंकि उनका मानना था कि बीआरएस प्रमुख के चंद्रशेखर राव उन्हें अपने राज्य की तुलना में बेहतर कल्याण, शक्ति और सम्मान देंगे। अनुराग रेड्डी ने ज़ोर देकर कहा, 2025 में, कांग्रेस के नेतृत्व में, महाराष्ट्र तेलंगाना से 14 गांव छीनना चाहता है। क्यों? क्योंकि हमारा नेतृत्व ध्वस्त और अज्ञानी है। जब आप अज्ञानी होते हैं तो यही होता है, कुछ आपकी ज़मीन पर दावा करते हैं, कुछ आपके पानी का रुख मोड़ देते हैं और कुछ दूसरे राज्यों में बैठकर आपका नक्शा बदल देते हैं।

डाकघरों में 27 को नो ट्रांजेक्शन डे रहेगा

उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) एप्लीकेशन की शुरूआत

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। डाक विभाग को अगली पीढ़ी के उन्नत डाक प्रौद्योगिकी (एपीटी) एप्लीकेशन की शुरूआत की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, जो डिजिटल उत्कृष्टता और राष्ट्र निर्माण की दिशा में हमारी यात्रा में एक बड़ी छलांग है। इस परिवर्तनकारी पहल के तहत, उन्नत प्रणाली 22 जुलाई को तेलंगाना राज्य के सभी डाकघरों में लागू की जाएगी (रंगारेड्डी, नलगोंडा और यादाद्री-भोंगिरी जिलों के डाकघरों को छोड़कर, जहां 8 जुलाई को एपीटी एप्लीकेशन शुरू किया गया था)। इस उन्नत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म पर निर्बाध और सुरक्षित संक्रमण को सक्षम करने के लिए, 21 जुलाई को एक नियोजित डाउनटाइम निर्धारित किया गया है। इसलिए, 21 जुलाई को, डाकघरों में ऊपर बताए अनुसार कोई भी सार्वजनिक लेनदेन नहीं किया जाएगा। सेवाओं का यह अस्थायी निलंबन डेटा माइग्रेशन, सिस्टम सत्यापन और कॉन्फ़िगरेशन प्रक्रियाओं को सुगम बनाने के लिए आवश्यक है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि नई प्रणाली सुचारू और कुशलतापूर्वक क्रियान्वित हो। एपीटी एप्लीकेशन को बेहतर उपयोगकर्ता अनुभव, तेज़ सेवा वितरण और अधिक ग्राहक-अनुकूल इंटरफ़ेस प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो स्मार्ट, कुशल और भविष्य के लिए तैयार डाक संचालन प्रदान करने के लिए हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सहायक पोस्टमास्टर जनरल, तेलंगाना सर्कल, हैदराबाद वाई. नरेश ने कहा कि हम अपने ग्राहकों से अनुरोध करते हैं कि कृपया अपनी यात्राओं की योजना पहले से बना लें और इस संक्षिप्त व्यवधान के दौरान हमारे साथ धैर्य रखें। हमें हुई किसी भी असुविधा के लिए गहरा खेद है और हम आपको आश्वस्त करते हैं कि ये कदम प्रत्येक नागरिक को बेहतर, तेज़ और अधिक डिजिटल रूप से सशक्त सेवाएँ प्रदान करने के हित में उठाए जा रहे हैं।

बीआरएस कार्यकर्ता नल्ला बालू गिरफ्तार, मिली जमानत

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सोशल मीडिया एक्टिविस्ट और बीआरएस कार्यकर्ता शशिधर गौड़ उर्फ नल्ला बालू को गुरुवार सुबह करीमनगर जेल से रिहा होने के कुछ ही देर बाद फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। उनकी गिरफ्तारी प्लेटफॉर्म एक्स पर8 आधिकारिक बीआरएस हैंडल से एक राजनीतिक पोस्ट को रीट्वीट करने के सिलसिले में हुई।

मंगलवार को गोदावरीखानी की अतिरिक्त जिला अदालत से ज़मानत मिलने के बावजूद, शशिधर को रामागुंडम पुलिस ने इसी तरह के एक मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले, रीट्वीट के लिए करीमनगर, रामागुंडम, हैदराबाद और गोदावरीखानी में उनके खिलाफ पांच अलग-अलग एफआईआर दर्ज की गई थीं। करीमनगर साइबर क्राइम पुलिस ने 29 जून को स्वतः संज्ञान लेते हुए उन्हें गिरफ्तार किया था। बीआरएस नेताओं का आरोप है कि शशिधर को सिर्फ़ एक राजनीतिक पोस्ट शेयर करने के लिए 16 दिनों तक जेल में रहना पड़ा, जिसमें कोई अपमानजनक या झूठी सामग्री नहीं थी। बुधवार शाम पुलिस की एक टीम उन्हें गिरफ़्तार करने पहुंची थी, लेकिन जेल के बाहर जमा भीड़ के कारण उन्हें वापस लौटना पड़ा।

गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने बार-बार हो रही गिरफ्तारियों की निंदा की और अधिकारियों को ऐसी 'भयानक मिसालें' कायम करने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने पुलिस को याद दिलाया कि कोई भी हमेशा सत्ता में नहीं रहता और जब बीआरएस सत्ता में आएगी, तो ऐसी हर पुलिसिया ज्यादती की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने आगे कहा, हमें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और हम अपने लोकतांत्रिक अधिकारों के लिए लड़ते और उनकी रक्षा करते रहेंगे।

सिंगुर नहरों में छोड़ा गया पानी

संगारेड्डी, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। सिंगुर नहरों के अंतर्गत आने वाले आयाकट के लिए दो सीजन की फसल अवकाश के बाद, स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने गुरुवार को सिंगुर बायीं तट नहर में 100 क्यूसेक पानी छोड़ा।

चूंकि सिंचाई विभाग ने पिछले वर्ष सिंगूर नहरों पर लाइनिंग का काम शुरू किया था, इसलिए सरकार ने लगातार दो मौसमों के लिए फसल अवकाश घोषित कर दिया। परियोजना में अभी 18.464 टीएमसी फीट पानी है, जबकि इसकी पूरी क्षमता 29.91 टीएमसी फीट है। परियोजना के अंतर्गत जलाशय में 40,000 एकड़ का आयाकट है। पानी छोड़े जाने से जिले भर में धान की रोपाई को बढ़ावा मिलेगा।

पूर्व मंत्री जगदीश ने तेलंगाना के जल अधिकारों को चंद्रबाबू के हाथों गिरवी रखने का आरोप लगाया

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक और पूर्व मंत्री जी जगदीश रेड्डी ने तेलंगाना के जल अधिकार आंध्र प्रदेश को सौंपने के लिए मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी की आलोचना की। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू की बनाई पटकथा पर चलने का आरोप लगाया और उनके इस्तीफे की मांग करते हुए दावा किया कि उन्होंने एक बार फिर तेलंगाना के लोगों के साथ विश्वासघात किया है। गुरुवार को तेलंगाना भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, जगदीश रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार गोदावरी और कृष्णा नदियों के जल के संबंध में तेलंगाना के कठिन परिश्रम से अर्जित अधिकारों से समझौता कर रही है। उन्होंने तर्क दिया कि रेवंत रेड्डी ने चंद्रबाबू नायडू के पक्ष में राज्य के हितों की बलि दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री की ईमानदारी को भी चुनौती दी और रेवंत रेड्डी के पहले के बयान में विरोधाभास की ओर इशारा किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वह बनकाचारला पर चर्चा करने वाली बैठक में शामिल नहीं होंगे, फिर भी वह बैठक में गए। जगदीश रेड्डी ने आगे दावा किया कि एकीकृत आंध्र प्रदेश में छह दशकों से चल रहा जल विनियोजन मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी द्वारा ही संभव बनाया गया है, जिनके बारे में उनका मानना है कि उन्होंने अपना रुख बदल दिया है और चंद्रबाबू नायडू के लाभ के लिए तेलंगाना के हितों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि तेलंगाना विरोधी ताकतें राज्य के खिलाफ एकजुट होकर उसे नदी के पानी के उचित हिस्से से वंचित कर रही हैं। पूर्व मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि रेवंत रेड्डी को तुरंत इस्तीफ़ा दे देना चाहिए, और दावा किया कि दिल्ली दौरे के दौरान आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष के साथ गुप्त समझौते करने का उन्हें कोई अधिकार नहीं है। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर अपनी स्थिति बचाने के लिए तेलंगाना के हितों से समझौता करने का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, "रेवंत रेड्डी ने शीर्ष परिषद की बैठक क्यों नहीं बुलाई? क्या उन्हें फिर से जेल जाने की चिंता है?" जगदीश रेड्डी ने अनुमान लगाया कि रेवंत रेड्डी इस विश्वासघात से जनता का ध्यान हटाने के लिए बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव को निशाना बनाकर और नए नोटिस जारी करके ध्यान भटकाने की रणनीति अपना सकते हैं। उन्होंने कालेश्वरम परियोजना के पंपों को चालू न करने और चुपचाप गोदावरी नदी का पानी रायलसीमा में छोड़ने में मदद करने के लिए मुख्यमंत्री की भी आलोचना की। उन्होंने दावा किया कि भाजपा नेता आंध्र प्रदेश में अपने राजनीतिक लाभ के लिए रेवंत रेड्डी के साथ गठबंधन कर रहे हैं। जगदीश रेड्डी ने आगाह किया कि बीआरएस तेलंगाना और उसके अधिकारों के मुद्दे पर चुप नहीं बैठेगी।

नवविवाहित जोड़ा घर में फंदे से लटका मिला

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। चार महीने पहले शादी करने वाला एक जोड़ा बुधवार को अंबरपेट के लक्ष्मी नगर कॉलोनी स्थित अपने घर में मृत पाया गया। उत्तर प्रदेश की रहने वाली आसिया हाशिम खान (29) और राजस्थान के पवन कुमावत (21), जिनकी चार महीने पहले शादी हुई थी, बुधवार शाम को गोलनाका के लक्ष्मी नगर स्थित अपने किराए के घर में फांसी पर लटके पाए गए।

स्थानीय लोगों ने जब देखा कि दम्पति सुबह से घर से बाहर नहीं निकले हैं तो उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने दम्पति के एक परिचित को इसकी सूचना दी, जो मौके पर पहुंचा। कुछ संदिग्ध लगने पर पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने घर का दरवाज़ा तोड़ा और पाया कि दंपति पंखे से लटके हुए थे। दंपति के रिश्तेदारों और दोस्तों ने पुलिस को बताया कि वे आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे, जिसके चलते उनके बीच छोटे-मोटे विवाद होते रहते थे। अंबरपेट इंस्पेक्टर टी. किरण कुमार ने कहा, संभवतः दंपत्ति आर्थिक तंगी के कारण अवसाद में आ गए होंगे और उन्होंने अपनी जान दे दी होगी। मामला दर्ज कर लिया गया है और सभी पहलुओं से जांच की जा रही है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए उस्मानिया शवगृह भेज दिया गया।

पीआरएसआई और एनएमडीसी ने मनाया विश्व जनसंपर्क दिवस

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जनसंपर्क सोसाइटी (पीआरएसआई) के हैदराबाद चैप्टर ने राष्ट्रीय खनिज विकास निगम (एनएमडीसी) के सहयोग से फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (एफटीसीसीआई), रेड हिल्स, हैदराबाद में बड़े उत्साह और पेशेवर जोश के साथ विश्व जनसंपर्क दिवस मनाया। इस कार्यक्रम में आधुनिक जनसंपर्क के जनक माने जाने वाले आइवी लेडबेटर ली की विरासत को याद किया गया और कूटनीति, शासन, कॉर्पोरेट संचार और मीडिया में जनसंपर्क की उभरती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। मुख्य भाषण देते हुए, तेलंगाना राज्य के लिए हैदराबाद में बुल्गारिया के मानद वाणिज्य दूत, लायन डॉ. किरण कुमार ने समाज में विश्वास और ब्रांड छवि को पोषित करने में जनसंपर्क की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर दिया। उन्होंने जनसंपर्क पेशेवरों से सकारात्मकता फैलाने की पहल करने का अनुरोध करते हुए कहा, जनसंपर्क केवल एक संचार माध्यम नहीं है, बल्कि एक सेतु है जो लोगों, संस्कृतियों और देशों को जोड़ता है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने व्यावसायिक विकास में लोगों तक पहुंचने के लिए पीआरएसआई से बहुत कुछ सीखा है। उन्होंने पीआरएसआई कोष के लिए 1 लाख रुपये की घोषणा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार और पत्रकारिता शिक्षक डॉ.एस. रामू ने विश्व जनसंपर्क दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला और अत्यधिक ध्रुवीकृत दुनिया में जनसंपर्क अभ्यास में नैतिकता, सच्चाई और पारदर्शिता की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ.के. यादगिरी ने पीआरएसआई की देशव्यापी उपस्थिति और विभिन्न क्षेत्रों में जनसंपर्क ज्ञान और क्षमताओं को समृद्ध करने के उद्देश्य से इसकी व्यावसायिक विकास पहलों के बारे में बताया। पीआरएसआई हैदराबाद चैप्टर की सचिव अपर्णा राजहंस ने व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की सह-मेजबानी में एनएमडीसी द्वारा दिए गए सहयोग की सराहना की और जनसंपर्क को एक रणनीतिक अनुशासन के रूप में उन्नत करने में ऐसी साझेदारियों के महत्व को रेखांकित किया।

इस समारोह में कई प्रतिष्ठित जनसंपर्क कार्यकर्ता, पदाधिकारी, कार्यकारी समिति के सदस्य, राष्ट्रीय परिषद के प्रतिनिधि, चैप्टर के संरक्षक और सलाहकार, साथ ही प्रमुख संस्थानों के जनसंपर्क एवं पत्रकारिता संकाय और छात्र उपस्थित थे। एक हार्दिक अभिनंदन समारोह में, चैप्टर ने डॉ.एस. रामू को पिछले कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष के रूप में उनकी समर्पित सेवा और नेतृत्व के लिए सम्मानित किया। मज़बूत संस्थागत साझेदारी बनाने और युवा पेशेवरों को मार्गदर्शन देने में उनके योगदान की समुदाय द्वारा हार्दिक सराहना की गई।

दुर्घटना में श्रम मंत्री विवेकानंद बाल-बाल बचे

मेदक, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम मंत्री जी विवेकानंद बाल-बाल बच गए, हालांकि उनके काफिले की कई कारें उस समय क्षतिग्रस्त हो गईं, जब एक कार चालक ने गुरुवार को मेदक जिले के नरसापुर के निकट एक दोपहिया सवार को टक्कर मारने से बचाने के लिए अचानक ब्रेक लगा दिए। विवेक नरसापुर और मेदक मंडल में कई सरकारी कार्यक्रमों में भाग लेने जा रहे थे। हालांकि उनमें से कोई घायल नहीं हुआ, लेकिन काफिले की कम से कम 4 कारें क्षतिग्रस्त हो गईं।

किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय महत्व के मामलों पर मुख्यमंत्री रेवंत को पत्र लिखा

हैदराबाद, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को राष्ट्रीय महत्व के उन मामलों पर पत्र लिखा है जिन पर तेलंगाना सरकार को तत्काल विचार करना चाहिए और सक्रिय सहयोग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोयला मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसयू), विशेष रूप से कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने सौर और पवन ऊर्जा संयंत्रों, पंप भंडारण परियोजनाओं (पीएसपी) और बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों (बीईएसएस) सहित महत्वपूर्ण नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के कार्यान्वयन में तेलंगाना राज्य के साथ साझेदारी करने की दृढ़ प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इन पहलों से अगले तीन वर्षों में 10,000 करोड़ तक के निवेश आकर्षित होने का अनुमान है। प्रमुख प्रस्तावों में तेलंगाना के उच्च सौर विकिरण क्षेत्रों का उपयोग करके सौर ऊर्जा संयंत्रों का विकास, ग्रिड स्थिरता और ऊर्जा विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए उन्नत बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणालियों की स्थापना शामिल है, महत्वपूर्ण संतुलन क्षमता प्रदान करने के लिए पंप स्टोरेज परियोजनाओं का पूर्व-व्यवहार्यता अध्ययन और कार्यान्वयन और राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों के साथ या कोयला कंपनियों द्वारा एकल आधार पर संयुक्त उद्यम मॉडल का गठन, ताकि परियोजनाओं का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके और स्थानीय आर्थिक लाभ को अधिकतम किया जा सके। इन सभी प्रस्तावों और परियोजनाओं के लिए राज्य सरकार द्वारा भूमि अधिग्रहण/आवंटन में सहायता की आवश्यकता होगी। किशन रेड्डी ने कहा कि ये परियोजनाएं कार्बन उत्सर्जन में कमी, वायु गुणवत्ता में सुधार और सतत प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन में सहायक होंगी। ये परियोजनाएं रोजगार सृजन, कौशल विकास, बेहतर ऊर्जा सुरक्षा और किफायती बिजली उपलब्धता सहित पर्याप्त सामाजिक-आर्थिक लाभ भी प्रदान करती हैं, जिससे समावेशी विकास को बढ़ावा मिलता है।

यूरिया के लिए किसानों की लंबी कतारें

नारायणपेट, 17 जुलाई (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को यहां के मकथल कस्बे में विभिन्न गांवों के किसान यूरिया के लिए लंबी कतारों में खड़े हैं। पासबुक लिए ये किसान सुबह-सुबह प्राथमिक कृषि सहकारी समिति पहुंच गए और अपनी बारी का इंतज़ार करने लगे। कतार में खड़े-खड़े थककर चूर हो चुके किसानों ने कतार में अपनी बारी आने का संकेत देने के लिए पत्थर और जूते रख दिए हैं। पशुपालन मंत्री वी. श्रीहरि के निर्वाचन क्षेत्र में यह स्थिति होने से किसान नाराज हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि निजी व्यापारी अपने गोदामों में पर्याप्त यूरिया स्टॉक बनाए हुए हैं और कमी का हवाला देकर इसे अत्यधिक कीमतों पर बेच रहे हैं। उन्होंने कृषि सहकारी समिति से पर्याप्त यूरिया उपलब्ध कराने की मांग की और विरोध प्रदर्शन की धमकी दी। राज्य में अलग-अलग जगहों पर भी ऐसे ही नज़ारे देखने को मिले। किसान राज्य सरकार पर खेती के मौसम से पहले पर्याप्त यूरिया स्टॉक उपलब्ध कराने में नाकाम रहने के लिए नाराज़ हैं। हनमकोंडा के परकल स्थित कृषि बाज़ार में पुरुष और महिलाएं लंबी कतारों में खड़े हैं। लंबी कतारों में खड़े किसानों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। एक वीडियो में, एक महिला किसान कहती हुई दिखाई दे रही है, हम 10 दिनों से इंतज़ार कर रहे हैं। यूरिया की कमी के कारण हमने अभी तक खेतों में खेती शुरू नहीं की है। सरकार को यूरिया की आपूर्ति के बारे में स्पष्ट घोषणा करनी चाहिए, अगर पर्याप्त यूरिया नहीं मिला तो हम इस मौसम में खेती नहीं करेंगे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.